राष्ट्रीय संस्करण



देश को जल्द मिलेगी ड्रोन रोधी स्वदेशी तकनीक : शाह >>3

वर्ष 5 अंक 38

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00, नई दिल्ली, रविवार, 18 जुलाई, 2021

www.jagran.com

पृष्ठ 14

रविवार विशेष

बंजर जमीन को उपजाऊ बनाया और लिखी तकदीर



सागर : मध्य प्रदेश के सागर जिले के आदिवासी गांव मरामाधी में पानी को लोग मोहताज थे, पथरीली बंजर जमीन होने से खेती का साधन नहीं था। ग्रामीणों ने सामूहिक श्रम से बंजर जमीन को उपजाऊ बनाया, पानी की व्यवस्था की और लिख दी अपनी तकदीर। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

अब लदने चाहिए अंग्रेजों के जमाने के कानूनों के दिन

नई दिल्ली : देश में अंग्रेजों के जमाने वाले कानूनों की जगह नए कानून लागू करने की जरूरत महसूस होने लगी है। सर्वोच्च न्यायालय में इस संबंध में एक जनहित याचिका दाखिल हुई है। इस याचिका में 161 साल पुरानी आइपीसी (भारतीय दंड संहिता) को खत्म कर समग्र कड़े दंड विधान वाली नई आइपीसी लागू करने की मांग की गई है।

राजनीति ▸ पृष्ठ 4

पीएम मोदी से पवार की लंबी मुलाकात से सियासी अटकलें

नई दिल्ली : राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस भेंट से दिल्ली और महाराष्ट्र के साथ देश भर में सियासी अटकलें लगने लगी हैं। हालांकि पीएमओ व पवार की ओर से किए गए ट्वीट से जो चीजें छनकर सामने आई उनसे बैठक में बैंकिंग संशोधन कानून व सहकारिता क्षेत्र समेत कई मुद्दों पर चर्चा होने की बात कही जा रही है।

राष्ट्रीय फलक ▸ पृष्ठ 6

अगस्त के अंत तक तीसरी लहर दे सकती है दस्तक

नई दिल्ली : भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद में महामारी विज्ञान एवं संक्रामक रोग विभाग के प्रमुख डा. समीरन पांडा का कहना है कि अगस्त के अंत तक तीसरी लहर दस्तक दे सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले की दोनों लहरों में जिन राज्यों में ज्यादा दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला है, वहां तीसरी लहर में गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 11

अफगान सेना ने तीन जिलों से तालिबान आतंकियों को खदेड़ा

काबुल : अफगानिस्तान में हिंसा रोकने के लिए कतर की राजधानी दोहा में एक बार फिर अफगान सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता शुरू हो गई। बातचीत में काम चलाऊ सरकार, युद्ध विराम और कैदियों की अदला-बदली पर विचार हो रहा है। वार्ता के दौरान ही अफगान सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान तीन जिलों से तालिबान को खदेड़ दिया।

विश्वविद्यालयों, कालेजों में एक अक्टूबर से शुरू होगा नया सत्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

विश्वविद्यालयों और कालेजों में नए शैक्षणिक सत्र को लेकर फिलहाल असमंजस खत्म हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने शनिवार को इसको लेकर एक विस्तृत गाइड लाइन जारी कर दी है। इसके तहत एक अक्टूबर से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होगा। इससे पहले यानी 30 सितंबर तक विश्वविद्यालयों और कालेजों को अपनी दाखिले की प्रक्रिया को पूरा करना होगा। यूजीसी ने गाइड लाइन में यह भी साफ किया है कि दाखिले की प्रक्रिया केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) सहित सभी बोर्डों का 12वीं का रिजल्ट आने के बाद ही शुरू होगी। यूजीसी ने इसके साथ ही अंतिम वर्ष की परीक्षाओं को लेकर स्थिति स्पष्ट की है और इन्हें अनिवार्य बताया है। साथ ही विश्वविद्यालयों और कालेजों से इन्हें आनलाइन या आफलाइन मोड में 31 अगस्त से पहले कराने को भी कहा है। यूजीसी ने इस दौरान सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से कोरोना का तय प्रोटोकाल कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने को भी कहा है।

बोर्ड के रिजल्ट में देरी पर 18 अक्टूबर तक शुरू कर सकते हैं सत्र : यूजीसी ने नई गाइड लाइन में कहा है कि वैसे तो सुप्रीम कोर्ट ने सभी शिक्षा बोर्ड से 31 जुलाई तक 12वीं का रिजल्ट घोषित करने को कहा है। ऐसे में इसके बाद दाखिले की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। लेकिन यदि बोर्ड का रिजल्ट देरी से घोषित होता है, तो नया शैक्षणिक सत्र 18 अक्टूबर तक शुरू कर सकते हैं।

स्नातक और स्नातकोत्तर को ध्यान में रखकर तैयार किया कैलेंडर : खास बात यह है नया एकेडमिक कैलेंडर स्नातक और स्नातकोत्तर के पहले वर्ष को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यूजीसी ने इस बीच विश्वविद्यालयों और कालेजों से शैक्षणिक सत्र 2021-22 को 31 जुलाई, 2022 तक पूरा करने को कहा है, जिसमें परीक्षाएं भी करानी होंगी।

भविष्य की चिंता

- उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र को लेकर खत्म हुआ असमंजस
- यूजीसी ने जारी की गाइड लाइन, 30 सितंबर तक पूरी होगी दाखिला प्रक्रिया
- 31 अगस्त तक अंतिम वर्ष की परीक्षाओं को कराने के निर्देश भी दिए



खत्म हुआ असमंजस। फाइल/इंटरनेट मीडिया

नए सत्र को लेकर थी अनिश्चितता

खास बात यह है कि यूजीसी ने यह गाइड लाइन तब जारी की है, जब नए सत्र को लेकर विश्वविद्यालयों में काफी अनिश्चितता थी। इसके चलते वे नए सत्र की तैयारी भी नहीं कर पा रहे थे। कई विश्वविद्यालयों ने यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय से इस संबंध में मार्गदर्शन भी मांगा था।

31 अक्टूबर तक एडमिशन कैंसिल कराने पर लौटानी होगी पूरी फीस

- कोरोना संकटकाल में लोगों की वित्तीय दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जरूरी निर्देश दिए हैं।
- यदि कोई छात्र दाखिला लेने के बाद 31 अक्टूबर तक प्रवेश निरस्त कराता है, तो संस्थान को पूरी फीस वापस करनी होगी।
- यूजीसी ने शिक्षण संस्थानों से इसे स्पेशल केस के रूप में देखने को कहा है।
- यदि कोई छात्र 31 दिसंबर, 2021 तक एडमिशन कैंसिल कराता है, तो भी प्रोसेसिंग फीस काटकर पूरी फीस लौटाने को कहा गया है।
- संस्थानों से प्रोसेसिंग फीस के रूप में एक हजार रुपये से अधिक नहीं काटने के लिए कहा गया है।

नहीं होगा सीयूसेट, कटआफ जारी कर दाखिला देगा डीयू

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में दाखिले को लेकर संशय खत्म हो गया है। डीयू ने शनिवार को स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की घोषणा की। स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया दो अगस्त से और स्नातकोत्तर में 26 जुलाई से शुरू होगी। स्नातक के मेरिट आधारित पाठ्यक्रमों में दाखिला पूर्व की भांति कटआफ के जरिये ही होंगे। इस बार सेंट्रल यूनिवर्सिटी कामन एंट्रेंस टेस्ट (सीयूसेट) से दाखिले नहीं होंगे। दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह आनलाइन होगी। (पेज-2)

पंजाब और कर्नाटक में सियासी फेरबदल तय

चार कार्यकारी अध्यक्षों के साथ सिद्धू बनेंगे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

कामयाब होती दिख रही अमरिंदर की नाराजगी को थामने की पहल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस हाईकमान की पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की नाराजगी को थामने की पहल कामयाब होने के बाद अब नवजोत सिंह सिद्धू का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। पार्टी ने सिद्धू समेत पंजाब कांग्रेस में होने वाले बदलाव के स्पष्ट संकेत भी दे दिए हैं। चंडीगढ़ से अमरिंदर को मनाकर दिल्ली लौटते ही पंजाब के प्रभारी कांग्रेस महासचिव हरीश रावत ने कैप्टन-सिद्धू के बीच जारी विवाद का हल निकलने की ओर इशारा करते हुए कहा कि अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के फैसले को स्वीकार करने की बात दोहरायी है। सूबे के सामाजिक समीकरण को साधने के लिए पंजाब में चार कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति करने के भी पुख्ता संकेत कांग्रेस ने दिए हैं।

पार्टी ने संकेत दिया है कि सिद्धू की नियुक्ति के एलान से पहले पंजाब कांग्रेस की मौजूदा कड़वाहट को खत्म करने की पहल भी होगी। इस क्रम में सिद्धू को अमरिंदर सिंह से मिलकर गिले-शिकवे दूर करने को कहा जाएगा। सूत्रों का कहना है कि हरीश रावत से बातचीत के दौरान कैप्टन ने सिद्धू के व्यवहार और उन पर किए गए सियासी हमलों को लेकर क्षोभ जाहिर किया।

सोनिया ने रावत को सौंपा था सहमति हासिल करने का जिम्मा : सिद्धू को अध्यक्ष बनाने के संकेतों के बाद कैप्टन ने सोनिया गांधी को पहले फोन कर उसके बाद पत्र भेजकर नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद सोनिया ने रावत को विशेष दूत के तौर पर चंडीगढ़ जाकर अमरिंदर से सुलह फार्मूले पर सहमति हासिल करने का जिम्मा सौंपा था। बताया जाता है कि कैप्टन ने हाईकमान की बात मानने की हामी तो भर दी है, मगर सिद्धू के सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात भी कही।

- सिद्धू को मुख्यमंत्री से मिलकर गिले-शिकवे दूर करने को कहा जाएगा



पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जाखड़ से शनिवार को गले मिलते नवजोत सिंह सिद्धू। जागरण

हाईकमान के एलान से पहले ही सक्रिय हुए सिद्धू

हाईकमान के एलान से पहले ही पंजाब में सिद्धू सक्रिय हो गए हैं और पूर्व कांग्रेस अध्यक्षों के अलावा सूबे के प्रमुख पार्टी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। अब निगाहें सिद्धू और कैप्टन के बीच प्रस्तावित गिले शिकवे दूर करने वाली मुलाकात पर है। उम्मीद की जा रही है कि कांग्रेस नेतृत्व इसके उपरांत पंजाब कांग्रेस में बदलावों की घोषणा कर देगा।

कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला मानने को अमरिंदर तैयार

पंजाब कांग्रेस के झगड़े का हल निकलने और सिद्धू को अध्यक्ष बनाने के प्रस्ताव पर कैप्टन की नाराजगी दूर करने का संदेश हरीश रावत ने ट्वीट के जरिये दिया। उन्होंने कहा, मैं कैप्टन अमरिंदर से मिलकर अभी-अभी दिल्ली लौटा हूं। बहुत सारी बातें जो चर्चा में हैं, वे निर्मूल साबित हुई हैं। कैप्टन साहब ने दोहराया है कि कांग्रेस अध्यक्ष पंजाब के बारे में जो भी निर्णय करेंगी वह मुझे स्वीकार होगा।

येदियुरप्पा छोड़ेंगे मुख्यमंत्री की कुर्सी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

यूं तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा का दिल्ली दौरा अक्सर विवादों में घिर ही जाता है। शनिवार को आखिरकार उन्हें इसके लिए मना लिया गया कि उम्र के इस पड़ाव पर वह राज्य सरकार की कमान छोड़ दें। बताया जाता है कि येदियुरप्पा को आश्वासन दिया गया है कि उनके पुत्र विजयेंद्र को उनकी योग्यता के आधार पर उचित तरीके से जिम्मेदारी मिलेगी। हालांकि, सुबह से यह खबर तेज रही कि उन्होंने इस्तीफे की पेशकश कर दी है, लेकिन वापस बेंगलुरु पहुंचने तक उन्होंने इसे खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि येदियुरप्पा को इसकी छूट दी गई कि वह तिथि तय कर लें। 26 जुलाई को सीएम के रूप में उनके दो साल पूरा हो रहे है। माना जा रहा है कि उसी दिन नए नेतृत्व का फैसला हो जाएगा।

शुक्रवार को येदियुरप्पा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की थी। शनिवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व गृह मंत्री अमित शाह से उनकी मुलाकात हुई। देर दोपहर तक येदियुरप्पा इस्तीफे की पेशकश नहीं करने और अगले माह भी पीएम से मुलाकात की बात करते रहे। दरअसल, वह आलाकमान से स्पष्ट आश्वासन चाहते थे, लेकिन सूत्र बताते हैं कि आखिरकार वह मान गए।

- शनिवार दिन भर चलीं इस्तीफे की अटकलें, येदियुरप्पा ने किया खारिज

26 जुलाई को हो सकता है नए नेतृत्व का फैसला



बीएस येदियुरप्पा। फाइल/इंटरनेट मीडिया

लिंगायत नेता को जबरन नहीं हटाना चाहती भाजपा : 2023 में चुनाव है और येदियुरप्पा लिंगायत समुदाय के सबसे बड़े नेता हैं। पिछली बार उन्होंने पार्टी से बगावत की थी और तब भाजपा का जनाधार कम हो गया था। लिहाजा पार्टी ने इस बार उन्हें समझा-बुझाकर राजी किया है। वैसे भी येदियुरप्पा 78 साल के हो चुके हैं और अब उनकी प्राथमिकता अपने पुत्र को स्थापित करना है।

सीएम बनने के समय से नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा : कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तब से चल रही है जबसे वह मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन 15 दिन पहले तक प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह की ओर से इसे नकारा गया था।

दुश्मनों को पस्त करेगा नौसेना का मल्टीरोल आल वेदर हेलीकाप्टर



अमेरिका के सैन डिएगो नेवल एयर स्टेशन पर भारत को सौंपा गया एमएच-60 आर मल्टी-रोल हेलीकाप्टर। एएनआइ

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना की समुद्री जंगी ताकत में इजाफे के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे अमेरिकी मल्टीरोल आल वेदर हेलीकाप्टर एमएच-60आर की डिलीवरी की शुरू हो गई है। अमेरिकी नौसेना ने एक विशेष समारोह में दो हेलीकाप्टरों का पहला बैच भारतीय नौसेना को सौंपा। भारत अमेरिका से 24 नए मल्टीरोल हेलीकाप्टर खरीद रहा है। इनके नौसेना में शामिल होने से भारत की समुद्री रणनीतिक सुरक्षा मजबूती होगी। अमेरिका के नार्थ आइलैंड के सैन डियागो स्थित नौसेना एयरबेस पर हुए समारोह में भारतीय नौसेना को एमएच-60आर हेलीकाप्टर सौंपे गए। समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधु, भारतीय नौसेना के वाइस एडमिरल रवनीत सिंह भी मौजूद रहे। (पेज-3)

उप्र में इस साल भी नहीं निकलेगी कांवड़ यात्रा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उप्र में कांवड़ यात्रा को लेकर इतने दिनों से चल रही असमंजस की स्थिति आखिरकार खत्म हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए प्रदेश सरकार को सशर्त अनुमति पर पुनर्विचार का निर्देश दिया। सरकार अपनी ओर से यात्रा पर रोक का सख्त फैसला शायद नहीं करना चाह रही थी। कांवड़ संघों से ही बातचीत की गई। इस पर संघों ने खुद ही कांवड़ यात्रा को स्थगित कर दिया है। कोरोना के प्रकोप के कारण ही पिछले वर्ष भी कांवड़ यात्रा नहीं निकल सकी थी।

श्रावण मास की धार्मिक परंपरा के तहत 25 जुलाई से कांवड़ यात्रा प्रस्तावित थी। उत्तराखंड सरकार ने तो यात्रा पर रोक लगा दी, लेकिन योगी सरकार ने इसके लिए सशर्त अनुमति दे दी। निर्णय किया गया कि कांवड़ियों के लिए आरटीपीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य होगी। साथ ही कांवड़ संघों से अपील की गई कि कम से कम श्रद्धालु यात्रा में शामिल हों। इधर, कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका है। डेल्टा प्लस मामले कई राज्यों में बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर यूपी सरकार को नोटिस जारी कर दिया। शुक्रवार को दाखिल जवाब में सरकार ने संक्रमण से बचाव के लिए कोविड प्रोटोकाल के पालन, आरटीपीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट जैसी दलीलें दीं। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक आयोजन से अधिक जीवन की सुरक्षा के तर्क के साथ सरकार को निर्देश दिया कि कांवड़ यात्रा की अनुमति पर पुनर्विचार करें। अगली सुनवाई सोमवार को होनी थी। इधर, योगी सरकार खुद से यात्रा को स्थगित नहीं करना चाहती थी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कांवड़ संघों से बात की जाए। कोरोना संक्रमण बढ़ने की आशंका का पक्ष रखें। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि सरकार की अपील पर कांवड़ संघों ने यात्रा को स्थगित करने का फैसला किया है।

- सरकार की अपील पर माने कांवड़ संघ, दूसरे वर्ष भी यात्रा स्थगित
- सुप्रीम कोर्ट ने दिया था सरकार को अनुमति पर पुनर्विचार का निर्देश



उप्र में जुलाई 2018 में कांवड़ यात्रा के दौरान शिव का जयघोष करते कांवड़िए। जागरण आर्काइव

निशीथ प्रमाणिक की नागरिकता की जांच के लिए पीएम को पत्र

नई दिल्ली : राज्यसभा सदस्य और असम प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने नवनियुक्त केंद्रीय गृह राज्यमंत्री निशीथ प्रमाणिक के कथित तौर पर बांग्लादेशी होने के आरोपों की जांच कराने की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की है। हालांकि, प्रमाणिक के करीबी सूत्रों ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि मंत्री का जन्म, पालन-पोषण और शिक्षा-दीक्षा भारत में ही हुई है। (पेज-3)

25 मिनट में लूटा 17 किलो सोना, 75 मिनट में दो बदमाश ढेर

आगरा : उप्र के आगरा जिले में शनिवार को आधा दर्जन बदमाशों ने मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी की शाखा में धावा बोल दिया। स्टाफ को बंधक बनाकर 17 किलो सोने के जेवरात व पांच लाख की नकदी लूट ली। 25 मिनट में वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश भाग निकले। पुलिस ने 75 मिनट बाद ही मुठभेड़ में दो बदमाशों को ढेर कर दिया। (पेज-7)

पद्मश्री डा. रवींद्र नारायण सिंह होंगे विहिप के नए अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष

राज्य ब्यूरो, फरीदाबाद

सेवानिवृत्त न्यायाधीश विष्णु सदाशिव कोकजे के अध्यक्ष पद के दायित्व से मुक्त किए जाने की इच्छा जताने के बाद पद्मश्री डाक्टर रवींद्र नारायण सिंह को विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। अब सिर्फ आलोक कुमार ही कार्याध्यक्ष होंगे। बतौर कार्याध्यक्ष विदेश का काम देख रहे अशोक राव चौगुले को उपाध्यक्ष बनाया गया है। चंपतराय उपाध्यक्ष बने रहेंगे। मिलिंद परांडे के पास केंद्रीय महामंत्री का दायित्व यथावत रहेगा।

फरीदाबाद में चल रही विहिप प्रबंध समिति और प्रन्यासी मंडल की दो दिवसीय बैठक के पहले दिन सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक के आरंभ में ही कोकजे ने अध्यक्ष पद से मुक्त करने का आग्रह किया। इसके बाद संयुक्त महामंत्री डाक्टर सुरेंद्र जैन ने रवींद्र नारायण सिंह के नाम का प्रस्ताव रखा, जो सर्वसम्मति से पारित हो गया। चंपतराय के साथ जीवेश्वर मिश्र, डाक्टर विजयलक्ष्मी देशमाने, ओमप्रकाश सिंहल, गंगराजू, हुकमचंद सांवला, सुशील सराफ, रमेश जैन भी उपाध्यक्ष के रूप में काम करते रहेंगे। संयुक्त महामंत्री पद पर डाक्टर सुरेंद्र जैन के अलावा बजरंग लाल बांगड़ा का भी मनोनयन किया गया है। नेशनल एल्युमिनियम कंपनी (नाल्को) के चेयरमैन रह चुके बांगड़ा के पास पहले एकल विद्यालय अध्यक्ष का दायित्व था। मुख्य कोषाध्यक्ष रमेश मोदी और कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता यथावत काम करते रहेंगे।

दायित्व परिवर्तन

- आलोक कुमार कार्याध्यक्ष और मिलिंद परांडे केंद्रीय महामंत्री बने रहेंगे
- फरीदाबाद में दो दिवसीय बैठक के पहले दिन सर्वसम्मति से हुआ मनोनयन



डा. रवींद्र नारायण सिंह। जागरण

प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं रवींद्र नारायण सिंह पेज>>5

मतांतरण जैसे मुद्दों को लेकर कटिबद्ध होगी विहिप : डा. सिंह

डाक्टर रवींद्र नारायण सिंह ने नया दायित्व ग्रहण करने के बाद दैनिक जागरण से बातचीत में कहा, वह विहिप के सभी संकल्प पूरा करने के लिए संगठन को सशक्त बनाएंगे और देश व हिंदू समाज के समक्ष आ रही नई चुनौतियों से निपटने की व्यापक नीति बनाएंगे। उन्होंने कहा, राममंदिर निर्माण शुरू होने के बाद विहिप अन्य बड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करेगी। मतांतरण, हिंदू-मुसलमानों के बीच बढ़ती जनसंख्या की असमानता, समान नागरिक संहिता जैसे संकल्पों को पूरा करने के लिए विहिप कटिबद्ध होगी। दुनिया भर में हिंदुओं की नई पीढ़ी को सनातन धर्म और संस्कारों से जोड़ने का अभियान जारी रहेगा। परिषद का प्रयास रहेगा कि देश या राज्य में हिंदुओं के हितों का चिंतन करने वाली सरकार बने।

मेवात को कश्मीर बनाना चाहते है जिहादी (पेज-5)

रखी बात

सीजेआइ एनवी रमना ने कहा, लंबित मुकदमों का बोझ मध्यस्थता के जरिये किया जा सकता है हल्का, मिशन मोड में मध्यस्थता को बनाया जाए लोकप्रिय, यह विवाद निपटाने का सस्ता, सरल और त्वरित उपाय

महाभारत टालने को भी लिया गया था मध्यस्थता का सहारा

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) एनवी रमना ने शनिवार को न्यायपालिका पर मुकदमों का बोझ कम करने के लिए महाभारत का उदाहरण देते हुए शुरुआती मध्यस्थता को संघर्ष समाधान का एक उपाय बताया, जहां संघर्ष टालने के लिए इसका सहारा लिया गया था। उन्होंने कहा, अवधारणा के तौर पर मध्यस्थता की जड़ें भारतीय लोकाचार में काफी गहरी हैं।

भारत-सिंगापुर मध्यस्थता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जस्टिस रमना ने कहा, भारत में विविध पहचान, धर्म और संस्कृतियां हैं जो विविधता के जरिये इसकी एकता में योगदान देती हैं और इसमें कानून का शासन न्याय और निष्पक्षता की भावना सुनिश्चित करते हुए अपनी भूमिका अदा करता है। मध्यस्थता, पक्षकारों के अनुकूल ऐसा तंत्र है जो वास्तव में कानून के शासन को बरकरार रखता है। उन्होंने कहा कि 'महाभारत' संघर्ष के समाधान में शुरुआती मध्यस्थता के प्रयास का एक उदाहरण है। जिसमें भगवान कृष्ण ने पांडवों व कौरवों के बीच विवाद के समाधान के लिए मध्यस्थता का प्रयास किया था। यह याद रखने लायक है कि महाभारत में मध्यस्थता की विफलता के परिणाम विनाशकारी हुए थे। रमना ने कहा, समय आ गया है कि जब भारत को मिशन मोड में मध्यस्थता को लोकप्रिय बनाना चाहिए क्योंकि यह विवाद निपटाने का सस्ता, सरल व त्वरित उपाय है। इस नाते भारतीय संदर्भ में इसे सामाजिक न्याय का साधन भी माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर स्वीकार करने योग्य विवाद के समाधान के पहले कदम के रूप में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाना मध्यस्थता को बढ़ावा देगा और इसके लिए एक कानून की जरूरत होगी।

सीजेआइ ने मध्यस्थों के लिए प्रशिक्षण सत्रों की जरूरत पर बल देते हुए कहा, उनकी भूमिका निष्क्रिय सहायक से बढ़कर सलाहकार की हो गई है। जिस तरह पायलटों को हर साल प्रशिक्षण की जरूरत होती है, मध्यस्थों को भी ऐसा ही प्रशिक्षण देने की जरूरत है ताकि वे नए-नए तरीके अमल में ला सकें। रमना ने कहा, '1775 में ब्रिटिश अदालती प्रणाली की स्थापना से भारत में समुदाय आधारित स्वदेशी विवाद समाधान प्रणाली का क्षरण हो गया। आखिरकार ब्रिटिश न्याय प्रणाली ही उचित संशोधनों के साथ भारत में वर्तमान न्यायिक प्रणाली के लिए ढांचा बन गई।'

1775 में लागू ब्रिटिश अदालती प्रणाली से समुदाय आधारित भारतीय विवाद समाधान व्यवस्था का हुआ क्षरण



प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना। प्रेट्र

यह भी बोले सीजेआइ

- साधन संपन्न पक्षकारों की ओर से कई याचिकाएं दाखिल करने से भी बढ़ती है लंबित मामलों की संख्या।
- कोरोना महामारी ने भी लंबित मामलों की संख्या बढ़ाने में दिया है योगदान।
- 2005 से इस साल मार्च तक 10 लाख मामले मध्यस्थता के जरिये निपटाए गए।
- सबसे बड़े लोकतंत्र के लोगों को न्यायपालिका पर भरोसा, उन्हें पता है कि कुछ गलत हुआ तो सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में उनके साथ है।

लंबित मामलों की संख्या 4 .5 करोड़ बताने पर जताई आपत्ति पेज>>3

117 एयर क्वालिटी इंडेक्स दर्ज किया गया शनिवार को दिल्ली में। गाजियाबाद में 143, ग्रेटर नोएडा में 156, गुरुग्राम में 107, नोएडा में 169 और फरीदाबाद में 95 एयर क्वालिटी इंडेक्स रहा।

दिल्ली में बदरा तो बरसे नौ में से छह जिले तब भी तरसे

राजधानी में मानसून भले ही दस्तक दे चुका है, लेकिन झमाझम बारिश के लिए अभी भी दिल्ली के लोग तरस ही रहे हैं। इस बीच मौसम विभाग के जो एक पखवाड़े के आंकड़े सामने आए हैं। वह और भी चौंकाने वाले हैं। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में जुलाई के पहले पखवाड़े में 15 फीसद अधिक बारिश हो चुकी है। हालांकि यह अलग बात है कि नौ जिलों में से छह जिले अब तक बारिश के लिए तरस रहे हैं। दरअसल, मानसून की दस्तक के बाद भी पहले दिन सामान्य बारिश ही हुई, जबकि दूसरे दिन झमाझम बारिश हुई। इसके बाद से मानसून ने ब्रेक ले रखा है, लेकिन दो दिनों की बारिश से ही दिल्ली और दिल्ली के जिलों में बारिश का आंकड़ा काफी हद तक बदल गया।

ये है तकनीकी पेच

दरअसल, मौसम विभाग का कार्यालय सफदरजंग में है और वहीं की बेधशाला (आब्जर्वेटरी) के तापमान और बारिश के आंकड़े को दिल्ली का आंकड़ा बताकर जारी किया जाता है, जबकि हकीकत में यह आंकड़ा समूची दिल्ली की स्थिति बयां नहीं करता है।

16 दिन की देरी से इस बार 13 जुलाई को दिल्ली में मानसून ने दी दस्तक

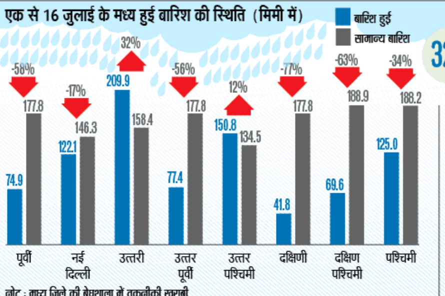
38 से 94 फीसद तक कम बारिश दिल्ली के सभी जिलों में 13 तारीख तक हुई थी

97.6 मिलीमीटर है दिल्ली में एक से 16 जुलाई के बीच सामान्य बारिश का आंकड़ा

112.4 मिलीमीटर बारिश एक से 16 जुलाई के बीच हो चुकी है

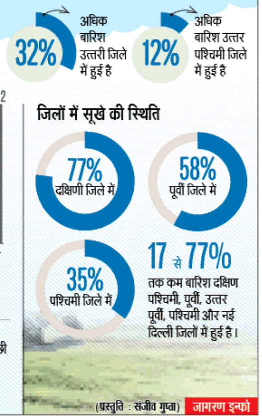
15% अधिक बारिश जुलाई के पहले पखवाड़े में हुई है

एक से 16 जुलाई के मध्य हुई बारिश की स्थिति (मिमी में)



नोट : मध्य जिले की बेधशाला में तकनीकी खराबी आ जाने से वहां का आंकड़ा नहीं मिल पाया।

आंकड़े प्रादेशिक मौसम विभाग दिल्ली से लिए गए हैं



"इस बार मानसून की दस्तक काफी देर से हुई। मौसमी गतिविधियों और स्थानीय कारकों के कारण अब सभी जगह एक जैसी बारिश भी नहीं होती। जहां कंक्रीट का जंगल ज्यादा है, वहां बारिश अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि जहां हरियाली अच्छी है, वहां बारिश भी अपेक्षाकृत ज्यादा होती है। आने वाले दिनों में सभी जगह अच्छी बारिश होने का पूर्वानुमान है।

महेश पलावत
उपाध्यक्ष, स्काईमेट वेदर

(प्रस्तुति : संजीव गुप्ता) जागरण इन्फो

आज होगी भारी बारिश, मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : राजधानी में मानसून के दस्तक देने के बाद पिछले तीन दिन से बारिश नहीं हुई। उमस से लोग परेशान हैं। शनिवार को भी तेज धूप होने के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया। हालांकि मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले तीन दिन के लिए आरेंज अलर्ट जारी करते हुए भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार रात से ही बारिश के अनुकूल परिस्थितियां बनने लगी हैं। इसे देखते हुए रविवार को दिल्ली में बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकतम 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

न्यूज गैलरी

बहुगुणा को भारत रत्न के लिए केजरीवाल का पीएम को पत्र

नई दिल्ली : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिवंगत पर्यावरणविद् सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न देने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। हाल ही में उन्होंने दिल्ली विधानसभा परिसर में बहुगुणा की स्मृति में पौधारोपण कर उनके चित्र का अनावरण किया था। उस समय उन्होंने बहुगुणा को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग भी की थी। केजरीवल ने पत्र में कहा है कि बहुगुणा ने अपना बचपन गांधी जी की प्रेरणा से स्वतंत्रता संग्राम में देश को आजाद करने के लिए लड़ते हुए बिताया। आजादी के बाद उन्होंने विनोबा भावे जी की प्रेरणा से भूदान और ग्राम स्वराज योजना के लिए कार्य किए हैं। पर्यावरण संरक्षण का भाव जिस समय अंतरराष्ट्रीय विमर्श में भी नहीं था, उस समय उन्होंने राष्ट्र और समूचे विश्व पर आने वाले खतरे को भांपते हुए स्वयं को पर्यावरण की रक्षा के यज्ञ के लिए समर्पित कर दिया था। उनके द्वारा शुरू किया गया चिपको आंदोलन हिमालय से शुरू होकर दक्षिण में कर्नाटक तक पहुंचा। उनका पूरा जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। ऐसे में दिल्ली सरकार का अनुरोध है कि बहुगुणा को भारत रत्न दिया जाए। (राब्यू)

शाबिहुल हसनैन होंगे डीईआरसी के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली : न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) शाबिहुल हसनैन को दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सत्येंद्र सिंह चौहान चार जुलाई को डीईआरसी के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हो गए थे। इसके बाद से यह पद खाली था। चौहान ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर दो साल या नए अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक सेवा विस्तार की मांग की थी। उनके आवेदन पर विचार नहीं किया गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को ट्वीट किया, 'दिल्ली सरकार ने डीईआरसी के नए अध्यक्ष के रूप में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) शाबिहुल हसनैन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। निर्बाध और सस्ती बिजली आपूर्ति दिल्ली सरकार की अहम प्राथमिकता है। उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।' (राब्यू)

कोरोना के 59 नए मामले, संक्रमण दर 0.8 फीसद

नई दिल्ली : राजधानी में कोरोना की संक्रमण दर घटकर 0.08 फीसद पर आ गई है। इससे पिछले कई दिनों से कोरोना के मामले भी 100 से कम आ रहे हैं। शनिवार को कोरोना के 59 नए मामले आए। 91 मरीज ठीक हुए, लेकिन पिछले 24 घंटे में चार मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में कोरोना के अब तक कुल 14 लाख 35 हजार 478 मामले आए हैं। इसमें से 14 लाख नौ हजार 830 मरीज ठीक हो चुके हैं। इससे मरीजों के ठीक होने की दर 98.21 फीसद है। मृतकों की संख्या 25,027 हो गई है। (राब्यू)

नहीं होगा सीयूसेट, कटआफ जारी कर दाखिला देगा डीयू

खत्म हुआ संशय ▸ स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया दो अगस्त से और स्नातकोत्तर में 26 जुलाई से होगी शुरू

दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह होगी आनलाइन, छात्रों की सुविधा के लिए दाखिला वेबसाइट को किया उन्नत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में दाखिले को लेकर संशय खत्म हो गया है। डीयू ने शनिवार को स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की घोषणा की। दाखिले पूर्व की भांति ही होंगे। स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया दो अगस्त से और स्नातकोत्तर में 26 जुलाई से शुरू होगी। स्नातक के मेरिट आधारित पाठ्यक्रमों में दाखिला पूर्व की भांति कटआफ के जरिये होंगे। इस बार सेंट्रल यूनिवर्सिटी कामन एंट्रेंस टेस्ट (सीयूसेट) से दाखिले नहीं होंगे। दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह आनलाइन होगी। डीयू ने छात्रों की सुविधा के लिए दाखिला वेबसाइट को उन्नत किया है। छात्र को न केवल कालेज, पाठ्यक्रम व शुल्क संबंधी सभी जानकारी मिलेगी, बल्कि चैट बाक्स के जरिये प्रश्न भी पूछे जा सकेंगे।

चार नए पाठ्यक्रम : डीयू स्नातकोत्तर के सभी, स्नातक के नौ और एमफिल-पीएचडी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। इसकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को दी जाएगी। इस बार चार नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। बैचलर इन फिजियोथेरेपी, बैचलर इन आकुपेशनल थेरेपी, बैचलर आफ आर्थोटिक्स और मास्टर आफ फिजियोथेरेपी में प्रवेश परीक्षा के जरिये दाखिले दिए जाएंगे।

बड़े काम की वेबसाइट : दाखिले के लिए डीयू नई वेबसाइट जल्द लांच करेगा। वेबसाइट को इस तरह डिजाइन किया गया है कि दाखिले से जुड़े हर सवाल का जवाब मिले। वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर स्नातक व स्नातकोत्तर के हर पाठ्यक्रम की शुल्क के साथ कालेज क्रम में जानकारी मुहैया कराई जाएगी। चैट बाक्स के जरिये छात्रों के सवालों का जवाब भी दिया जाएगा। कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रो. संजीव सिंह ने बताया कि डीयू वेबसाइट का प्रयोग करने वाले 80 फीसद छात्र मोबाइल उपयोगकर्ता हैं। इसलिए इस वेबसाइट को मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है।

नई शिक्षा नीति का पालन करते हुए जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने एमफिल में दाखिले बंद कर दिए हैं। डीयू इस बार भी एमफिल में दाखिला देगा। डीयू के कुलसचिव डा. विकास गुप्ता ने बताया कि नई शिक्षा नीति के कई भाग हैं। हम चरणबद्ध तरीके से लागू कर रहे हैं। मंत्रालय के स्तर पर पोर्टल बनाया जा रहा है, जिसके तैयार होते ही नई शिक्षा नीति को अमल में लाने की प्रक्रिया तेज होगी।

फीस कम करने के लिए बैठक: डीयू के कार्यवाहक कुलपति ने कहा कि छात्र प्रतिनिधियों ने फीस कम करने की मांग की है। बहुत जल्द इस बाबत बैठक होगी। डीयू ने स्पष्ट किया है कि कोरोना के चलते अभिभावक खोने वाले वर्तमान छात्रों की ही फीस माफ की गई है। दाखिले के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को यह राहत अभी तक नहीं दी गई है।

सीटों की स्थिति और दाखिला कार्यक्रम

स्नातक की सीटें	65 हजार	
स्नातकोत्तर	20 हजार	
पाठ्यक्रम	आवेदन शुरू होंगे	आखिरी तिथि
स्नातकोत्तर	26 जुलाई	21 अगस्त
एमफिल-पीएचडी	26 जुलाई	21 अगस्त
स्नातक पाठ्यक्रम	2 अगस्त	31 अगस्त


डीयू में देश-विदेश के हजारों छात्र दाखिला लेते हैं। फाइल/इंटरनेट मीडिया

"डीयू में आनलाइन दाखिले होंगे। छात्रों से गुजारिश है कि वे परेशान न हों और तनाव में न आएं। छात्रों की हर समस्या का समाधान किया जाएगा। दाखिले की प्रक्रिया छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।
-प्रो. पीसी जोशी, कार्यवाहक कुलपति

परीक्षा नहीं देने वाले छात्रों को डीयू देगा मौका

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय ने गत महीने अंतिम वर्ष के छात्रों की ओपन बुक परीक्षाएं आयोजित की। डीयू के परीक्षा विभाग ने सर्कुलर जारी कर कहा है कि कोरोना संक्रमण के चलते परीक्षा नहीं देने वाले छात्रों को मौका दिया जाएगा। डीयू ने सभी कालेजों व विभागों को ऐसे छात्रों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है, जो खुद संक्रमित होने या फिर स्वजन के संक्रमित होने के चलते परीक्षा नहीं दे पाए। डीयू ने 26 जुलाई तक ऐसे छात्रों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

"सीबीएसई समेत विभिन्न बोर्डों के परीक्षा परिणाम प्रतिशत में जारी होंगे। इसलिए डीयू दाखिले पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हर कालेज की दाखिले से जुड़ी एक टीम होती है, जो डीयू के लगातार संपर्क में रहती है। डीयू में दाखिले के लिए आवेदन करने वाले कुल छात्रों में 70 फीसद सीबीएसई के छात्र होते हैं।
-प्रो. राजीव गुप्ता, चेयरपर्सन, दाखिला कमेटी

छात्रों के लिए जरूरी बातें

- दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह आनलाइन होगी।
- विवि ने गत वर्ष के पात्रता मानदंड में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है।
- मेरिट और प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण शुल्क में कोई बदलाव नहीं।
- स्नातक में दाखिले के लिए सिर्फ एक बार पंजीकरण कराना होगा। सभी विभाग, कालेज में इसी से दाखिले होंगे।
- स्नातकोत्तर के लिए छात्र एक फार्म भरेंगे, लेकिन एक से अधिक पाठ्यक्रम का विकल्प चुनने पर शुल्क अलग देना होगा।
- नेट नहीं किए हुए अभ्यर्थी एमफिल-पीएचडी में प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला ले सकेंगे।
- प्रवेश परीक्षा के लिए टेस्ट सेंटर बढ़ाए जाएंगे।
- स्नातक के मेरिट आधारित पाठ्यक्रमों में दाखिला पूर्व की भांति कटआफ के जरिये होंगे।
- विवि प्रशासन कटआफ की निर्धारण प्रक्रिया को लेकर कालेज के संपर्क में हैं।
- हर कालेज में एक फीसद सीटें एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी (ईसीए) और स्पोर्ट्स कैटेगरी के जरिये भरी जाएंगी।
- ईसीए-स्पोर्ट्स में दाखिले के लिए विगत चार साल (1 मई 2017 से 30 अप्रैल 2021) के दस्तावेज जमा कर सकेंगे छात्र।
- वीडियो व वेबिनार के जरिये छात्रों को दाखिला प्रक्रिया से रूबरू कराया जाएगा।
- चैट बाक्स और ईमेल से 24 घंटे छात्रों के सवालों का जवाब दिया जाएगा।
- पंजीकरण शुल्क के अलावा छात्रों से कोई फीस नहीं ली जाएगी।

अधिकारियों को बैठक को लेकर सरकार और एलजी में टकराव

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ सिसोदिया ने उपराज्यपाल के जनहित के मसलों पर सक्रिय रहने को बताया असंवैधानिक

दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल में अब अधिकारियों की बैठकों को लेकर टकराव हो रहा है। जनहित के मसलों पर उपराज्यपाल लगातार सक्रिय हैं और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर उन्हें निर्देश व काम के लक्ष्य दे रहे हैं। उपराज्यपाल की सक्रियता से दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के नेता खुश नहीं हैं। इसे लेकर आप के वरिष्ठ नेता व दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को उपराज्यपाल को पत्र लिखकर कहा है कि विभागों के मंत्रियों को भरोसे में लिए बिना उपराज्यपाल(एलजी) की तरफ से अधिकारियों के साथ बैठकें करना गलत है। दिल्ली में पेयजल संकट को लेकर उपराज्यपाल गत माह उत्तर प्रदेश और हरियाणा के मुख्यमंत्री से फोन पर बात कर चुके हैं और जल बोर्ड के अधिकारियों से बैठकें भी की हैं। इससे दिल्ली सरकार नाराज है।

सिसोदिया ने पत्र में दावा किया है कि संविधान में कहीं भी दिल्ली के उपराज्यपाल को यह अधिकार नहीं है कि वह दिल्ली की चुनी हुई सरकार के तहत आने वाले विषयों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों की सीधे बैठक बुलाएं, निर्णय लें और उन्हें दिशानिर्देश जारी करें। उन्होंने दावा किया कि संविधान में उपराज्यपाल को सिर्फ पुलिस, भूमि और पब्लिक आर्डर के बारे में निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है। सिसोदिया ने पत्र में दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के 4 जुलाई, 2018 के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि उपराज्यपाल के वीटो के अधिकार को सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है। सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने बहुत जोर देकर इस बात को कहा है कि उपराज्यपाल को यह अधिकार यदा-कदा असाधारण परिस्थितियों में इस्तेमाल करने के लिए दिया गया है। लेकिन उपराज्यपाल लगातार दिल्ली की चुनी हुई सरकार के फैसलों को पलट रहे हैं। सिसोदिया ने पत्र में कहा है कि उन्हें नहीं मालूम कि पिछले तीन माह के दौरान ऐसा क्या हो गया है कि दिल्ली की चुनी हुई सरकार के अधीन आने वाले विषयों पर उपराज्यपाल लगातार अधिकारियों की बैठकें ले रहे हैं। सिसोदिया ने कहा है कि उपराज्यपाल का इस तरह से बैठकें बुलाकर अधिकारियों को निर्देश देना असंवैधानिक हैं।

ई-पोस मशीन से राशन वितरण का रास्ता साफ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : राजधानी में जुलाई के राशन का इंतजार कर रहे लोगों को जल्द ही राशन मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। दरअसल, इसमें आ रही सबसे बड़ी बाधा अब दूर हो गई है। दिल्ली के दो हजार राशन दुकानदारों में से बचे हुए 117 लोगों को भी ई-पोस मशीन के संचालन का प्रशिक्षण दे दिया गया है। यह प्रशिक्षण कार्य शनिवार को पूरा हुआ है। इसके बाद अब केंद्र सरकार से मिले राशन के वितरण का रास्ता साफ हो गया है।

केंद्र सरकार ने ई-पोस मशीनों के जरिये ही राशन वितरण किए जाने के आदेश जारी किए हैं, जबकि दिल्ली सरकार घर-घर राशन पहुंचाने की योजना पर काम कर रही थी। ऐसे में दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच टकराव की स्थिति भी बन गई थी। हालांकि, केंद्र सरकार के इस आदेश के चलते दिल्ली में राशन का वितरण नहीं हो पा रहा था, क्योंकि 117 दुकानदारों को अब तक मशीनों के संचालन को लेकर प्रशिक्षित ही नहीं किया गया था। इसकी वजह से जुलाई का राशन दिल्ली के लोगों को अब तक नहीं मिल सका है। केंद्र सरकार ने वन नेशन वन राशन कार्ड योजना को भी लागू करने के लिए दिल्ली सरकार को निर्देश दिए हैं। केंद्र के अनुसार दिल्ली में दूसरे राज्यों के ऐसे 10 लाख लोग रहते हैं।

दिल्ली-महाराष्ट्र में चोरी किए या खोए मोबाइल का नहीं हो सकेगा इस्तेमाल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली और महाराष्ट्र में अब चोरी किए गए या फिर खोए हुए मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज होते ही ऐसे मोबाइल हैंडसेट को ब्लैकलिस्ट करने के साथ ही आइएमईआइ नंबर को ब्लाक कर दिया जाएगा। प्रोजेक्ट सीईआइआर के तहत दिल्ली पुलिस ने 20 मई, 2020 से 14 जुलाई, 2021 के बीच ऐसे 94 हजार 204 मोबाइलों को ब्लैक लिस्ट किया है।

पुलिस आयुक्त बालाजी श्रीवास्तव ने इस अभियान की समीक्षा कर सभी जिलों की पुलिस से इस पर गंभीरता से काम करने के लिए कहा है। दरअसल, केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग के सहयोग से प्रोजेक्ट सीईआइआर (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर) को शुरू किया गया है। इसके तहत टेलीमैटिक्स के विकास के लिए केंद्र, जीएसएम एसोसिएशन और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को भी बोर्ड में शामिल किया गया है। पुलिस का कहना है कि यदि कोई इस्तेमाल किया हुआ फोन खरीदना चाह रहा है तो वह दिल्ली पुलिस की साइट पर जाकर उसके आइएमईआइ नंबर के जरिए यह पता लगा सकता है कि फोन चोरी का अथवा खोया हुआ तो नहीं है। चोरी के हैंडसेट की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए ही पुलिस ने हैंडसेट को ब्लैकलिस्ट करना शुरू किया है।

आइएमईआइ नंबर को zipnet.delhipolice.gov.in पर लाग इन करके पता लगाया जा सकता है। दिल्ली से चोरी हुए सभी मोबाइलों की सूचना यहां मौजूद है। दिल्ली से चोरी हुए सभी मोबाइलों की सूचना यहां मौजूद है।

पुलिस प्रवक्ता चिन्मय बिस्वाल के मुताबिक ब्लैकलिस्टेड हैंडसेट में सिम का प्रयोग जैसे ही किया जाएगा। उसी समय इसमें शामिल सेवा प्रदाता मोबाइल नंबर, आइएमईआइ सहित अन्य विवरण कंपनी तक पहुंच जाएगा। इस जानकारी को प्रोजेक्ट सीईआइआर के तहत पुलिस को मुहैया कराया जाएगा, जिससे तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। ऐसे में अब चोरी किए गए मोबाइल का प्रयोग अपराध या राष्ट्रविरोधी कार्यों में करना मुश्किल हो जाएगा। माना जाता है कि चोरी के फोन का इस्तेमाल बड़ी संख्या में संगठित अपराध करने वाले गिरोह करते हैं। वे मौजूदा आइएमईआइ को मिटाने और चोरी हुए हैंडसेट को नए नंबर असाइन करने के लिए विशेष साफ्टवेयर का उपयोग करते हैं। इससे कई हैंडसेट में अक्सर एक ही आइएमईआइ नंबर होते हैं। यहीं पर प्रोजेक्ट सीईआइआर काम आएगा। इससे चोरी या गुम होने की सूचना देने वाले उपकरणों के आइएमईआइ नंबरों की रिपोर्टिंग और पता लगाने में आसानी होगी।

मोबाइल हैंड सेट की विशिष्ट पहचान के लिए होता है आइएमईआइ

अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान (आइएमईआइ) प्रत्येक मोबाइल डिवाइस के लिए 15 अंकों का एक नंबर होता है, जो प्रत्येक मोबाइल हैंडसेट की विशिष्ट पहचान के लिए होता है। हालांकि, इन दिनों डुप्लीकेट आइएमईआइ वाले हैंडसेट के मामले बढ़ गए हैं। क्लोन किए गए आइएमईआइ नंबरों को ब्लाक कर दिया जाए तो बड़ी संख्या में मोबाइल भी ब्लाक हो जाएंगे। एक बार ब्लाक हो जाने के बाद वे हैंडसेट भारत के किसी भी हिस्से में किसी भी नेटवर्क तक पहुंचने में सक्षम नहीं होंगे।

अध्ययन

केजीएमयू व एम्स के डाक्टरों ने हार्ट अटैक के 228 मरीजों पर किया अध्ययन, मरीजों की देखभाल के लिए अमेरिका में विकसित हेल्थरडार एप का किया इस्तेमाल

दिल के मरीजों के इलाज में मददगार हेल्थरडार

रणविजय सिंह, नई दिल्ली

स्मार्ट फोन अब गंभीर बीमारियों के इलाज में भी मददगार बन रहा है। एम्स व लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के डाक्टरों की तरफ से किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि हार्ट अटैक के मरीजों के फालोअप इलाज के लिए मोबाइल एप अधिक सुविधाजनक है।

अध्ययन के दौरान डाक्टरों ने अमेरिका में विकसित हेल्थरडार एप के माध्यम से मरीजों की देखभाल की। अध्ययन में पाया गया कि उचित समय पर डाक्टर से बेहतर सलाह मिलने से रूटीन फालोअप की तुलना में मोबाइल एप मरीज का ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने में अधिक मददगार साबित हुआ।

शोध में शामिल डाक्टर कहते हैं कि यदि अस्पतालों में हेल्थरडार जैसे मोबाइल एप का इस्तेमाल किया जाए तो दिल के मरीजों की बेहतर देखभाल की जा सकती है। इससे अस्पतालों में भीड़ कम होगी। हाल ही में यह अध्ययन मेडिकल जर्नल (इंटरनेशल जर्नल आफ कार्डियोलाजी हार्ट एंड वैस्कुलेचर) में प्रकाशित हुआ है।

अध्ययन में खास भूमिका निभाने वाले एम्स के कार्डियोलाजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. सत्यवीर यादव कहा कि यह अध्ययन केजीएमयू के डा. ऋषि सेठी के नेतृत्व में हुआ। हार्ट अटैक के मरीजों को एंजियोप्लास्टी के बाद शुरुआती एक माह बहुत दिक्कत होती है। इस दौरान चिंता, घबराहट व ब्लड प्रेशर की समस्या अधिक देखी जाती है। इसलिए मरीजों को दो सप्ताह व चार सप्ताह पर फोलोअप के लिए अस्पताल बुलाया जाता है। हार्ट अटैक के 228 मरीजों पर यह अध्ययन किया गया, जिनकी एंजियोप्लास्टी हो चुकी थी। इनमें 38 महिला व 190 पुरुष मरीज शामिल थे। अध्ययन के दौरान 109 मरीजों को हेल्थरडार एप के जरिये देखभाल की गई। वहीं, 119 मरीजों को रूटीन प्रक्रिया के तहत फालोअप इलाज के लिए अस्पताल आना पड़ा। एप के माध्यम से इलाज की सुविधा पाने वाले जो मरीज हाईपरटेंशन की समस्या से पीड़ित थे, उनमें से 76 फीसद मरीजों का ब्लड प्रेशर नियंत्रित हो गया, जबकि रूटीन फालोअप के जरिये इलाज कराने वाले 45 फीसद मरीजों के ब्लड प्रेशर में ही सुधार हुआ। एप के माध्यम से इलाज कराने वाले 72.5 फीसद मरीजों ने इसे उत्कृष्ट व 27.5 फीसद ने इसे अच्छा माध्यम बताया। रूटीन फालोअप को 91.6 फीसद मरीजों ने अच्छा व सिर्फ 4.2 फीसद मरीजों ने उत्कृष्ट तरीका बताया।

अध्ययन में कहा गया है कि मरीज को परेशानी होने पर अस्पताल में डाक्टर से जल्द संपर्क कर पाना आसान नहीं होता, जबकि एप के मध्यम से मरीज को परेशानी होने पर डाक्टर तक अपना संदेश पहुंचाना आसान है। डा. सत्यवीर ने कहा कि एप के जरिये मरीज की रिपोर्ट देखकर जरूरत के अनुसार दवा बदली जा सकती है। इससे ब्लड प्रेशर व शुगर नियंत्रित रहता है।

इस तरह काम करता है एप

स्मार्ट फोन पर एप डाउनलोड कर मरीज व डाक्टर को पंजीकरण करना होता है। इसके बाद मरीज अपनी जांच रिपोर्ट और वीडियो एप पर अपलोड कर सकते हैं। मरीज द्वारा मैसेज भेजने पर एप पर पंजीकृत डाक्टर के पास सूचना पहुंच जाती है। अध्ययन में शामिल एम्स के कार्डियोलाजी विभाग के प्रोफेसर डा. अंबुज राय ने कहा कि कोरोना के इस दौर में अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित हैं। अस्पतालों में संक्रमण का भी खतरा है। ऐसे में मोबाइल एप की मदद से मरीजों को बार-बार अस्पताल पहुंचने के झंझट से छुटकारा मिल सकता है। इससे उन्हें सुविधा होगी।

केजरीवाल सरकार के मंत्री, आप विधायक व भाजपा सांसद पर केस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ कोविड दवाओं और आक्सीजन को स्टाक करने का मामला
▸ ड्रग कंट्रोल विभाग ने हाई कोर्ट में जांच के बाद दी जानकारी

कोविड-19 की दूसरी लहर में दवाओं और आक्सीजन के अवैध भंडारण को लेकर दिल्ली सरकार में मंत्री इमरान हुसैन, पूर्वी दिल्ली से सांसद गौतम गंभीर व आप विधायक प्रवीण कुमार के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है। इमरान हुसैन आम आदमी पार्टी (आप) के टिकट पर बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और फिलहाल दिल्ली सरकार में खाद्य आपूर्ति मंत्री हैं। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर भाजपा सांसद हैं। प्रवीण कुमार जंगपुरा से आप विधायक हैं। इनके खिलाफ रोहिणी जिला अदालत में केस चलेगा, जिसमें तीन से पांच साल तक की सजा का प्रविधान है। ड्रग एक्ट के तहत इनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर इनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। इन पर आरोप है कि मुश्किल दौर में दवाओं और आक्सीजन का भंडारण किया। अपनी राजनीति चमकाने के लिए अपने-अपने क्षेत्र में दवाओं का वितरण किया और इसके कारण समाज का एक बड़ा वर्ग दवा और आक्सीजन से महरूम रहा। याचिका पर अदालत ने ड्रग कंट्रोल विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

इस पर विभाग ने अदालत को बताया कि एक विशेष टीम ने जांच पूरी करने के बाद हाल ही में गौतम गंभीर फाउंडेशन और गौतम गंभीर के अलावा इमरान हुसैन और प्रवीण कुमार के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इनके खिलाफ ड्रग एक्ट के उल्लंघन करने के आरोप में कार्रवाई की गई है।

47 लाख नए ग्राहक जोड़े हैं देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने अप्रैल महीने में। वहीं, भारती एयरटेल ने अप्रैल में 5.1 लाख नए ग्राहक बनाए हैं, जबकि वोडाफोन-आइडिया ने 18 लाख ग्राहक गंवाए हैं।

ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकी का जल्द ही विकास करेगा भारत : अमित शाह

गृह मंत्री ने कहा ▸ मोदी सरकार आने के बाद पहली बार बनी स्वतंत्र सुरक्षा नीति

अगले वर्ष तक सीमा पर पूरी तरह से बाड़बंदी के लिए काम कर रही सरकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत जल्द ही ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकी का विकास कर लेगा, जिस पर रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) और अन्य एजेंसियां काम कर रही हैं। उनकी यह टिप्पणी पिछले महीने जम्मू स्थित वायुसेना स्टेशन पर ड्रोन से हुए हमने की पृष्ठभूमि में आई है। उस हमले में दो वायुसेना कर्मी घायल हो गए थे और एक इमारत के हिस्से को नुकसान पहुंचा था।

शनिवार को रुस्तमजी स्मारक व्याख्यान को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारत की सुरक्षा नीति या तो विदेश नीति से प्रभावित रहती थी या इस पर हावी रहती थी। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही देश को पहली स्वतंत्र सुरक्षा रणनीति मिली। इस कार्यक्रम में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। शाह ने इस मौके पर सीमा की रक्षा में लगे बल के सेवारत और ड्यूटी के दौरान शहीद हुए जवानों को वीरता पदक भी प्रदान किए।

गृह मंत्री ने कहा, मैं अक्सर सोचता था कि क्या इस देश की सुरक्षा नीति है या नहीं? नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने तक हमारे पास कोई स्वतंत्र सुरक्षा नीति नहीं थी। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश को पहली बार स्वतंत्र सुरक्षा नीति मिली।

शाह ने कहा, हमारा विचार है कि सभी के साथ शांतिपूर्ण संबंध हों, लेकिन अगर कोई हमारी सीमाओं को छेड़ता है, अगर कोई हमारी संप्रभुता को चुनौती देता है तो हमारी सुरक्षा नीति की प्राथमिकता है कि ऐसे प्रयासों को उसी की भाषा में जवाब दिया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा नीति बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि देश ऐसी सुदृढ़ योजना चाहता है। मेरा मानना है कि इसके (सुरक्षा नीति) बिना न तो देश विकास कर सकता है और न ही लोकतंत्र समृद्ध हो सकता है। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री ने यह बड़ा काम किया है। मैं उदाहरण नहीं देना चाहता हूं, क्योंकि यह सभी को पता है। उन्होंने कहा कि नीति को उनकी सरकार ने जमीन पर क्रियान्वित किया।

गृह मंत्री ने घोषणा की कि केंद्र सरकार अगले वर्ष तक भारत की सीमा पर पूरी तरह से बाड़बंदी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस समय देश की सीमा का तीन प्रतिशत हिस्सा बिना बाड़ के है। यह आतंकियों की घुसपैठ और सीमा पर होने वाले अपराधों जैसे हथियारों, गोलाबारूद और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने में बड़ा अंतराल है।

गृह मंत्री ने इसके साथ ही कहा कि सुरक्षा और प्रौद्योगिकी विकास प्रतिष्ठान दीर्घकालीन योजना के तहत कृत्रिम बुद्धिमता और रोबोटिक प्रौद्योगिकी के विकास पर काम कर रहा है।



नई दिल्ली में सीमा सुरक्षा बल अलंकरण समारोह को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ

दुश्मनों को पस्त करेगा नौसेना का मल्टीरोल आल वेदर हेलीकाप्टर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारतीय नौसेना की समुद्री जंगी ताकत में इजाफे के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे अमेरिकी मल्टीरोल लड़ाकू हेलीकाप्टर एमएच-60आर की डिलीवरी शुरू हो गई है। अमेरिकी नौसेना ने एक विशेष समारोह में दो मल्टीरोल हेलीकाप्टरों का पहला बैच भारतीय नौसेना को सौंपा। नौसेना की लड़ाकू क्षमता में इजाफे के लिए भारत अमेरिका से 24 नए मल्टीरोल हेलीकाप्टर की खरीद कर रहा है। खास बात यह है कि यह मल्टीरोल हेलीकाप्टर आल वेदर हेलीकाप्टर हैं और नौसेना के बेड़े में इसके शामिल होने से भारत की समुद्री रणनीतिक सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी।

अमेरिका के नार्थ आइलैंड के सैन डिएगो स्थित अमेरिकी नौसना के एयरबेस पर हुए समारोह में भारतीय नौसेना को पहले दोनों एमएच-60आर हेलीकाप्टर सौंपे गए। इस समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू और भारतीय नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल रवनीत सिंह भी मौजूद रहे।

इस हेलीकाप्टर सौदे के हकीकत में तब्दील होने पर खुशी का इजहार करते हुए संधू ने कहा कि मल्टीरोल आल वेदर हेलीकाप्टर का भारतीय नौसेना में शामिल होना भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय रक्षा संबंधों में बेहद अहम पड़ाव है। इसके बाद संधू ने ट्वीट कर कहा कि भारत और अमेरिका की दोस्ती आसमान छू रही है। भारत-अमेरिका का द्विपक्षीय रक्षा कारोबार पिछले कुछ सालों में 20 अरब डालर पहुंच गया है। भारत करीब 2.4 अरब डालर की लागत से 24 एमएच-60आर हेलीकाप्टर खरीद रहा है।

अमेरिकी कंपनी लाकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित इस मल्टीरोल हेलीकाप्टर को भारतीय नौसेना की जरूरतों के अनुरूप साजोसमान और हथियारों से लैस किया गया है। नौसेना के प्रवक्ता के अनुसार, इसके शामिल होने के बाद नौसेना की रणनीतिक और सामरिक क्षमता में बहुआयामी वृद्धि होगी। नौसेना के पायलटों का पहला दल इन दिनों अमेरिका में इस हेलीकाप्टर के संचालन की ट्रेनिंग ले रहा है।


अमेरिका के सैन डिएगो नेवल एयर स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में एमएच-60 आर मल्टी-रोल हेलीकाप्टर सौदे से संबंधित दस्तावेज का आदान-प्रदान करते दोनों देशों की वायुसेना के अधिकारी। एएनआइ

लड़ाकू हेलीकाप्टर की विशेषताएं

- समुद्री इलाके के लिए यह दुनिया में फिलहाल सबसे उपयुक्त है। अब तक इस तरह के करीब 300 हेलीकाप्टर बने हैं।
- एंटी सबमैरिन वारफेयर, एंटी सर्फेस वारफेयर और सर्च एंड रेस्क्यू आपरेशन के लिए यह सबसे मुफीद है।
- इस हेलीकाप्टर की पहली उड़ान 2001 में हुई थी। अमेरिकी नौसेना ने 2007 में पहली स्क्वाड्रन बनाई। इसे रोमियो के नाम से भी जाना जाता है।

निशीथ प्रमाणिक की नागरिकता की जांच के लिए प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

सियासत

- राज्यसभा सदस्य रिपुन बोरा ने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के खिलाफ खोला मोर्चा
- बोरा ने प्रमाणिक को बांग्लादेशी नागरिक और गायबंधा जिले का निवासी बताया

नई दिल्ली, प्रेट्र : राज्यसभा सदस्य और असम प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने नवनियुक्त केंद्रीय गृह राज्यमंत्री निशीथ प्रमाणिक के कथित तौर पर बांग्लादेशी होने के आरोपों की जांच कराने की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की। हालांकि, प्रमाणिक के करीबी सूत्रों ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि मंत्री का जन्म, पालन-पोषण और शिक्षा-दीक्षा भारत में ही हुई है।

प्रधानमंत्री को शनिवार को लिखे और ट्विटर पर साझा किए गए पत्र में बोरा ने दावा किया कि विभिन्न टीवी चैनलों और अखबारों ने अपनी खबर में बताया है कि प्रमाणिक बांग्लादेशी नागरिक हैं।

खबरों का जिक्र करते हुए सांसद ने दावा किया कि मंत्री का जन्म स्थान हरिनाथपुर है जो बांग्लादेश के गायबंधा जिले के पलासबाड़ी पुलिस थाने के अंतर्गत आता है। खबर के मुताबिक वे कंप्यूटर की पढ़ाई करने के लिए बंगाल आए थे। बोरा ने दावा किया कि कंप्यूटर विषय में उपाधि मिलने के बाद पहले वे तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए और बाद में भाजपा में शामिल हुए और कूच बिहार से सांसद चुने गए।

बोरा ने दावा किया कि समाचार चैनलों के मुताबिक, प्रमाणिक ने छेड़छाड़ कर चुनावी नामांकन पत्र में अपना पता कूच बिहार दिखाया। चैनलों ने बांग्लादेश स्थित उनके पैतृक गांव का 'खुशनुमा माहौल' भी रेखांकित किया, जिसमें उनके बड़े भाई और कुछ ग्रामीण प्रमाणिक के केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बनने पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं। बोरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में कहा कि अगर ऐसा है तो देश के लिए बहुत गंभीर मामला है कि एक विदेशी नागरिक को केंद्रीय मंत्री नियुक्त किया गया है। इसलिए मैं आपसे (पीएम) मांग करता हूं कि निशीथ प्रमाणिक के जन्मस्थान और राष्ट्रीयता की जांच कराएं, ताकि पूरे देश में उत्पन्न भ्रम की स्थिति दूर हो सके।

जब प्रमाणिक के करीबी सूत्रों से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि मंत्री देशभक्त भारतीय हैं, जिनका जन्म, पालन-पोषण और शिक्षा-दीक्षा भारत में ही हुई है। उन पर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं।

सूत्रों ने कहा कि अगर मंत्री के कुछ रिश्तेदार दूसरे देश में जश्न मना रहे हैं तो वे क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर कनाडा के सांसद के भारतीय रिश्तेदार गर्व महसूस करते हुए भारत में उत्सव मनाते हैं तो उससे कनाडा के सांसद को क्या लेना देना।

अब लदने चाहिए अंग्रेजों के जमाने के कानूनों के दिन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जरूरत

- देश में नए दंड विधान की संहिता लागू करने को सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका
- केंद्र सरकार को न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिए जाने की मांग


अहम मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट। फाइल/इंटरनेट मीडिया

मुद्दे की बात

- कहा 161 साल पुरानी आइपीसी में सामाजिक आर्थिक बदलाव और तकनीकी उन्नति को देखते हुए बहुत से प्रविधान अप्रचलित हो गए हैं।
- विच हंटिंग, आनर किलिंग, गुंडा एक्ट, माब लिंचिंग आइपीसी में नहीं हैं, जबकि ये पूरे देश में होते हैं।
- कुछ राज्यों ने इनके खिलाफ कानून बनाया, लेकिन एक ही अपराध के लिए अलग राज्यों में अलग सजा है। ये कानून के समक्ष बराबरी के अधिकार का उल्लंघन है।

देश में अंग्रेजों के जमाने वाले कानूनों की जगह नए कानून लागू करने की जरूरत महसूस होने लगी है। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल हुई है, जिसमें 161 साल पुरानी आइपीसी (भारतीय दंड संहिता) को खत्म कर समग्र कड़े दंड विधान वाली नई आइपीसी लागू करने की मांग की गई है। इस याचिका में भ्रष्टाचार और आपराधिक कानूनों का अध्ययन कर समय की जरूरत के मुताबिक समग्रता के साथ कड़े कानूनी प्रविधान करने की मांग की गई है। पूरे देश में समान अपराध के लिए समान दंड की व्यवस्था होनी चाहिए।

याचिका में कहा गया कि आइपीसी में माब लिंचिंग (भीड़ द्वारा पीट-पीट कर मार देना), आनर किलिंग, वाइट कालर क्राइम, आर्थिक और वित्तीय अपराधों को उचित महत्व नहीं मिला है। ये ज्यादातर अपराध आज के दौर के हैं। आइपीसी में इसके लिए पर्याप्त प्रविधान नहीं हैं।

अनुभवी लोगों की मदद लेने का सुझाव : सुप्रीम कोर्ट में यह जनहित याचिका भाजपा नेता और वकील अश्वनी कुमार उपाध्याय ने दाखिल की है, जिसमें मांग की गई है कि केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह एक न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति गठित करे जिसमें सेवानिवृत्त जज, आइएएस, आइपीएस, सालिसिटर जनरल या एडीशनल सालिसिटर जनरल, एडवोकेट जनरल या एडीशनल एडवोकेट जनरल, सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार शामिल हों और ये भ्रष्टाचार और अपराध के बारे में सभी घरेलू आंतरिक कानूनों का अध्ययन करके समग्र, सख्त कानून वाली आइपीसी का ड्राफ्ट तैयार करें, जो कि एक देश-एक दंड विधान की अवधारणा पर आधारित हो। इससे कानून के समक्ष बराबरी और कानून में समान संरक्षण का अधिकार सुनिश्चित हो सकेगा। वैकल्पिक मांग में कहा गया है कि या तो कोर्ट विधि आयोग को निर्देश दे कि वह घरेलू आपराधिक कानूनों का अध्ययन कर कड़े दंड विधान की संहिता (आइपीसी) का ड्राफ्ट छह महीने में तैयार करे।

यह भी मांग की गई कि केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह एक देश एक दंड विधान की तर्ज पर कड़े कानून की समग्र भारतीय दंड संहिता लागू करने की संभावनाएं देखे।

अंग्रेज शासकों ने अपनी सुविधा के लिए बनाए थे कानून : याचिका में कहा गया है कि अंग्रेजों ने 1860 में आइपीसी (इंडियन पीनल कोड) अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए बनाई थी न कि भारतीयों को न्याय दिलाने के लिए। ये अंग्रेजों के भारत पर शासन करने और मालिक-नौकर की अवधारणा पर आधारित है। 161 साल पुरानी आइपीसी में सामाजिक आर्थिक बदलाव और तकनीकी उन्नति को देखते हुए बहुत से प्रविधान अप्रचलित हो गए हैं। 1860 में आइपीसी और 1861 में पुलिस एक्ट बनाने के पीछे अंग्रेजों का मुख्य उद्देश्य 1857 जैसी क्रांति को दुबारा होने से रोकना था।

कोरोना महामारी के बीच लोगों के साथ खड़ी हो संसद, उनकी चिंताओं को दूर करे : नायडू

- मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में राज्यसभा के सभापति ने सभी सदस्यों से किया आग्रह
- कोरोना से लड़ाई के बारे में अपडेट होने और सदस्यों के अनुभवों का लाभ उठाने के लिए संसद को सबसे सही मंच बताया

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसद के मानसून सत्र से पहले उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि वे कोरोना महामारी के इस दौर में लोगों के साथ खड़े हों और सदन में उनकी परेशानियों को दूर करने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करें।

नायडू ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले शनिवार को सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि संसद में कामकाज नहीं होता है तो निराशा के मौजूदा माहौल में और वृद्धि होगी। इसलिए सदन के सभी वर्गों को एक सुचारू और उत्पादक सत्र सुनिश्चित करना चाहिए। नायडू ने कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने हैरान करने वाले प्रभाव छोड़े हैं। भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था को गंभीर दौर से गुजरना पड़ा है। इस महामारी से लड़ने के विभिन्न पहलुओं के बारे में अपडेट होने और विभिन्न राज्यों के सदन के सदस्यों के अनुभवों का लाभ उठाने का संसद सबसे सही मंच है।

सरकार लाएगी 29 बिल : संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बैठक में बताया कि सत्र के दौरान सरकार 29 बिल लाएगी। इसमें छह बिल ऐसे हैं जो अध्यादेशों का स्थान लेंगे। उन्होंने संसद के सत्र को सुचारू बनाने के लिए सभी सदस्यों से सहयोग मांगा।

पवार का अफगानिस्तान पर चर्चा का सुझाव : सर्वदलीय बैठक में राकांपा नेता शरद पवार ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापस के बाद वहां पैदा हुए हालात पर चर्चा कराने का सुझाव दिया। तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन ने विधेयकों की संसदीय समितियों से और जांच कराने की बात कही। बैठक में 20 दलों के नेताओं ने अपनी बात रखी और कई सुझाव दिए। बैठक में नायडू ने भाजपा नेता पीयूष गोयल को सदन का नेता बनाए जाने पर बधाई दी। बैठक में गोयल के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रेल एवं आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और अन्य कई मंत्री भी मौजूद रहे।

नेता प्रतिपक्ष ने चीन के साथ सीमा विवाद पर चर्चा का प्रस्ताव रखा

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश की सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कराने का प्रस्ताव किया। इसमें चीन के साथ सीमा पर तनाव समेत जम्मू-कश्मीर सीमा का मामला भी शामिल है। उन्होंने कोरोना और किसानों के आंदोलन पर भी चर्चा कराने की मांग की।

अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट कहिए

जासं, जम्मू : जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट का नाम अब बदल गया है। अब इसे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के नाम से जाना जाएगा। केंद्रीय कानून और अधिकारिता मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। अधिसूचना में यह भी साफ किया गया है कि दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक ही हाई कोर्ट रहेगा। इससे पूर्व जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद हाई कोर्ट का नाम केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित लद्दाख हाई कोर्ट कर दिया गया था। यह नाम काफी बोझिल हो गया था। इसी वजह से नाम में बदलाव का प्रस्ताव आया था। अधिसूचना के अनुसार, अब यह नाम सरल होने के साथ-साथ अन्य राज्यों के हाई कोर्ट के नाम के अनुरूप है। इसी तर्ज पर पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के उच्च न्यायालय को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के नाम से जाना जाता है। शुक्रवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन आदेश, 2021 पर हस्ताक्षर के साथ यह बदलाव प्रभावी हो गया।

बंगाल में उपचुनाव का संकेत, ईवीएम और वीवीपैट की जांच के निर्देश

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

चुनावी रण

- ईवीएम व वीवीपैट की जांच को कहा गया, सात विधानसभा सीटों पर होना है चुनाव
- ममता के लिए अहम है यह उपचुनाव, अब चार माह के भीतर जीतकर पहुंचना है विस

बंगाल में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब उपचुनाव की तैयारी तेज हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव वाले विधानसभा क्षेत्रों की सूची तैयार कर वहां पर तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। बताते चलें कि बंगाल में सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। यह उपचुनाव ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री बने रहने के लिए काफी अहम हैं। ममता अभी विधानसभा की सदस्य नहीं हैं, क्योंकि वह नंदीग्राम से चुनाव हार गई थीं। मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उन्हें छह माह के भीतर चुनाव जीतकर विधानसभा का सदस्य बनना होगा। अब इस समयावधि में केवल चार माह का समय ही शेष है। बता दें, बीते दिनों ही तृणमूल का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिला था और उपचुनाव की मांग की थी।

राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी आरिज आफताब ने कूचबिहार, दक्षिण कोलकाता, दक्षिण व उत्तर 24 परगना और नदिया के जिला चुनाव अधिकारियों को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा के उपचुनाव के लिए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपैट) की जांच शुरू करने के लिए कहा है।

राज्य के मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय के इस्तीफे के बाद कोलकाता स्थित ममता बनर्जी की परंपरागत सीट भवानीपुर खाली हो गई है। उन्होंने ममता के इस सीट से विधानसभा में चुने जाने का रास्ता साफ करने के लिए इस्तीफा दे दिया था। इसके अलावा कोविड-19 के कारण तृणमूल नेताओं काजल सिन्हा और जयंत नस्कर के निधन के कारण उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों में क्रमशः खरदा और गोसाबा सीटों पर उपचुनाव अनिवार्य हो गया है। मुर्शिदाबाद में शमशेरगंज और जंगीपुर सीटों पर उम्मीदवारों की मौत के बाद चुनाव रद कर दिया गया था और बाद में कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। दूसरी ओर, कूचबिहार के दिनहाटा से भाजपा के निशीथ प्रमाणिक तथा कृष्णानगर से जगन्नाथ सरकार के इस्तीफे के बाद इन दोनों सीट पर भी उपचुनाव होने हैं। यह दोनों भाजपा के सांसद हैं।

सक्रियता

रेलवे स्टेशन के नवीकरण व विकास कार्यों का लिया जायजा

निरीक्षण कार से पीएम के गांव पहुंचे रेल मंत्री

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

- यात्रा व लोको पायलट से बातचीत का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर हुआ वायरल

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शुक्रवार को अहमदाबाद रेल मंडल की निरीक्षण कार में सवार होकर गांधीनगर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैतृक गांव वडनगर पहुंच गए। वहां उन्होंने रेलवे स्टेशन के नवीकरण व विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान लोको पायलट से उनकी समस्याओं, सुविधाओं व प्रशिक्षण आदि के संबंध में जानकारियां लीं। निरीक्षण कार रेल इंजन जैसी होती है। इसमें दोनों तरफ इंजन होते हैं और ट्रैक को देखने के लिए आगे की ओर शीशा लगा होता है। इसे भी लोको पायलट ही चलाते हैं।

रेल मंत्री वैष्णव गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन के लोकार्पण समारोह में शामिल होने गांधीनगर पहुंचे थे। अहमदाबाद रेल मंडल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा बताते हैं कि रेल मंत्री निरीक्षण कार में सवार हुए और गांधीनगर-मेहसाणा रेलखंड का जायजा लेने के लिए निकल पड़े। करीब डेढ़ घंटे की यात्राकर वह पीएम मोदी के पैतृक गांव वडनगर पहुंचे। वैष्णव वडनगर रेलवे स्टेशन पर रखी पीएम मोदी के पिता दामोदरदास मोदी की चाय कैंटीन को देख भावविभोर हो उठे। उनके साथ सूरत की सांसद व रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश भी मौजूद रहीं।

रेलवे की निरीक्षण कार में सवार होकर रेल मंत्री का यूं एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाना इंटरनेट मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रहा है। लोको पायलट के साथ उनकी बातचीत की भी लोग काफी प्रशंसा कर रहे हैं। कुछ यूजर उनके इस कदम को रेलवे व यात्रियों के कल्याण से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं कुछ का मानना है कि अब रेलवे अपनी पूरी क्षमता व सुविधा के साथ देश की सेवा करेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैतृक गांव वडनगर का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने स्टेशन के नवीनीकरण को देखा तथा विकास कार्यों का जायजा लिया। रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोश भी उनके साथ रहीं। साभार पीआरओ अहमदाबाद रेल मंडल


लंबित मामलों की संख्या 4.5 करोड़ बताने पर जताई आपत्ति

प्रथम पृष्ठ से आगे

जस्टिस रमना ने देश में लंबित मामलों की संख्या 4.5 करोड़ बताए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह कठोर विश्लेषण है। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों को भारतीय न्यायपालिका की अक्षमता के तौर पर देखा जाता है, लेकिन यह आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई मामला कल दायर होता है, वह भी इस सूची में शामिल हो जाता है। इसलिए यह इस बात का उपयोगी संकेतक नहीं है कि प्रणाली कैसा काम कर रही है। न्यायिक देरी का मुद्दा जटिल समस्या है, लेकिन सिर्फ भारत में नहीं।

कह के रहेंगे — माधव जोशी



453.50 करोड़ रुपये की कोविड सहायता राशि घोषित की है राज्य मिशन शक्ति के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन शक्ति ओडिशा के 70 लाख महिलाओं का एक बड़ा अनुष्ठान है। यह राज्य के विकास का स्तंभ है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 18 जुलाई, 2021

पीएम से पवार की मुलाकात से सियासी अटकलें

गहमागहमी ▶ प्रधानमंत्री कार्यालय ने मुलाकात के बारे में सिर्फ फोटो ट्वीट कर दी जानकारी

पवार ने कहा, सहकारिता और बैंकिंग के मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र : राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात से दिल्ली और महाराष्ट्र के साथ देश भर में सियासी अटकलें लगने लगी हैं। दोनों पक्षों ने आपसी बातचीत को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं दी। हालांकि पीएमओ और पवार की ओर से किए गए ट्वीट से जो चीजें छनकर सामने आईं उनसे बैठक में बैंकिंग संशोधन कानून और सहकारिता क्षेत्र समेत कई मुद्दों पर चर्चा होने की बात कही जा रही है। राकांपा की ओर से कहा गया कि इस मुलाकात के बारे में सहयोगी दलों को पहले ही बता दिया गया था।

इस मुलाकात के संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय ने बैठक की एक तस्वीर ट्वीट की, लेकिन बातचीत के बारे में कोई विवरण साझा नहीं किया गया। उधर पवार ने भी एक ट्वीट में कहा, हमने अपने देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। राष्ट्रीय हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक संसद के मानसून सत्र से दो दिन पहले हो रही है, जो सोमवार से शुरू हो रहा है।

बाद में पवार ने एक पत्र ट्वीट किया जो उन्होंने प्रधानमंत्री को बैंकिंग अधिनियम में संशोधन के बारे में लिखा है। उन्होंने लिखा कि मैं कुछ विसंगतियों और अधिनियम के मानक प्रविधानों की परिणामी कानूनी अक्षमता को इंगित करना चाहता हूं जिनसे भ्रम की स्थिति है। खास तौर से 97वां संवैधानिक संशोधन जिससे राज्य सहकारी समिति अधिनियम और सहकारी सिद्धांतों के साथ टकराव की स्थिति है।

उन्होंने कहा कि मैंने पत्र में दोहराया है कि संशोधित अधिनियम के उद्देश्य सुविचारित हैं और कई प्रविधान आवश्यक भी हैं। त्रुटि करने वाले बोर्ड और प्रबंधन पर निश्चित रूप से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा की जानी चाहिए, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसा करते समय अति उत्साह में संविधान में निर्धारित सहकारिता सिद्धांतों की बलि न चढ़ जाए।

केंद्र द्वारा नया सहकारिता मंत्रालय गठित करने के कुछ दिन बाद यह पत्र सामने आया है। सहकारिता मंत्रालय की कमान भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह को सौंपी गई है। सहकारी आंदोलन की जड़ें महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में बहुत गहरी हैं।



महाराष्ट्र की गठबंधन राजनीतिक में उथल-पुथल के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएमओइंडिया ने इस तस्वीर को ट्विटर पर साझा किया है। प्रेट्र

राकांपा ने दी सफाई

राकांपा ने कहा कि नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ शरद पवार की बैठक अन्य बातों के अलावा, बैंकिंग विनियमन अधिनियम में संशोधन पर चर्चा करने के लिए निर्धारित थी। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगियों को इसके बारे में पता था। राकांपा प्रवक्ता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि एआइसीसी महासचिव एचके पाटिल को भी इस निर्धारित बैठक के बारे में बताया गया था। पाटिल और कांग्रेस के अन्य नेताओं ने हाल ही में मुंबई में पवार से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को भी इस बैठक से अवगत कराया गया है।

विपक्षी एकता के सूत्रधार हैं पवार

गहरी राजनीतिक सूझ-बूझ के लिए प्रसिद्ध पवार, महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी सरकार के मुख्य वास्तुकार हैं। उन्हें भाजपा के खिलाफ किसी भी भावी विपक्षी गठबंधन के लिए सूत्रधार के रूप में देखा जाता है। पवार के देश भर के विभिन्न दलों के नेताओं के साथ मधुर संबंध हैं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और पीयूष गोयल ने भी शुक्रवार को उनसे मुलाकात की थी। राजनाथ ने पवार को चीन से जुड़े सीमा विवाद पर जानकारी दी थी। पवार एक समय देश के रक्षा मंत्री रह चुके हैं। वहीं गोयल ने मानसून सत्र की शुरुआत से पहले विपक्षी नेताओं को सरकार का रुख बताने के लिए उनसे मुलाकात की थी।

चुनावी युद्ध के लिए आज समन्वय बनाएगा संघ परिवार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र सरकार सहित सभी अनुषंगिक संगठनों के साथ होगी समन्वय बैठक
- क्षेत्र और प्रांत पदाधिकारियों की बैठक में लिया योगी सरकार का फीडबैक

भाजपा का विजय रथ 2022 के उप्र विधानसभा चुनाव को भी निर्विघ्न पार कर जाए, इसके लिए संघ परिवार सेवा का अभियान तेज करेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कई स्तर की बैठकों में योगी सरकार के कामकाज का आकलन करते हुए फीडबैक लिया है। अब रविवार को भाजपा कोर कमेटी सहित सभी अनुषंगिक संगठनों के साथ संघ की समन्वय बैठक होने जा रही है।

संघ और सरकार की समन्वय बैठकें निश्चित अंतराल पर होती रहती हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव की तेज हुई तैयारियों के बीच बुलाई गई समन्वय बैठक का उद्देश्य यही माना जा रहा है कि समन्वय के साथ चुनावी जमीन मजबूत करने का प्रयास होगा।

सूत्रों ने बताया कि कानपुर रोड स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल में यह बैठक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले की अध्यक्षता में होगी। इसमें क्षेत्र व प्रांत पदाधिकारी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डा.दिनेश शर्मा सहित सभी अनुषंगिक संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। इसमें भाजपा द्वारा कोरोना काल में किए गए सेवा कार्य, कार्यक्रम व अभियान सहित योगी सरकार की योजनाओं आदि की समीक्षा की जाएगी। उसके आधार पर ही सेवा कार्यों के माध्यम से जनता से जुड़ाव बढ़ाने की समन्वित रणनीति तैयार की जाएगी।

सरकार द्वारा प्रस्तावित जनसंख्या नियंत्रण कानून पर भी चर्चा हो सकती है। इससे पहले शनिवार को सीएमएस में ही संघ के प्रांत और क्षेत्र के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें सरकार की योजनाओं और कामकाज पर फीडबैक लिया गया। उन बिंदुओं को भी समन्वय बैठक में रखकर मंथन किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

उप्र विस सचिवालय में जींस व टी-शर्ट पहनने पर रोक

लखनऊ : यूपी विधानसभा सचिवालय में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों के जींस व टी-शर्ट पहनकर कार्यालय में आने पर रोक लगा दी गई है। विधानसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव नरेंद्र मिश्रा की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके तहत अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह विधानसभा सचिवालय की गरिमा के अनुरूप कार्यालय अवधि में औपचारिक पोशाक ही पहनकर आएं। विधानसभा सचिवालय में अब इस नियम को सख्ती से लागू कराया जाएगा। कर्मचारी पैंट-शर्ट इत्यादि औपचारिक पोशाक ही पहनकर कार्यालय आ सकेंगे। नियम न मानने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। (राब्यू)

गहलोत सरकार किसानों को बिजली बिल पर देगी अनुदान

जयपुर : राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार ने राज्य के किसानों को बिजली के बिल में बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। इसके लिए मुख्यमंत्री किसान मित्र योजना प्रारंभ की गई है। इसके तहत किसान को प्रतिमाह बिजली के बिल में एक हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को योजना शुरू किए जाने की घोषणा की। इस योजना के तहत राज्य के प्रत्येक किसान परिवार को बिजली के बिल पर एक हजार रुपये की राशि प्रतिमाह अनुदान के रूप में मिलेगी। यह अनुदान राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इस योजना का लाभ इसी साल मई के बाद जारी किए गए बिजली के बिलों पर लागू होगा। (जासं)

वीआइपी वाराणसी में फूलन देवी को करेगी याद

पटना : बिहार में नीतीश सरकार की सहयोगी विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) वाराणसी में पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन करेगी। पार्टी ने कार्यक्रम को शहादत दिवस समारोह नाम दिया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने शनिवार को बताया कि 25 जुलाई को वीरांगना फूलन देवी का शहादत दिवस कार्यक्रम भव्यता के साथ वाराणसी में मनाया जाएगा। 25 जुलाई को यह कार्यक्रम वीआइपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व बिहार के पशु एवं मत्स्य विभाग के मंत्री मुकेश सहनी के नेतृत्व में संपन्न होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में महिला सशक्तीकरण तथा उनके उत्थान पर जोर देने के लिए, वीआइपी फूलन देवी की पुण्य तिथि को शहादत दिवस के तौर पर बिहार में आयोजित करती आई है। (राब्यू)

आसाराम-तोगड़िया का इलाज किया अब निंबाराम का करेंगे : डोटासरा

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि आसाराम और प्रवीण तोगड़िया जैसों का कांग्रेस की सरकारों में इलाज किया गया है, अब निंबाराम को भी करेंगे। गौरतलब है कि जयपुर नगर निगम क्षेत्र में कचरा उठाने वाली बीवीजी कंपनी से जुड़े कथित घूसकांड के वीडियो के आधार पर राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने निंबाराम को एफआइआर में आरोपित बनाया है। उन्होंने कहा कि निंबाराम के खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई होगी।

डोटासरा शनिवार को पेट्रोल और डीजल सहित अन्य जरूरत की वस्तुओं के दामों में वृद्धि के विरोध में कांग्रेस की ओर से जयपुर में निकाले गए पैदल मार्च के बाद आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व नेता प्रवीण तोगड़िया और कथावाचक रहे आसाराम बापू का इलाज कांग्रेस की सरकार ने ही किया है। अब निंबाराम का इलाज भी कांग्रेस की सरकार ही करेगी। डोटासरा ने कहा कि घटते जनाधार के कारण संघ प्रमुख मोहन भागवत हिंदू और मुसलमानों का डीएनए एक बताने लगे हैं। उन्मादी हिंसा करने वालों को हिंदू मानने से इन्कार कर रहे हैं।

पायलट हमारे नेता, पर वह अभी बच्चे हैं : अमिन खान

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान कांग्रेस में पिछले एक साल से जारी सियासी खींचतान के बीच पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक अमिन खान ने एक बयान में कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट हमारे नेता हैं, लेकिन वह अभी बच्चे हैं। आने वाला समय उनका ही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद होते रहते हैं, लेकिन मतभेद का मतलब एक-दूसरे का विरोधी होना नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को बोलने का अधिकार है। भाजपा में गुटबाजी की चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस में लोकतंत्र है, जबकि भाजपा में सही बात बोलने की अनुमति किसी को नहीं है।

नाना पटोले को मिला संजय निरुपम का साथ

राज्य ब्यूरो, मुंबई

महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी (एवीए) सरकार के बीच चल रही अंतर्कलह के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले को मुंबई के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम का साथ मिलता दिखाई दे रहा है। निरुपम ने भी कहा है कि हम भले राकांपा एवं शिवसेना के साथ मिलकर राज्य में सरकार चला रहे हों, लेकिन नाना पटोले को राज्य में कांग्रेस को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है, और वे उसे ठीक से निभा रहे हैं।

निरुपम कहते हैं कि नाना पटोले जो भी बोल रहे हैं, उसमें एक आना भी गलत नहीं है। वे कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। कांग्रेस की ताकत बढ़ाना उनकी जिम्मेदारी है। संगठन मजबूत करने के लिए कांग्रेस को हर सीट पर लड़ना पड़ेगा। पटोले उसी की तैयारी कर रहे हैं, तो इसमें गलत क्या है। सरकार एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत बनी है, और उसी के आधार पर काम कर रही है। जिस तरह से शिवसेना और राकांपा को बात-बात पर ऐतराज होता है इससे लगता है कि उनमें असुरक्षा की भावना है।

खुद शिवसेना में रहकर राजनीति की लंबी पारी खेल चुके संजय निरुपम कहते हैं कि महाराष्ट्र लंबे समय तक कांग्रेस का गढ़ रहा है। यहां कांग्रेस ने वर्षों तक अपने दम पर अपना सीएम बनाया और सरकार चलाई है। अब यदि हम इन तीनों पार्टियों के गठबंधन में ही हमेशा लड़ने को तैयार हो जाएं, तब तो 40-50 सीट से ज्यादा कभी ला ही नहीं पाएंगे।

निरुपम कहते हैं कि राकांपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के दौरान भी कांग्रेस ही हमेशा ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ती थी। कांग्रेस को फिर से उसी स्थिति में आने की जरूरत है। बता दें कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले द्वारा कांग्रेस के अलग चुनाव लड़ने की घोषणा महाविकास अघाड़ी में उनके सहयोगी दलों राकांपा और शिवसेना को रास नहीं आ रही है।

पटोले का मजाक उड़ा चुके पवार : राकांपा अध्यक्ष शरद पवार यह कहकर पटोले का मजाक उड़ा चुके हैं कि पटोले जैसे छोटे व्यक्ति की बात पर मैं क्या टिप्पणी करूं। शुक्रवार को राकांपा के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने भी यह कहकर प्रदेश अध्यक्ष को नजरअंदाज करने की कोशिश की कि हम एचके पाटिल की कही बात को महत्व देते हैं।

बता दें कि एचके पाटिल महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी हैं। हाल ही में जब पटोले कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलनों में राकांपा और शिवसेना पर तीखी टिप्पणियां कर रहे थे, उसी दौरान एचके पाटिल महाविकास अघाड़ी सरकार में कांग्रेस कोटे के दो वरिष्ठ मंत्रियों बालासाहब थोरात एवं अशोक चव्हाण को लेकर शरद पवार से मिलने उनके घर जा पहुंचे थे।



नाना पटोले। फाइल

महाराष्ट्र का सत्ता संग्राम

- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पार्टी को मजबूत कर रहे, यह उनका काम है
- शिवसेना और राकांपा जिस तरह कांग्रेस का मजाक उड़ाते हैं वह गलत है
- दोनों दल चाहते हैं हम 40-50 सीट पर चुनाव लड़ें और पिछलग्गू बने रहें
- हम महाराष्ट्र के मालिक हैं, हमें फिर से राज्य में झंडा ऊंचा करना है



महाराष्ट्र में हम सरकार बनाने के लिए राकांपा एवं शिवसेना के साथ आए हैं। आगे चलकर हमें साथ में चुनाव लड़ना है, ऐसा तो कुछ तय नहीं हुआ।
-संजय निरुपम, कांग्रेस नेता

भाजपा सरकार नहीं चला सकती तो कांग्रेस को करे हैंडओवर : सलमान खुर्शीद

राज्य ब्यूरो, रांची : चुनावी राजनीति में लगातार पिछड़ रही कांग्रेस का दावा है कि भाजपा को सरकार चलाना नहीं आता। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने रांची में पार्टी कार्यालय में कहा कि कांग्रेस को भाजपा सत्ता सौंप दे। उनका दावा था कि महंगाई पर अंकुश लगाने में भाजपा सरकार विफल है और मुद्रास्फीति बढ़ना इसका प्रमाण है। इस पर झारखंड भाजपा के अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि सलमान खुर्शीद को आईने में चेहरा देख लेना चाहिए। झारखंड में कांग्रेसी विधायक ही काम नहीं होने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस- झामुमो की सरकार विफल सरकारों की सूची में ऊपर है। हर मोर्चे पर राज्य सरकार विफल साबित हुई है।

खुर्शीद ने दावा किया कि केंद्र असहाय है। हर चीज के लिए ये नेहरू व कांग्रेस को ही दोषी ठहराते हैं। सारा दोष हमारा ही है तो हमें सरकार हैंडओवर कर दें। हम सरकार चलाकर दिखाएंगे। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस चुनावों में विफल साबित हो रही है तो क्या वह चाहते हैं कि बगैर चुनाव जीते सत्ता मिल जाएगी, खुर्शीद ने कहा कि जब चुनाव आएगा तब देखा जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे बंगाल के राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ शनिवार सुबह अचानक दिल्ली के लिए रवाना हो गए। कलकत्ता हाई कोर्ट के समक्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की ओर से बंगाल चुनाव के बाद हुई हिंसा पर रिपोर्ट दाखिल करने के बाद राज्यपाल का दिल्ली जाना काफी अहम माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि इसी मुद्दे पर राज्यपाल दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करेंगे। राज्यपाल की अचानक दिल्ली रवानगी से राज्य के सियासी माहौल में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

बता दें कि एनएचआरसी ने अपनी रिपोर्ट में राज्य प्रशासन व तृणमूल नेताओं तथा मंत्रियों पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट में बंगाल हिंसा की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित करने की सिफारिश की गई है। इस रिपोर्ट को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लेकर उनके नेता व मंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं।

मानसून सत्र में महिला आरक्षण बिल की मांग पर मुखर होगी तृणमूल

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने कहा-बिल लाने का उचित समय
- कृषि कानून विरोधी आंदोलन, पेट्रोल-डीजल की मूल्यवृद्धि जैसे मुद्दों को भी उठाया जाएगा

तृणमूल कांग्रेस संसद के मानसून सत्र में महिला आरक्षण बिल लाने की मांग को जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी कर रही है। तृणमूल के प्रवक्ता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि अभी राजनीतिक दलों में महिलाओं की उपस्थिति महज 14 फीसद है। लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा की महज 14 व 11 फीसद महिला प्रतिनिधि हैं, जबकि तृणमूल की क्रमशः 41 व 36 फीसद महिला प्रतिनिधि हैं। तृणमूल कृषि कानून विरोधी आंदोलन, पेट्रोल-डीजल की मूल्यवृद्धि जैसे मुद्दों को भी जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी कर रही है।

डेरेक ने कहा कि महिला आरक्षण बिल लाने का यही उचित समय है। भाजपा की अगुआई वाली केंद्र सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। गौरतलब है कि तृणमूल के महासचिव अभिषेक बनर्जी 21 जुलाई की रात दिल्ली जा रहे हैं। उसके अगले हफ्ते बंगाल की मुख्यमंत्री व पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी भी दिल्ली जा रही हैं यानी मानसून सत्र के समय तृणमूल का शीर्ष नेतृत्व राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद रहेगा।

सूत्रों ने बताया कि तृणमूल भाजपा विरोधी सभी दलों को एकजुट करने में जुटी हुई है। डेरेक ओ ब्रायन ने इस बाबत पिछले दिनों अकाली दल के राज्यसभा सदस्य नरेश गुजराल से मुलाकात की थी। तृणमूल के पक्ष में एक बात यह है कि उसकी कांग्रेस व वामदलों को छोड़कर किसी भी अन्य भाजपा विरोधी दल के साथ प्रतिद्वंद्विता नहीं है। दूसरी तरफ हालिया संपन्न बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त देने के बाद भाजपा विरोधी दलों की भी तृणमूल पर निगाह है। ऐसे में तृणमूल संसद में भाजपा विरोधी दलों की अगुआई कर सकती है।

अंगरक्षक की मौत के मामले में फिर सुवेंदु के घर पहुंची सीआइडी

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम सीट से भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के आवास पर शनिवार को दूसरी बार अपराध अन्वेषण शाखा (सीआइडी) की टीम जांच के लिए पहुंची। तीन साल पहले सुवेंदु के अंगरक्षक की मौत की जांच के सिलसिले में सीआइडी टीम तीन दिनों के भीतर दूसरी बार उनके घर पहुंची है। पूर्व मेदिनीपुर के कांथी में सुवेंदु के घर के पास ही स्थित बैरक में सुवेंदु के अंगरक्षक रहते हैं। सीआइडी की टीम यहीं पर पहुंची और छानबीन की। सीआइडी ने इसी सप्ताह इस केस की जांच की जिम्मेदारी संभाली है। इससे पहले बंगाल पुलिस मामले की जांच कर रही थी। बता दें, सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा में रहे शुभाब्रत चक्रवर्ती ने 2018 में पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी में पुलिस बैरक में कथित रूप से गोली मारकर जान दे दी थी। चक्रवर्ती की पत्नी सुपर्णा ने हाल में कांथी थाने में एक नई शिकायत दर्ज कराई थी और अपने पति की मृत्यु के मामले में जांच की मांग की थी।

इससे पहले बुधवार को सीआइडी की टीम जांच के लिए सुवेंदु के घर पहुंची थी। उस दिन वह अपने आवास पर नहीं थे।

'उप्र में उड़ाई गई लोकतंत्र की धज्जियां, पीएम कर रहे तारीफ'

जागरण संवाददाता, सेमराघाट (लखीमपुर)

- प्रियंका ने पसगवां कांड की पीड़िताओं से मुलाकात की

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को कहा, उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। यहां पंचायत चुनाव में महिलाओं की साड़ी खींची गई, उनके कपड़े फाड़े गए, छोटा बच्चा था उस पर भी दबंगों को तरस नहीं आया। किसी ने इस अत्याचार को रोका नहीं। एक सीओ ने बचाने की कोशिश की, तो उस पर ही कार्रवाई कर दी गई। प्रशासन मौन खड़ा रहा। चुनाव को रद करना चाहिए था, यह भी नहीं किया गया। प्रियंका ने आरोप लगाया कि कोई भी आदमी 10 गुंडे लेकर दबंगई करेगा और चुनाव जीतकर चला जाएगा। क्या यही लोकतंत्र है? क्या इस तरह का लोकतंत्र ही देश और प्रदेश में स्थापित होना चाहिए? लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई गई हैं और प्रधानमंत्री भी योगी सरकार के पंचायत चुनाव में प्रदर्शन की तारीफ कर रहे हैं।

प्रियंका शनिवार को लखीमपुर खीरी के पसगवां ब्लाक में दो महिलाओं के साथ नामांकन के दौरान हुई अभद्रता की घटना का जायजा लेने सपा नेता क्रांति कुमार सिंह के आवास सेमराघाट पहुंची थीं। प्रियंका ने कहा कि पंचायत चुनाव में कहीं हिंसा हुई है, कहीं बम फूटे, कहीं गोलियां चलीं तो कहीं अराजकता हुई है। नामांकन पत्र भी फाड़े गए, लेकिन किसी को कुछ भी दिखाई नहीं पड़ रहा है। वाड्रा ने जोर देकर कहा कि वह पसगवां कांड में पीड़ित महिलाओं के साथ एक बहन की तरह खड़ी हैं और पूरे देश व प्रदेश की महिलाएं भी इस अत्याचार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर इस तरह से महिलाओं के अधिकारों को कुचला जाएगा तो वह इसका विरोध करेंगी। उन्होंने कहा कि अगर यही करना है तो फिर महिला आरक्षण क्यों किया? करीब 20 मिनट तक पीड़ित महिलाओं से मिलने के बाद वाड्रा ने मीडिया से मुखातिब हुईं। कहा- वह मांग करती हैं यह चुनाव रद हो और जो लोग भी इस कांड में दोषी हैं, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।



लखीमपुर में पंचायत चुनाव के दौरान मारपीट की शिकार हुई पीड़िता से मिलतीं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा। एएनआइ

कांग्रेस का अंतर्कलह

कायम है कैप्टन अमरिंदर की नाराजगी

सिद्धू से कैप्टन की खटास बन सकती है परेशानी का सबब, साढ़े चार साल बाद कैप्टन से मिलने पहुंचे बाजवा

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

पंजाब में अंतर्कलह को सुलझाने में जुटे कांग्रेस हाईकमान की राह उतनी आसान नहीं है, जितनी दिख रही है। खास तौर पर नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर कैप्टन अमरिंदर की नाराजगी नई समस्या बन सकती है।

जानकार बताते हैं कि सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए कैप्टन अमरिंदर मजबूरी में ही तैयार हुए हैं। रावत से मुलाकात के दौरान जिस तरह उन्होंने सिद्धू से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की शर्त रखी है, उससे समस्या की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सिद्धू की अति सक्रियता और उनके विरोधियों की कैप्टन के साथ नजदीकी भी नया संकेत दे रही है। सबसे अहम राज्यसभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा का करीब चार साल बाद कैप्टन अमरिंदर से मिलना है। दोनों नेता राजनीतिक के दो धुरी माने जाते हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री के बुलावे पर बाजवा शनिवार रात डिनर पर उनके फार्म हाउस पर पहुंच गए। बाजवा भी सिद्धू को अध्यक्ष बनाए जाने की कार्रवाई से खुश नहीं हैं। दिलचस्प यह है कि कैप्टन ने करीब पांच साल पहले हाईकमान को अपनी पैठ (शक्ति प्रदर्शन करके) दिखाकर बाजवा से प्रदेश अध्यक्ष का पद लिया था। अब जब अध्यक्षता सिद्धू के पास जाती दिखाई दे रही है तो ये दोनों प्रतिद्वंद्वी एकजुट हो रहे हैं।

उधर, सिद्धू का व्यवहार भी हैरान करने वाला है। जब कैप्टन और रावत बैठक कर रहे थे, उसी समय सिद्धू प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, पूर्व अध्यक्ष लाल सिंह और कैप्टन से नाराज कांग्रेस के मंत्रियों के साथ मुलाकात कर रहे थे। सिद्धू शनिवार सुबह अचानक पंचकूला पहुंचे और उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ से उनके घर पर मुलाकात की। दोनों में करीब पौना घंटा बात हुई। इसके बाद सिद्धू ने चंडीगढ़ में सेक्टर 39 में सहकारिता मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू, राजस्व मंत्री गुरप्रीत कांगड़, मंडी बोर्ड के चेयरमैन लाल सिंह सहित कई विधायकों व अन्य नेताओं से मुलाकात की। सिद्धू ने शुक्रवार रात को कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों शमशेर सिंह दूलो व प्रताप सिंह बाजवा से भी मुलाकात की थी।

रावत के लिए हेलीकाप्टर के प्रयोग पर उठे सवाल

चंडीगढ़, राब्यू : पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश रावत को दिल्ली से लाने और छोड़ने के लिए सरकारी हेलीकाप्टर के इस्तेमाल पर सवाल उठ रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर इसकी खूब आलोचना हुई है, वहीं अकाली दल ने भी कैप्टन सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। अकाली दल के प्रवक्ता डा. दलजीत सिंह चीमा ने सवाल किया कि यह खर्च आम लोगों की जेब पर क्यों डाला जा रहा है। यह खर्च कैप्टन अपनी जेब से करें। कांग्रेस ने चुनाव घोषणा पत्र के दावा किया था कि आपात स्थिति या आपदा के मामले को छोड़कर मुख्यमंत्री या किसी मंत्री की यात्रा के लिए हेलीकाप्टर का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। परंतु अब कांग्रेस राज्य की संपत्ति का दुरुपयोग कर रही है

ओडिशा में पंचायतों का पुनर्गठन नहीं, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी चुनाव

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर : ओडिशा सरकार ने पंचायत पुनर्गठन को लेकर तमाम संभावनाओं पर से शनिवार को पर्दा हटा दिया। सरकार ने राज्य चुनाव आयोग को जानकारी देते हुए कहा है कि इस बार पंचायतों का पुनर्गठन नहीं होगा। वार्ड संख्या में भी कोई बदलाव नहीं होगा। सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में भी चुनाव कराने की रणनीति बनाई है।

बता दें कि 2017 के चुनाव से पहले पंचायत पुनर्गठन हुआ था। कुछ पंचायतों को तोड़कर सीमा निर्धारित की गई थी। इस बार और पुनर्गठन की आवश्यकता नहीं है। इस निर्णय के बाद चुनाव प्रक्रिया में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

राज्य में छह हजार 801 पंचायत एवं 92 हजार 29 वार्ड में चुनाव होगा। इसे ध्यान में रखकर चुनाव आयुक्त ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। चुनाव में 92 हजार बैलेट बॉक्स की जरूरत है। इसको लेकर सभी जरूरी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

'नए अध्यक्ष तो हमें पूछते ही नहीं प्रियंका मैडम'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में प्रभारी के तौर पर जिम्मेदारी संभालते ही राष्ट्रीय महासचिव ने कांग्रेस के पत्ते सिरे से फेंट डाले थे। लगभग सारे अध्यक्ष बदलकर नया संगठन खड़ा कर दिया। इस 'युवा जोश' के साथ पार्टी अभी चुनावी मैदान उतरी भी नहीं कि काम के पहले उनके व्यवहार ने पुराने कांग्रेसियों को आहत कर दिया। चुनावी रणनीति के लिए प्रियंका ने पूर्व जनप्रतिनिधियों और पूर्व जिला-शहर अध्यक्षों के साथ बैठक की तो टीस बाहर आ गई। अधिकतर की शिकायत थी कि नए अध्यक्ष तो पुरानों को पूछते ही नहीं। लगभग डेढ़ वर्ष बाद लखनऊ आई प्रियंका शनिवार सुबह लखीमपुर के पसगंवा ब्लाक पहुंचीं। वहां ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी की उस महिला प्रस्तावक से मिलीं, जिसकी साड़ी खींची गई थी। वहां भाजपा सरकार पर गरजने-बरसने के बाद वह प्रदेश मुख्यालय लौट आईं। यहां पार्टी के पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व जिला और शहर अध्यक्षों के साथ बैठक की। पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के लगातार उलाहनों के बीच प्रियंका ने इन पुराने कार्यकर्ताओं को मिशन-2022 में जुटने का आह्वान किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पूर्व जिला और शहर अध्यक्षों को ज्यादा शिकायत थी। उनका कहना था कि नए जिला और शहर अध्यक्ष उन्हें पूछते ही नहीं। वह अपना अपमान महसूस कर रहे हैं। खुद प्रियंका से न मिल पाने की पीड़ा भी कुछ कार्यकर्ताओं ने जाहिर की। इस पर प्रियंका ने समझाया कि विधानसभा चुनाव जीतना है तो आपस में तालमेल बनाना होगा। अनुभव का सम्मान होना ही चाहिए। कुछ अध्यक्षों से गलती हो गई होगी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

3 घंटे का तीन लाख होगा वाराणसी स्थित कन्वेंशन सेंटर रुद्राक्ष का किराया। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका लोकार्पण किया। बुकिंग की पूछताछ शुरू, 23 जुलाई से 12 अगस्त तक की आई पार्टियां।

ब्लाग पर धमकाने और फतवे जारी करने वाले सरगना सहित पांच गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में मुख्यधारा की राजनीति से जुड़े सियासी नेताओं, मीडियाकर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों को ब्लाग कश्मीरफाइटर्स.वर्डप्रेस.काम के जरिये धमकाने और उनके खिलाफ फतवे जारी करने वाले सरगना समेत पांच लोगों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारे पर ब्लाग चलाने वाले इन पांच लोगों में से चार को श्रीनगर और एक को पुंछ में पकड़ा गया है। फिलहाल, इनसे पूछताछ कर उनके अन्य साथियों की तलाश जारी है। इन पांचों की गिरफ्तारी से पुलिस को पत्रकार शुजात बुखारी, एडवोकेट बाबर कादरी और स्वर्णकार सतपाल निश्चल की हत्या की गुत्थी के पूरी तरह हल होने की उम्मीद है।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आइजीपी) विजय कुमार ने बताया कि श्रीनगर, पुलवामा, जम्मू और पुंछ में विभिन्न जगहों पर पुलिस ने दबिश दी और कई घरों व कार्यालयों की तलाशी भी ली। इस दौरान ब्लाग चलाने वाले श्रीनगर के सनतनगर से नाजिश यासरब रहमानी व ताबिश अकबर रहमानी, राजबाग से सोफी मुहम्मद अकबर, बटपोरा से पीरजादा रफीक मखदूमी और पुंछ से जावेद खालिद को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इन सभी के ठिकानों की तलाशी अदालत से वारंट प्राप्त करने बाद ली गई है।

एक मकान से 32 मोबाइल, व अन्य समान बरामद : आइजीपी ने बताया कि आरोपितों के ठिकानों की तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड व कई दस्तावेज मिले हैं। एक मकान की तलाशी के दौरान तो 32 मोबाइल फोन, एक टैबलेट, दो लैपटाप, चार हार्ड डिस्क, सात मैमरी कार्ड और एक डोंगल जब्त किया गया है।

हिट लिस्ट तैयार करते थे सफेदपोश आतंकी : आइजीपी ने बताया कि यह ब्लाग सफेदपोश आतंकियों द्वारा चलाया जा रहा था, जिसका काम ऐसे सरकारी अधिकारियों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वकीलों और राजनीतिक लोगों की हिट लिस्ट तैयार करना था, जो कश्मीर में पाकिस्तानी एजेंडे, आतंकी गतिविधियों और अलगाववादी तत्वों के मंसूबों को नाकाम बनाने का काम कर रहे थे। इस ब्लाग और इससे जुड़े लोगों का इरादा कश्मीर में पाकिस्तानी एजेंडे को मजबूत बनाना और आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए जम्मू-कश्मीर को देश से अलग कर पाकिस्तान में मिलाने की साजिश थी।

बड़ी कामयाबी

- पत्रकार शुजात बुखारी, एडवोकेट बाबर कादरी और स्वर्णकार सतपाल की हत्या की गुत्थी हल होने की उम्मीद
- पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारे पर चलाते थे ब्लाग, चार को श्रीनगर और एक को पुंछ से किया गया गिरफ्तार

कई हत्याओं की खुलेगी गुत्थी

आइजीपी ने बताया कि सरगना समेत पांच लोगों की गिरफ्तारी और बड़ी संख्या में मिले डिजिटल उपकरणों के बाद हमें इस बात की पूरी उम्मीद है कि पत्रकार शुजात बुखारी, एडवोकेट बाबर कादरी, सतपाल निश्चल की हत्या की गुत्थी और इन हत्याओं के पीछे के मकसद का पूरा पर्दाफाश होगा। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है। बरामद डिजिटल उपकरणों को भी खंगाला जा रहा है, उनके डाटा का आकलन किया जा रहा है।

ऐसे चलाते थे ब्लाग

आइजीपी ने बताया कि उक्त ब्लाग पर पहले टारगेट किए गए व्यक्ति विशेष का नाम और प्रोफाइल का उल्लेख किया जाता था। इसके साथ ही बताया जाता कि वह क्यों आतंकियों के निशाने पर है और अंततः वह व्यक्ति आतंकियों के हाथों मारा जाता था।

ब्लाग पर लगा है प्रतिबंध

आतंकियों और अलगाववादियों के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे ब्लाग कश्मीरफाइटर्स.वर्डप्रेस.काम पर लगातार प्रकाशित होने वाली राष्ट्रविरोधी सामग्री और इसके जरिये कश्मीर में सक्रिय विभिन्न लोगों के खिलाफ माहौल तैयार किए जाने की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है ताकि इससे किसी को भ्रमित नहीं किया जा सके। यह ब्लाग अब भारत में नहीं देखा जा सकता।

प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं रवींद्र नारायण सिंह

प्रथम पृष्ठ से आगे

पद्मश्री रवींद्र नारायण सिंह देश के जाने-माने हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं। वह मूल रूप से बिहार के सहरसा जिले के गोलमा निवासी हैं। पिता राधावल्लभ सिंह जिला एवं सत्र न्यायाधीश थे। रवींद्र नारायण सिंह ने कटिहार में स्कूली शिक्षा के बाद पटना विश्वविद्यालय से एमबीबीएस व एमएस की डिग्री हासिल की। उसके बाद अध्ययन करने लंदन चले गए। लंदन प्रवास के दौरान ही वह विश्व हिंदू परिषद से जुड़े। बाद में उन्होंने पटना में अपना क्लीनिक खोला। वह निर्धन रोगियों का निश्शुल्क उपचार करते हैं। दिव्यांग बेटियों के लिए विद्यालय खुलवाने में उनका बड़ा योगदान है। चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए 2010 में उन्हें पद्मश्री से विभूषित किया गया था। जनवरी, 2021 में उन्हें विहिप का केंद्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था।

भारतीय किसान यूनियन लड़ेगी विधानसभा चुनाव : नरेश टिकैत

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर : तमाम अटकलों को विराम देते हुए शनिवार देर शाम भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने घोषणा कर दी कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में भाकियू भी अपने प्रत्याशी उतारेगी। चौधरी नरेश टिकैत ने यह स्पष्ट कर दिया कि भाकियू केवल किसानों को ही प्रत्याशी बनाएगी। उन्होंने एलान किया कि हम ऐसे जनप्रतिनिधि बनाएंगे, जिनसे गलती होने पर भरी पंचायत में इस्तीफा लिया जाएगा। भाकियू के प्रभाव वाली सीटों पर ही पार्टी अपने प्रत्याशी खड़ा करेगी अथवा पूरे सूबे में, अकेले चुनाव लड़ेगी अथवा किसी दल के साथ गठबंधन कर, आदि विषयों पर निर्णय पांच सितंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की महापंचायत में लिया जाएगा। मालूम हो कि पंजाब में विधानसभा चुनाव लड़ने की वकालत करने पर भाकियू (चढूनी) के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी को संयुक्त किसान मोर्चा ने सात दिन के लिए निलंबित कर दिया था।

शनिवार को सिसौली में आयोजित पंचायत में चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को देख लिया। जब इनकी सरकार आती है तो ये किसानों की नहीं सुनते इसीलिए आगामी विधानसभा चुनाव में भाकियू अपने उम्मीदवार उतारेगी। पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर के राजकीय इंटर कालेज मैदान में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर महापंचायत होगी, आगे के निर्णय वहीं लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के जुल्म के खिलाफ किसानों को संगठित रहना होगा। यह आखिरी लड़ाई हम नहीं लड़ पाए तो किसान खत्म हो जाएंगे। भाजपा वाले हम पर हावी होने की कोशिश में हैं। सपा सरकार के दौरान जब हुकुम सिंह और कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था, हमने मदद की थी।

मेवात को दूसरा कश्मीर बनाना चाहते हैं जिहादी

चिंताजनक ▶ विहिप प्रबंध समिति एवं प्रन्यासी मंडल की बैठक में उठा हिंदुओं के पलायन का मुद्दा, घर वापसी कराने का लिया संकल्प

बिजेंद्र बंसल, फरीदाबाद

विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय प्रबंध समिति एवं प्रन्यासी मंडल की बैठक में मेवात से हिंदुओं के पलायन पर चिंता जताई गई। विहिप का मानना है कि कभी भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का स्थान रहा मेवात अब दुर्भाग्य से जिहादियों के षड्यंत्रों से त्रस्त होकर समरसता का अपना मूल चरित्र खो चुका है। यह आतंकियों, बांग्लादेशी घुसपैठियों और बर्बर रोहिंग्याओं का अभयारण्य बन गया है। यहां महाभारतकालीन कई तीर्थस्थल हैं, जिन पर जिहादियों का कब्जा है। जिहादी मेवात को हिंदू विहीन एक और कश्मीर बनाना चाहते हैं।

गुरुग्राम से सटे नूंह, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना और फरीदाबाद जिले का हथीन क्षेत्र और राजस्थान के अलवर व भरतपुर की सीमा पर बसे गांव मेवात क्षेत्र में आते हैं। बैठक में चर्चा के बाद विहिप के संयुक्त महामंत्री डाक्टर सुरेंद्र जैन ने बताया कि परिषद ने मतांतरण करने वाले हिंदुओं की घर वापसी कराने का संकल्प लिया है। जबरन मतांतरण के खिलाफ केंद्रीय कानून बनने से विहिप को कानून का सहारा भी मिलेगा, लेकिन विहिप कानून बनने की प्रतीक्षा नहीं करेगी और पहले ही इस दिशा में काम शुरू कर देगी।

विहिप ने बीते वर्ष मेवात पर एक अध्ययन किया था, जिसके निष्कर्षों से हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को अवगत कराया था। अध्ययन में सामने आया था कि मेवात के 103 गांवों में कोई हिंदू परिवार नहीं बचा है। 90 से अधिक ऐसे गांव हैं जिनमें पांच से कम ही हिंदू परिवार बचे हैं।

रणनीति बनाने में जुटे भाजपा सांसद, सत्र में बनाएंगे मुद्दा

राधाकिशन शर्मा, बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से भाजपा सांसद अरुण साव ने सूबे में तेजी से हो रहे मतांतरण के मुद्दे को मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में रखने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर प्रदेश के भाजपा सांसदों से बात हो गई है। सभी एक-दूसरे के संपर्क में हैं। सदन में पुरजोर तरीके से अपनी बात रखेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मिलकर छत्तीसगढ़ में मतांतरण के कारण बिगड़ते हालात से उन्हें अवगत कराएंगे व हस्तक्षेप की भी मांग करेंगे।

गौरतलब है कि नवा रायपुर में अवैध बालगृह में मध्य प्रदेश से बच्चों को लाकर मतांतरण कराने की कोशिश का दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन नईदुनिया द्वारा पर्दाफाश करने के बाद प्रदेश में इसके विरोध में सभी वर्ग में आवाज उठने लगी है। भाजपा इस मुद्दे पर आक्रामक दिखाई दे रही है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के मतांतरण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर मौन रहने से समुदायों के बीच टकराव के हालात बनने लगे हैं। सेवा की आड़ में मिशनरी आदिवासी व गरीब लोगों का मतांतरण कराने में लगी हैं। साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में भी मानसून सत्र शुरू होने वाला है। भाजपा के विधायक सदन में इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाएंगे और राज्य सरकार को घेरेंगे।

क्षेत्रवासियों से आग्रह है कि अगर कहीं मतांतरण हो रहा है तो तत्काल इसकी जानकारी दें। बीमारी ठीक कराने या फिर अन्य मदद के बहाने मतांतरण कराना विधि विरुद्ध है।

– गुहाराम अजगले, सांसद, जांजगीर-चांपा

मतांतरण के विरोध में संसद से सड़क तक लगातार आवाज उठाती रही हूं। मानसून सत्र के दौरान इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाने को वरिष्ठ नेताओं से सलाह मशविरा चल रहा है। यह गंभीर विषय है। रोक लगनी चाहिए।

– गोमती साय, सांसद, रायगढ़

छत्तीसगढ़ में इटली वाली मैडम को खुश करने के लिए मतांतरण चल रहा है। छद्म रूप से इन्हें संरक्षण दिया जा रहा है। आदिवासियों के साथ छल करके उनका मतांतरण किया जा रहा है। संसद में इसके विरोध में आवाज उठाएंगे।

– चुन्नीलाल साहू, सांसद, महासमुंद

सभी सांसदों से चर्चा के बाद इस मुद्दे को सदन में रखने पर विचार किया जाएगा। मतांतरित लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इसी प्रकार की स्थिति रही तो आने वाले समय में वर्ग संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है।

– मोहन मंडावी, सांसद, कांकेर

मतांतरण गिरोह के तीन और सदस्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गहरी साजिश के तहत एक हजार से अधिक हिंदुओं का मतांतरण कराने वाले उमर गौतम व उसके साथियों का नेटवर्क कई राज्यों में फैला है। आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की जांच में यह बात साबित हुई है। एटीएस ने मुख्य आरोपित उमर गौतम के तीन सक्रिय साथियों को नागपुर (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

एडीजी (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि शुक्रवार देर रात नागपुर से रामेश्वर कांवरे उर्फ एडम, कौसर आलम व भूप्रिय बंदो उर्फ डा.अर्सलान को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को सड़क मार्ग से लखनऊ लाया जा रहा है। माना जा रहा है कि एटीएस रविवार को तीनों को कोर्ट में पेश करेगी। एडम की पत्नी इजिप्ट की नागरिक माई हसन अली है। एडम का नेटवर्क इजिप्ट से लेकर मध्य एशिया व कई मुस्लिम बाहुल्य देशों में फैला था और वह लंबे समय से उमर गौतम के सीधे संपर्क में था। एटीएस इस मामले में इससे पूर्व उमर गौतम समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। एडीजी के अनुसार एडम नागपुर के गणेशपेठ का निवासी है। मूलरूप से लोहिया बाग, धनबाद (झारखंड) निवासी कौसर आलम नागपुर व अन्य राज्यों में बीज का कारोबार करता है। डा.अर्सलान मूलरूप से चमोसी, गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) का निवासी है कई वर्षों से वह हिजामा थेरेपी (चिकित्सा की एक विधि) से जुड़ा है। अर्सलान, उमर व उसके महाराष्ट्र नेटवर्क के लिए फंडिंग का काम संभालता है। आइजी एटीएस जीके गोस्वामी के मुताबिक जांच में सामने आया है कि उमर गौतम के महाराष्ट्र नेटवर्क से कौसर, डा.अर्सलान, पूर्व में गाजियाबाद में पकड़ा गया विजय वर्गीय, डा.फराज व अन्य लोग जुड़े थे और इन सभी का सीधा संपर्क एडम से था। स्नातक एडम मतांतरण के लिए लोगों को उकसाने का काम इंटरनेट मीडिया के जरिये भी करता था। वह इंटरनेट मीडिया के कई ग्रुप में सक्रिय था और उनके माध्यम से इस्लाम का प्रचार-प्रसार कर रहा था। महाराष्ट्र में मतांतरण का नेटवर्क संचालित करने में सबसे खास भूमिका एडम की रही है। कौसर व उमर के भी काफी पुराने रिश्ते हैं और कौसर अपने व्यापार के नाम पर महाराष्ट्र, कर्नाटक व अन्य राज्यों में अपना नेटवर्क बढ़ा रहा था। कौसर 2018 से एडम व अर्सलान के साथ दिल्ली व एनसीआर में होने वाले उमर गौतम के वार्षिक कार्यक्रम में शामिल होता रहा है।

एक माह पहले पकड़ा गया था सरगनाः एटीएस ने 20 जून को उत्तर प्रदेश से लेकर अन्य राज्यों तक फैले मतांतरण के इस नेटवर्क का राजफाश किया था, जिसके बाद जुड़े हुए अन्य लोग बेनकाब हो रहे हैं।

मतांतरण की साजिश में गैर आदिवासी भी निशाने पर

संजय कुमार, रांची

झारखंड का शायद ही कोई ऐसा जिला बचा है, जहां ईसाई मिशनरियों ने लोगों का मतांतरण न कराया हो। आदिवासियों के साथ बड़ी संख्या में इन मिशनरियों ने गैर आदिवासियों का भी मतांतरण करवाया है। लालच देने, बड़े-बड़े सपने दिखाने से लेकर दुख-दर्द दूर होने का भरोसा दिलाया जाता है। अशिक्षा, अंधविश्वास और सुविधाविहीन माहौल में रह रही महिलाएं आसानी से मतांतरण कराने वाले लोगों की बातों में आ जाती हैं। रुपये-पैसे व अन्य प्रलोभन देकर ऐसा ब्रेन वाश किया जाता है कि लोग ईसाई धर्म अपनाने को तैयार हो जाते हैं।

मतांतरण के लिए तैयार करने के क्रम में नियमित तौर पर महिलाओं या सभी गांववालों की सभा बुलाई जाती है। जब परिवार की महिलाएं मतांतरित हो जाती हैं तब दूसरे सदस्यों पर भी धर्म बदल लेने का दबाव बनाती हैं।

कुछ दिनों तक पैसे व अनाज देकर लेते हैं झांसे में : मिशनरियों के लोग महिलाओं को प्रतिदिन के हिसाब से नकद राशि, राशन सामग्री, कपड़े आदि देकर झांसे में लेते हैं। फिर गांव के कुछ लोगों को मतांतरण में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार किया जाता है। मोटी रकम दी जाती है। कुछ दिनों बाद मदद का सिलसिला बंद कर दिया जाता है, लेकिन तब तक लोग कट चुके होते हैं।

'अदालती कार्यवाही का सजीव प्रसारण दोधारी तलवार'

नई दिल्ली, प्रेट्र : अदालती कार्यवाही के सजीव प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) के जरिये न्यायप्रणाली में पारदर्शिता की पैरवी करते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) एनवी रमना ने साथी न्यायाधीशों को चेताया कि ऐसी खुली पहुंच कभी-कभी दोधारी तलवार भी बन सकती है और वे निष्पक्षता खोने और लोकप्रिय विचारधारा से प्रभावित होने का जोखिम नहीं उठा सकते।

गुजरात हाई कोर्ट की कार्यवाही के सजीव प्रसारण के उद्घाटन अवसर पर जस्टिस रमना ने कहा कि नागरिकों को जानने का अधिकार है जिसे अदालती कार्यवाही तक पहुंच की अनुमति देकर बढ़ावा दिया जा सकता है। जानकार नागरिकों की दम पर ही प्रतिनिधि लोकतंत्र अस्तित्व में रह सकता है और विकसित हो सकता है। उन्होंने कहा, 'सही दिशा में एक कदम भी सावधानी से बढ़ाना चाहिए। कभी-कभी कार्यवाही का सजीव प्रसारण दोधारी तलवार बन सकता है।

आरोपित को पकड़ने गया दरोगा मर्यादा भूला, महिला को सरेराह गिराकर पीटा

जासं, कानपुर देहात : अनुशासन और मर्यादा का पाठ पढ़ाने वाले पुलिस महकमे को एक दारोगा की हरकत ने शर्मसार कर दिया। लूट के आरोपित की तलाश में शनिवार को कानपुर देहात के दुर्गदासपुर गांव आए भोगनीपुर कोतवाली के दारोगा ने युवक को पकड़ा और विरोध करने पर उसकी मां को सरेराह गिराकर पीटा। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया। इस मामले में कई वीडियो वायरल हुए हैं। एसपी जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रहे हैं। हालांकि, दैनिक जागरण वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

दुर्गदासपुर गांव में बीती सात जून को वीरेंद्र सिंह के घर में लूट हुई थी। उन्होंने गांव के ही सुरजीत सिंह उर्फ लबूदे व दो अन्य के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वीरेंद्र के भाई राजबाबू ने पुखरायां चौकी इंचार्ज महेंद्र सिंह को आरोपित सुरजीत के गांव आने की जानकारी दी। गांव जाते वक्त रास्ते में जुआ होता देख दारोगा ने जीप रोकी तो जुआरी भाग निकले। दारोगा ने वहां खड़े गांव के शिवम यादव को पकड़ लिया। उसे जीप में बैठाने पर उसकी मां व अन्य महिलाओं ने आकर विरोध किया। आरोप है कि दारोगा ने शिवम की मां अनीता को पीटना शुरू कर दिया और गिरने पर भी मारपीट करता रहा। इस बीच शिवम वहां से भाग गया। पुलिस के साथ मौजूद राजबाबू ने बीच-बचाव किया। घटना के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने लगे। महिला का आरोप है कि दारोगा उनके परिवार से रुपये मांग रहे थे। न देने पर शिवम को पकड़ लिया था। विरोध करने पर मारपीट की।


लूट के आरोपित को पकड़ने गए दारोगा ने विरोध करने पर महिला को बेरहमी से पीटा। वीडियो ग्रैब

दारोगा का कहना है कि शिवम पंचायत चुनाव में 26 अप्रैल को गांव में अपने पक्ष के प्रत्याशी को वोट डालने के लिए ग्रामीण पर दबाव बना रहा था। रोकने पर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर भाग गया था, तब उसे पाबंद कराने के लिए एसडीएम न्यायालय में चालानी रिपोर्ट भेजी थी। लूट के आरोपित की तलाश में जाते वक्त जुआ में खड़े शिवम को पकड़ा था। उसकी मां अनीता व पत्नी आरती समेत अन्य महिलाओं ने हमला कर दिया और शिवम को छुड़ा लिया। महिला के वर्दी पकड़कर लटकने में गिरे थे।

जनसंख्या नियंत्रण को संजय गांधी का तरीका गलत था : विवेक तन्खा

नईदुनिया, इंदौर : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने कहा कि पार्टी के नेता संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए कोशिश की थी, लेकिन उनका तरीका गलत था। वह समय भी सही नहीं था। इसका खामियाजा तब कांग्रेस को भुगतना पड़ा था।

तन्खा शनिवार को यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रभक्त हूं, इसलिए मानता हूं कि जनसंख्या नियंत्रण जरूरी है। आबादी पर काबू नहीं किया गया तो देश गरीब ही रहेगा। हालांकि, कानून की जगह शिक्षा और जागरूकता होगी तो लोग खुद जनसंख्या नियंत्रित करेंगे। सबसे साक्षर राज्य केरल इसका सुबूत है। इस दौरान उनसे जब कांग्रेस के बागी जी-23 समूह को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि समूह और इसके नेताओं का लक्ष्य कांग्रेस को अस्थिर करना नहीं है। गौरतलब है कि कांग्रेस के 23 नेताओं के एक समूह को जी-23 समूह कहा जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने माफ की याचिका दाखिल करने में 19 साल की देरी

माला दीक्षित, नई दिल्ली

▶ इलाहाबाद हाई कोर्ट ने देरी के आधार पर रिफरेंस कोर्ट के फैसले खिलाफ खारिज कर दी थी याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने जमीन अधिग्रहण के एक मामले में याचिका दाखिल करने में हुई 19 साल 296 दिन की देरी माफ करते हुए मुआवजा बढ़ा कर पांच गुना कर दिया है। पहले तीन हजार रुपये प्रति बिस्वा की दर से मुआवजा मिला था, जिसे शीर्ष अदालत ने अब 15,000 रुपये प्रति बिस्वा कर दिया है। हालांकि, अदालत ने यह भी साफ कर दिया है कि याचिकाकर्ता हाई कोर्ट पहुंचने में हुई देरी की अवधि का बढ़े मुआवजे पर ब्याज का हकदार नहीं होगा।

यह फैसला न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और हेमंत गुप्ता की पीठ ने याचिकाकर्ता कलावती के वकील डाक्टर राजीव शर्मा की दलीलें सुनने के बाद सुनाया। शर्मा ने कहा कि हाई कोर्ट ने याचिका दायर करने में देरी के आधार पर केस खारिज कर दिया, यह नहीं देखा कि उसी जमीन के सह हिस्सेदार को रिफरेंस कोर्ट से ही 1991 में 15,000 रुपये प्रति बिस्वा की दर से मुआवजा मिला था। जबकि, उसी साल रिफरेंस कोर्ट ने उसी जमीन के हिस्सेदार याचिकाकर्ता के लिए मात्र तीन हजार रुपये प्रति बिस्वा की दर से मुआवजा तय किया। शर्मा ने कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के 2014 के धीरज सिंह बनाम हरियाणा राज्य के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि उस मामले में भी याचिका दाखिल करने में 12 वर्ष की देरी माफ करके मुआवजा दोगुना कर दिया था। पीठ ने वह फैसला देखने के बाद कलावती के मामले में करीब 20 साल की देरी माफ कर दी और मुआवजा पांच गुना कर दिया। हालांकि उप्र सरकार के वकील ने विरोध करते हुए देरी का मुद्दा उठाया था।

खौफनाक

दो महिला समेत चारों शिक्षकों को हाल ही में सरकारी सेवा से किया गया है मुक्त

स्कूलों में बच्चों को जिहादी और तालिबानी बना रहे थे चार अध्यापक

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में चार सरकारी अध्यापक स्कूलों में शिक्षा की अलख जगाने के बजाए बच्चों को जिहादी और तालिबानी बना रहे थे। सुरक्षा एजेंसियों की इनपर नजर थी और बीते सप्ताह ही प्रशासन ने इन्हें सेवामुक्त किया है। इससे लोगों ने राहत की सांस लेते हुए कहा कि यह काम पहले हुआ होता तो आज दक्षिण कश्मीर आतंकवाद का गढ़ नहीं होता। इन चारों पर कार्रवाई के बाद राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त शिक्षा विभाग में कार्यरत उन जैसे अन्य तत्वों पर भी गाज गिर सकती है।

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने सरकारी विभागों में बैठे आतंकी समर्थकों की सेवाएं समाप्त करने का अभियान चला रखा है। बीते सप्ताह 11 लोगों को निकाला गया था, जिनमें अनंतनाग जिले के ये चार अध्यापक भी हैं।

निसार तांत्रे : अनंतनाग के हांजी मोहल्ला, बटेंगू में सरकारी मिडिल स्कूल में 1990 में बतौर अध्यापक तैनात अब्दुल तांत्रे हिजबुल मुजाहिदीन का तत्कालीन जिला कमांडर था। उसने अर्जित अवकाश पर जाने का फैसला किया और अपने छोटे भाई निसार अहमद तांत्रे को अपने ही स्कूल में अस्थायी अध्यापक नियुक्त करा दिया। कुछ माह बाद उसने निसार को स्कूल में नियमित कराया। कोई उसका विरोध नहीं कर पाया, क्योंकि वह हिजबुल का नामी कमांडर था। निसार तांत्रे ने सरकारी अध्यापक बनने के बाद न सिर्फ स्कूल के भीतर बल्कि आसपास के इलाकों में भी युवाओं में जिहादी मानसिकता पैदा करनी शुरू कर दी। निसार की गतिविधियों पर कई बार स्थानीय लोगों ने एतराज जताया, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने भी प्रशासन को आगाह किया, लेकिन जमात-ए-इस्लामी के सक्रिय कार्यकर्ताओं में शामिल निसार का कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाया। निसार का एक बेटा पाकिस्तान में ही पढ़ाई कर रहा है और उसके बेटे का पाकिस्तान में सारा खर्च आइएसआइ और हिजबुल का चीफ कमांडर मुहम्मद यूसुफ उर्फ सैयद सलाहुद्दीन ही उठा रहा है।

मुहम्मद जब्बार पर्रे : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) अनंतनाग में तैनात लेक्चरर मुहम्मद जब्बार पर्रे को भी पिछले सप्ताह ही सरकारी सेवा से बाहर किया गया है। वह दक्षिण कश्मीर में छोटा गिलानी के नाम से कुख्यात है। जमात-ए-इस्लामी के नामी कार्यकर्ताओं में शुमार जब्बार की राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर सुरक्षा एजेंसियों की निगाह थी, लेकिन सरकारी तंत्र में बैठे तत्वों ने उसका संरक्षण किया। वह दक्षिण कश्मीर में हुर्रियत की गतिविधियों को आगे बढ़ाने से लेकर नौजवानों में जिहादी मानसिकता पैदा करने में लगा रहता था। उसने विभिन्न स्कूलों में जमात-ए-इस्लामी की छात्र इकाई जिसे जमात-ए-तुलबा कहते हैं, का गठन कराया। वह पत्थरबाजी के लिए भी माहौल तैयार करता था। आतंकियों के मरने पर उनके जनाजे में भीड़ जमा करने, पाकिस्तानी झंडे लहराए जाने के पीछे वही सूत्रधार था। उसने करीब डेढ़ दर्जन लड़कों को बीत पांच साल में आतंकी बनाया।

रजिया सुल्तान : खिरम, अनंतनाग में स्थित सरकारी स्कूल की हेडमास्टर रजिया सुल्तान जिले में एक तरह से दुख्तरान-ए-मिल्लत की कमान संभाल रही थी। दुख्तरान आसिया अंद्राबी का संगठन है और इस समय वह खुद तिहाड़ जेल में बंद है। रजिया सुल्तान के पिता सुल्तान बट जमात-ए-इस्लामी के कट्टर समर्थक थे, जिन्हें 1996 में आतंकियों ने सुरक्षाबलों का मुखबिर होने के संदेह में मार डाला था।

ऐसे चार नहीं, चार हजार होंगे

अनंतनाग निवासी फैयाज वानी ने कहा कि यह सिर्फ चार नहीं हैं, यहां ऐसे चार हजार होंगे या उससे भी ज्यादा हैं। ये लोग भारत के खजाने से वेतन लेते हैं, कश्मीरियों के खून पसीने की कमाई से जमा होने वाले टैक्स से इनकी तनख्वाह बनती है, उसके बावजूद यह कश्मीर के बच्चों को जिहादी और तालिबानी बनाकर मौत के रास्ते पर धकेलते हैं। ऐसे सभी लोगों को जब तक सरकारी तंत्र से बाहर नहीं किया जाएगा, कश्मीर में अमन नहीं लौटेगा।

30 साल से जेल काट रहे उम्रकैदी ने लगाई रिहाई की गुहार

माला दीक्षित, नई दिल्ली

1996 से इलाहाबाद हाई कोर्ट में लंबित है सजा के खिलाफ अपील, सुप्रीम कोर्ट मामले पर सोमवार को करेगा सुनवाई

कानून में सजा के खिलाफ अपील का अधिकार इसलिए दिया गया है ताकि अगर कोई निचली अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं है तो उच्च अदालत में फैसले को चुनौती दे सके। लेकिन अगर उच्च अदालत में अपील ही 25 साल लंबित रहे और व्यक्ति जेल काटता रहे तो अपील के अधिकार का क्या मतलब। ऐसा ही एक मामला सुप्रीम कोर्ट में आया है जिसमें 30 साल से जेल काट रहे उम्रकैदी इसहाक ने कहा है कि सजा के खिलाफ उसकी अपील 1996 से इलाहाबाद हाई कोर्ट में लंबित है। शीर्ष कोर्ट उसकी रिहाई का आदेश दे और याचिका पर सुनवाई पूरी होने तक जमानत प्रदान करे। सुप्रीम कोर्ट मामले पर सोमवार को सुनवाई करेगा।

आगरा सेंट्रल जेल में बंद इसहाक ने वकील ऋषि मल्होत्रा के जरिये सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की है। इसमें कहा गया है, यह मामला उत्तर प्रदेश के हाल को दर्शाता है जिसमें याचिकाकर्ता की तरह ही दोषी करार अभियुक्त सजा काटकर रिहा भी हो गए, लेकिन वह अभी तक रिहा नहीं हुआ। उसे न तो आज तक जमानत मिली और न ही उसकी समयपूर्व रिहाई (प्री मैच्योर रिलीज) पर राज्य सरकार ने विचार किया क्योंकि सजा के खिलाफ उसकी अपील हाई कोर्ट में लंबित है। याचिकाकर्ता सजा से ज्यादा जेल काट चुका है, ऐसे में लंबित अपील का मतलब नहीं रह गया है।

अगस्त के अंत तक तीसरी लहर की दस्तक

चेतावनी ▶ आइसीएमआर के संक्रामक रोग विशेषज्ञ ने दी सलाह, कहा–हर राज्य हालात पर रखें नजदीकी नजर



संक्रमण के फिर से बढ़ते खतरे के बीच एक बार फिर सभी राज्यों में कोरोना संक्रमण की जाचें बढ़ा दी गई है और टीकाकरण अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को बेंगलुरु में वैक्सीन लेती एक महिला। एएनआइ

नई दिल्ली, एआइएन : देश के एक जाने-माने संक्रामक रोग विशेषज्ञ का कहना है कि अगस्त के अंत तक तीसरी लहर दस्तक दे सकती है। उन्होंने प्रतिबंधों के पालन पर भी जोर दिया है।

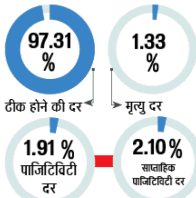
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) में महामारी विज्ञान एवं संक्रामक रोग विभाग के प्रमुख डा. समीरन पांडा ने आगाह करते हुए यह भी कहा कि पहले की दोनों लहरों में जिन राज्यों में ज्यादा दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला है, वहां तीसरी लहर में गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों के लिए यह जरूरी है कि वो अपने यहां महामारी पर नजर रखें और कोरोना के हालात के मुताबिक कदम उठाएं। कुछ ऐसे राज्य हैं जहां पहली और दूसरी लहर में ज्यादा बुरा प्रभाव नहीं पड़ा है। परंतु, अगर प्रतिबंधों का पालन नहीं किया जाता है तो इन राज्यों में गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। डा. पांडा ने कहा कि तीसरी लहर कब आएगी और उसका प्रभाव कितना होगा यह कई कारकों पर निर्भर करता है, जिसे अच्छी तरह से समझना जरूरी है। यह देखा जाना चाहिए कि अलग-अलग राज्यों में यह किस चरण में है।

कोरोना/वैक्सीन मीटर

24 घंटे में नए मामले	38,079
कुल सक्रिय मामले	4,24,025
24 घंटे में टीकाकरण	43.52 लाख
कुल टीकाकरण	39.96 करोड़

112 दिन बाद सवा चार लाख से नीचे आए मामले

जेएनएन, नई दिल्ली : कोरोना महामारी की दूसरी लहर में 112 दिन बाद सक्रिय मामले सवा चार लाख से नीचे आए हैं। इससे पहले 25 मार्च को एक्टिव केस 4.21 लाख थे। मरीजों के उबरने की दर में भी लगातार सुधार हो रहा है और अब तीन करोड़ दो लाख से ज्यादा संक्रमित ठीक हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक दैनिक संक्रमण दर दो फीसद से नीचे गई है, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर दो फीसद से कुछ ही अधिक है।



राज्यों को अब तक 41.69 करोड़ डोज मुहैया कराई गईं

मंत्रालय के मुताबिक केंद्र की तरफ से अभी तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोरोना रोधी वैक्सीन की कुल 41.69 करोड़ डोज मुहैया कराई हैं। इनमें से राज्यों के पास अभी 2.74 करोड़ डोज बची हैं। जल्द ही इन्हें 18.16 लाख डोज और मिल जाएंगी।

3.02 करोड़ से ज्यादा लोग हुए स्वस्थ, 4.13 लाख मौतें, दैनिक संक्रमण दर दो फीसद से नीचे, साप्ताहिक संक्रमण दर दो फीसद से कुछ ज्यादा

शनिवार सुबह आठ बजे तक कोरोना की स्थिति

नए मामले	38,079
कुल मामले	3,10,64,908
सक्रिय मामले	4,24,025
मौतें (24 घंटे में)	560
कुल मौतें	4,13,091

जांचें (शुक्रवार)
19,98,910

कुल जांचें (शुक्रवार)
44,20,21,954



तक किस राज्य में कितने टीके

राजस्थान	6.52 लाख
बिहार	4.73 लाख
महाराष्ट्र	4.60 लाख
उत्तर प्रदेश	3.91 लाख
बंगाल	3.64 लाख
गुजरात	3.04 लाख
छत्तीसगढ़	1.68 लाख
मध्य प्रदेश	1.34 लाख
हरियाणा	0.82 लाख
दिल्ली	0.71 लाख
झारखंड	0.68 लाख
उत्तराखंड	0.52 लाख
हिमाचल	0.43 लाख
जम्मू-कश्मीर	0.36 लाख

कोविशील्ड 205, कोवैक्सीन 215 रुपये में खरीदेगा केंद्र

तैयारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र ने इस साल अगस्त से दिसंबर के बीच आपूर्ति की जाने वाली कोविशील्ड और कोवैक्सिन की 66 करोड़ और डोज खरीदने का आर्डर दिया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सरकार दिसंबर तक सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया से कोविशील्ड की 37.5 करोड़ और भारत बायोटेक से कोवैक्सीन की 28.5 करोड़ डोज खरीदेगी।

सूत्रों के अनुसार कोविशील्ड 205 रुपये और कोवैक्सीन 215 रुपये प्रति डोज ली जाएगी। इन दरों में कर शामिल नहीं हैं। कर सहित ये डोज क्रमशः 215.25 रुपये और 225.75 रुपये पड़ेंगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय जो अभी दोनों टीके 150 रुपये प्रति खुराक की दर से खरीद रहा था, ने संकेत दिया था कि 21 जून से नई कोरोना वैक्सीन खरीद नीति लागू होने के बाद कीमतों में संशोधन किया जाएगा। नई नीति के तहत देश में दवा निर्माताओं द्वारा उत्पादित टीकों के 75 फीसद हिस्से की खरीद मंत्रालय करेगा।

सूत्रों ने कहा कि केंद्र ने जहां दोनों वैक्सीन निर्माण फर्मों को अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा है, वहीं निर्माताओं ने संकेत दिया कि प्रत्येक खुराक के लिए मात्र 150 रुपये मिलना उनके लिए व्यवहारिक नहीं है। केंद्र सरकार ने पहले राज्यों और निजी अस्पतालों को प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण की मांग के बाद 50 फीसद टीके खरीदने की अनुमति दी थी।

हालांकि, कई राज्यों द्वारा फंडिंग सहित समस्याओं की शिकायत के बाद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 जून को वैक्सीन दिशा निर्देशों में संशोधन की घोषणा की। घरेलू वैक्सीन निर्माताओं को अपने मासिक उत्पादन का 25 फीसद हिस्सा निजी अस्पतालों को उपलब्ध कराने का विकल्प दिया गया है।

21 जून से लागू संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, केंद्र द्वारा मुफ्त दी जाने वाली वैक्सीन की डोज राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को जनसंख्या, बीमारी स्थिति, टीकाकरण की प्रगति और 18 साल से ऊपर की आबादी के आधार पर आवंटित की जाएगी। अगर वैक्सीन की बर्बादी ज्यादा पाई गई तो कोटे में कमी कर दी जाएगी। राज्य और केंद्र शासित प्रदेश बड़े और छोटे निजी अस्पतालों और क्षेत्रीय संतुलन के बीच समान वितरण को ध्यान में रखते हुए निजी अस्पतालों की समग्र मांग प्रस्तुत करेंगे।

इस समग्र मांग के आधार पर, केंद्र सरकार निजी अस्पतालों को इन टीकों की आपूर्ति और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के इलेक्ट्रानिक प्लेटफार्म के जरिये उनके भुगतान की सुविधा देगी। निजी अस्पतालों के लिए टीके की खुराक की कीमत प्रत्येक वैक्सीन निर्माता द्वारा घोषित की जाएगी।

न्यूज गैलरी

सबरीमाला में मुख्य पुजारी के पद को लेकर याचिका

कोच्चि : केरल हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड की अधिसूचना रद करने की मांग की गई है। बोर्ड द्वारा जारी अधिसूचना में कहा है कि सबरीमाला और मलिकापुरम मंदिर में मेलसांती (मुख्य पुजारी) पद पर नियुक्ति के लिए केवल 'मलयाली ब्राह्मण' ही आवेदन सौंपने की योग्यता रखते हैं। (एएनआइ)

लाकडाउन में घोड़ों की मौत, मालिकों ने मांगी मदद

कोलकाता : कोलकाता में लाकडाउन के दौरान कई घोड़ों की मौत हुई है। घोड़ा मालिकों ने इस बाबत सरकार से मदद मांगी है। उन्होंने कहा इस बार मई से शहर में कम से कम पांच घोड़ों की भुखमरी से मौत हो गई है। घोड़ों को घास, चना व भूसी खिलाने के लिए पैसे नहीं है। (राब्यू)

जनवरी में होगा कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव

कोलकाता : कोरोना के चलते इस साल भी कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव नही होगा। इसका 27वां संस्करण आगामी वर्ष सात जनवरी से 14 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। अयक्षता में भी बदलाव की उम्मीद है। (राब्यू)

आकाशीय बिजली गिरने से अब तीन की और मौत

जयपुर : राजस्थान में आकाशीय बिजली गिरने से अब तीन लोगों की और मौत हो गई। गौरतलब है कि गत 12 जुलाई को आकाशीय बिजली गिरने से सूबे में करीब 25 लोगों की जान चली गई थी। (जासं)

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा बंगाल का फर्जी टीकाकरण मामला

कोलकाता : कोलकाता का फर्जी टीकाकरण मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में अजीत मिश्रा नाम के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दाखिल की है। दरअसल कलकत्ता उच्च न्यायालय ने फर्जी टीकाकरण मामले में निर्देश दिया था कि फिलहाल इसकी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) से जांच की कोई आवश्यकता नहीं है। (राब्यू)

झारखंड की भोजपुर पंचायत में हुआ शत प्रतिशत टीकाकरण

आर सी सिन्हा, देवघर: टीकाकरण की शुरुआत जब ग्रामीण स्तर पर हुई तो देवीपुर प्रखंड की भोजपुर पंचायत में भी यह शुरू हुआ। एक समय वह था जब इस पंचायत के गांव पथरचपटी और खरकुंआ के ग्रामीणों ने टीका का नाम सुनते ही इसका विरोध कर दिया था। आज न सिर्फ इन दोनों गांवों के अलावा पंचायत के अन्य तीन गांवों भोजपुर, खरिक और तीलजोड़ी में भी पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। इस तरह भोजपुर झारखंड की पहली पंचायत बन गई है, जहां के 18 वर्ष से अधिक आयु के एक-एक ग्रामीण का टीकाकरण हो चुका है। दैनिक जागरण का 'यस फार वैक्सीन' अभियान भी देवघर की जनता को टीकाकरण के प्रति जागरूक करने में सहायक साबित हुआ। पंचायत की मुखिया आशा शर्मा ने इस आशय का प्रमाणपत्र भी बीडीओ अभय कुमार को सौंप दिया है।

उप्र आने वालों को दिखानी होगी निगेटिव रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

यूपी में कोरोना का संक्रमण दोबारा न बढ़े, इसके लिए सख्त इंतजाम किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु व पूर्वोत्तर राज्यों सहित ऐसे राज्य जहां ज्यादा संक्रमण है, वहां से आ रहे लोगों को कोरोना निगेटिव होने की रिपोर्ट साथ लानी होगी। आरटीपीसीआरजांच में कोरोना निगेटिव होने की रिपोर्ट दिखाने पर ही उन्हें यूपी में प्रवेश दिया जाएगा। वैक्सीन की दोनों डोज लगवाने का प्रमाण पत्र भी दिखाना होगा। इन राज्यों से बड़ी संख्या में आ रहे लोग यूपी में कोरोना जांच के दौरान संक्रमित पाए जा रहे हैं। ऐसे में दोबारा संक्रमण की चेन मजबूत न होने देने के लिए कड़े उपाए किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से नए मानक तैयार किए जा रहे हैं और उसे जल्द लागू किया जाएगा।

उत्तरकाशी में 30 कांवड़ यात्रियों का कटा चालान

उत्तरकाशी : उत्तराखंड में कावंड यात्रा पर रोक के बावजूद कांवड़ यात्री गंगा जल लेने उत्तरकाशी, हर्षिल-धराली पहुंच रहे हैं। अब तक दो दिन में पुलिस 30 कांवड़ यात्रियों के चालान काट चुकी है। इनमें से शुक्रवार को दस और शनिवार को आठ चालान काटे गए। उत्तरकाशी जिले में हर्षिल क्षेत्र और गंगोत्री नेशनल पार्क पर्यटकों की आवाजाही के लिए खुला है। इसी का सहारा लेकर हरियाणा, राजस्थान से कांवड़ यात्री पर्यटक बनकर निजी वाहनों से पहुंच रहे हैं। हर्षिल, धराली और गंगोत्री पहुंचते ही गंगा जल भरकर कांवड़ियों का रूप धारण कर रहे हैं। शनिवार को उत्तरकाशी के पास पुलिस ने 10 कांवड़ यात्रियों को पकड़ा और उनका चालान कर भेज दिया। पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने बताया कि गंगोत्री से 20 किमी पहले धराली के पास पुलिस ने बैरियर बनाया हुआ है।

भीड़ बढ़ी तो मालरोड और रिज मैदान में प्रवेश पर रोक

जासं, शिमला : जिला प्रशासन ने कोरोना की संभावित तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए शनिवार को बड़े फैसले लिए। उपायुक्त आदित्य नेगी की अध्यक्षता में पर्यटन से जुड़े सभी कारोबारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक में रिज मैदान में बैठने पर रोक लगा दी है। रिज मैदान पर लगे सभी बैंच को उठा दिया, अब यहां महज वरिष्ठ नागरिकों को ही बैठने की अनुमति होगी। रिज मैदान व मालरोड आने वाले हर रास्ते पर पुलिस तैनात होगी, उन्हें सैलानियों को कोरोना संबंधी नियमों का पालन करने की हिदायत और जागरूक करने का काम सौंपा जाएगा। रिज मैदान व मालरोड पर यदि ज्यादा भीड़ बढ़ जाती है तो कुछ समय के लिए सैलानियों के प्रवेश पर रोक लगा दी जाएगी।

कोरोना के मरीजों में बढ़ रहे टीबी के मामले, पाबंदी से आई थी कमी

▸ सरकार ने सभी कोरोना संक्रमितों के लिए टीबी और टीबी के रोगियों के लिए कोरोना जांच की सिफारिश की

नई दिल्ली, एएनआइ : देश में कोरोना के मरीजों में टीबी यानी तपेदिक के मामले बढ़ने की खबरें मिल रही हैं। इसको देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी कोरोना पाजिटिव मरीजों के लिए टीबी की जांच कराने को कहा है। साथ ही टीबी के मरीजों के लिए भी कोरोना जांच की सिफारिश की है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक कुछ मीडिया में रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कोरोना के मरीजों में अचानक ही टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिदिन इस तरह के दर्जनों मामले सामने से डाक्टर भी चिंतित हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे अगस्त, 2021 तक बेहतर निगरानी और टीबी तथा कोविड-19 के मामलों का पता लगाने के प्रयासों में एकरूपता लाएं।

इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्रालय ने टीबी-कोविड और टीबी-आइएलआइ/एसएआरआइ की द्वि-दिशात्मक जांच की आवश्यकता को दोहराते हुए कई सलाह और मार्गदर्शन भी जारी किए हैं। कई राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इसे लागू भी कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा है कि कोरोना महामारी संबंधी पाबंदियों के चलते पिछले साल टीबी के मामलों की सूचनाओं में 25 फीसद की कमी आई थी, लेकिन सभी राज्यों द्वारा इस प्रभाव को कम करने के लिए टीबी के मरीजों का पता लगाने के लिए ओपीडी में विशेष जांच की जा रही है और समुदायों में भी अभियान चलाया जा रहा है।

वीकेंड पर मसूरी-नैनीताल से 1035 वाहनों को लौटाया

जागरण संवाददाता, देहरादून : कोरोना की रोकथाम को लेकर पुलिस की सख्ती के बाद वीकेंड पर दूसरे राज्यों से उत्तराखंड घूमने के लिए आने वाले पर्यटकों की संख्या सीमित होने लगी है। शनिवार को पहाड़ों की रानी मसूरी, नैनीताल और लैंसडौन में पर्यटकों की संख्या लगभग समान देखी गई। जो पर्यटक होटल बुकिंग, 72 घंटे के भीतर की आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट व स्मार्ट सिटी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के बिना ही उत्तराखंड पहुंचे, उन्हें पुलिस ने वापस लौटा दिया। मसूरी में शुक्रवार देर रात हुड़दंग मचाने पर दिल्ली के द्वारिका निवासी दो पर्यटकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जुर्माना वसूलने के बाद दोनों को छोड़ दिया गया।

शनिवार को सुबह से ही पुलिस ने अलग-अलग चार बैरियर लगाकर सख्ती से चेकिंग की। आशारोड़ी पर दस्तावेज चेक करने के बाद ही पर्यटकों को देहरादून में दाखिल होने दिया। इस दौरान दस्तावेज पूरे न लाने पर 80 दोपहिया और 110 चारपहिया वाहनों को वापस लौटाया गया। चोरी छिपे जो पर्यटक कैंट से होते हुए किमाड़ी के रास्ते मसूरी के लिए निकले, उनके वाहनों को भी रोका गया। किमाड़ी से 60 वाहनों को वापस भेजा गया। इसी तरह कुठाल गेट पर चेकिंग के दौरान 180 चारपहिया व 320 दोपहिया और महाराणा प्रताप चौक से 95 चार पहिया व 190 दोपहिया वाहनों को लौटाया गया।

नैनीताल में उम्मीद से कम पहुंचे पर्यटक

पर्यटकों की आमद इस वीकेंड गिरकर लगभग आधी रह गई। अधिकांश होटल 50 फीसद तक ही भर पाए। शहर से पूर्व रूसी बाईपास और नारायण नगर पर पुलिस तैनात तो रही, मगर आमद कम होने से पर्यटकों के वाहन रोकने की नौबत नहीं आई। एसएसपी प्रीति प्रियदर्शनी ने रूसी बाईपास का निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया।

'तीसरी लहर टालने के लिए जागरूकता फैलाएं गैरसरकारी संगठन'

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तीसरी लहर का खतरा टालने के लिए गैरसरकारी संगठनों से समाज में उपयुक्त कोविड व्यवहार को लेकर जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सिविल सोसायटियां सरकार और लोगों के बीच सेतु के रूप में काम करती हैं।



ओम बिरला। फाइल फोटो

दक्षिण दिल्ली में आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, 'समाज में जागरूकता फैलाना हमारी जवाबदेही है। छोटे कस्बों और शहरों में पर्याप्त बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं विकसित कर हमें भावी चुनौती के लिए खुद को तैयार करना होगा।' उन्होंने कहा कि देश के पिछड़े क्षेत्रों में जहां सरकार भी नहीं पहुंच सकी है, वहां स्वास्थ्य ढांचा तैयार करने का प्रयास होना चाहिए। रोटरी जैसी संस्थाएं पिछड़े क्षेत्रों में चिकित्सा ढांचा तैयार करें।

खबरदार! फर्जी रिपोर्ट पहुंचा सकती है जेल

जागरण संवाददाता, देहरादून

▸ फर्जी कोरोना जांच रिपोर्ट लेकर उत्तराखंड आ रहे पर्यटकों के खिलाफ पुलिस दर्ज कर रही मुकदमे

▸ अब तक पकड़ में आ चुकी हैं डेढ़ सौ से ज्यादा फर्जी जांच रिपोर्ट

खबरदार! अगर आप कोरोना जांच की फर्जी रिपोर्ट के सहारे उत्तराखंड की वादियों की तरफ रुख कर रहे हैं तो थाम लीजिए अपने कदम। वरना, सलाखों के पीछे भी पहुंच सकते हो। भविष्य में मुकदमा झेलोगे सो अलग। उत्तराखंड की सीमा में दाखिल होते वक्त आपकी कोरोना जांच का सच पकड़ में आ जाएगा। जांच रिपोर्ट पर लगा बार कोड आपकी पोल खोल देगा। इसलिए सलाह यही कि पहले अपनी कोरोना जांच कराएं और उसके बाद असल रिपोर्ट साथ लेकर उत्तराखंड के हिल स्टेशनों को घूमने की योजना बनाएं।

कोरोना कर्फ्यू में ढील के बाद से बाहरी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान समेत कई राज्यों से बड़ी संख्या में सैलानी उत्तराखंड घूमने आ रहे हैं। कोरोना संक्रमण का खतरा टालने के मकसद से राज्य सरकार ने बाहर से आने वालों के लिए 72 घंटे के अंतराल की आरटीपीसीआर जांच की निगेटिव रिपोर्ट, देहरादून स्मार्ट सिटी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन व ठहरने का आरक्षण अनिवार्य किया हुआ है। लेकिन बड़ी संख्या में पर्यटक कोरोना जांच की फर्जी रिपोर्ट लेकर उत्तराखंड की सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ लोग अपनी पुरानी कोरोना जांच रिपोर्ट में तारीख बदलकर नया प्रिंट साथ लेकर चल रहे हैं तो कुछ फर्जी रिपोर्ट तैयार कराकर साथ ला रहे हैं।

उत्तराखंड की सीमाओं पर चेकिंग के दौरान ऐसी रिपोर्ट वाले पर्यटक पकड़े जा रहे हैं। बार कोड स्कैन करने पर उनकी जांच रिपोर्ट की असलियत सामने आ रही हैं। पिछले चार दिनों के अंतराल में फर्जी रिपोर्ट के डेढ़ सौ से ज्यादा मामले पकड़ में आ चुके हैं। इनमें सर्वाधिक देहरादून में आशारोड़ी चेकपोस्ट पर पकड़े गए। शनिवार को भी 55 फर्जी रिपोर्ट पकड़ी गईं। लगातार ऐसे मामले सामने आने पर अब पुलिस ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। फर्जी रिपोर्ट वालों पर धोखाधड़ी और महामारी एक्ट का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। दो मुकदमे दर्ज भी किए जा चुके हैं। इनमें 13 पर्यटकों को नामजद किया गया है। दो वाहनों में सवार इन सभी के पास मिली कोरोना जांच रिपोर्ट फर्जी पाई गई थी।

जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है : जैसा कि पुलिस का कहना है कि फर्जी रिपोर्ट हासिल करना संगीन अपराध है। यह कृत्य करने वालों को जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। यही नहीं, अभी अगर थाने से जमानत हासिल कर लें, लेकिन भविष्य में मुकदमे के निपटारे के लिए अदालतों के चक्कर भी काटने पड़ सकते हैं। युवाओं को सरकारी नौकरी के साथ ही पासपोर्ट बनवाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

> आरटीपीसीआर की फर्जी रिपोर्ट लाने पर मुकदमा दर्ज कर उनके खिलाफ नोटिस जारी किया जाता है। इस मामले में फर्जीवाड़ा करने वाले को सजा भी हो सकती है। पर्यटक कोई ऐसा काम न करें, जिससे उन्हें भविष्य में कई प्रकार की दिक्कत उठानी पड़े। इस तरह का फर्जीवाड़ा करने पर सरकारी दस्तावेज बनाने में भी उन्हें परेशानी आ सकती है। - **डा. योगेंद्र सिंह रावत, एसएसपी, देहरादून**

राष्ट्रीय फलक

रश्मि को आक्सफोर्ड विवि छात्र संघ से इस्तीफे के लिए किया गया मजबूर!

नई दिल्ली, जेएनएन : आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय छात्र संघ की पहली महिला भारतीय अध्यक्ष रश्मि सामंत को यूनिवर्सिटी की आंतरिक जांच रिपोर्ट से बड़ा संबल मिला है। रश्मि के वकील आदित्य श्रीनिवास ने ट्वीट के जरिये बताया कि यूनिवर्सिटी की आंतरिक जांच में इस बात की पुष्टि हुई है कि नव निर्वाचित छात्र संघ अध्यक्ष को धमकी देने, बदनाम करने के साथ-साथ पद से इस्तीफे के लिए मजबूर किया गया। इंटरनेट मीडिया में इस बात की चर्चा रही कि हिंदू विरोधी ताकतों ने रश्मि को निशाना बनाया था। श्रीनिवासन ने शुक्रवार को लगातार कई ट्वीट करके बताया कि रश्मि सामंत की तरफ से लगाए गए आरोपों के सिलसिले में यूनिवर्सिटी की जांच पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा, 'मैं प्रसन्न हूं कि फैसला आ चुका है। जांच निष्कर्ष संतोषजनक हैं। जो लोग विस्तृत ब्योरा की मांग कर रहे हैं, उन्हें बताना चाहूंगा कि हमें अभी रोका गया है।'



रश्मि को न्याय। फाइल फोटो

मशीनगन : समुद्र में 1.7 किमी तक मार

जागरण संवाददाता, कानपुर

समुद्र में अब नौसैनिक दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दे सकेंगे। देश में नौसेना के लिए पहली ऐसी मशीन गन बनाई गई है जो समुद्र के अंदर 1.7 किमी तक मार करेगी। इस 12.7 एमएम 2 नाटो स्टैंडर्ड हैवी मशीन गन को स्टैबलाइज्ड रिमोट कंट्रोल गन भी कहते हैं। आयुध निर्माणी तिरुचिरापल्ली ने इसका निर्माण किया है। यह हैवी मशीन गन दुश्मनों को मार गिराने के साथ ही छोटे जहाजों को भी क्षति पहुंचाकर डुबोने में सक्षम है।

स्माल आर्म्स फैक्ट्री (एसएएफ) कानपुर के अपर महाप्रबंधक (प्रशासन) एवं आर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड के उप महानिदेशक कारपोरेट कम्युनिकेशन गगन चतुर्वेदी ने बताया कि यह गन एलबिट सिस्टम, इजरायल से तकनीक हस्तांतरण करार के तहत बनाई गई है। ये 15 अत्याधुनिक हथियार नौसेना व भारतीय तटरक्षक को दिए गए हैं। शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान नौसेना को पांच और तटरक्षकों को 10 स्टैबलाइज्ड रिमोट कंट्रोल गन सौंपी गईं। उन्होंने बताया कि यह गन मरीन एप्लीकेशन्स के लिए है। नौसेना के लिए यह पहली ऐसी हैवी मशीनगन है जो पूरी तरह आटोमेटिक है। रिमोट के जरिये इससे लक्ष्य भेदा जाता है। इसमें सीसीडी कैमरा, थर्मल इमेजर व लेजर रेंज फाइंडर लगाया गया है, जिससे यह रात के वक्त भी लक्ष्य भेदने में कारगर है। इसमें एक ट्रैकिंग सिस्टम लगाया गया है जो लक्ष्य की सटीक तरीके से पहचान करता है। उप महानिदेशक ने बताया कि अभी तक ऐसी कोई हैवी मशीनगन नौसेना को ध्यान में रखकर नहीं बनी थी जो रिमोट से संचालित हो। तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु) में एक समारोह के दौरान ये गन महानिदेशक नेवल आर्मामेंट केएससी अय्यर को महानिदेशक आयुध निर्माणियां एवं अध्यक्ष आर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड सीएस विश्वकर्मा ने सौंपी।

आसमान से कुछ और आंखें करेंगी निगहबानी

चेन्नई, आइएएनएस : देश के चप्पे-चप्पे पर आसमान से नजर रखने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो जल्द ही दो अर्थ आब्जर्वेशन सेटेलाइट लांच करेगा। इसरो ईओएस-3 और ईओएस-4 को सितंबर से पहले लांच करने की तैयारी में जुटा है। इसरो ने दोनों सेटेलाइट छोड़ने की तारीख तो नहीं बताई है, लेकिन यह कहा है कि ईओएस-4 या रीसैट-1ए को सितंबर में ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यानी (पीएसएलवी) से छोड़ा जाएगा। इससे पहले ईओएस-3 या जियो इमेजिंग सेटेलाइट-1 (जीसैट-1) को लांच किया जाएगा। ईओएस-4 रडार इमेजिंग सेटेलाइट है, जिसमें सिंथेटिक एपेर्चर रडार (एसएआर) लगा है। यह बादलों के बीच भी दिन-रात पृथ्वी की तस्वीरें ले सकेगा। इस खासियत के चलते यह उपग्रह देश की सुरक्षा के लिए बहुत ही अहम साबित होगा। इस उपग्रह का वजह 1,858 किलोग्राम है और यह पांच साल तक काम करता रहेगा। इसरो ने कहा कि यह उपग्रह जल, जमीन और पर्यावरण से जुड़े विभिन्न तरह की इमेजिंग डाटा भेजेगा, जो कृषि, वानिकी और जल संसाधन प्रबंधन के लिए अहम होगा। ईओएस-3 या जीसैट-1 भू-स्थिर कक्षा में स्थापित किए जाने वाला पहला अर्थ आब्जर्वेशन सेटेलाइट होगा। यह उपग्रह पृथ्वी के घूर्णन के साथ तालमेल बिठाकर चलेगा इसलिए स्थिर नजर आएगा। अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित रिमोट सेंसिंग उपग्रह की नजर किसी स्थान पर कुछ-कुछ अंतराल पर पड़ती है।

फर्जी बाबा के ठिकानों पर पुलिस टीम रवाना

जासं, ऋषिकेश : तीर्थनगरी के स्वर्ण व्यापारी की पत्नी को उपचार के नाम पर लाखों रुपये नकद और जेवर ठगने के आरोपित फर्जी बाबा योगी प्रियव्रत अनिमेश की निशानदेही पर माल की बरामदगी के लिए पुलिस टीम रवाना की गई है। फर्जी बाबा के दिल्ली, हरियाणा आदि ठिकानों पर यह टीम दबिश देगी।

स्वर्ण व्यापारी हितेंद्र पंवार ने एक सप्ताह पूर्व कोतवाली ऋषिकेश में फर्जी बाबा योगी प्रियव्रत अनिमेश उर्फ महेंद्र रोड उर्फ रोबिन खलीफा निवासी आजाद नगर पानीपत, हरियाणा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि इस फर्जी बाबा ने व्यापारी की पत्नी को उपचार के नाम पर लाखों रुपये के जेवर और नकदी ठग ली। कोतवाली पुलिस की टीम ने बीते रविवार को इस फर्जी बाबा को नेचर विला लाल तप्पड़ स्थित किराये के फ्लैट से गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से करीब नौ लाख रुपये के जेवर बरामद किए थे। न्यायालय ने आरोपित को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था। इस पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ऋषिकेश ने 16 से 18 जुलाई तक फर्जी बाबा को पुलिस कस्टडी रिमांड में देने के आदेश जारी किए थे।

कश्मीरी पंडितों की घाटी वापसी के लिए प्रभावी कदम उठाएं : सिन्हा

राज्य ब्यूरो, जम्मू

▸ उपराज्यपाल बोले, विस्थापितों की पूरी जनसंख्या सरकार के साथ पंजीकृत हो,

▸ विस्थापितों को सभी लाभ मिलने चाहिए, नहीं तो जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि सरकारी अधिकारियों को विस्थापित कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए, जिनको अपने घर से बाहर रहने के लिए मजबूर किया गया था। कश्मीरी विस्थापित पंडित दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और देश के अन्य भागों के अलावा विदेश में भी रह रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों को कश्मीरी विस्थापित परिवारों तक पहुंच बनाने की व्यापक प्रक्रिया को अंजाम देना चाहिए।

आपदा प्रबंधन, पुनर्वास और पुनर्निर्माण विभाग के कामकाज की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि हमें पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि कश्मीरी विस्थापितों की पूरी जनसंख्या जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ पंजीकृत हो। कई कश्मीरी पंडित बुजुर्ग हो चुके हैं और वह अपने घर वापस लौटना चाहते हैं। कुछ परिवार अच्छे तरीके से स्थापित हो चुके हैं, मगर वे अपनी मातृभूमि पर आना चाहते हैं और कश्मीरी विस्थापितों के तौर पर पंजीकृत होना चाहते हैं। हमें इस मुद्दे पर संवेदनशील और निष्ठा से काम करना होगा। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हजारों कश्मीरी विस्थापित पंडितों के सपने को साकार कर हकीकत में बदले और प्रशासन प्रभावी कदम उठाएं। उपराज्यपाल ने कहा कि कश्मीरी विस्थापितों को उनके लाभ मिलने चाहिए। विकास कार्य निर्धारित समय पर पूरे होने चाहिए।

आवासीय सुविधा का कार्य निर्धारित समय में पूरा हो : उपराज्यपाल ने कहा कि विस्थापित कश्मीरी कर्मचारियों को आवासीय सुविधा देने का कार्य निर्धारित समय में पूरा होना चाहिए। गांदरबल में आवासीय सुविधा का कार्य इस साल नवंबर तक पूरा हो जाना चाहिए। शोपियों में मार्च 2022 और बारामुला और बांडीपोरा में नवंबर 2022 तक आवासीय फ्लैट बन जाने चाहिए। निर्माण कार्य में देरी होने पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।

सड़क क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा से प्रभावित होगी गुणता

नई दिल्ली : इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुताबिक सड़क क्षेत्र में उच्च प्रतिस्पर्धा निर्माण की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) द्वारा टेंडर प्रक्रिया में भाग लेने के लिए दी गई रियायतों के चलते वित्त वर्ष 2021 में ठेका लेने के लिए बहुत सी कंपनियां आगे आई हैं। जिसके चलते कई कंपनियां न्यूनतम मूल्य से कम पर बोली लगा रही हैं। हालांकि एनएचएआइ ने गुणवत्ता की बारीकी से जांच करने की बात कही है, लेकिन इस पर और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। (आइएएनएस)

यह पहली बार है जब हम कोरोना जैसी महामारी, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक मंदी का एक साथ सामना कर रहे हैं। यह चुनौतीपूर्ण समय भविष्य के बिजनेस लीडर के लिए सीखने का सबसे अच्छा मौका है। – टीवी नरेंद्रन, एमडी, टाटा स्टील



अभी कर्ज व जमा की दरों में वृद्धि की संभावना नहीं

साक्षात्कार



देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) के चेयरमैन **दिनेश खारा** कहते हैं कि उनका बैंक अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए आने वाले समय में कई नई सेवाएं भी लाने की तैयारी में है और मौजूदा सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाने जा रहा है। कोशिश यह है कि बैंक के ग्राहकों को उनके घर पर ही सुरक्षित रखते हुए सभी तरह की बैंकिंग सेवाएं मिल सकें। दैनिक जागरण के विशेष संवाददाता **जयप्रकाश रंजन** को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने अनुमान लगाया है कि अभी ना तो कर्ज की दरों में कोई बढ़ोतरी होने जा रही है और ना ही बैंक जमा की दरों में। पेश है इस लंबी बातचीत का एक हिस्सा

● **कोरोना की दूसरी लहर के बाद अब इकोनामी की दिशा किस तरफ जाती दिख रही है।**

- कोरोना की दूसरी लहर ने बहुत तेजी से अपना विकराल रूप दिखाया था जिसका लोगों पर बहुत ही बड़ा असर पड़ा है। लेकिन आर्थिक तौर पर देखा जाए तो पहली लहर के मुकाबले इसका आर्थिक दुष्प्रभाव कम इसलिए हुआ है कि इस बार राष्ट्रीय लाकडाउन एक साथ नहीं था। अलग-अलग हिस्सों में हालात के हिसाब से लाकडाउन लगाया गया जिसका असर पिछले साल से कम रहा है। कई औद्योगिक क्षेत्रों में गतिविधियां चलती रही हैं। जहां गतिविधियां कम थीं वहां भय एक बड़ा कारण था। अब धीरे-धीरे लाकडाउन खत्म किया जा रहा है। भविष्य में लाकडाउन कितना तेजी से खत्म होगा यह वैक्सीनेशन की रफ्तार पर निर्भर करेगा। जितनी तेजी से वैक्सीनेशन होगा, उतना ही लोगों में भरोसा बढ़ेगा जो आर्थिक गतिविधियों को तेज करेगा। पहली तिमाही में हमने कई तरह की समस्याओं को देखा है जैसे छोटी और मझोली इकाइयों के स्तर पर, मांग के स्तर, मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति दूसरी तिमाही में नहीं होगी। इकोनामी की स्थिति और मजबूत होगी।

● **बैंकिंग उद्योग किस तरह से इन चुनौतियों से निपट रहा है, क्या हालात सामान्य हो चुके हैं**

- कोरोना के पूरे संकट काल में एक उद्योग जो लगातार काम करता रहा है वह बैंकिंग इंडस्ट्री है। लोगों के वित्तीय लेन-देन का तरीका भी बदला है। लेकिन बैंकों को वहां भी मुस्तैद रहना पड़ रहा है। हमारा डाटा बताता है कि 66 फीसद बैंकिंग ग्राहक डिजिटल ट्रांजेक्शन करने लगे हैं। यह आंकड़ा कुछ महीने पहले 59 फीसद का था। एसबीआइ ने इस संकट काल में बैंक ग्राहकों को हर सेवा देने की भरसक कोशिश की, हमने तकनीकी का, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से अपनी सर्विस को बेहतर किया। लोन लेने वाले ग्राहकों को उनके घर पर ही कर्ज देने की सेवा शुरू की। 15 हजार करोड़ रुपये के कर्ज का वितरण हमने इस माध्यम से किया है। आवागमन में अवरोध होने की वजह से ग्राहकों से सीधे संपर्क करने में कुछ समस्या हुई है लेकिन 16 जून के बाद ग्राहकों से मिल कर उनसे कर्ज वसूली की प्रक्रिया शुरू की गई है और इसका असर भी दिखने लगा है। प्रबंधन के स्तर पर ऐसी व्यवस्था की गई है कि नीतिगत फैसलों के लिए होने वाली बैठकों पर कोई असर नहीं हो और काम सुचारू तौर पर चलता रहे।

● **टेक्नोलाजी बहुत तेजी से बैंकिंग ढांचे को बदल रहा है, क्या एसबीआइ इसके लिए तैयार है**

-निश्चित तौर पर एसबीआइ तैयार है और लगातार टेक्नोलाजी को अपनाने में आगे बनने की कोशिश कर रहा है। एसबीआइ का योनो मोबाइल एप इसका उदाहरण है जो खाता खोलने से लेकर कर्ज लेने की प्रक्रिया को आसान कर चुका है। योनो से हम किसानों को जोड़ रहे हैं, मंडी को जोड़ रहे हैं। किसानों व ग्रामीण जनता के बीच के बीच तकनीक आधारित बैंकिंग को पहुंचाने का विशेष अभियान चलाया गया है। योनो का ज्यादा से ज्यादा उपयोगी बनाने का काम लगातार चल रहा है जो एक साथ शहरी युवाओं की बैंकिंग जरूरत को भी पूरा करे और ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले हमारे ग्राहकों के लिए भी सुविधाजनक हो।

● **बैंकों का निजीकरण हो रहा है, क्या एसबीआइ दूसरे बैंकों का अधिग्रहण करने को तैयार है**

-निजीकरण करना सरकार का नीतिगत फैसला है, मैं उस पर कुछ नहीं कहूंगा। लेकिन जहां तक किसी भी दूसरे वित्तीय संस्थान के अधिग्रहण का सवाल है तो मेरा मानना है कि हमारे मौजूदा ढांचे के तहत ही विस्तार की अभी काफी संभावना है। एसबीआइ भारत के बैंकिंग सिस्टम के जमा हिस्से में 23 फीसद और कर्ज हिस्से में 20 फीसद हिस्सा रखता है और हम मानते हैं कि मौजूदा ढांचे के तहत इस हिस्सेदारी को और बढ़ाया जा सकता है।

● **ब्याज दरों को लेकर अभी क्या रूख बन रहा है**

-ब्याज दरें महंगाई से जुड़ी होती हैं। अभी महंगाई की दर थोड़ी बढ़ी है लेकिन मेरा मानना है कि यह आपूर्ति पक्ष में बाधा उत्पन्न होने की वजह से बढ़ी है। जैसे-जैसे इकोनामी को पूरी तरह से खोला जाएगा और आर्थिक गतिविधियां सामान्य होंगी उसके हिसाब से अगले कुछ महीनों में महंगाई की स्थिति भी सामान्य होगी। ऐसे में मैं यह कह सकता हूं कि जमा या लोन स्कीमों पर ब्याज दरों में किसी तरह की वृद्धि की स्थिति बन रही है।

● **क्या कोरोना से एसबीआइ में एनपीए की स्थिति और बिगड़ेगी।**

-एनपीए की स्थिति तो चीजों पर निर्भर करेगी। अर्थव्यवस्था की स्थिति और बैंकों के स्तर पर इसे काबू करने की कोशिश। अब अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है तो आपको एनपीए में भी कमी दिखाई दे सकती है। एसबीआइ ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान भी एनपीए के स्तर को नीचे लाने में काफी सफलता हासिल की है और हमारा प्रबंधन चालू वित्त वर्ष के दौरान भी इस पर नियंत्रण के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। इसके अच्छे परिणाम दिखाई देंगे।

● **निकट भविष्य में एसबीआइ का फोकस क्या होगा**

-हम एक बैंकिंग संस्थान के तौर पर कई स्तरों पर काम कर रहे हैं। एक तो हम तकनीक के आधार पर हर तरह की बैंकिंग सेवा किसी भी ग्राहक को उसके घर पर ही देना चाहते हैं। इसके अलावा हम हर तरह के कर्ज के आवेदन पर कुछ मिनटों पर फैसला करने की सुविधा विकसित करने में जुटे हैं। ग्रामीण जनता तक तकनीक के जरिये सभी बैंक सेवा पहुंचे, उन्हें आसानी से कर्ज मिले, किसानों को ज्यादा उपयुक्त सेवा मिले, इस पर भी काम कर रहे हैं। कोरोना को देखते हुए हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराने पर खास जोर होगा। एनबीएफसी के साथ को-लेंडिंग को जोर-शोर से बढ़ावा दिया जाएगा। इन सभी क्षेत्रों में एसबीआइ की तरफ से काफी कुछ आपको सुनने को मिलेगा।

बड़ी रकम बनाने का आसान तरीका



धीरेंद्र कुमार, सीईओ, वैल्यू रिसर्च

आनलाइन डाट काम

बोनस

अगर आपकी बचत उतनी नहीं बढ़ रही है, जितना आप चाहते हैं तो इसका समाधान यह है कि बेहतर इन्वेस्टमेंट तलाश किया जाए। रकम को लेकर पूछ जाने वाले सवालों में सभी इन्वेस्टमेंट मीडिया में यही सोच हावी है। हालांकि सही जवाब इस तथ्य में निहित है ज्यादातर लोग उतनी बचत नहीं करते हैं जितनी करनी चाहिए।

आप अपने निवेश से कैसे बड़ी रकम बना सकते हैं इस सवाल के कई जवाब हो सकते हैं लेकिन सिर्फ दो बातें कारगर हैं। पहला, अधिक निवेश करें और दूसरा निवेश को लंबा समय दें। इससे ज्यादा बेहतर यह है कि दोनों ही बातों पर अमल करें। यह मेरी व्यक्तिगत राय है और यह हमेशा काम करेगी। मैं जानता हूं कि इन्वेस्टमेंट एनालिस्ट कोई जादुई फार्मूला ला सकते हैं। जैसे 20,000 रुपये प्रति माह 10 साल तक निवेश करके एक करोड़ रुपये बनाएं। बहुत से लोग इस तरह के जवाब की उम्मीद कर रहे हैं।

हालांकि, कुछ चीजें नहीं की जानी चाहिए। वास्तव में असली समस्या यह है कि यह बौद्धिक कवायद नहीं है। अंत में आपके जीवन की कुछ जरूरतें हैं जिनको बचत के जरिये पूरा करना है। हालांकि जरूरत से ज्यादा आशावादी कैलकुलेशन लोगों को कम बचत करने के लिए प्रोत्साहित करती है। वास्तविकता यह है कि हमारे पास ऐसा कोई संकेत नहीं है कि क्या होगा। कोई भी जो कुछ कह रहा है चाहे इंडीविजुअल निवेशक हो या मेरे जैसा इन्वेस्टमेंट एनालिस्ट या कोई और वह अनुमान और बीते समय के ट्रेंड के आधार पर कोई बात कह रहा है। कोरोना महामारी आने के 16 माह बाद निश्चित तौर पर यह काफी स्पष्ट है। आपके लिए सही चीज यह होगी कि निवेश पर ऊंचे रिटर्न वाले सटीक अनुमान पर गौर नहीं करें और यह समझें कि अनुमान का सटीक होना संभव नहीं है। तो सवाल उठता है कि रास्ता क्या है? बड़ी रकम बनाने के लिए ज्यादा बचत करें और लंबे समय तक बचत करें। सबसे बड़ी समस्या यह है कि ज्यादातर लोग बचत नहीं करते या उतनी बचत नहीं करते हैं जितनी करनी चाहिए। वे इस बात पर गौर नहीं करते हैं कि उनकी यह बचत भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी होगी या नहीं। अगर आपकी बचत उतनी नहीं बढ़ रही है, जितना आप चाहते हैं तो इसका समाधान यह है कि बेहतर इन्वेस्टमेंट तलाश किया जाए। रकम को लेकर पूछ जाने वाले सवालों में सभी इन्वेस्टमेंट मीडिया में यही सोच हावी है। हालांकि सही जवाब इस तथ्य में निहित है ज्यादातर लोग उतनी बचत नहीं करते हैं जितनी करनी चाहिए। जीवन की लंबी अवधि इस समस्या को और भयावह बना रही है। जीवन प्रत्याशा में बदलाव का मतलब है कि कुछ लोग बेहतर खान पान और स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ काफी लंबी जिंदगी जी रहे हैं।

इसका मतलब है कि आपका रिटायरमेंट कॉर्पस 25-30 साल तक चलना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि आपकी बचत बेहतर रिटर्न हासिल करे। ज्यादातर लोग जितनी बचत कर सकते हैं उतनी करते हैं या टैक्स बचाने के लिए बचत करते हैं। इसके बजाए आपको भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाकर बचत करने की जरूरत है। बेहतर होगा कि इस कैलकुलेशन में यह माना जाए कि आपकी जरूरतें अधिक होंगी और रिटर्न कम होगा। आदमी का दिमाग आशावादी होता है। आशावादी होना अच्छी बात है। लेकिन उस समय नहीं जब आप भविष्य के लिए निवेश पर रिटर्न का अनुमान लगा रहे हों।

कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ाने पर ओपेक प्लस की बैठक आज

दुबई, रायटर: कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ाने पर फैसला लेने के लिए ओपेक प्लस देश रविवार को एक बैठक करेंगे। इसका उद्देश्य न केवल आपूर्ति बढ़ाना है बल्कि कीमतों में आए उछाल को भी नियंत्रित करना है। फिलहाल कच्चे तेल की कीमत पिछले ढाई सालों में सबसे ज्यादा है। बता दें कि ओपेक प्लस नीति पर विवाद के बाद सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पिछले सप्ताह एक समझौते पर पहुंचे थे। जिसके बाद इस बैठक की रूपरेखा बनी है।

रूस और अन्य सहयोगियों सहित पेट्रोलियम निर्यातक देशों को ओपेक प्लस समूह के तौर पर जाना जाता है।

क्रेडिट कार्ड पर लगी रोक हटाए आरबीआइ : एचडीएफसी

मुंबई, प्रेट्र: एचडीएफसी बैंक ने तकनीक के मुद्दे पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) 85 फीसद सुझावों का अनुपालन किया है और अब यह केंद्रीय बैंक पर निर्भर है कि वह नए क्रेडिट कार्ड पर जारी रोक को कब हटाता है। यह बात बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन ने शनिवार को कही। बता दें कि बार-बार तकनीकी खराबी आने से नाराज होकर आरबीआइ ने न केवल बैंक द्वारा नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी थी बल्कि वह किसी तरह के नया डिजिटल एप भी लांच नहीं कर सकता था।

बैंक का मुनाफा 14% बढ़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र: निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में 14 फीसद बढ़कर 7,922 करोड़ रुपये हो गया है। एक वर्ष पहले इसी अवधि में शुद्ध लाभ 6,927.24 करोड़ रुपये था। कोरोना की दूसरी लहर के चलते वृद्धि दर धीमी पड़ी है। वित्त वर्ष 2020-21 की आखिरी तिमाही (जनवरी से मार्च) के शुद्ध लाभ 8,434 करोड़ रुपये से तुलना करें तो मुनाफे में गिरावट आई है। इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में बैंक की कुल आय 36,771 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 34,453 करोड़ रुपये थी।

ओला के ई-स्कूटर को एक लाख से अधिक बुकिंग मिलीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: ओला इलेक्ट्रिक को अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए पहले चौबीस घंटों में ही एक लाख से अधिक बुकिंग मिल गई हैं। कंपनी ने अभी अपना ई-स्कूटर उतारा नहीं है, लेकिन इसकी बुकिंग 15 जुलाई की शाम से शुरू कर दी है। कंपनी की वेबसाइट के माध्यम से कोई भी 499 रुपये का भुगतान करके स्कूटर बुक करा सकता है।

वहीं, बजाज ने भी अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक की बुकिंग शुक्रवार से नागपुर में शुरू कर दी है। कंपनी की वेबसाइट पर जाकर दो हजार रुपये का भुगतान करके बुकिंग कराई जा सकती है।

पिछले वर्षों के रिटर्न डाउनलोड न होने से कठिन हुआ ऋण लेना

जागरण संवाददाता, कानपुर : मकान, दुकान, प्लाट, कार आदि खरीदने के लिए ऋण लेने का प्रयास कर रहे लोग इस समय परेशान हैं। इसकी वजह यह है कि लोन के लिए आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल से पिछले वर्षों के रिटर्न डाउनलोड ही नहीं हो पा रहे हैं। अब जिन लोगों के पास पिछले वर्षों के आयकर रिटर्न की हार्ड कापी रखी है, वे बैंकों को रिटर्न लोन आवेदन के साथ दे पा रहे हैं, लेकिन जिनके पास हार्ड कापी नहीं है, उन्हें बड़ी मुश्किल हो रही है।

आयकर विभाग के नए ई-फाइलिंग पोर्टल में आ रही दिक्कतों की वजह से तमाम तारीखें आगे बढ़ा दी गई हैं, लेकिन जिन लोगों को ऋण लेना है उन्हें तो समय पर ही अपने कागजात चाहिए। यशोदा नगर निवासी राकेश के मुताबिक उन्हें पिछले वर्ष दाखिल किए गए रिटर्न नहीं मिल पा रहे हैं, उनके टैक्स सलाहकार भी इन्हें डाउनलोड नहीं कर पा रहे क्योंकि ई-फाइलिंग पोर्टल से वे डाउनलोड नहीं हो पा रहे थे।

चार्टर्ड अकाउंटेंट शिवम ओमर के मुताबिक पोर्टल से पिछले वर्षों के रिटर्न डाउनलोड नहीं हो पा रहे हैं। इस समय जिन लोगों को अपने लोन के लिए पिछले वर्ष के रिटर्न आयकर के पोर्टल से डाउनलोड करने हैं, उन्हें रिटर्न नहीं मिल पा रहे हैं।

राष्ट्रीय फलक

25 मिनट में लूटा 17 किलोग्राम सोना, 75 मिनट में दो बदमाश ढेर

जागरण संवाददाता, आगरा

- **आगरा में मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी की शाखा में दिनदहाड़े डकैती**
- **पांच लाख रुपये भी ले गए बदमाश, लूटा गया आधा माल बरामद**

आगरा की पाश कालोनी कमला नगर स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी की शाखा में बदमाशों ने दिनदहाड़े डकैती डाल पुलिस को चुनौती दे दी। आधा दर्जन बदमाश शनिवार दोपहर शाखा में घुस गए और स्टाफ को बंधक बनाकर करीब 17 किलोग्राम सोने के जेवरात और पांच लाख रुपये की नकदी लूट ले गए। 25 मिनट में इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश पैदल ही भाग निकले। कंपनी कर्मचारियों ने किसी तरह खुद को बंधनमुक्त कराया और आसपास के लोगों की मदद से बाहर निकले। पुलिस ने 75 मिनट बाद ही एत्मादपुर इलाके में मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को ढेर कर दिया।

कमला नगर के बी-ब्लाक में स्थित कंपनी की शाखा के प्रबंधक विजय नरवालिया दोपहर करीब सवा दो बजे सहायक ब्रांच प्रबंधक सोनू शर्मा के साथ केबिन में बैठे थे। कर्मचारी रंजीत और विष्णु शर्मा काउंटर पर थे। तभी दो युवक पहुंचे, उन्होंने प्रबंधक से 10 हजार रुपये लोन देने की बात की, बदले में देने के लिए करीब आठ हजार रुपये कीमत की सोने की अंगूठी दिखाई। सोनू ने लोन की कीमत के जेवरात लाने को कहा, इस पर दोनों युवक फोन पर बात करने लगे। कुछ ही देर में तीन युवक और आ गए। वह गोल्ड लोन के बारे में जानकारी करने लगे। जैसी ही विजय केबिन से बाहर आए, केबिन में मौजूद दोनों बदमाशों ने सोनू को दबोच लिया, बाकी तीनों ने विजय और दो कर्मचारियों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। बदमाशों ने पूरे स्टाफ को बांधकर केबिन में डाल दिया। विरोध करने पर विजय के सिर पर बट से प्रहार भी किया। बदमाशों ने अन्य कर्मियों को गोली मारने की धमकी दे अलमारी खुलवा ली। उसमें रखे करीब 17 किलोग्राम सोने के जेवरात के डिब्बे और पांच लाख रुपये का कैश कब्जे में ले लिया। लूट गए सोने की कीमत करीब नौ करोड़ रुपये बताई गई है। 25 मिनट तक लूटपाट के बाद बदमाश पूरे स्टाफ को केबिन में बंद कर चले गए। ब्रांच प्रबंधक ने किसी तरह अपने हाथ खोले। इस बीच एक ग्राहक आया, उसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों को घटना का पता चला। कंपनी के सामने स्थित एक मेडिकल स्टोर के कर्मचारी को पुलिस ने शक के आधार पर हिरासत में लिया है। सूचना मिलने पर एसपी सिटी बोत्रे रोहन प्रमोद ने घेराबंदी कर दो बदमाशों को दबोचा। देर रात उनकी मौत हो गई।

महिला ने दुष्कर्म का रद मामला फिर शुरू करने का किया अनुरोध

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला की याचिका पर गौर करते हुए कर्नाटक सरकार और एमबीबीएस के एक छात्र से जवाब मांगा है। महिला की याचिका के अनुसार आरोपित उसके साथ शादी के लिए तैयार हो गया था और उसके बाद दुष्कर्म के मामले को रद कर दिया गया था।

जस्टिस संजय किशन कौल और हेमंत गुप्ता की पीठ ने राज्य सरकार और आरोपित को नोटिस जारी किया और उन्हें याचिका पर एक महीने के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा।

पीड़िता की ओर से दाखिल याचिका में दावा किया गया है कि आरोपित ने उसे बहला-फुसलाकर विश्वास दिलाया कि वह उससे शादी करेगा। इसके साथ ही दहेज की मांग सहित ऐसी परिस्थितियां बनाईं, ताकि वह (महिला) शादी से इन्कार करने के लिए मजबूर हो जाए। अधिवक्ता सिद्धार्थ झा द्वारा दायर याचिका में कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती दी गई है।

160 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में एस. कुमार्स नेशनवाइड पर केस

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ ने यूनियन बैंक आफ इंडिया से 160 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी में कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड पर मुकदमा दर्ज किया है।

बैंक का आरोप है कि कंपनी के प्रवर्तकों, प्रबंध निदेशक नितिन कासलीवाल व निदेशक विजय गोवर्धनदास कलंत्री, अनिल कुमार चन्ना, राजिंदर कृष्ण गर्ग व जगदीश संजीव रेड्डी ने फर्जीवाड़े के जरिये उसे बड़ा नुकसान पहुंचाया। कंपनी ने बैंक से कई प्रकार की ऋण ले रखे थे जो वर्ष 2013 में नान परफार्मिंग एसेट (एनपीए) में तब्दील हो गए। अंतरराष्ट्रीय आडिट कंपनी केपीएमजी के फोरेंसिक आडिट के बाद वर्ष 2020 में इस खाते को 'धोखाधड़ी' वाला करार दे दिया गया।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) की तरफ से दर्ज मुकदमे में बैंक ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने अपनी 94 फीसद बिक्री कुछ चुनिंदा वितरकों को ही दिखाई।

कार्रवाई

- **सीबीआइ ने यूनियन बैंक आफ इंडिया की शिकायत पर की कार्रवाई**
- **अंतरराष्ट्रीय आडिट कंपनी केपीएमजी के फोरेंसिक आडिट में पकड़ा गया मामला**

कंपनी ने ग्राहकों से प्राप्तियों को बट्टे खाते में डाल दिया और संदिग्ध तरीके से उसी ग्राहक के साथ काफी रियायत पर लेनदेन किया।

कंपनी और उसके निदेशकों ने वर्ष 2013-18 की अवधि में बैंक को गलत तरीके से 160.68 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया और खुद लाभ कमाया। बैंक ने कहा कि मुकदमे में नामजद कंपनी के निदेशकों ने एक दूसरे के सहयोग और अज्ञात अधिकारियों की मदद से विभिन्न प्रकार के संज्ञेय व गैर संज्ञेय अपराधों को अंजाम दिया।

बिहार में वरमाला डालते समय हर्ष फायरिंग में दुल्हन को लगी गोली

जासं, सुपौल : बिहार के सुपौल जिले के प्रतापगंज थाना क्षेत्र की गोविंदपुर पंचायत के गढ़िया गांव में गुरुवार की रात एक वैवाहिक समारोह में वरमाला के समय हर्ष फायरिंग में दुल्हन को ही गोली लग गई। वह घायल हो मंच पर ही गिर गई।

पुलिस के अनुसार कृपानंद यादव की दो पुत्री, ममता और रेणु की शादी 15 जुलाई को सरायगढ़ निवासी दो अलग-अलग परिवारों में तय हुई थी। निर्धारित तिथि को बरात विवाह स्थल पर पहुंची। स्वागत समारोह के बाद वरमाला की रस्म अदायगी शुरू हुई कि इसी दौरान गोली चल गई। एक गोली ममता के दाहिने पैर में लगी। गोली लगते ही वह मंच पर गिर गई। गोली की आवाज सुनते ही समारोह में भगदड़ मच गई। ममता को सिमराही ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए उसे सहरसा रेफर कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। गोली किसने चलाई, यह जानकारी नहीं मिल पाई है।

न्यूज गैलरी

बेउर जेल पहुंची एनआइए, हाजी सलीम से साढ़े छह घंटे पूछताछ

पटना : दरभंगा रेलवे जंक्शन पर हुए पार्सल विस्फोट मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआइए) की टीम ने शनिवार को पटना के बेउर जेल पहुंचकर आरोपित हाजी सलीम से पूछताछ की। टीम सुबह 10:30 बजे बेउर जेल पहुंची। (राब्यू)

असम पुलिस ने केरल लाई गई नौ लड़कियों को मुक्त कराया

गुवाहाटी: असम पुलिस ने अवैध तरीके से केरल ले जाई गई नौ लड़कियों को मुक्त करा लिया है और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। विशेष पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने शनिवार को बताया कि बचाई गई लड़कियों और आरोपितों को असम लाया जा रहा है। (प्रेट्र)

शिमला घूमने आई नाबालिग से उसके चाचा ने किया दुष्कर्म

शिमला : हरियाणा के हिसार से शिमला घूमने आई 17 वर्षीय लड़की के साथ उसके चाचा ने दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर एसपी निवासी हिसार, हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया है। (जासं)

किसान को लात मारने वाले एसडीएम का हुआ तबादला

संवाद सूत्र, जोधपुर

घिरी गहलोत सरकार

- **जालौर जिले में प्रदर्शनकारी किसान को एसडीएम ने मारी थी लात, वीडियो हो गया था वायरल**
- **केंद्रीय मंत्रियों सहित विपक्षी दलों के अन्य नेताओं ने गहलोत सरकार पर कसे तंज**

राजस्थान में जालौर जिले के प्रतापपुरा गांव में किसानों की ओर से मुआवजे की मांग को लेकर किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान एसडीएम भूपेंद्र यादव द्वारा लात मारने का मामला अब राजनीतिक रंग लेने लगा है। हालांकि, अशोक गहलोत सरकार ने एसडीएम का तबादला जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) में कर दिया है, लेकिन अपनी मांगों को लेकर किसान एसडीएम कार्यालय सांचौर के बाहर धरने पर बैठे हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सूबे की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और आरएलपी के सांसद हनुमान बेनीवाल ने ट्वीट कर गहलोत सरकार पर तंज कसा है।

गौरतलब है कि गत शुक्रवार को जब किसान उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, तब एसडीएम भूपेंद्र यादव ने एक किसान को लात मार दी थी। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके बाद एसडीएम ने सफाई देते हुए कहा था कि किसानों ने उन पर लाठियों से हमला करने की कोशिश की थी। ऐसे में बचाव में उन्होंने लात चलाई थी। अब इस मामले में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तंज कसते हुए ट्वीट किया है कि जनता से दुर्व्यवहार करना कांग्रेस की आदत में है। केंद्रीय राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने भी ट्वीट कर घटना की निंदा की है। उन्होंने लिखा कि किसान हितैषी बनने की नौटंकी करने वाले कांग्रेस सरकार के बयानवीर इस घटनाक्रम पर क्या बयान देंगे? प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी सरकार पर निशाना साधा है। नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने ट्वीट कर कहा कि मुआवजे की मांग कर रहे अन्नदाताओं को लात मारने का हक एसडीएम को किसने दिया।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 18 जुलाई, 2021 से शनिवार 24 जुलाई, 2021 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)
अर्थसाधन में सावधानी, कार्य क्षेत्र में विस्तार, चिंता का समाधान, विदेश कार्य में प्रगति, सामाजिक यश का योग, स्वसंपत्ति की वृद्धि, स्वजन के प्रति सचेत रहें, संतान से सहयोग, शिक्षा में एकाग्रता, भविष्य योजना में अवरोध, महामारी से बचाव, स्थान-पद परिवर्तन, शुभ अंक 1

वृष (इ,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो)
बौद्धिक लेखन कार्य में सफलता, अर्थसाधन में प्रयास, आशा-निराशा के विचार, विदेश कार्य में प्रयास, महिला से सहायता, अतिविश्वास से बचें, साधनों की पूर्ति, भूमि-भवन कार्य में सफलता, वचन में अवरोध, दांपत्य में सुख, व्यय अधिक, शुभ अंक 2

मिथुन (का,की,कू,घ,ङ,छ,के,को,हा)
कार्य में प्रयास से सफलता, धनागम में सुधार, साझेदारी में सावधानी, सामाजिक कार्य में यश, माता-पिता का ध्यान रखें, मन अशांत, शैक्षिक कार्य में अवरोध, वर्तमान परिस्थिति के अनुरूप कार्य करें, खानपान का ध्यान रखें, आय में सुधार, शुभ अंक 4

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)
वाणी पर संयम, दिनचर्या व्यस्तताम, भूमि-भवन संबंधी कार्य में अवरोध, शिक्षा-लेखन कार्य में प्रगति, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, वाद-विवाद से बचें, मित्रों से सहयोग, जीवनसाथी का मिलन, व्यय अधिक, खानपान का ध्यान रखें, शुभ अंक 5

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)
कार्य में प्रगति, धनागम में अवरोध, विदेश कार्य में प्रयास सफल, विशेष व्यक्ति से सहयोग, परोपकार योग, सामाजिक कार्यों में अपयश, शत्रुपक्ष से सावधान, प्रणय में अनबन, वाहन में सावधानी, अधिकारी से सहयोग, आय में सुधार, शुभ अंक 6

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो)
कार्य व्यापार में सावधानी, धनागम में प्रयास, अतिविश्वास एवं कल्पना से बचें, पारिवारिक सहयोग, दिनचर्या अस्त-व्यस्त, भौतिक साधनों की पूर्ति, संतान से सहयोग, शिक्षा में सफलता, क्रोध-ईर्ष्या से बचें, त्वचा-रक्त विकार का योग, राजनीतिक अपयश, शुभ अंक 7

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)
मन में विचारों की अधिकता, कार्य व्यापार में प्रतिस्पर्धा, परिस्थिति के अनुरूप कार्य करें, पारिवारिक चिंता, नवीन योजना में अवरोध, वचन में सफलता, शिक्षा में रुचि, महामारी से बचें, चिकित्सा में व्यय, नौकरी में अवरोध, स्थान-पद परिवर्तन, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू)
पारिवारिक समस्या में सुधार, आत्मविश्वास से कार्यरत रहें, विदेश कार्य में प्रगति, निजी मतभेद, धन के आवागमन में सावधानी, भूमि-भवन कार्य में प्रगति, विपरीत परिस्थिति से सहयोग, खानपान का ध्यान रखें, दांपत्य में अवरोध, यात्रा से बचें, आय में सुधार, शुभ अंक 9

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)
आत्मसंयत रहकर कार्य करें, निर्णय सलाह से करें, सामाजिक कार्य में यश, पूंजी निवेश में सावधानी, लक्ष्य के प्रति सजग रहें, साधनों के प्रति प्रयास, संतान के लिए योजना, क्रोध-ईर्ष्या से बचें, धर्म में रुचि, साधन कार्य में प्रगति, व्यय अधिक, शुभ अंक 1

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी)
कार्य क्षेत्र में अवरोध, धनागम में प्रयास, श्रम एवं साहस से कार्य करें, पारिवारिक असंतोष, भूमि, भवन कार्य में देरी, संतान के लिए योजना, वाणी पर नियंत्रण, क्रोध-ईर्ष्या से बचें, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, जीवनसाथी का मिलन, धर्म में रुचि, आय में सुधार, शुभ अंक 2

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,दा)
धनागम में प्रयास, कार्य क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, आशा और निराशा के विचार, निजी मतभेद, स्थिरता के प्रति चिंता, शिक्षा में एकाग्रता, खानपान का ध्यान रखें, वाद-विवाद से बचें, राजनीतिक अपयश, धर्म में रुचि, वाहन में सावधानी, आय में सुधार, शुभ अंक 4

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)
आत्मविश्वास से कार्य करें, कल्पना एवं भावना पर नियंत्रण, निर्णय सलाह से करें, समस्या का समाधान, सामाजिक कार्य में यश, भूमि-भवन कार्य में देरी, महामारी से बचें, खानपान का ध्यान रखें, दांपत्य में सुख, धर्म में सावधानी, स्थान-पद परिवर्तन योग, शुभ अंक 5

दैनिक जागरण
विपत्ति जैसी कोई शिक्षिका नहीं है

पंजाब कांग्रेस का झगड़ा

यह अजीब है कि कांग्रेस को जब पंजाब में विधानसभा चुनाव की तैयारी करनी चाहिए, तब वह आपसी झगड़े में उलझी हुई है। यह झगड़ा इसीलिए बढ़ता जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व यानी गांधी परिवार किन्हीं कारणों से नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब में स्थापित करने के लिए आमादा है और वह भी मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की मर्जी के बगैर। यदि मुख्यमंत्री के न चाहने के बाद भी नवजोत सिंह राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष बना दिए जाते हैं तो इससे पार्टी में रार और बढ़ेगी ही। इसका बुरा असर चुनाव में भी देखने को मिल सकता है। कांग्रेस के लिए पंजाब उत्तर भारत के चुनिंदा गढ़ों में से एक है। यदि कलह के कारण कांग्रेस इस राज्य में कमजोर होती है तो इसका दोष पार्टी नेतृत्व के सिर ही जाएगा। समझना कठिन है कि कांग्रेस नेतृत्व चुनाव से पहले नवजोत सिंह सिद्धू को राज्य कांग्रेस का अध्यक्ष बनाकर क्या हासिल करना चाहता है? क्या उसे अमरिंदर सिंह की लोकप्रियता पर संदेह है या फिर यह स्मरण नहीं रहा कि पिछली बार पार्टी ने उन्हीं के बलबूते जीत हासिल की थी? सवाल यह भी है कि जब पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील जाखड़ अपना काम कर रहे हैं, तब पार्टी को नए अध्यक्ष की आवश्यकता क्यों महसूस हो रही है?

यह ठीक है कि नवजोत सिंह सिद्धू बातों के धनी हैं और अपने मसखरेपन से भीड़ को आकर्षित कर लेते हैं, लेकिन उनके पास संगठन या सरकार का कोई खास अनुभव नहीं है। यदि उन्हें कोई बड़ा पद हासिल कर लोगों की सेवा करने की इतनी ही फिक्र है तो फिर उन्होंने मंत्री पद क्यों छोड़ा था? कांग्रेस नेतृत्व चाहे जिस कारण नवजोत सिंह को अहमियत दे रहा हो, वह अमरिंदर सिंह से बड़े नेता नहीं हैं। निःसंदेह यह भी नहीं कहा जा सकता कि उनके बगैर कांग्रेस मजबूती से चुनाव नहीं लड़ पाएगी। यह विडंबना ही है कि जिस पहल से कांग्रेस में उठापटक बेलगाम होने का अंदेशा है, उसे पार्टी को मजबूत करने वाले कदम के तौर पर रेखांकित किया जा रहा है? सबसे विचित्र बात यह है कि राहुल गांधी एक ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सोच वालों को पार्टी छोड़कर जाने की सलाह दे रहे हैं और दूसरी ओर भाजपा से कांग्रेस में आए नवजोत सिंह को पुरस्कृत करने के लिए बेचैन हैं। इस बेचैनी का कारण जो भी हो, पिछले लगभग एक महीने से पंजाब कांग्रेस में जिस तरह सिर फुटौव्वल जारी है, वह कोई शुभ संकेत नहीं। इस सिर फुटौव्वल से विपक्षी दल उत्साहित हों तो हैरत नहीं, क्योंकि उन्हें यही संदेश मिल रहा है कि कांग्रेस आलाकमान अमरिंदर सिंह के पर कतरने पर तुला है।

रिज पर न हो भीड़

वैश्विक महामारी कोरोना के मामलों में बेशक कमी आई है, लेकिन अब भी सतर्कता बेहद जरूरी है। अभी विशेषज्ञों ने तीसरी लहर की भी आशंका जताई है। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन समेत तमाम उद्योग शुरू हो चुके हैं। बड़ी संख्या में अन्य राज्यों के लोग राज्य के पर्यटक स्थलों में आ रहे हैं। पर्यटन उद्योग के लिए यह राहत की बात है, लेकिन नियमों की अवहेलना किसी स्तर पर नहीं होनी चाहिए। पर्यटन स्थलों पर भीड़ जुटने को सरकार ने गंभीरता से लिया है। इसी बीच शिमला जिला प्रशासन ने महामारी की रोकथाम के लिए सराहनीय फैसले लिए हैं। सबसे अहम फैसला ऐतिहासिक रिज मैदान व मालरोड पर क्षमता से अधिक लोग आने पर एंट्री बंद कर दी जाएगी। रिज मैदान पर वरिष्ठ नागरिकों के अलावा किसी को भी बैठने की अनुमति नहीं होगी। शहर के कारोबारियों के हर महीने कोविड टेस्ट लिए जाएंगे। व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए रिज मैदान में लगाए गए सभी बेंच उठा लिए गए हैं। मालरोड पर रिज मैदान को आने वाले हर रास्ते पर पुलिस कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। ये पुलिस कर्मचारी कोविड नियमों का पालन सुनिश्चित करवाएंगे। पिछले दिनों जब कोरोना के कारण लगाई गई बंदिशें हटाई गई थीं तो अन्य राज्यों से एकदम काफी लोग राज्य के पर्यटन स्थलों पर पहुंचे थे, लेकिन अब स्थितियां बदली हैं। बरसात का मौसम शुरू होने और कांगड़ा जिला व अन्य स्थानों पर बरसात में आई बाढ़ के कारण भी पर्यटकों की संख्या घटी है। हालांकि वीकेंड पर इनकी संख्या जरूर बढ़ी है। राजधानी शिमला के करीब 80 फीसद होटल बुक हुए, अन्य पर्यटन स्थलों में भी लगभग यही स्थिति है। लोग स्वस्थ रहें और महामारी न फैले, इसके लिए पुलिस विभाग पहले से ही सख्त है। पुलिस विभाग ने पर्यटन स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। ये पुलिसकर्मी लोगों को महामारी के खिलाफ जागरूक भी कर रहे हैं। कोविड नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है। शिमला की तरह अन्य जिलों में भी भीड़ को नियंत्रित करने की योजना बनाई जानी चाहिए। सभी नियमों का पालन करेंगे तो तय है कि महामारी का प्रसार नहीं होगा।

> लोग नियमों का पालन करें और किसी स्तर पर नियमों की अवहेलना न हो तो महामारी का प्रसार रोका जा सकता है

बढ़ती जनसंख्या से मुंह मोड़ने की कोशिश



संजय गुप्त

> जब अन्य समुदायों ने छोटे परिवार की महत्ता को समझ लिया है, तब फिर उसे शेष समुदाय भी समझें तो इसमें बुराई क्या है?

उत्तर प्रदेश विधि आयोग की ओर से जनसंख्या नियंत्रण कानून का मसौदा तैयार किए जाने के बाद बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की जनसंख्या नीति भी जारी कर दी। इसी के साथ जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जारी बहस और तेज हो गई। इसका एक कारण उत्तर प्रदेश की तरह असम सरकार की ओर से भी जनसंख्या नियंत्रण के उपाय करना है। कुछ नेता और बुद्धिजीवी उत्तर प्रदेश सरकार की जनसंख्या नियंत्रण की पहल को न केवल आगामी चुनावों से जोड़ रहे हैं, बल्कि यह भी कह रहे हैं कि इसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय को निशाने पर लेना है। ऐसे लोगों का यह भी मानना है कि इस पहल के सार्थक नतीजे सामने नहीं आएंगे, क्योंकि ऐसे प्रयास पहले भी विफल हो चुके हैं। इन लोगों का तर्क है कि जनसंख्या वृद्धि की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए करीब दो-तीन दशक बाद देश की आबादी बढ़ने की दर स्थिर हो जाएगी। ये लोग एक तो इसकी अनदेखी कर रहे हैं कि अगले दो-तीन दशक तो जनसंख्या बढ़ती ही रहेगी और दूसरे, योगी सरकार की जनसंख्या नीति में कहीं भी यह संकेत तक नहीं किया गया कि उसका उद्देश्य किसी समुदाय विशेष की आबादी पर रोक लगाना है। वैसे जनसंख्या नियंत्रण की पहल को मुस्लिम समुदाय से जोड़ना एक तरह से इसकी स्वीकारोक्ति है कि इस समुदाय में अन्य समुदायों की अपेक्षा आबादी तेजी से बढ़ रही है। पता नहीं जनसंख्या नियंत्रण की पहल का विरोध कर रहे लोग यह क्यों नहीं देख पा रहे हैं कि जब अन्य समुदायों ने छोटे परिवार की महत्ता को समझ लिया है तब फिर उसे शेष समुदाय भी समझें तो इसमें बुराई क्या है? यदि शेष समुदाय भी छोटे परिवार की महत्ता समझ लेते हैं तो इससे उनका ही हित होगा। आखिर इस सत्य से मुंह मोड़ने का क्या मतलब कि देश के कई हिस्सों में मुस्लिम समुदाय की आबादी वृद्धि दर अधिक है? इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मुस्लिम समाज के बीच ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो यह प्रचार करते हैं कि अधिक बच्चे पैदा करने में ही उनकी भलाई है या फिर बच्चे तो अल्लाह की मर्जी से पैदा होते हैं। मुसलमानों के बीच यह भी प्रचार किया जाता है कि अपनी अहमियत बनाए रखने के लिए आबादी तेजी से बढ़ाएं।

आज भारत लगभग 1.4 अरब आबादी के साथ विश्व का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। अगले कुछ वर्षों में हम आबादी के मामले में चीन से भी आगे निकल जाएंगे। यह कोई उपलब्धि नहीं होगी। कुछ समय पहले तक हमारे समाजशास्त्री और राजनीतिज्ञ युवा आबादी को एक संपदा के तौर पर देखने के साथ यह मानकर चल रहे थे कि हम दूसरे देशों को मानव संसाधन उपलब्ध कराने में सफल रहेंगे, लेकिन तब शायद किसी ने इसकी कल्पना नहीं की थी कि इंटरनेट आधारित तकनीक बहुत कुछ बदल देगी। बीते कुछ समय से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोबोटीकरण का चलन जिस तेजी से बढ़ा है, उससे रोजगार के मौके कम होते जा रहे हैं। आने वाले दिनों में लोगों का काम मशीनें अधिक करेंगी। ऐसे में रोजगार का संकट और गहन होगा। आज चीन तेजी के साथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोबोटिक्स को अपनाकर अपने कारखानों की उत्पादकता को एक नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। यह स्थिति कई विकसित देशों की भी है। जहां इन देशों के कारखाने कर्मचारी रहित होते जा रहे हैं, वहीं भारत आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल में बहुत पीछे है। कोविड काल में ऑफिस का काम घर से करने की जो सुविधा मिली, उसे अब स्थाई माना जा रहा है। तकनीक के इस्तेमाल के चलते आवाजाही कम होती जाएगी। इसका असर भी रोजगार के अवसरों पर पड़ेगा।



अवधेश राजपूत

एक तर्क यह दिया जाता है कि जरूरी नहीं कि भारत हर बात को अपनाए, पर पिछले दिनों भारत ने ड्रोन के जरिये माल डिलीवरी की संभावनाएं टटोलीं। अगर यह प्रयोग सफल रहता है तो तमाम डिलीवरी ब्वॉय की नौकरियां जा सकती हैं। तकनीक इसी तरह अन्य क्षेत्रों की नौकरियों को भी कम करने का काम करेगी। आज विकसित देशों में जिस काम को दो-तीन लोग करते हैं, उसे भारत में आम तौर पर सात-आठ लोग करते हैं। उत्पादकता के इस कमजोर स्तर का खामियाजा देश को भोगना पड़ रहा है। हम विश्व के उत्पादकता सूचकांक में कहीं पीछे हैं। हमारी एक बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन इस क्षेत्र की हमारी उत्पादकता कई दक्षिण एशियाई देशों से भी कम है। एक तर्क यह भी है कि जब लोग शिक्षित होंगे तो स्वतः ही छोटे परिवार की महत्ता समझ जाएंगे, लेकिन शिक्षा का खराब स्तर किसी से छिपा नहीं। इसी तरह सभी इससे भी अवगत हैं कि हम अपनी जीडीपी का बहुत कम प्रतिशत शिक्षा पर खर्च कर पा रहे हैं। यदि हमारी आबादी इसी तरह बढ़ती रही तो फिर हम कभी भी शिक्षा पर पर्याप्त धनराशि खर्च नहीं कर पाएंगे और इसी तरह गरीबी से जूझते रहेंगे।

भारत या किसी भी देश के लिए यह संभव नहीं कि वह आधुनिक तकनीक से मुंह मोड़े रहे, क्योंकि जो देश तकनीक नहीं अपनाएगा वह पिछड़ता जाएगा और अपनी आबादी के रहन-सहन के स्तर को ऊपर नहीं उठा पाएगा। हम जितनी जल्दी यह समझें, उतना ही अच्छा कि हमें बढ़ती आबादी का बोझ कम करने की जरूरत है, क्योंकि बड़ी आबादी हमारी समृद्धि और विकास में बाधक है। तमाम विज्ञानियों का आकलन है कि अगर भारत खुद को तेजी से विकसित करेगा तो उसका पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में यह समझदारी नहीं कि हम जनसंख्या वृद्धि पर कुछ न करें। यदि जनसंख्या वृद्धि पर लगाम नहीं लगी तो अगले दो-तीन दशकों में उसमें 20-25 करोड़ लोग और जुड़ जाएंगे। ऐसा होने का मतलब है कि हमारे भूभाग के पर्यावरण पर और अधिक बोझ पड़ना। यह किसी से छिपा नहीं कि तेजी से बढ़ती आबादी पर्यावरण के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। यदि भारत अपनी आज की आबादी पर ही स्थिर हो जाए तो भी मानव संसाधन के तमाम सूचकांकों में विश्व के अग्रणी 20 देशों में पहुंचने के लिए जितने संसाधनों की जरूरत पड़ेगी, उनका पर्यावरण पर बहुत अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में बेहतर होगा कि असम, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों की ओर से जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए जो उपाय किए जा रहे हैं, उनकी बेवजह आलोचना न की जाए। ऐसा करके हम अपना ही अहित कर रहे हैं।

response@jagran.com

एक विवाहित कवि का दुख

हास्य-व्यंग्य



शाम का मनभावन समय है। बाहर का मौसम रोमांटिक हो चला है। बादलों के गरजने की ध्वनि के साथ बारिश की बूंदें खिड़की से होते हुए कवि चिंगारी जी के बेडरूम तक आ रही हैं। बेडरूम में टीवी चल रही है और कवि 'चिंगारी' शवासन में लेटकर पकौड़ों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन मुए पकौड़े हैं कि किचन से निकलने का नाम नहीं ले रहे हैं। लगता है वहीं कहीं धरने पर बैठ चुके हैं। कवि हृदय व्याकुल हो रहा है, 'सुनती हो, पम्मी की मम्मी?' कहीं से कोई सुनवाई नहीं हो रही है। भला इस देश में कवियों की सुनता कौन है जी। अगर इनको सच में सुना गया होता तो यह दुनिया कब की स्वर्ग हो चुकी होती। कवि चिंगारी पकौड़े के नाम पर मुंह में उठते ज्वार-भाटे को किसी आंदोलन की तरह दबाकर सोच रहे हैं कि देर-सवेर उनकी आवाज जरूर गृह मंत्रालय तक जाएगी। इसी उम्मीद में कवि ने करवट बदली। तब तक टीवी पर सरसों तेल का विज्ञापन शुरू हो गया। एक सुंदर नायिका नायक के लिए पकौड़े छान रही है। नायक पकौड़ी खाना भूलकर नायिका के लिए प्रेमगीत गा रहा है। यह देखकर कवि चिंगारी का गुस्सा सरसों तेल के भाव की तरह बढ़ रहा है, 'ए, पम्मी की मम्मी? कौन से आसमानी पकौड़े बना रही हो कि अब तक नहीं बना। ऊपर से ये टीवी के विज्ञापन। इनको कैसे पता कि आज हमारे यहां पकौड़े बन रहे? लगता है, यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस अब किचन-बेडरूम तक घुस जाएगा।

'पहले तो टीवी बंद करो और चुपचाप जाकर बाजार से सरसों तेल लाओ। तीन दिन से कह रही कि चूल्हा बनवा दो, जल नहीं रहा, पर दिनभर फेसबुक पर बैठकर देश की समस्याओं पर कविता लिखने के लिए टाइम है, घर के लिए नहीं?' श्रीमती जी के इस अवतार को देखकर कवि के काव्यात्मक चिंतन पर स्पीड ब्रेक लग गया। कवि को गृह मंत्रालय द्वारा सुना जाएगा, लेकिन इस तरह से सुना जाएगा, इसका अंदाजा नहीं था। कवि सोच रहा है। क्या जमाना आ गया प्रभो! रीतिकाल में तो विरह में धधकती नायिका के हृदय की तपन से कुछ भी जलवाया जा सकता है। एक आज का जमाना है कि कवि नायिका से कहकर गैस-चूल्हा भी नहीं जलवा सकता।



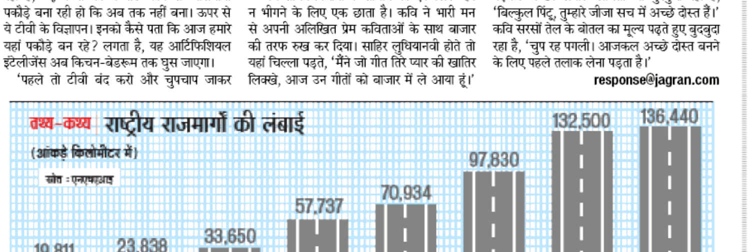
अतुल कुमार राय

> कुंवारेपन में आंख पर कविता लिखने वाला कवि शादी बाद सरसों तेल और पेट्रोल पर कविता लिखने लगता है

अब सामने किराना के सामान की एक लिस्ट है। न भीगने के लिए एक छाता है। कवि ने भारी मन से अपनी अलिखित प्रेम कविताओं के साथ बाजार की तरफ रुख कर दिया। साहिर लुधियानवी होते तो यहां चिल्ला पड़ते, 'मैंने जो गीत तिरे प्यार की खातिर लिक्खे, आज उन गीतों को बाजार में ले आया हूं।' लेकिन कवि जानता है कि साहिर शादी-शुदा नहीं थे, वरना वह गीत को बाजार में ले जाने से पहले स्वयं उठकर धनिया-जीरा, मिर्च और मसाला लेने बाजार जाते और लौटकर पत्नी से डांट भी सुनते। इन अविवाहित कवियों को क्या पता कि एक शादी-शुदा कवि को क्या-क्या दुख उठाने पड़ते हैं। कुंवारेपन में आंख, कान, गर्दन और कमर पर कविता लिखने वाला कवि कब सरसों तेल और पेट्रोल पर कविता लिखने लगता है, उसे समझ नहीं आता।

अब चिंगारी जी दुकान के सामने खड़े हैं। एक हाथ में झोला है, दूसरे में छाता और दिमाग में चिंतन। दुकानदार बोल रहा है, 'कवि जी, कैश दीजिए।' 'कैश नहीं है?' 'ठीक है, तब आनलाइन पेमेंट कर दीजिए।' 'आनलाइन करना हमें आता नहीं, खाते में लिख लो।' 'कैसे कवि हैं आप? दिनभर आनलाइन कविता ठेलना आता है, पेमेंट करना नहीं आता?' 'ज्यादा न बोलो, चुप-चाप लिख लो। घर में कुछ मेहमान आने वाले हैं।' कवि सरसों तेल लेकर घर आ गया, पत्नी मुस्कुरा रही है। सामने एक मुंहबोला साला बैठकर हंस रहा है। नमस्ते 'जीजू'। 'कैसे हो पिंटू?' 'एकदम ठीक। आप तो कमाल लिखते हैं। मैंने आपकी फेसबुक पोस्ट में देखा था, आपने दीदी को अपना दोस्त बताया था, पढ़कर अच्छा लगा।' श्रीमती जी मुस्कुरा रही हैं, 'बिल्कुल पिंटू, तुम्हारे जीजा सच में अच्छे दोस्त हैं।' कवि सरसों तेल के बोतल का मूल्य पढ़ते हुए बुदबुदा रहा है, 'चुप रह पगली। आजकल अच्छे दोस्त बनने के लिए पहले तलाक लेना पड़ता है।'

response@jagran.com



ऊर्जा

जीवन मंत्र

संसार में सज्जन और दुर्जन समान रूप से निवास करते हैं। महापुरुषों ने सदैव ही सम्यक दृष्टि पर बल दिया है, किंतु इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि हमारे साथ कोई अन्याय करे और हम खुद का बचाव भी न करें। हमें बिना किसी को क्षति पहुंचाए अपनी उन्नति की ओर अग्रसर रहना चाहिए। एक बार स्वामी रामकृष्ण परमहंस से शिष्यों ने पूछा कि इस जगत में सज्जन अपना निर्वहन कैसे करें? तब स्वामी जी ने उनको एक कथा सुनाई।

कथा इस प्रकार है-एक चारागाह पर कुछ लड़के गाय चराने जाते थे। वहीं एक दुष्ट सांप भी रहता था। एक दिन एक साधु वहां से गुजर रहे थे तो लड़कों ने उनको सांप के विषय में चेताया। फिर भी वह आगे बढ़े। उन्हें सांप मिल गया। साधु ने एक मंत्र पढ़ा और सांप बिल्कुल केंचुए की तरह उनके चरणों में गिर पड़ा। तब साधु ने सांप को एक मंत्र दिया और कहा कि तुम इसका जाप करते रहोगे तो दुष्टता का तुम्हारा स्वभाव समाप्त हो जाएगा और ईश्वर की प्राप्ति कर पाओगे। सांप ने वैसा ही किया जैसा साधु ने कहा था। उसके स्वभाव में बहुत बड़ा बदलाव आ गया। एक दिन जब लड़कों ने देखा कि सांप अब कुछ नहीं करता तो उन्होंने उसे पत्थर मारे जिससे वह अत्यंत घायल हो गया। सांप किसी तरह उठा और अपने बिल में चला गया। अब वह दिन में अपने बिल से बाहर नहीं आता। इस वजह से प्रतिदिन वह दुर्बल होता गया। एक वर्ष के बाद वही साधु उसी जगह पर आए। उन्हें सांप को देखने की उत्सुकता हुई। अतः वह उसके पास गए। उसकी दुर्गति देख उन्होंने पूछा कि यह सब कैसे हुआ? सांप ने अपनी आपबीती सुनाई। सांप की बात सुनकर साधु ने कहा, 'मैंने तो तुम्हें काटने को मना किया था फुफकारने को नहीं।' इसका मतलब यह है कि हमें सदैव लोगों से निर्मल और शालीन व्यवहार करना चाहिए, किंतु जब कोई हमें हानि पहुंचाए तो उस स्थिति में अपनी सुरक्षा करना हमारा प्रथम कर्तव्य भी है और धर्म भी है।

अंशु प्रधान

इम्यून सिस्टम के बारे में नई खोज

मुकुल व्यास

> जब शरीर पर वायरस का हमला होता है तब हमारा इम्यून सिस्टम वायरस के स्पाइक प्रोटीन को चारों तरफ से घेर लेता है

कोरोना वायरस से निपटने के लिए यह जानना जरूरी है कि लोगों में एंटीबॉडी किस तरह बनती हैं, जो संक्रमण उत्पन्न करने वाले वायरस को निष्प्रभावी कर देती हैं। अमेरिका में ऑस्टिन स्थित टेक्सस यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण खोज की है। इससे कोरोना वायरस के तेजी से उभरते हुए नए वैरिएंट और भविष्य में होने वाली महामारियों से बचाव के लिए नई वैक्सीन विकसित करने में मदद मिलेगी। जब शरीर पर वायरस का हमला होता है तब हमारा इम्यून सिस्टम वायरस के स्पाइक प्रोटीन को चारों तरफ से घेर लेता है। इससे पहले हुए अध्ययन में रिसर्चरों ने एंटीबॉडी के एक खास ग्रुप पर अपना ध्यान केंद्रित किया था, जो वायरस के स्पाइक प्रोटीन के विशिष्ट हिस्से को निशाना बनाता है। स्पाइक प्रोटीन का यह हिस्सा रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन (आरबीडी) कहलाता है। आरबीडी स्पाइक प्रोटीन का वह हिस्सा है, जो मानव कोशिकाओं के साथ जुड़कर वायरस के संक्रमण का रास्ता तैयार करता है। पहले यह समझा गया था कि हमारा इम्यून सिस्टम आरबीडी को ही अपना मुख्य निशाना बनाता है, पर कोविड से ठीक होने वाले चार मरीजों के ब्लड प्लाज्मा के विश्लेषण से पता चला कि खून में घूमने वाली 84 प्रतिशत एंटीबॉडी स्पाइक प्रोटीन के उन हिस्सों को लक्षित करती है, जो आरबीडी से बाहर होते हैं। एंटीबॉडी समूचे स्पाइक प्रोटीन को ढक देती हैं।

ये एंटीबॉडी स्पाइक प्रोटीन के विशेष हिस्से को निशाना बनाती हैं। स्पाइक प्रोटीन एक छतरी जैसा दिखता है। इस हिस्से को एन-टर्मिनल डोमेन (एनटीडी) कहा जाता है। प्रयोगशाला में कोशिकाओं की कल्चर में ये एंटीबॉडी वायरस को निष्प्रभावी करने में सफल रहीं। एनटीडी वायरस के स्पाइक प्रोटीन का वह हिस्सा भी है, जो बार-बार म्यूटेट होता है। ये म्यूटेशन वायरस के उन वैरिएंट में होता रहता है जिन्हें वैरियंट ऑफ कंसर्न की श्रेणी में रखा गया है। ये वैरिएंट हमारे इम्यून सिस्टम को चकमा देते रहते हैं और इसकी वजह यह है कि ये हमारे इम्यून सिस्टम के सबसे सशक्त एंटीबॉडी के इर्दगिर्द म्यूटेट हो सकते हैं। इस अध्ययन का कहना है कि वायरस और हमारे इम्यून सिस्टम के बीच एक निरंतर संघर्ष चल रहा है। हम एक मजबूत इम्यून रिस्पांस से उसे निष्प्रभावी करने की कोशिश करते हैं जबकि वायरस हमारे इम्यून रिस्पांस के इर्दगिर्द परिवर्तित हो कर अपनी ताकत का इजहार करता है। कोरोना वायरस द्वारा प्रतिरोध की तमाम कोशिशों के बावजूद हमारे रक्त में घूमने वाली 40 प्रतिशत एंटीबॉडी स्पाइक प्रोटीन की डंडी को निशाना बनाती है। इसे एस2सबयूनिट भी कहा जाता है। वायरस का यह हिस्सा आसानी से परिवर्तित नहीं होता। इसका यह अर्थ भी हुआ कि हमारी वर्तमान वैक्सीन वायरस के एस2सबयूनिट हिस्से को लक्षित करके एंटीबॉडी उत्पन्न करने में सफल हो रही हैं।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

नई लकीर या खरोंच



अगले साल के शुरू में पांच राज्यों के चुनाव की आहट ने अब तक सोई हुई कांग्रेस को इस कदर बेचैन कर दिया है कि पार्टी नेतृत्व की अचानक बढ़ी सक्रियता से उसके नेता ही हैरान होने लगे हैं। कांग्रेस की इस सक्रियता में आई तेजी को पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की लगातार संगठन के मामलों में बढ़ रही दिलचस्पी से जोड़कर देख रहे हैं। पार्टी के पुनर्गठन को लेकर प्रशांत किशोर से राहुल गांधी की चर्चा में मौजूदगी हो या फिर कमल नाथ से उत्तर प्रदेश में गठबंधन को लेकर हुई बातचीत, प्रियंका इन सबमें सक्रिय रही हैं। वैसे पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश कांग्रेस की बागडोर दिलाने का उनका प्रयास किसी से छिपा नहीं है और अंदरखाने चर्चा तो यह भी है कि प्रियंका की जिद के चलते हाईकमान कैप्टन अमरिंदर पर दबाव बनाने को बाध्य हुआ। मगर पार्टी में एक वर्ग ऐसा भी है, जो इस सक्रियता को जरूरी बताते हुए यह कहने से भी गुरेज नहीं कर रहा कि हाईकमान का इकबाल बहाल करना है तो फिर त्वरित फैसले ही नहीं, बल्कि कुछ एक बार ऐसे निर्णय की भी जरूरत होती है जिससे भविष्य की राजनीति के लिए नई लकीर खींची जा सके। वैसे पंजाब में जिस तरह सिर फुटौव्वल चल रहा है उसमें पार्टी नई लकीर खींच पाती है या अपनी सियासत को खुद ही खरोंच लेती है, यह देखना दिलचस्प होगा।

फूंक-फूंककर छाछ पीना

कूटनीति की दुनिया में भी दूध से जला हुआ छाछ फूंक-फूंककर पीता है। नेपाल की राजनीतिक उठापटक में भारत विगत में कई बार मात खा चुका है इसलिए अब वहां पर जो भी बदलाव हो रहे हैं उसको लेकर बहुत ही सोच समझकर प्रतिक्रिया दे रहा है। सब जानते हैं कि नेपाली कांग्रेस के नेता शेरबहादुर देउबा हमेशा से भारत के समर्थक रहे हैं। भारत पूर्व में उनके लगातार संपर्क में भी रहा है, लेकिन जब वह पीएम के पद पर स्थापित हो गए तो तीन दिन बीत जाने के बावजूद भारत की तरफ से उन्हें औपचारिक तौर पर बधाई संदेश नहीं भेजा गया। नेपाल के मीडिया में इसकी खूब चर्चा है, क्योंकि वहां अभी तक ये खबरें चल रही थीं कि भारत पहले प्रचंड के समर्थन में था और बाद में ओली को समर्थन करना शुरू कर दिया। लोग कहते हैं कि यह भी एक वजह है कि भारत अपने पुराने मित्र देउबा को लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिखा रहा है।

दूसरी लहर का जला

कोरोना के खिलाफ लड़ाई की अगुआई कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों और विज्ञानियों की हालत इन दिनों दुविधा से ग्रस्त है। अभी तक के तमाम शोधों से तीसरी लहर में कोरोना वायरस के बच्चों के अत्यधिक प्रभावित करने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं मिला है, लेकिन दूसरी लहर की भयावहता का अनुमान लगाने में बुरी तरह विफल रहे अधिकारी और विज्ञानी लगातार तीसरी लहर की तैयारियों में बच्चों के लिए विशेष ध्यान देने की हिदायत देने से नहीं चूकते। यहां तक कि राज्यों को तीसरी लहर से बच्चों को बचाने के लिए विशेष प्रबंध करने की हिदायत दी जा रही है। मगर हकीकत यह भी है कि इसके वैज्ञानिक आकलन के बारे में कोई ठोस निष्कर्ष नहीं है। ऐसे में अधिकारी हों या विज्ञानी वे भला जोखिम लें भी तो कैसे?

मैंने क्या किया?

कई बार कोर्ट में अजीब स्थिति बन जाती है। कुछ एक बार याचिकाकर्ता को मालूम ही नहीं होता कि उसने अपनी याचिका में किस किस का नाम लिखा है और क्यों लिखा है। यहां तक कि उसे यह भी नहीं मालूम होता कि सुनवाई करने वाले न्यायाधीश कौन हैं। ऐसा ही वाक्या पिछले दिनों हुआ। एक मामले में याचिकाकर्ता स्वयं बहस के लिए उपस्थिति थी। सुनवाई कर रही पीठ के न्यायाधीश ने उससे पूछा, ये क्या आरोप हैं जो आपने मुझ पर लगाए हैं। आपने मेरा नाम क्यों लिखा है। मैंने क्या किया है। याचिकाकर्ता ने कहा कोई आरोप नहीं है। मैंने तो उन सभी का नाम लिखा है जो कोर्ट का आदेश पारित करने का हिस्सा थे। कोर्ट ने मामले पर विचार करने से इन्कार करते हुए याचिका खारिज कर दी। इससे बिना सोचे समझे याचिका दाखिल करने वालों को यह नसीहत जरूर मिलती है कि भाई ये तो देख लो कि किस पर आरोप लगाए गए हैं और किस से सुनवाई मांग रहे हो।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

1986 में गांधी परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के लिए लक्षद्वीप गए थे अमिताभ बच्चन। 'द ब्लू लैगून' शीर्षक से एक पत्रिका ने इस संबंध में आवरण कथा भी प्रकाशित की थी।

आजकल



अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

लापरवाहियों से खंडित होता इतिहास

किसी पुस्तक के प्रकाशन से पहले लेखक और प्रकाशक की यह जिम्मेदारी होती है कि वे उसमें प्रकाशित होने वाले तथ्यों की समग्र पड़ताल करें। इसके लिए उन्हें प्राथमिक स्रोतों तक पहुंचने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए। चूंकि पुस्तकों से संदर्भ भी लिए जाते हैं, लिहाजा तथ्यों के प्रति अत्यधिक गंभीरता बरतने की जरूरत है। लेकिन हाल में कुछ खास लेखकों की पुस्तकों में ऐसी लापरवाही सामने आई है जिनसे उसकी प्रामाणिकता प्रभावित होती है



प्रगतिशीलता पर विवाद : नामवर सिंह। फाइल



अपने ही तथ्यों से बचने का प्रयास : विश्वनाथ त्रिपाठी। फाइल



जीवनी में तथ्यों की पुष्टि की अपेक्षा : अंकित नरवाल। फाइल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े एक मित्र हैं, संजीव सिन्हा। दो दिन पहले उन्होंने चहकते हुए फोन किया, 'भाई साहब, नामवर सिंह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संस्थापक थे, क्या आपको मालूम है? जब संघ पर प्रतिबंध लगा था तो वो जेल भी गए थे।' जब मैंने अनभिज्ञता प्रकट की तो उन्होंने पूरा प्रकरण बताया। दरअसल हुआ ये है कि नामवर सिंह की एक जीवनी प्रकाशित हुई है- अनल पाखी। इस जीवनी को लिखा है अंकित नरवाल ने। इस पुस्तक में हिंदी के शिक्षक-लेखक विश्वनाथ त्रिपाठी के हवाले से नामवर सिंह को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का अपने जिले का संस्थापक बताया गया है। दरअसल 2017 में नामवर सिंह और विश्वनाथ त्रिपाठी की एक बातचीत प्रकाशित हुई थी जो 2019 में एक पुस्तक में संकलित हुई। पुस्तक का नाम है- आमने सामने। प्रकाशक राजकमल प्रकाशन। इस पुस्तक का संकलन-संपादन किया है नामवर सिंह के पुत्र विजय प्रकाश सिंह ने। हम इस विषय पर आगे बात करें इसके पहले साक्षात्कार का वह अंश देख लेते हैं जिसके आधार पर जीवनीकार से भूल हुई है। विश्वनाथ त्रिपाठी का प्रश्न है, 'आप पहले आरएसएस में थे, फिर वामपंथी कैसे हो गए?' नामवर सिंह का उत्तर है, 'मैं कोई किताब या मार्क्स को पढ़कर प्रगतिशील नहीं हुआ। लेकिन हां, मैं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अपने जिले के संस्थापकों में से हूं। गांधी की हत्या के बाद तीन महीने जेल में भी था, पुणे से मुझे लखनऊ सेंट्रल जेल भेजा गया। जब छूटा तो अटल जी मेरे सम्मान में जेल के द्वार पर खड़े थे। मैंने उनको कविताएं भी सुनाई थीं। आरएसएस में था जरूर, लेकिन मुस्लिमों और वामपंथियों से मेरी दोस्ती थी। संघ हिंदू संगठन है और वहां भी पैसे वालों का दबदबा है। जात-पात और छूआछूत जैसी विसंगतियां देखने को मिलीं। इसी वर्गभेद की वजह से मैं वामपंथ में चला गया।'

इन बातों के सामने आने के बाद विश्वनाथ त्रिपाठी की तरफ से किसी और ने सफाई पेश की। सफाई में कहा गया कि 'नामवर जी आजीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसकी विचारधारा के सक्रिय विरोधी रहे थे। नामवर सिंह मार्क्सवादी थे, प्रगतिशील लेखक संघ और सीपीआइ से संबद्ध थे। सीपीआइ के उम्मीदवार के तौर पर चंदौली से लोकसभा चुनाव भी लड़े थे।' विश्वनाथ त्रिपाठी के भक्त और कम्युनिस्ट लेखक इस अभियान में लग गए हैं कि उनको इससे बरी कर दिया जाए। चाहे कितना भी बड़ा अभियान चला लें, इस साहित्यिक अपराध को ढकने की कितनी भी कोशिश की जाए, लेकिन ये अक्षम्य है। चार साल पहले एक साक्षात्कार छपा, फिर दो साल पहले वह बातचीत एक पुस्तक में संकलित हुई, लेकिन विश्वनाथ जी दोनों को ही देख नहीं पाए। क्या यह मान लिया जाए कि हिंदी के ये लेखक अपना लिखा नहीं पढ़ते हैं या अपने कृतित्व को लेकर बेहद असावधान हैं। इस जीवनी के प्रकाशक भी पूरे मामले को ढकने की कोशिश कर रहे हैं और इस पुस्तक की बची हुई प्रतियों पर चिट लगाकर भूल सुधार की डुगडुगी बजा रहे हैं। लेकिन जो प्रतियां बिक गईं या जो पाठकों तक पहुंच गईं या जो बातें इंटरनेट मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक हो गईं, उनका परिमार्जन कैसे हो पाएगा।

जीवनीकार अंकित नरवाल से गलती यह हुई कि उन्होंने इस तथ्य की पुष्टि के लिए विश्वनाथ त्रिपाठी से स्पष्ट रूप से इस मुद्दे पर बात नहीं की और प्रकाशित बातचीत को सही मान लिया। बहुधा लेखक ऐसा करते हैं। अंकित ने दावा किया है, 'इस संबंध में विश्वनाथ त्रिपाठी जी से बातचीत हुई थी। यह पांडुलिपि तैयार होने से पहले और बाद में भी उनसे घंटों बातचीत हुई थी। उन्होंने हमेशा यह दोहराया है कि नामवर जी के बारे में उन्होंने जो इधर-उधर संस्मरण लिखे हैं, वे सभी प्रामाणिक तथ्य हैं। उनके साथ हुए साक्षात्कारों के संबंध में भी उनकी यही दृढ़ता बनी रहती थी। अब जब यह मामला तूल पकड़ गया है, तो उन्होंने अपने उस साक्षात्कार से किनारा कर लिया है।' लगता है कि अंकित नरवाल, विश्वनाथ जी के अतीत में कहने-पलटने की आदत से परिचित नहीं रहे होंगे।

दरअसल त्रिपाठी जी बहुधा पल्ला झाड़ते रहे हैं और किसी न किसी बहाने की ओट लेते रहते हैं। अपनी पुस्तक 'व्योमकेश दरवेश' में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के हिंदी भाषा के संयोजक रहते हुए साहित्य अकादमी पुरस्कार से संबंधित एक प्रसंग लिखा। उस प्रसंग की सत्यता के बारे में जब इस स्तंभ में सवाल उठाया गया तो उन्होंने अगले संस्करण में उस पूरे प्रसंग को ही पुस्तक से हटा दिया। इसी तरह से एक साहित्यिक पत्रिका को दिए इंटरव्यू में जब कुछ आपत्तिजनक बातें उनके हवाले से छपीं तो उससे किनारा कर लिया और ठीकरा बातचीत करनेवालों पर फोड़ दिया। मैत्रेयी पुष्पा से संबंधित एक पत्रिका में अश्लील टिप्पणी करने के बाद उनको फोन करके हाथ-पांव जोड़े थे।

नामवर जी से जुड़े इस प्रसंग पर उठे विवाद से कई बड़े प्रश्न खड़े हो रहे हैं। ये प्रश्न लेखकों की साख, प्रकाशकों की विश्वसनीयता और पुस्तकों के संपादकों की गंभीरता को लेकर भी खड़े होते हैं। कोई भी लेखक क्यों नहीं तथ्यों की पड़ताल के लिए प्राथमिक स्रोत तक जाने की कोशिश करता है। इसी तरह से प्रकाशकों की किसी पुस्तक को लेकर क्या कोई जिम्मेदारी नहीं होती है? क्या आधार प्रकाशन और इसके स्वामी देश निर्मोही का दायित्व नहीं था कि वो नामवर सिंह की जीवनी में प्रकाशित हो रहे तथ्यों के बारे में जांच पड़ताल करते। क्या आधार प्रकाशन सिर्फ प्रिंटर है कि जो भी आया छापा और उसको बाजार में भेज दिया। जब उस पर आपत्ति आई तो अगले संस्करण में सुधार की बात कहकर किनारे हो गए। इस पूरे प्रसंग से एक बार फिर से प्रिंटर और प्रकाशक की भूमिका पर विचार करने का आधार हिंदी साहित्य जगत के सामने है। देश निर्मोही स्वयं प्रगतिशीलता का डंडा-झंडा लेकर चलते रहते हैं, लेकिन उनको भी नामवर सिंह के बारे में इस तथ्य की पड़ताल की जरूरत नहीं लगी। राजकमल प्रकाशन से नामवर सिंह के पुत्र विजय प्रकाश सिंह के संपादन में आमने सामने छपी, उसमें भी विश्वनाथ त्रिपाठी का नामवर का लिया साक्षात्कार छपा, लेकिन न तो उनके पुत्र ने इसको जांचने की जहमत उठाई और न ही प्रकाशक के स्तर पर इसकी कोशिश हुई। अब प्रकाशक ने पुस्तक में संशोधन की बात की है।

दरअसल ये पूरा मामला ही लापरवाहियों से भरा हुआ है। इससे हिंदी साहित्य और प्रकाशन जगत में व्याप्त अगंभीरता सामने आती है। ऐसा प्रतीत होता है कि जिनको हम बड़े साहित्यकार या बड़े प्रकाशक मानते हैं, उनको अपनी साख की कोई चिंता नहीं। खुद को प्रगतिशील कहनेवाले कम्युनिस्ट विचारधारा से जुड़े लेखक अपनी विचारधारा से जुड़े लोगों की भूल व गलतियों के लिए उनको कठघरे में खड़ा नहीं करते। कम्युनिस्ट लेखक ये काम बहुत ही संगठित तरीके से करते हैं। पूरा माहौल बनाते हैं कि उनकी विचारधारा के लेखक की गलती नहीं है वो तो परिस्थितियों के शिकार हो गए हैं आदि आदि। अब वक्त आ गया है कि साहित्य में वामपंथ की गलतियों और उनको ढकने व छिपाने की प्रवृत्ति को रेखांकित किया जाए। साहित्य में सत्य का अनुकरण हो और झूठ व मिथ्या की इस विचारधारा के बचे खुचे ध्वजवाहकों को आईना दिखाया जाए।

फिर से

अश्लीलता मुक्त कला-संस्कृति

सन्नी कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तय किया कि अब से अश्लील भोजपुरी फिल्मों को सरकारी अनुदान नहीं मिलेगा। इस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए इसे संस्थागत रूप भी दिया जा रहा है, जहां स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से भोजपुरी फिल्मों में अश्लीलता की जांच की जाएगी। सार्वजनिक नैतिकता को बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य की होती है, इस नाते तो यह निर्णय उचित है ही, यह सरकार की उस सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है जो कला-संस्कृति के क्षेत्र को अश्लीलता मुक्त करना चाहती है। ऊपरी तौर पर यह भले ही यह भाषा के अनुप्रयोग को लेकर लिया गया एक नीतिगत निर्णय मात्र लगे, पर इसके गहरे निहितार्थ हैं। यहां हम मुख्य रूप से दो पक्ष की बात करते हैं। एक यह कि कला माध्यमों द्वारा परोसी जा रही अश्लीलता के क्या खतरे हैं और क्यों राज्य का इसमें हस्तक्षेप उचित है? और दूसरा यह कि कैसे एक भाषा को अश्लीलता से बचाकर एक पूरे लोक जीवन को बचाया जा सकता है।

अब इसे ऐसे देखें कि भोजपुरी फिल्मों या गीतों में अश्लीलता का क्या असर हो रहा है? वस्तुतः अश्लील सामग्रियों के प्रदर्शन से सामुदायिक शुचिता नष्ट होती है और अराजकता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, अश्लील फिल्मी संवाद और द्विअर्थी बोल वाले गाने अनैतिक और हिंसक यौन इच्छाओं को प्रेरित करते हैं जिससे सामाजिक व्यवहार में विकृति आती है। साथ ही, आमतौर पर ऐसे चित्रण में महिलाओं को एक ऐसे वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जिसे पुरुष द्वारा किसी भी रूप में उपभोग किया जा सकता है। यह चित्रण न केवल अनैतिक व्यवहार को बढ़ावा देता है, बल्कि इसके उचित होने की धारणा को भी बल प्रदान करता है। इस प्रकार यह दोहरी हिंसा को प्रेरित करता है। अतः यह पुरुषों को महिला शरीर को सहज ही प्राप्त करने के लिए उकसाता है जो व्यावहारिक रूप से सामाजिक हिंसा में मूर्त होता है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश और बिहार की एक बड़ी जनसंख्या के बीच बोली जाने वाली भोजपुरी भाषा की फिल्मों में अश्लीलता का व्यापक दुष्प्रभाव समाज पर पड़ रहा है। यह निर्णय कुछ हद तक इसे सीमित करने की क्षमता रखता है। सबसे बढ़कर यह अश्लीलता मुक्त भोजपुरी के लिए एक प्रस्थान बिंदु हो सकता है।

इसका दूसरा पक्ष भाषा से जुड़े जीवनवृत्त से है। भाषा कोई निर्जीव उपस्थिति न होकर एक जीवन संसार है। भाषा के दायरे में एक पूरी संस्कृति आकार लेती है, उसके साथ फूलती-फलती है और उसके साथ ही क्षरित हो जाती है। इस अर्थ में भाषा कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे एक पूरी जीवनचर्या नाभिनालबद्ध होती है। एक पूरा जीवन एक भाषा के भीतर सांस लेता है। जीवन बचा रहे इसके लिए आवश्यक है कि भाषा बची रहे। इसलिए जब यूपी सरकार भोजपुरी भाषा को अश्लीलता मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही है तो कहा जाना चाहिए कि सरकार एक पूरा जीवन संसार बचाने की कोशिश कर रही है।

हालांकि यहां यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अश्लीलता मुक्त भोजपुरी के इस सरकारी निर्णय की अपनी एक सीमा है। कोई भी सरकार एक दायरे के बाद इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। इसमें कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अश्लीलता मुक्त भोजपुरी सामूहिक प्रयास से ही संभव है। कलाकार अच्छी सामग्रियों का निर्माण करें, ताकि मनोरंजन का स्वरूप विकृत न हो। इसमें बाधा पहुंचाने वालों के विरुद्ध सरकार दंडात्मक कार्रवाई भी करे तथा बेहतरी के लिए कुछ प्रोत्साहन भी दे। सरकार का वर्तमान निर्णय इसी दिशा में प्रतीत हो रहा है।

(लेखक इतिहास के अध्येता हैं)

ट्वीट-ट्वीट

सीबीएसई और आइसीएसई नहीं हमें एक देश-एक शिक्षा बोर्ड चाहिए। गरीब-अमीर के लिए अलग किताब नहीं, बल्कि एक देश-एक पाठ्यक्रम चाहिए। समान शिक्षा के बिना समता, समानता, समरसता और सभी युवाओं को समान अवसर असंभव हैं।
अश्विनी उपाध्याय@AshwiniUpadhyay

पत्रकार दानिश सिद्दीकी की मौत दुखद है, लेकिन उससे ज्यादा दुखद कुछ एजेंडाधारियों की प्रतिक्रिया है। वे उस गोली को कोस रहे हैं, जो मरहूम को लगी, लेकिन उस कट्टर मजहबी जिहादी सोच पर चुप हैं, जो पूरी दुनिया को आतंकवाद दे रहा है। यह दोहरा रवैया घातक है।
यसर जिलानी@yaserjilani

रेलवे स्टेशन के ऊपर 5-स्टार होटल का मोदी सरकार का प्रोजेक्ट बढ़िया है। अब कुछ रेलवे स्टेशन पर जनरल अस्पताल भी बने।
राज बब्बर@RajBabbarMP



अगर राहुल गांधी को लगता है कि जो लोग कांग्रेस छोड़ रहे हैं वे आरएसएस की विचारधारा के लोग हैं तो ऐसे लोगों को उन्होंने इतने दिनों तक पार्टी में रखा ही क्यों? वैसे भाजपा से आए नवजोत सिंह सिद्धू के बारे में क्या ख्याल है?
मीनाक्षी जोशी@IMinakshiJoshi

अफगानिस्तान में जो कुछ भी हो रहा है वह विद्रोह नहीं है, बल्कि पाकिस्तानी सेना और वहां की 'सिविल' सोसायटी समर्थित सशस्त्र लड़ाकों और पाकिस्तान के छद्म आतंकी संगठनों द्वारा किया गया हमला है।
सुशांत सरीन@sushantsareen

क्या सोनिया-राहुल गांधी एक और राज्य को खोने के मिशन पर हैं। नवजोत सिंह सिद्धू के पहले राजनीतिक परिस्थितियां कैप्टन अमरिंदर सिंह के पक्ष में थीं। अरविंद केजरीवाल पंजाब कांग्रेस में उपजे इस अविश्वास पर जरूर नजरें गड़ाए होंगे। मिन्हाज मर्चेंट@MinhazMerchant

रचनाकर्म

हलचल भरे इतिहास की थाह

प्रणव सिरोही

पिछली सदी के नौवें दशक के आखिर का समय भारत के लिए बहुत उथल-पुथल भरा रहा। मंडल-कमंडल से लेकर आर्थिक फिसलन के उस दौर के विषय में जानने की जिज्ञासा स्वाभाविक है। ऐसे में पत्रकार एवं संपादक रहे संतोष भारतीय ने अपनी सद्यप्रकाशित पुस्तक 'वीपी सिंह, चंद्रशेखर, सोनिया गांधी और मैं' के माध्यम से उस दौर के चित्रण का प्रयास किया है। चूंकि लेखक स्वयं उस समय की तमाम घटनाओं के साक्षी रहे तो उनकी कलम से निकले हुए शब्द आकर्षण पैदा करते हैं। पुस्तक में एक पत्रकार-संपादक के रूप में भारतीय और उस कालखंड से जुड़े अन्य किरदारों की कहानी समांतर रूप से चलती है। अपने रविवार के दिनों से लेकर चौथी दुनिया की स्थापना और इस दौरान पल-प्रतिपल बदलते घटनाक्रम पर भारतीय ने बेबाकी से लिखा है।

पुस्तक की शुरुआत ही 'भविष्य के दो प्रधानमंत्रियों की अंतरंग मुलाकात' जैसे दिलचस्प पाठ से हुई है, जिसमें लेखक 'मारुति ओमनी' कार में वीपी सिंह को चंद्रशेखर के भोंडसी स्थित आश्रम ले जाते हैं। यह मुलाकात एक नए भविष्य की आधारशिला रखने का निमित्त बनती है। इसी तरह उन्होंने बोफोर्स से लेकर जनमोर्चा के गठन, अमिताभ बच्चन के इस्तीफे के बाद हुए इलाहाबाद उपचुनाव, राम जन्मभूमि, चंद्रशेखर सरकार के गठन और उस दौरान कांग्रेस की उठापटक जैसे तमाम पहलुओं को छुआ है। साथ ही धीरूभाई अंबानी, अमिताभ बच्चन, रेखा और मोरारजी देसाई से लेकर रामकृष्ण हेगड़े जैसे दिग्गजों को भी एक-एक अध्याय समर्पित किया है।

लेखक ने अपने पत्रकार साथियों एमजे अकबर, सुरेंद्र प्रताप सिंह और उदयन शर्मा आदि के साथ जुड़े प्रसंग भी साझा किए हैं। मसलन दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले 'न्यूज लाइन' कार्यक्रम के लिए कैसे विनोद दुआ उनकी रपट के लिए रात भर संपादन की मशक्कत किया करते थे और बाद में उन्हें गोभी के पकौड़े खिलाने ले जाते थे।

वीपी सिंह और चंद्रशेखर को लेकर लेखक के मन में निसंदेह एक नरम कोना अवश्य है। उनकी लेखनी से तो यह झलकता ही है, वह इन शब्दों में अपनी मंशा भी स्पष्ट कर देते हैं, 'इतिहास कभी बेहद निर्मम हो जाता है। यदि उसने वीपी सिंह और चंद्रशेखर को दो साल भी सत्ता में रहने दिया होता तो शायद देश का इतिहास कुछ और होता।' इस महिमामंडन में कुछ अतिरेक तब लगने लगता है जब वीपी सिंह की तुलना वह 'गौतम बुद्ध' से करने लगते हैं। वहीं इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी के लिए अनुकूल और राजीव गांधी के लिए प्रतिकूल भावनाएं प्रदर्शित करने को लेकर भी कुछ भ्रम की स्थिति बनती है।

इस पुस्तक में देश के आर्थिक-राजनीतिक हलचल से भरे एक निश्चित कालखंड के अनेक राजनीतिक घटनाक्रमों को लेखक ने अपनी पत्रकारीय दृष्टि से देखने का प्रयास किया है...



पुस्तक : वीपी सिंह, चंद्रशेखर, सोनिया गांधी और मैं
लेखक : संतोष भारतीय
प्रकाशक : वारियर्स विक्ट्री
मूल्य : 999 रुपये

किताब में कई तथ्यात्मक गलतियां भी सालती हैं। जैसे लिखा गया है कि अमिताभ बच्चन गांधी परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के लिए 1986 में अंडमान गए थे। यह गलत है, क्योंकि वे असल में लक्षद्वीप गए थे। उस पर 'द ब्लू लैगून' शीर्षक से एक पत्रिका ने आवरण कथा भी प्रकाशित की थी। इसी तरह राजस्व खुफिया विभाग को एक जगह प्रवर्तन निदेशालय बताया गया है। चूंकि पुस्तक संस्मरण शैली में लिखी गई है तो उसका आधार विशुद्ध स्मृति आधारित है। किताब में एक भी फुट नोट या अंत में संदर्भिका का अभाव इसकी पुष्टि भी करता है। फिर भी अपने कथानक और रोचक शैली से यह पुस्तक पाठकों को कई अहम घटनाओं से परिचित कराती है। उनमें सबसे अहम तो यही थी कि प्रचंड बहुमत से सत्ता में आए राजीव गांधी की सत्ता से विदाई कैसे हुई और उसके बाद क्या हुआ? यह किताब देश के संभवतः सबसे संवेदनशील दौर के दौरान बने हालात और उन्हें बदलने वाले फैसलों और उनके पीछे के निर्णायक पात्रों से भी रूबरू कराती है।

समाज व राजनीतिक व्यवस्था पर प्रहार

कन्हैया झा

पेशे से चिकित्सक ज्ञान चतुर्वेदी का यह छठा उपन्यास है- नेपथ्य लीला। लेखक ने इसमें खोखले आदर्शों की दुहाई देने वालों की असली मानसिकता को उजागर किया है। वहीं आधुनिक प्रेमियों के प्रेम और रिश्तों की वास्तविकता के साथ प्रोन्नति पाने के लिए अनेक प्रकार के तिकड़म भिड़ाने वालों और सिफारिश करने वालों पर भी जबरदस्त कटाक्ष किया है। सत्ता के गलियारों में अपनी पैठ बनाए रखने के लिए लालायित भ्रष्ट नेताओं, घूसखोरी में डूबे बेईमानों और इनके सामने लचर होती कानून व्यवस्था पर करारा प्रहार इस पुस्तक की विशेषता है। इसमें 51 छोटे-छोटे अध्याय हैं जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं : मरने में जुगाड़, अपनी मार्केटिंग, अपना आदमी वहां बैठ जाए, बस... इश्क में इंची टेप, साहित्य का अफसर, कमीशन की चमक, गांधीजी की गवाही, कानून का राज, राजा हंस रहा है, काव्य रस के व्यापारी, जानलेवा समृद्धि, जय बोलने से पहले, अजीब शहर है यह, कौन जाति के हो भाई, भूख है कि मिटती ही नहीं और पथरीली आचार संहिता।

साधु क्यों बनना? में वह लिखते हैं, 'दुनिया को पता ही नहीं है। कलयुग में साधु होने का सारा सिस्टम बड़ा जटिल हो चुका है। आजकल साधु होना भी एक करियर है। उसे आश्रम के लिए अहम इलाके में जमीन चाहिए। किसी भी तरह से साधु के तौर पर सफल होना ही है। त्याग भी अब एक करियर है और अध्यात्म भी एक उद्योग।' इसी प्रकार 'गांधीजी की गवाही' में हवलदार और शरीफ इंसान के बीच का प्रसंग बेहद रोचक है जिसमें पर्स में रखे 'गांधी' की गवाही पर आखिरकार हवलदार उसे शरीफ इंसान मानता है।

थोड़े शब्दों में गंभीर और बड़ी बात कह जाने में ज्ञान चतुर्वेदी का कौशल अद्भुत है। हरिशंकर परसाई, शरद जोशी और श्रीलाल शुक्ल के उत्तराधिकारी के तौर पर इन्हें शामिल किया जा सकता है।

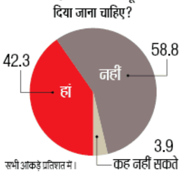


पुस्तक : नेपथ्य लीला
लेखक : ज्ञान चतुर्वेदी
प्रकाशक : राजपाल एंड सन्ज, दिल्ली
मूल्य : 295 रुपये

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या राजद्रोह से संबंधित कानून रद कर दिया जाना चाहिए?



सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या कांग्रेस नेतृत्व पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू की तरफदारी और अमरिंदर सिंह की अनदेखी कर रहा है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

कांवड़ के बिन क्या नहीं होंगे प्रभू प्रसन्न,
फिर क्यों कर यह यात्रा हम हो जाते धन्य।
हम हो जाते धन्य भक्ति है बहुत जरूरी,
पर कोरोना काल बीच समझो मजबूरी।
आएगा हर साल हमारे शिव का श्रावण,
लेना बंधु निकाल कभी फिर अपना कांवड़।
- ओमप्रकाश तिवारी



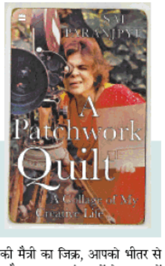
यतीन्द्र मिश्र

सई परांजपे की कला-यात्रा की रोचक यादें

संवेदनशील फिल्मकार सई परांजपे की संस्मरणों की चर्चित मराठी पुस्तक 'सय माझा कलाप्रवास' के अंग्रेजी अनुवाद 'ए पैचवर्क क्विल्ट : ए कोलाज आफ माइ क्रिएटिव लाइफ' को पढ़ना, समानांतर सिनेमा की संजीदा शख्सियत के जीवन-मूल्यों के भीतर झांकने जैसा है। यह सुखद है कि परांजपे अपनी परिचित गंभीर छवि की ही तरह खुद की यादों का एक सुरुचि-पाठ बनाती हैं। एक ऐसी निर्देशिका, जिन्हें उनकी फिल्मों- चश्मे बद्दूर, कथा, स्पर्श और दिशा के लिए जाना जाता है, अपने जीवन को तटस्थ भाव से देखती हैं। वे महानगरीय जीवन में एक मध्यमवर्गीय चरित्र को उसी तरह जीती हैं, जिस तरह उनकी फिल्मों के कथानक और किरदार रहे हैं। संस्मरणों के वे दिन उनके अपने व्यक्तिगत जीवन की दृश्यावलियों को समेटे हुए रेडियो, नेशनल स्कूल आफ ड्रामा, फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, दूरदर्शन, चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी के साथ अंततः थियेटर और सिनेमा की दुनिया को पाठकों के सामने खोलते हैं। यह ध्यान रखना चाहिए कि मराठी में उनका कालम बहुत प्रचलित रहा है। अंग्रेजी में इस किताब का आना, स्वागतयोग्य है, क्योंकि उनके फिल्मी जीवन के मुरीद हिंदी और अंग्रेजी भाषा को जानने, बरतने वाले लोग भी रहे हैं।

इस लेखन को वे कई आयामों में समेटे हुए मोनोलाग की तरह बरतती हैं, जहां जीवन के शुरुआती दिनों से लेकर उतार-चढ़ाव के अनुभवों, रेडियो, टेलीविजन और सिनेमा माध्यम में काम करने की सीमाएं और चुनौतियां, सभी कुछ शामिल हैं। परांजपे के अनुभव में आई हुई छोटी से छोटी बात भी उनकी वैचारिकता की छांव तले अस्तित्व पाती है। अपनी मां, शकुंतला परांजपे की कहानी से शुरू करते हुए जिस सहजता से लेखिका बचपन के ब्यौरे खोलती हैं और उसमें आरंभिक शिक्षा के किंडरगार्टेन के दिनों को याद करती हैं, पढ़ना सुकून से भरता है। आल इंडिया रेडियो, पुणे की यादें खुशनुमा ढंग से उनकी सहजता की ओर इशारा करती हैं। कैसे वे वहां की उद्घोषिका सुधा भिडे से प्रभावित थीं और उनकी भाषा और वर्तनी से प्रेरित, उनका नकल की हद तक अनुसरण करती थीं। किस तरह वहां उनकी मित्रताएं हुईं, संगीतकार सुधीर फड़के के संगीत से सजा और जोडी माडगुलकर के गीतों पर आधारित 'गीत रामायण' सीरीज का इतिहास रचा गया, उनकी आंखों के सामने की घटनाएं हैं। उनके काम की प्रशंसिका 15 बरस की बसंती का लगातार रेडियो को पत्र लिखना और बाद में परांजपे के साथ उनकी मैत्री का जिक्र, आपको भीतर से छूता है। आप इन संस्मरणों के बहाव में यह भूल जाते हैं कि जिसकी जिंदगी को इतनी तल्लीनता से पढ़ रहे हैं, उसमें आप भी एक किरदार बनकर चुपचाप शामिल हो चुके हैं। 'पैचवर्क क्विल्ट' की यही बड़ी सफलता है कि एक संवेदनशील लेखिका आपके रोजमर्रा के उबाऊ दिनों को कुछ सार्थक और मानवीय बना देती है। फिल्मकार श्याम बेनेगल ने इस किताब के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बात यह कही है कि परांजपे सार्थक लेखन का यह काम बखूबी इसलिए कर पाई हैं कि वे एक ऐसी परिवार परंपरा से आती हैं, जहां कई पीढ़ियों ने मराठी साहित्य में अपना योगदान दिया है। जाहिर है, यह एक ऐसी लेखिका का समाज के प्रति आब्जर्वेशन भी है, जिसे भाषा और साहित्य के संस्कार बचपन से मिले हुए हैं।

सई परांजपे लेखिका होने के साथ ही स्वयं एक सधी हुई पटकथाकार भी हैं, लिहाजा यह किताब उनकी संश्लिष्ट दृष्टि, सलोनी भाषा और चुस्त संपादन का एक भरोसेमंद उदाहरण बनकर उभरती है



पुस्तक : ए पैचवर्क क्विल्ट : ए कोलाज आफ माइ क्रिएटिव लाइफ
लेखिका : सई परांजपे
प्रकाशक : हार्पर कालिन्स पब्लिशर्स, नोएडा
मूल्य : 599 रुपये

किताब में कुछ चरित्रों के बारे में गंभीरता से आकलन किया गया है, जिसे पढ़ना उन किरदारों की कला-यात्रा को समझने के लिए जरूरी है। ऐसे में ओम शिवपुरी को रंगमंच के एक अनुभवी अभिनेता के बतौर देखना, साधु मेहर की जीवंत उपस्थिति, पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट के प्रो. सतीश बहादुर का अकादमिक व्यक्तित्व, दूरदर्शन में काम करते हुए लेखक पीएल देशपांडे से मुलाकात, सभी के बारे में ब्यौरों को पढ़ना असरदार है।

यह लेखन इसलिए भी प्रभावित करता है कि वे बौद्धिकता या अपनी इमेज का कोई अतिरिक्त बोझ इन संस्मरणों पर नहीं डालतीं। राह में दूर खड़े हुए अन्वेषी की तरह खुद के जीवन अनुभवों को पलटकर देखना और निसंगता से उनमें से कुछ सीखने लायक चुरा लेना, उनके लेखन का केंद्रीय विचार है। शायद इसीलिए यह किताब भरी-पूरी लगती है। साथ ही, स्पर्श, चश्मे बद्दूर, कथा, दिशा, पपीहा और साज के बनने की कहानी, उनकी अंतरंग कथाएं, शूटिंग के विवरण कथानक का विचार और अभिनेताओं, अभिनेत्रियों की विवेचना पढ़ने लायक है। 'चश्मे बद्दूर' के लिए उनसे किसी ने कहा था, 'आपकी फिल्म क्या दिल्ली शहर के बारे में एक आधिकारिक विज्ञापन भर है?' तब परांजपे ने जवाब दिया, 'गलत! चश्मे बद्दूर मेरा इस शहर के लिए प्रेमपत्र है।' इसी तरह, 'साज' की कहानी में मानसी और बंसी के चरित्रों के आधार पर लता मंगेशकर और आशा भोंसले जैसी पार्श्वगायिकाओं की छवियों के होने के एहसास को मात्र संयोग करार देने जैसी बातें भी इस संस्मरण का हिस्सा हैं। यह कहा जा सकता है कि किसी भी सिनेमाई या सामाजिक किरदार को अपने ढंग से कैमरे के एक खास कोण से देखते हुए भी सई परांजपे अपने लेखन में कम से कम जजमेंटल नहीं हुई हैं, जो इसे बड़ी खूबियों वाली किताब बनाती है।

37 हजार किलोमीटर लंबी सड़कें हैं उत्तराखंड में लोक निर्माण विभाग के अधीन। इनमें 27807 किमी पक्के मोटर मार्ग तथा 9511 किमी कच्चे मोटर मार्ग हैं। मैदानी क्षेत्र में सड़कों के दोनों तरफ और पर्वतीय क्षेत्रों में मार्ग के हिसाब से दोनों ओर अथवा एक तरफ नाली बनाना अनिवार्य हो गया है।

बंगाल

अदालत में चुनाव परिणाम

चुनावी इतिहास में शायद पहली बार देखने को मिल रहा है कि किसी प्रदेश में एक दशक से सत्तारूढ़ रहते हुए तीसरी बार भारी बहुमत से जीतने के बावजूद उनके हारे हुए प्रत्याशी चुनाव परिणाम को लेकर हाई कोर्ट पहुंच रहे हैं। बंगाल में सत्ता में तृणमूल कांग्रेस के संदर्भ में ये बातें हो रही हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नंदीग्राम विधानसभा सीट पर दो हजार से कुछ कम वोट से चुनाव हार गईं। उनका तर्क है कि भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गड़बड़ी कर चुनाव जीता है। इसी को लेकर उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है।

खैर यह हमारे देश में सभी को अधिकार है कि वे कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। परंतु ममता बनर्जी के पदचिन्हों पर चलते हुए तृणमूल के एक के बाद एक अब तक पांच से अधिक हारे हुए प्रत्याशियों ने हाई कोर्ट का दरावाजा खटखटाया है। उन चुनावी याचिकाओं को एक एक करके हाई कोर्ट सुनवाई के लिए भी तैयार हो रहा है।

ममता बनर्जी के पदचिन्हों पर चलते हुए तृणमूल के एक के बाद एक अब तक पांच से अधिक हारे हुए प्रत्याशियों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है

इसी कड़ी में शुक्रवार को उत्तर चौबीस परगना जिले की बनगांव दक्षिण विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी स्वप्न मजूमदार से 2,004 मतों से पराजित तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार आलो रानी सरकार ने भी हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। उक्त याचिका को हाई कोर्ट ने मंजूर करते हुए चुनाव आयोग को उक्त सीट की मतगणना से संबंधित सभी दस्तावेज, रिकार्ड, ईवीएम समेत अन्य सभी उपकरण संरक्षित रखने का निर्देश दिया।

इसी तरह का निर्देश हाई कोर्ट की न्यायाधीश शंपा सरकार ने भी ममता बनर्जी की याचिका पर दिया है और उक्त मामले पर 12 अगस्त को अगली सुनवाई होनी है। यही नहीं, तृणमूल के कई और हारे हुए प्रत्याशियों की याचिका हाई कोर्ट में लंबित है। परंतु यहां सवाल यह उठ रहा है कि जिस बंगाल में आज से ही नहीं, बल्कि दशकों से कभी सत्तारूढ़ रहे वाममोर्चा पर चुनाव में धांधली और गड़बड़ी का आरोप लगता रहा, इसके बाद सत्ता में आई तृणमूल कांग्रेस पर भी ऐसे ही आरोप हर चुनाव में लगते रहे हैं। यहां तक कि पंचायत व निकाय चुनावों में विपक्षी दलों के प्रत्याशियों को नामांकन से रोकना, विधानसभा चुनाव के दौरान विरोधी उम्मीदवारों व कार्यकर्ताओं, समर्थकों पर हमला होना भी आम रहा है। राज्यपाल की कई टिप्पणियां बताती हैं कि तृणमूल ने चुनाव के दौरान क्या सब किया था। जिस चुनाव में हार के बाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा रहा है वह चुनाव कितना शांतिपूर्ण हुआ था, यह भी सर्वविदित है। फिर भी कोर्ट के माध्यम से बीते चुनाव परिणामों को लेकर संशय खत्म होना ही चाहिए।

झारखंड

भारी पड़ेगी लापरवाही

कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप भले ही थम गया है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। तीसरी लहर को लेकर देश-दुनिया से चेतावनी दी जा रही है, लेकिन इस चेतावनी को लेकर आम जनमानस सजग दिखाई नहीं दे रहा है। झारखंड के विभिन्न जिलों में चौक-चौराहों पर तो भीड़ उमड़ ही रही है, प्रतिबंध के बावजूद धार्मिक स्थलों पर भी भारी जमावड़ा देखने को मिल रहा है। शासन ने हल्की ढील दी तो धरना-प्रदर्शन का दौर भी लौट आया है।

स्पष्ट है कि कोविड प्रोटोकाल को हम सभी नजरअंदाज करने लगे हैं, लेकिन यह लापरवाही भारी पड़ सकती है। पिछली बार की गलती से हमें सीख लेने की आवश्यकता है। कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर को लेकर पूरी दुनिया परेशान है। विदेशों में तो तेजी से इससे जुड़े मामले बढ़ने लगे हैं। हम भी देर-सवेर इसकी जद में आएंगे, इससे इन्कार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री ने भी बाजारों में बिना मास्क पहने और शारीरिक दूरी के मानदंडों का पालन किए लोगों की उमड़ती भीड़ पर पिछले दिनों चिंता जताई थी। उन्होंने तीसरी लहर को रोकने के लिए आम लोगों में सजगता, सतर्कता और कोरोना

कोरोना से जंग कब खत्म होगी, कोई नहीं जानता। सिर्फ सतर्कता और टीकाकरण ही बचाव है। बेहतर यही होगा कि बेवजह घर से न निकलें


बहुत जरूरी होने पर ही जाएं बाजार। फाइल

प्रोटोकाल को आवश्यक बताया था। आइसीएमआर ने भी चेतावनी जारी की है और अगस्त में तीसरी लहर की आशंका जताई है। तमाम चेतावनियों के बावजूद हम नहीं चेत रहे हैं। पिछले दिनों वाम दलों ने राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया था। जुलूस पर प्रतिबंध रहने के बावजूद इस दौरान भारी भीड़ उमड़ी थी। कांग्रेस भी महंगाई को लेकर प्रदर्शन करने जा रही है। सवाल यह कि जब राजनीतिक दल ही ऐसा करेंगे तो आम लोगों को कौन समझाएगा। परिस्थितियां अनुकूल होने के बाद ही राजनीतिक एजेंडे पर अमल करना चाहिए। पहली लहर के बाद की लापरवाही के क्या नतीजे रहें, यह किसी से छिपा नहीं है। वह दौर आगे भी देखने को न मिले, इसके लिए आवश्यक है कि कोविड प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन किया जाए। राजनीतिक दलों को भी अपने एजेंडे को कुछ दिनों के लिए टाल देना चाहिए और आम जनमानस के लिए एक बड़ी लकीर खींचनी चाहिए। कोरोना अभी गया नहीं है।

कोरोना से जंग कब खत्म होगी, कोई नहीं जानता। सिर्फ सतर्कता और टीकाकरण ही बचाव है। इसलिए बेहतर यही होगा कि बेवजह घर से न निकलें। खुद भी टीकाकरण कराएं और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करें। समाज के हर वर्ग के सहयोग से ही हम कोरोना को हरा सकते हैं।

हरियाणा

गंभीरतम अपकृत्य

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले अंबाला के सुरेंद्र कुमार ने मात्र साठ-सत्तर हजार रुपये के लोभ में अपनी भारतीय सेना की सेवा और हरियाणा पुलिस की सेवा पर काला धब्बा लगा दिया। उसने यह नहीं सोचा कि देश के लोग सैनिकों का असीमित सम्मान इसीलिए करते हैं कि वे देश की रक्षा करते हैं। सेना से सेवानिवृत्ति के बाद शासकीय विभागों में उनके लिए जो पद आरक्षित किए जाते हैं, वह सैनिकों को दिए जाने वाले सम्मान का ही प्रतीक हैं और सैनिकों को शासन की तरफ से दिए जाने वाले इसी सम्मान के कारण ही उसे सेना से सेवानिवृत्ति के पश्चात हरियाणा पुलिस की सेवा में आने का सुअवसर प्राप्त हुआ था। उसे सेना की तरफ से पेंशन भी मिलती थी। पुलिस विभाग की तरफ से भी पूरा वेतन मिलता था, फिर भी उसने देशद्रोह का पाप किया। उसका बेटा भी सेना में है, उसपर क्या गुजर रही होगी, जब उसे पता चला होगा कि उसका पिता देशद्रोही है। उसने इस दुष्कृत्य से अपने पूरे परिवार और संबंधियों को लज्जित किया है। उसका अपकृत्य पूरे हरियाणा के


एक पूर्व सैन्य कर्मचारी ने किया राज्य को लज्जित। फाइल

लिए सदमा है।

हरियाणा जहां के युवाओं में देशभक्ति कूट-कूट कर भरी है। इसका प्रमाण इसी से मिल जाता है कि हरियाणा की कुल जनसंख्या देश की जनसंख्या की ढाई फीसद है, लेकिन हरियाणा की सेना में हिस्सेदारी लगभग दस फीसद है। हर युद्ध में हरियाणा के अपने अदम्य साहस और पराक्रम की गाथा लिखी है। लेकिन सुरेंद्र यह सब सोचता तब न। उसे तो फेसबुक

सेना में रह चुके हरियाणा पुलिस के एक पूर्व कर्मचारी का देशद्रोही गतिविधियों में संलिप्त होना चौंकाने वाला है। ऐसे लोग यह नहीं समझते कि वे अपने ही देश के साथ धोखा कर रहे हैं

पर अपनी दोस्त महिला दिख रही थी, जो कथित रूप से दुबई की पत्रकार है। उसके कहने पर उसने गोपनीय जानकारियां उसे देनी आरंभ कर दी। वह महिला पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से जुड़ी थी और उसने फिर उसे अपने साथी एजेंटों से जोड़ दिया। सुरेंद्र अब तक न जाने कितनी सूचनाएं पाकिस्तानी एजेंटों को दे चुका होगा। आगे भी देता रहता, यदि भारतीय एजेंसियां उसके खाते में विदेश से आने वाली राशि को लेकर उसकी निगरानी न करतीं। सुरेंद जैसे लोग अपने कुल-परिवार के लिए कलंक हैं, जो अपने देश से धोखा करते हैं।

उत्तराखंड

पर्यटकों की संख्या से बढ़ रही चिंता

कोरोना जांच की फर्जी रिपोर्ट लेकर उत्तराखंड की वादियों में घूमने के लिए पहुंच रहे पर्यटकों ने आमजन की चिंता बढ़ा दी है। हालिया दिनों में लगातार ऐसे मामले पकड़ में आ रहे हैं। अकेले राजधानी देहरादून में 24 घंटे के अंतराल में 45 फर्जी रिपोर्ट सामने आ चुकी हैं। इससे पहले हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर व नैनीताल में इस तरह के मामले पकड़ में आए थे। दरअसल, देशभर में कोविड प्रोटोकाल में ढील के बाद उत्तराखंड ने भी कुछ पाबंदियों के साथ पर्यटकों के लिए रास्ते खोले हैं। इसके बाद से पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा से बड़ी संख्या में पर्यटक उत्तराखंड का रुख कर रहे हैं। राज्य सरकार ने इनके लिए स्मार्ट सिटी पोर्टल पर पंजीकरण के साथ ही 72 घंटे के अंतराल की आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट और ठहरने के आरक्षण की अनिवार्यता की हुई है। इस सबके बीच चिंताजनक पहलू यह कि कुछ पर्यटक इन पाबंदियों का पालन करने की बजाय कोरोना की फर्जी रिपोर्ट लेकर यहां पहुंच रहे हैं। अभी तक जो मामले सामने आए, वे रैंडम जांच में पकड़े गए। ऐसे में इस आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है कि बड़ी संख्या में पर्यटक इस तरह की रिपोर्ट के सहारे उत्तराखंड की सीमा में दाखिल हो रहे होंगे। खासकर, वीकेंड पर जिस तरह पर्यटकों की भीड़ हिल स्टेशनों पर उमड़ रही है, उसमें यह दावा करना कि सभी पर्यटक सीमाओं पर जांच प्रक्रिया से गुजर रहे होंगे, आसानी से गले नहीं उतर रहा है। हालांकि, पुलिस राज्य की सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर कोरोना जांच की निगेटिव रिपोर्ट न लाने वालों को वापस भेजने के दावे कर रही है। लेकिन हरियाणा से नैनीताल पहुंचे कोरोना संक्रमित पर्यटकों ने इस दावे की हवा निकाल कर रख दी है। इन पर्यटकों के पास कोरोना जांच की निगेटिव रिपोर्ट नहीं थी, रैंडम जांच में उनके संक्रमित होने का पता चला। वह राज्य की सीमा से भीतर दाखिल कैसे हो गए, यह अपने आप में बड़ा सवाल है।

राज्य में पर्यटकों की आमद सुखद अनुभूति जरूर करा रही है, लेकिन कोविड गाइडलाइन के अनुपालन को लेकर तंत्र का रवैया आमजन में डर पैदा कर रहा है

चिंता की एक बड़ी वजह यह भी है कि फर्जी कोरोना जांच रिपोर्ट को तंत्र हल्के में ले रहा है। इसकी तह तक जाने की कोशिश नहीं हो रही है। होना तो यह चाहिए कि जिन लैबोरेटरी के नाम की रिपोर्ट पर्यटकों के पास मिल रही है, उन्हें भी जांच के दायरे में शामिल किया जाए। यही नहीं, इस मामले में पड़ोसी राज्यों का सहयोग लिया जाना चाहिए, ताकि फर्जीवाड़ा करने वालों पर नकेल डालने की प्रभावी व्यवस्था की जा सके। सीमाओं पर चेकिंग व्यवस्था में भी सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है। उम्मीद है राज्य सरकार इन पहलुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करेगी।

पीएम के सहकार में खास साझेदार होगा मध्य प्रदेश

वैभव श्रीधर, भोपाल

- जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बनाया जाएगा राज्य सहकारी जैविक उर्वरक निर्माता संघ
- सहकारी क्षेत्र में बनेंगे सात राज्य स्तरीय महासंघ, किसानों के नए प्रयोग को देंगे बढ़ावा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता के माध्यम से विकास योजनाओं को नए लक्ष्य की ओर ले जाने का जो विचार राज्यों के सामने प्रस्तुत किया है, उसे पूरा करने में मध्य प्रदेश जुट गया है। शुरुआत खेती को रासायनिक उर्वरक मुक्त बनाने की योजना से होगी। इसी कड़ी में शिवराज सरकार राज्य सहकारी जैविक उर्वरक निर्माता संघ बनाने जा रही है। इसका गठन जिला और राज्य स्तर पर होगा। दोनों स्तरों पर खेती में रासायनिक उर्वरक का उपयोग न्यूनतम और जैविक खाद को बढ़ावा देने पर काम होगा। किसानों से गोबर और गोमूत्र लिया जाएगा और खाद बनाकर उन्हें दी जाएगी। साथ ही किसान जो नवाचार करेंगे, उनका पेटेंट कराया जाएगा और व्यावसायिक उपयोग के लिए प्रेरित भी किया जाएगा। सहकारिता विभाग ने राज्य स्तरीय सात महासंघ बनाने का प्रारूप तैयार किया है।

प्रदेश में सहकारी आंदोलन को नई गति और दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नए क्षेत्रों में कदम रखने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए थे। विभाग इसकी तैयारी कर ही रहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में नए सहकारिता मंत्रालय का गठन कर इस क्षेत्र को बढ़ावा देने का स्पष्ट संदेश दे दिया। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में सहकारिता के विस्तार के लिए नए क्षेत्र तलाशे गए हैं। इसमें जैविक उर्वरक निर्माता संघ का गठन करना अहम है।

> रासायनिक उर्वरकों से जमीन की सेहत खराब हो रही है। जमीन बंजर होती जा रही है। जैविक खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। कृषि का लागत मूल्य कम होगा, परंतु यह लाभ तभी होगा जब किसान गाय पालें और स्वयं खेत पर ही खाद और जैविक कीटनाशक बनाए।
>
> डा. जीएस कौशल, पूर्व कृषि संचालक, मध्य प्रदेश

देश में जो प्रामाणिक जैविक उत्पाद होता है, उसमें सर्वाधिक चालीस फीसद हिस्सा मप्र का है। यह किसानों की आय बढ़ाने का जरिया भी है। रासायनिक खाद से भूमि को नुकसान हो रहा है और खेती की लागत भी बढ़ रही है। इसे देखते हुए तय किया है कि प्रत्येक जिले में जैविक उर्वरक निर्माता संघ का गठन किया जाएगा। राज्य स्तर पर महासंघ के तहत समितियां गठित होंगी। ये किसानों से गोबर व गोमूत्र एकत्र करेंगी। इसके बदले किसानों को कुछ राशि भी दी जाएगी। इनसे खाद तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी। सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया का कहना है कि सहकारिता के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। कार्ययोजना बनाकर काम किया जा रहा है।

लाल किला का नाम बदलकर नेताजी फोर्ट करने की मांग

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- नेताजी के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र
- कहा-यह मांग सबसे पहले डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उठाई थी

आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र व भाजपा नेता चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिल्ली स्थित लाल किला का नाम बदलकर नेताजी फोर्ट करने का अनुरोध किया है। बोस ने कहा कि यह मांग सबसे पहले भाजपा के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उठाई थी, जिसे तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने खारिज कर दिया था। अभी केंद्र में डा. मुखर्जी द्वारा स्थापित पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार है इसलिए उनके इस सपने को पूरा किया जाना चाहिए।

बोस ने आगे कहा कि 21 अक्टूबर को


चंद्र कुमार बोस ने कहा, 21 अक्टूबर को आजाद हिंद दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। फाइल

आजाद हिंद दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए और उसी दिन लाल किले का नाम बदलकर नेताजी फोर्ट किया जाना चाहिए।

नेताजी की 125वीं जयंती के लिए गठित कमेटी निष्क्रिय

चंद्र कुमार बोस ने कहा कि नेताजी की 125वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में जिस कमेटी का गठन किया गया था, वह निष्क्रिय है। उसकी अब तक एक भी बैठक नहीं हुई है। नेताजी की जयंती पर सालभर क्या-क्या कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, इसकी कोई तैयारी नहीं की गई है। कमेटी के लिए कोई बजट भी निर्धारित नहीं किया गया है। गौरतलब है कि 85 सदस्यों वाली इस कमेटी में नेताजी के परिवार के चार सदस्य भी शामिल हैं, जिनमें नेताजी की पुत्री अनीता बोस फाफ, चंद्र कुमार बोस, अर्द्धेंदु बोस और रेणुका मालाकार हैं। बोस ने आगे कहा कि कुछ लोग तो अब यह आरोप भी लगा रहे हैं कि बंगाल विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनता का वोट पाने की खातिर इस कमेटी का गठन किया गया था। चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद केंद्र सरकार इसे लेकर उदासीन हो गई है। यह नेताजी का असम्मान करने जैसा है। ज्ञातव्य है कि इस कमेटी में केंद्रीय मंत्रियों, कई वरिष्ठ राजनेताओं और जानी-मानी हस्तियों को भी शामिल किया गया है।

लेह में पहली बार होगा ग्रीन फिल्म फेस्टिवल

राज्य ब्यूरो, जम्मू : लद्दाख के लेह जिले में पहली बार तीन दिवसीय ग्रीन फिल्म फेस्टिवल व फोरम होने जा रहा है। फेस्टिवल 28 से 30 जुलाई तक चलेगा। यह जानकारी दिल्ली सीएमएस वातावरण के डिप्टी डायरेक्टर भारती ने लेह में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। सीएमएस वातावरण पर्यावरण एवं वन्यजीव इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल एंड फोरम पर कार्यरत है। भारती ने कहा कि इसे केंद्र के यूएनडीपी-जेफ सिक्योर हिमालया प्रोजेक्ट के तहत किया जा रहा है। इसमें वन्यजीव संरक्षण विभाग, लद्दाख प्रशासन तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सहयोग कर रहा है।

विष्णुभोग धान का पौधा हुआ बौना और पैदावार हो गई दोगुना

संदीप तिवारी, रायपुर

छत्तीसगढ़ में रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने विलुप्तप्राय विष्णुभोग सुगंधित धान की नई किस्म विकसित की है। उन्होंने इसके पौधों की ऊंचाई पहले की तुलना में एक तिहाई कर दी है, ताकि किसान इसे लगाने में रुचि लें। पहले इसके पौधों की औसत ऊंचाई 175 सेंटीमीटर थी, जिससे थोड़ी भी तेज हवा चलने पर पौधे गिर जाते थे। इसके चलते किसानों ने इसे लगाना लगभग बंद कर दिया था। विकसित किस्म के पौधों की औसत ऊंचाई 110 सेंटीमीटर तक है। इतना ही नहीं, इन पौधों से उत्पादन भी

- इंदिरा गांधी कृषि विवि रायपुर के विज्ञानियों ने विकसित की धान की नई किस्म
- पहले पौधे की औसत ऊंचाई 175 सेमी और उत्पादन 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था
- अब पौधे की औसत ऊंचाई 110 सेमी और उत्पादन 40 क्विंटल तक


इंदिरा गांधी कृषि विवि की प्रयोगशाला में बाईं ओर लहलहा रही विष्णुभोग धान की नई किस्म और दाहिनी ओर पुराने किस्म के धान के पौधे। सौ. इंकृवि

दोगुना तक हो रहा है। पहले बमुश्किल 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादन होता था, जो अब बढ़कर 40 क्विंटल तक पहुंच गया है। रायपुर व धमतरी में सफल प्रयोग के बाद राज्य बीज उप समिति ने इसका बीज प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करा दिया है। अन्य राज्यों के लिए भी प्रस्ताव पर विचार हो रहा है।

विश्वविद्यालय के धान अनुसंधान केंद्र ने सुगंधित और अधिक उत्पादन वाली धान की पांच किस्मों का विकास किया है। धान की आनुवांशिकी में परिवर्तन करने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की सहायता ली गई है। विष्णुभोग धान की नई किस्म को ट्राम्बे छत्तीसगढ़ विष्णुभोग म्यूटेंट नाम दिया गया है। सामान्य तौर पर धान की नई किस्म को विकसित करने में 10 से 12 साल लगते हैं, लेकिन भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की मदद से इसे पांच साल के भीतर ही विकसित कर लिया गया है।

विज्ञानियों द्वारा विकसित अन्य चार किस्में

1. ट्राम्बे छत्तीसगढ़ सोनागाठी म्यूटेंट
2. छत्तीसगढ़ धान 1919
3. सीजी तेजस्वी धान
4. सीजी अगेती संकर मक्का-1

> विष्णुभोग समेत अन्य कई धान की किस्मों के जीन में बदलाव करके इन्हें अधिक उत्पादकता वाली किस्म के रूप में विकसित किया गया है। इससे किसानों को कम रकबे में दोगुना पैदावार होने से आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।
>
> - डा. एसके पाटिल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर

बंजर जमीन को उपजाऊ बनाया, पानी संजोया और लिखी तकदीर

रविवार विशेष

सागर के आदिवासी गांव मरामाधौ के लोगों का भगीरथ प्रयास देख प्रशासन ने भी बंजर जमीन खेती योग्य करवाकर भूमिहीनों को सौंपी

संजय पांडेय • सागर

मनुष्य यदि चाह ले तो आसमान में भी सुराख कर दे, पत्थर को सोना बना दे। मध्य प्रदेश के सागर जिले के आदिवासी गांव मरामाधौ के ग्रामीणों ने अपने श्रम से यह चरितार्थ भी किया। जिस गांव में बूंद-बूंद पानी के लिए लोग मोहताज थे, पथरीली बंजर जमीन होने से खेती का कोई साधन नहीं था। दूसरे गांवों में मजदूरी करना मजबूरी थी। आज उसी गांव में भरपूर पानी है, खेती के लिए हर परिवार के पास पर्याप्त जमीन है और मजदूरी मजबूरी नहीं है। यह सब ग्रामीणों की एकजुटता और सामूहिक श्रम से संभव हुआ।

यह चमत्कार नहीं सामूहिक मेहनत है: मरामाधौ पंचायत में कुल 646 परिवार हैं और 2,256 लोगों की आबादी है। सरपंच अजय सोलंकी का कहना है कि गांव में वर्षों से चला आ रहा जल और खेती योग्य भूमि की कमी का संकट डेढ़ से दो साल में खत्म होना कोई चमत्कार नहीं बल्कि ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास का नतीजा है।


मरामाधौ गांव की बंजर जमीन को खेती योग्य बनाने के लिए श्रमदान करते आदिवासी • संजय पांडेय


मरामाधौ गांव में रामदुलैया आदिवासी का तालाब, इसमें साल भर पानी भरा रहता है • नईदुनिया

> मरामाधौ गांव में सौ एकड़ जमीन को खेती योग्य बनाया गया है। जल संरक्षण के लगातार प्रयासों का नतीजा है कि आज सिंचाई के लिए भरपूर पानी है। वर्ष 2019-20 के लिए पंचायत को जल संरक्षण का पुरस्कार दिया गया। गांव में कुछ तालाबों में सालभर पानी रहता है, वहां मछली पालन कराया जाएगा।
>
> डा. इच्छित गढ़पाले
> जिपं सीईओ, सागर

मरामाधौ गांव में 70 परिवार आदिवासी हैं। लोगों ने शासन की योजनाओं का लाभ उठाया। तालाब, कुआं, चेकडैम सहित करीब 173 जल संग्रहण स्रोत तैयार किए। इसी तरह ग्रामीणों ने मिलकर एक दूसरे की बंजर जमीन को खेती के लिए तैयार किया। सभी ग्रामीण मजदूरी के बाद श्रमदान करते थे। प्रशासन ने भी गांव में राजस्व की करीब सौ एकड़ बंजर भूमि ग्रामीणों से ही खेती योग्य बनवाई और 28 आदिवासी परिवारों को भूस्वामी बनाकर प्रति परिवार दो से तीन एकड़ जमीन खेती के लिए वितरित कर दी। बीज उपलब्ध करवाए और किसान क्रेडिट कार्ड भी बनवाए गए। अब गांव के सभी परिवारों के पास जमीन है।

अब पैदा कर रहे फसल: गांव के लोगों ने जमीन उपजाऊ बनाने से पहले बारिश का पानी संजोकर किल्लत दूर की। अब ग्रामीण अपने खेतों में फसल ले रहे हैं। भूगर्भ जल स्तर भी सुधरा है।

तालाब में साल भर पानी रहता है: गांव की रामदुलैया आदिवासी का कहना है कि मेरे पास छह एकड़ जमीन है, लेकिन पानी न होने से खेती नहीं होती थी। हम मजदूरी पर आश्रित थे। मुख्यमंत्री सरोवर योजना के तहत गांव में पहले खेत पर तालाब खोदा गया। सात फीट गहरे तालाब में अब सालभर पानी रहता है। इस साल हमने करीब 15 एकड़ जमीन भी ठेके पर लेकर बोआई की है। दूसरे को भी सिंचाई के लिए पानी दिया। बीते साल गांव के कई और परिवारों ने रबी की फसल ली थी और 50 से 60 क्विंटल तक गेहूं का उत्पादन किया था।

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

बिहार में इसी वर्ष तैयार होगा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट

भुवनेश्वर वात्स्यायन, पटना

- दरभंगा में 1.6 मेगावाट का प्लांट दिसंबर तक आ जाएगा वजूद में

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बिहार एक नई कहानी लिखने की तैयारी कर रहा है। दरभंगा में इसी वर्ष फ्लोटिंग यानी तैरता हुआ सोलर पावर प्लांट अस्तित्व में आ जाएगा। सुपौल में भी ऐसा प्लांट बनाया जा रहा। इसके अतिरिक्त जल संसाधन विभाग फुलवरिया और दुर्गावती डैम पर भी ऐसे प्लांट लगाने की तैयारी कर रहा है।

विद्युत विभाग का दावा है कि यह देश में अपनी तरह का पहला प्लांट है। दरअसल, यह सीमित संसाधनों और कम खर्च में छोटे स्तर पर किया जा रहा प्रयोग है। यह सबसे पहले वजूद में आ जाएगा। दरभंगा में बिजली कंपनी के परिसर में स्थित तालाब में 1.6 मेगावाट का तैरता हुआ सोलर पावर प्लांट इस वर्ष दिसंबर में तैयार हो जाएगा। वहीं, सुपौल में 525 किलोवाट का प्लांट तैयार कराया जा रहा। यह भी तालाब में भी बन रहा, जो जल्द ही तैयार हो जाएगा।

18 से 28 मेगावाट के प्लांट होंगे फुलवरिया और दुर्गावती डैम पर : ब्रेडा ने जल संसाधन विभाग के दो डैम पर बड़ी क्षमता वाले फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट बनाए जाने की योजना पर काम आगे बढ़ाया है। फुलवरिया डैम और दुर्गावती डैम पर क्रमशः 18 से 28 मेगावाट के प्लांट बनाए जाएंगे।


अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बिहार एक नई कहानी लिखने को तैयार। फाइल फोटो

सूरज का रुख कर घूमता रहता है फ्लोटिंग प्लांट

ब्रेडा के अधिकारी ने बताया कि फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट नाव पर फिट होता है। जैसे-जैसे सूरज आकाश में भ्रमण करता है, उसी के अनुसार यह प्लांट भी दिशा बदलता रहता है। इससे सूर्य की किरणें नहीं मिलने की समस्या खत्म हो जाती है।

3.8 करोड़ है अफगानिस्तान की जनसंख्या। यहां 75 फीसद लोग गांवों में रहते हैं। 46 फीसद आबादी की उम्र 15 साल से कम है। 99 फीसद आबादी मुस्लिम है।

यूरोप में घटने लगा बाढ़ का पानी, 150 लोगों की मौत

बर्लिन, एपी : पश्चिमी यूरोप में अब बाढ़ का पानी घटने लगा है। हर तरफ तबाही की निशानियां दिख रही हैं। घरों और सड़कों को काफी नुकसान पहुंचा है। पानी घटने पर राहत व बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। बाढ़ के चलते अब तक 150 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। जबकि सैकड़ों लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।

पुलिस के अनुसार, बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित पश्चिमी जर्मनी के एहरवीलर काउंटी में 90 से ज्यादा लोगों की जान गई है। यह काउंटी राइनलैंड-पैलेटिनेट राज्य में है। इससे सटे नार्थ राइन-वेस्टफैलिया राज्य में अब तक 43 लोगों की मौत की बात सामने आई है। जर्मनी के इन राज्यों में करीब 1,300 लोगों के लापता होने की खबर है। वहीं, बेल्जियम में शनिवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हो गई। यहां भी 20 लोग लापता बताए गए हैं।

▸ **सैकड़ों लोग अब भी लापता, तेज किया गया राहत और बचाव कार्य**

अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित ज्यादातर क्षेत्रों में पानी कम होना शुरू हो गया। कई इलाकों में बिजली और टेलीफोन सेवाएं बाधित हैं। उन्होंने बाढ़ में बह गए वाहनों से शव मिलने की आशंका जताई है। नीदरलैंड में भी भारी बारिश के चलते कई नदियों में जलस्तर बढ़ गया है। इससे दक्षिणी प्रांत लिमबर्ग में नदियों के किनारे वाले शहरों और गांवों को खतरा पैदा हो गया है। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। स्विट्जरलैंड में भी बाढ़ जैसी स्थिति है।

जलवायु परिवर्तन को ठहराया जिम्मेदार : विज्ञानियों ने इस विनाशकारी बाढ़ के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। वे लंबे समय से यह चेतावनी दे रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन के चलते भारी बारिश की संभावना बढ़ जाती है। इससे जाहिर होता है कि कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगाने की जरूरत है।



जर्मनी के साउथ-वेस्ट कोलोन के इर्टस्टैड- ब्लेसम में बाढ़ से पूरा इलाका टापू में तब्दील हो गया है। रायटर



बेल्जियम के किंग फिलिप और रानी मथिल्डे स्वयं बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे। उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत की और उनकी पीड़ा को सुना। बाढ़ से हुए नुकसान को देखकर किंग और रानी दुखी नजर आए। एएफपी



जर्मनी के इर्टस्टैड- ब्लेसम में बाढ़ ने काफी कहर बरपाया है। सैकड़ों वाहन पानी में डूब गए हैं। जान बचाने के लिए सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। रायटर

'कोरोना पर गलत जानकारी फैला कर लोगों को मार रहा फेसबुक'

न्यूयार्क टाइम्स से

वाशिंगटन: कोरोना को लेकर इंटरनेट मीडिया पर चल रही गलत जानकारियों वाली सामग्री से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन बेहद खफा हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि फेसबुक जैसे प्लेटफार्म गलत जानकारी फैला कर लोगों को मार रहे हैं। बाइडन का बयान अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि इंटरनेट मीडिया वैक्सीन के बारे में भ्रामक जानकारी देकर सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे पैदा कर रहा है।

ज्ञात हो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि महामारी में गलत जानकारी एक तरह से इंफोडेमिक है। अपने सप्ताहांत में मैरीलैंड के कैंप डेविड के लिए मेरीन वन से प्रस्थान करते समय विवेक मूर्ति के हालिया बयान के बाद जब पत्रकारों ने बाइडन से पूछा कि क्या उनका फेसबुक जैसे मीडिया प्लेटफार्म के लिए कोई संदेश है, जिसके कारण वैक्सीन के बारे में भ्रामक जानकारी फैल गई है। उन्होंने सीधे कहा, 'वे लोगों को मार रहे हैं। अब केवल महामारी उन लोगों के लिए है, जो टीका नहीं लगवा रहे हैं।'

फेसबुक ने किया राष्ट्रपति के बयान को खारिज : फेसबुक के प्रवक्ता डैनी लीवर ने बाइडन के बयान का जवाब देते हुए कहा, हम उन आरोपों से विचलित नहीं होंगे, जो तथ्यों के आधार पर नहीं हैं। फेसबुक के दो सौ करोड़ यूजर ने कोरोना और वैक्सीन के संबंध में आधिकारिक जानकारी को देखा है।



अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने साधा फेसबुक पर निशाना। एपी

न्यूज गैलरी

एफएटीएफ की काली सूची से बचने को पाक का नया पैंतरा

इस्लामाबाद: आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई से बच रहे पाकिस्तान ने एफएटीएफ की काली सूची में जाने से बचने को नया दांव चला है। उसने संसद में वित्तीय निगरानी संस्था एफएटीएफ के द्वारा निर्धारित शर्तों को पूरा करने का नाटक करते हुए एक विधेयक पारित किया है, जो अंतरराष्ट्रीय आपराधिक मामलों में कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए है। आपसी कानूनी सहायता (आपराधिक मामले) संशोधन विधेयक उच्च सदन से पारित हुआ। इस दौरान विपक्ष ने विधेयक का जमकर विरोध किया। ज्ञात हो कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने जून 2018 से पाक को आतंकियों की फंडिंग पर रोक न लगाने व वैश्विक आतंकियों पर कार्रवाई न करने पर ग्रे लिस्ट में डाल रखा है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान को आतंकियों पर कार्रवाई से संबंधित कई शर्तों को पूरा करने के लिए कहा था। संतोषजनक कार्रवाई न होने पर उसे ग्रे लिस्ट में डाल दिया है। अब उसे काली सूची में जाने का डर सता रहा है। (प्रेट्र)

हैती के पूर्व अधिकारी ने दिया था राष्ट्रपति की हत्या का आदेश

बोगोटा: हैती में राष्ट्रपति जोवेनेल मौसे की हत्या के मामले में कोलंबिया के अधिकारियों ने कुछ और राज खोले हैं। इन अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति मौसे की हत्या के लिए हैती के न्याय मंत्रालय में काम करने वाले एक अधिकारी फेलिज बेडियो ने आदेश दिया था। यह अधिकारी जनरल इटेंलीजेंस की एंटी करप्शन यूनिट में काम करता था। कोलंबिया पुलिस के निदेशक जनरल जोर्ज लुइस वर्गास ने बताया कि भाड़े पर आए हत्यारों को बेडियो ने तीन दिन पहले कहा था कि राष्ट्रपति मौसे को पकड़ना नहीं है, मार देना है। हत्या में 28 लोग संलिप्त थे। इनमें से 26 कोलंबियन और दो हैती-अमेरिकन नागरिक थे। हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मौसे की 7 जुलाई को उनके आवास पर ही हत्या कर दी गई थी। हमले में उनकी पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। (आइएएनएस)

अमेरिका में हथियार तस्कर पाकिस्तानी ने अपराध स्वीकारा

वाशिंगटन: अमेरिका में पिज्जा की दुकान चलाने वाले एक पाकिस्तानी और उसके साथी ने अपने देश में हथियार भेजने के संबंध में अपराध स्वीकार कर लिया है। न्याय विभाग के अनुसार, मूल रूप से पाकिस्तान का रहने वाला 35 वर्षीय अशफाक मलिक अपने साथी 22 वर्षीय वलीद आफताब के साथ यहां पिज्जा की दुकान चलाता था। अमेरिकी पुलिस ने इन दोनों को दिसंबर 2014 में पकड़ा था। इनके द्वारा करीब 48 से ज्यादा एआर-15 सेमी आटोमेटिक राइफल, उनकी मैगजीन व पुर्जे अवैध रूप से पाक भेजे गए थे। (प्रेट्र)

शांति वार्ता के बीच सेना ने तीन जिलों से खदेड़े आतंकी

अफगानिस्तान में संकट ▸ कामचलाऊ सरकार, कैदियों की अदला-बदली और युद्धविराम पर दोहा में हो रही बातचीत

अफगान सेना ने मारे 60 से ज्यादा आतंकी, तालिबानी आतंकियों पर हवाई हमले भी हुए तेज

काबुल, एएनआइ : अफगानिस्तान में हिंसा रोकने के लिए कतर की राजधानी दोहा में एक बार फिर अफगान सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता शुरू हो गई। बातचीत में काम चलाऊ सरकार, युद्ध विराम और कैदियों की अदला-बदली पर विचार हो रहा है। वार्ता के दौरान ही अफगान सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान तीन जिलों से तालिबान को खदेड़ दिया। संघर्ष में दर्जनों आतंकियों को ढेर कर दिया है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार अफगान सेना ने बामयान के दो जिलों सायगन और काहमर्द के साथ ही निमरुज प्रांत के चखानसुर पर भी दोबारा कब्जा कर लिया है। एएनआइ के अनुसार कंधार शहर में सेना और तालिबान के बीच संघर्ष के दौरान यहां रात का कर्फ्यू लगा दिया गया है। यह कर्फ्यू स्पिन बोल्डक में भारतीय पत्रकार दानिश सिद्दीकी और कंधार स्पेशल फोर्स के कमांडर सेदिक करजई के मारे जाने के बाद लगाया गया।

इस बीच जौजान प्रांत के शाबरगान पर कब्जे को लेकर सेना और आतंकियों के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है, दोनों ने ही कब्जे को लेकर परस्पर विरोधी दावे किए हैं। आइएएनएस के अनुसार यहां 60 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। संघर्ष में हवाई हमले भी तेज कर दिए गए हैं। यह शहर मजार ए शरीफ से 135 किमी. दूर है। टोलो न्यूज के अनुसार सेना के हवाई हमले में बदख्शान प्रांत के शोहादा जिले में दस नागरिकों की मौत हो गई है।

इधर कतर की राजधानी दोहा में शनिवार को अफगान सरकार के प्रतिनिधिमंडल और तालिबान के बीच नए सिरे से वार्ता शुरू हो गई है। वार्ता से पहले अफगानिस्तान के सुलह परिषद के प्रमुख अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने कहा है कि शांति के लिए दोनों ही पक्षों का नरम रवैया अपनाना जरूरी है। तालिबान के उपनेता अब्दुल गनी बारादर ने कहा, हालांकि वार्ता में अभी कोई खास उन्नति नहीं हुई है, फिर भी उम्मीद रखनी चाहिए कि कुछ सफलता जरूर मिलेगी। अफगानिस्तान की खुशहाली के लिए देश में इस्लामिक व्यवस्था बहुत जरूरी है। वार्ता के कुछ सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं। स्पुतनिक इस वार्ता में दोनों ही पक्ष युद्धविराम, कैदियों की अदलाबदली और एक कामचलाऊ सरकार के गठन पर विचार के लिए सहमत हैं।



कतर की राजधानी दोहा में तालिबान से शांति वार्ता को लेकर आयोजित बैठक में भाग लेते अफगानिस्तान के सुलह परिषद के प्रमुख अब्दुल्ला अब्दुल्ला (बाएं से दूसरे)। एएफपी

पाकिस्तान में अफगानिस्तान के राजदूत की पुत्री का अपहरण, दी यातनाएं

एएनआइ के अनुसार पाकिस्तान में अफगानिस्तान के राजदूत नजीब अलीखिल की पुत्री सिलसिला अलीखिल का 16 जुलाई को अज्ञात लोगों ने घर के रास्ते में अपहरण कर लिया और कई घंटे बंधक बनाकर रखा। इस दौरान सिलसिला को यातनाएं दी गईं। अफगान राजदूत की बेटी को बाद में छोड़ने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की अफगानिस्तान ने कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान से अपराधियों की पहचान कर उन्हें कड़ा दंड दिए जाने की मांग की है।



सिलसिला अलीखिल सौ. ट्विटर

चिनफिंग ने की अफगानी राष्ट्रपति से वार्ता

आइएएनएस के अनुसार चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से वार्ता टेलीफोन पर वार्ता की। उन्होंने अफगान नेतृत्व को अपने समर्थन का एक बार फिर वादा दोहराया। उन्होंने कहा कि संवाद से ही समस्या का राजनीतिक हल निकाला जाना चाहिए।

गनी बोले, पाक के 10 हजार जिहादी लड़ रहे हमसे जंग

आइएएनएस के अनुसार अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने ताशकंद में प्रधानमंत्री इमरान खान की मौजूदगी में कहा कि पाक के 10 हजार जिहादी उनके देश में तालिबान का साथ दे रहे हैं। तालिबान के जिलों पर कब्जा करने और अफगान की बरबादी पर पाक में जश्न मनाया जाता है।

अफगान युद्ध का आलोचक चीन अमेरिका के जाने से चिंतित

न्यूयार्क टाइम्स से

न्यूयार्क : चीन सरकार अमेरिका पर सैन्य दुस्साहसवाद और आधिपत्य का आरोप लगाती रही है। वह अफगानिस्तान में युद्ध की आलोचक भी रही है, परंतु अब जब अमेरिका ने अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से वापस बुला लिया है तो चीन का स्वर बदल गया है। उसने अमेरिका पर अफगानिस्तान में अपनी दो दशकों की लड़ाई को जल्दबाजी में खत्म करने का आरोप लगाया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इस महीने बीजिंग में एक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका ने ही पहले अफगान की समस्या पैदा की थी। उसे अफगानिस्तान में सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। उसे दूसरों पर भार डालकर और अफगानिस्तान को बेसहारा छोड़कर नहीं जाना चाहिए। हालांकि, चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से सैनिकों की वापसी का आदेश वापस लेने के लिए नहीं कहा है। परंतु, चीन के वरिष्ठ अधिकारियों के बयानों से यह स्पष्ट हो गया है कि क्षेत्र में किसी भी तरह की असुरक्षा पैदा होने पर वह अमेरिका को जिम्मेदार ठहराएगा।

अमेरिकी जज ने ओबामा काल के आव्रजन कार्यक्रम को ठहराया अवैध

न्यूयार्क टाइम्स से

▸ **भारतीयों सहित छह लाख बिना दस्तावेज वालों पर लटकी प्रत्यर्पण की तलवार**

▸ **ओबामा प्रशासन ने बनाई थी डेफर्ड एक्शन फार चाइल्डहुड एराइवल्स योजना**

ह्यूस्टन : अमेरिका के टेक्सास प्रांत के एक संघीय जज ने उस आव्रजन कार्यक्रम को अवैध ठहरा दिया है, जो बिना दस्तावेज वाले लाखों लोगों को प्रत्यर्पण से सुरक्षा मुहैया कराता है। इस कदम से भारतीयों समेत छह लाख लोगों पर प्रत्यर्पण की तलवार लटक गई है। यह कार्यक्रम ओबामा काल में लागू किया गया था।

वर्ष 2012 में तत्कालीन बराक ओबामा प्रशासन ने बगैर दस्तावेज आए नाबालिगों के लिए डेफर्ड एक्शन फार चाइल्डहुड एराइवल्स (डीएसीए) योजना बनाई थी। इस योजना में बिना दस्तावेज के देश में आने वाले बच्चों को रहने का अधिकार दिया गया था। अमेरिकी प्रशासन के इस कार्यक्रम के कारण हजारों भारतीय सहित छह लाख बच्चे निर्वासित होने से बच गए थे। इतने वर्षों से रहने वाले ये बच्चे बड़े होने के बाद अब यहां की नागरिकता को लेकर सपने संजोने लगे हैं।

ह्यूस्टन की जिला अदालत के जज एंड्रयू हनेन ने शुक्रवार को कहा कि यह कार्यक्रम बनाने में तत्कालीन राष्ट्रपति ओबामा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर चले गए थे। हालांकि उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के लाभार्थियों पर फैसले का तत्काल प्रभाव नहीं पड़ेगा। टेक्सास और छह अन्य रिपब्लिकन नेतृत्व वाले राज्यों की अर्जी पर जज ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने नए आवेदनों पर भी रोक लगा दी है।

जज ने अपने निर्णय में कहा है कि इस कार्यक्रम को मंजूरी देने में बाइडन प्रशासन ने भी अपनी सीमा को पार किया है। अदालत ने तर्क दिया कि जब डीएसीए योजना को सीनेट ने अनुमति दी ही नहीं तो गृह सुरक्षा विभाग के अधिकारी आव्रजन नियमों और राष्ट्रीयता के अधिकार को कैसे दरकिनार कर सकते हैं।

समाचार एजेंसी प्रेट्र के अनुसार, इस फैसले से बगैर दस्तावेज के अमेरिका में प्रवेश करने वाले वाले छह लाख लोगों के लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है। बाइडन प्रशासन द्वारा प्रवासियों के लिए किए जा रहे कार्यों को भी गहरा झटका लगा है।

सिंगापुर में भारतीय युवती से मारपीट में दंपती को सजा

सिंगापुर, प्रेट्र: भारत से सिंगापुर घरेलू सहायक के रूप में गई 27 वर्षीय महिला अमनदीप कौर के साथ मारपीट करने के मामले में अदालत ने दोषी दंपती की सजा माफी की अपील को खारिज कर दिया है।

भारत की रहने वाली अमनदीप सिंगापुर में घरेलू सहायक के रूप में एक मुस्लिम दंपती के यहां काम करने पहुंची थीं। वह 2016 में मात्र डेढ़ महीने ही काम कर पाईं। इस दौरान इस दंपती ने उनके साथ हर रोज मारपीट की। एक बार दंपति ने अमनदीप को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद पुलिस में शिकायत की गई। मामला अदालत में चलने के बाद सिंगापुर की रहने वाली 40 वर्षीय फरहा तहसीन और उसके पति मोहम्मद तसलीम को सजा दी गई है।

अदालत ने फरहा को एक साल नौ महीने और उसके पति को चार महीने की सजा सुनाई है। दंपती ने यह कहकर अदालत में आवेदन किया कि उनके बच्चों की देखरेख में दिक्कत आ सकती है। अदालत ने उनकी इस याचिका को खारिज कर दिया। इस दंपती की 19 जुलाई से सजा शुरू हो जाएगी।



अमेरिका में दावानल...

कैलिफोर्निया के प्लूमास नेशनल फारेस्ट के डिक्सी में लगी भीषण आग से पूरा आसमान लाल और पीला नजर आ रहा है। नेशनल हाईवे 70 पर आकाश की ओर निहारती महिला जेसिका बेल यह दृश्य देखकर काफी अचंभित है। एक ओर आग का कहर है तो दूसरी ओर झुलसा देने वाली गर्मी का प्रकोप है। डेथ वैली में तापमान रिकार्ड स्तर पर पहुंच रहा है। उधर, तेज हवाओं की वजह से आग पर काबू पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे इलाके में इमरजेंसी की घोषणा की गई है। एपी

महामारी की मार

इंग्लैंड में छह माह बाद एक दिन में मिले 51 हजार नए संक्रमित, ज्यादातर पाबंदियों को सोमवार से कर दिया जाएगा खत्म

ब्रिटेन में कोरोना के दैनिक मामले 50 हजार पार

लंदन, आइएएनएस : कोरोना महामारी की दो लहरों का सामना करने वाले ब्रिटेन में इस खतरनाक वायरस का कहर फिर बढ़ गया है। नतीजन दैनिक मामले 50 हजार के पार पहुंच गए हैं। देशभर में छह माह बाद बीते 24 घंटे में 51 हजार 870 नए संक्रमित पाए गए। गत 15 जनवरी को ब्रिटेन में 55 हजार पाजिटिव केस मिले थे।

ब्रिटेन में अब तक कुल 53 लाख 32 हजार 371 मामले पाए गए और एक लाख 28 हजार 642 पीड़ितों की मौत हुई है। यहां कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का भी कहर है। बीते एक हफ्ते के दौरान इस वैरिएंट के 36 हजार 800 नए मामले मिले। इससे पहले वाले सप्ताह में डेल्टा के 54 हजार 268 केस पाए गए थे। भारत में सबसे पहले पाया गया यह वैरिएंट बेहद संक्रामक बताया जाता है। इस बीच, ब्रिटिश सरकार ने इस बात की पुष्टि की है कि इंग्लैंड में ज्यादातर पाबंदियों को सोमवार से खत्म कर दिया जाएगा।

पाकिस्तान में फिर बढ़ने लगी महामारी : एएनआइ के अनुसार, पाकिस्तान में कोरोना महामारी फिर बढ़ने लगी है। यहां बीते 24 घंटे में 2,783 नए मामले पाए गए और 39 पीड़ितों की मौत हो गई। देशभर में कुल 45 हजार 579 सक्रिय मामले हैं।

रूस : डेल्टा वैरिएंट के चलते फिर संक्रमण बढ़ गया है। देशभर में 24 घंटे में 25 हजार 116 नए केस पाए गए और 787 पीड़ितों की मौत हो गई।

थाइलैंड : दैनिक मामले दस हजार के पार पहुंच गए। बैंकाक और इससे सटे प्रांतों में संक्रमण फिर बढ़ने पर पाबंदियों को सख्त कर दिया गया है।

दक्षिण कोरिया : इस देश में लगातार 11वें दिन एक हजार से अधिक नए मामले पाए गए। इसके चलते रोकथाम के उपायों को सख्त कर दिया गया है।



कोरोना गाइडलाइन के बीच काबा की परिक्रमा : वार्षिक पवित्र हजयात्रा के मद्देनजर सऊदी अरब के मक्का में सुरक्षा और कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के मकसद से काफी एहतियात बरती जा रही है। शनिवार को ग्रांड मस्जिद में काबा की परिक्रमा करते मुस्लिम समुदाय के लोग। परिक्रमा के दौरान शारीरिक दूरी और कोविड की गाइडलाइन का काफी सख्ती से पालन कराया जा रहा है। उमरा और हज की उन्ही लोगों को मंजूरी दी गई है, जो वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुके हैं। सऊदी अरब के मंत्री माजिद अल-कसाबी ने कहा कि कोविड के नए वैरिएंट मिलने के बाद काफी सावधानी बरती जा रही है। उन्होंने कहा, हम नही चाहते कि मुस्लिम वर्ल्ड में हज महामारी के प्रसार का केंद्र बने। एपी

दक्षिण अफ्रीका की हिंसा में मरने वालों की संख्या 212 पहुंची

▸ **राष्ट्रपति ने माना, सरकार को हिंसा का अनुमान नहीं था**

जोहानिसबर्ग, एएनआइ : दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को गिरफ्तार किए जाने के बाद हुई हिंसा में मरने वालों की संख्या 212 पहुंच गई है। यहां के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने स्वीकार किया कि सरकार को हिंसा के बारे में कोई अनुमान नहीं था। सरकार की खराब तैयारी के कारण ही हिंसा की वारदातें हुईं और उनको रोकने में हम नाकाम रहे।

राष्ट्रपति ने कहा कि फिलहाल इमरजेंसी लागू करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इमरजेंसी उसी हालत में लगाई जानी चाहिए, जब स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए साधन अपर्याप्त हों। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जल्द ही हालात पर काबू पा लिया जाएगा। इसके लिए सुरक्षा बल स्थानीय लोगों का भी सहयोग प्राप्त कर रहे हैं।

ज्ञात हो कि एक सप्ताह पहले पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को भ्रष्टाचार के एक मामले में अदालत में पेश न होने पर अवमानना में 15 महीने की सजा सुनाई गई थी। उनकी गिरफ्तारी के बाद ही यहां हिंसा भड़क गई। इसके बाद राजधानी सहित कई शहरों में आगजनी और लूटपाट भी शुरू हो गई। लगातार चल रही हिंसा में अब तक मरने वालों की संख्या 212 तक पहुंच गई है। पुलिस ने सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया है।

विश्व कप के लिए युवाओं के पास बढ़िया मौका

श्रीलंका के खिलाफ आज पहला एकदिवसीय मैच, देवदत्त, सूर्यकुमार, चक्रवर्ती और सकारिया पर होंगी नजरें

कोलंबो, प्रेट्र : भारतीय टीम में भले ही कई स्टार खिलाड़ी नहीं है लेकिन, उसके युवा खिलाड़ी टी-20 विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को बेताब हैं और ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों के छह मैचों की सीरीज रोमांचक होने वाली है जिसकी शुरुआत रविवार को पहले वनडे मैच से होगी।

किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीरीज में जीत प्रमुख होती है लेकिन, इस दौरे में भारत कुछ नए संयोजन आजमा सकता है। श्रीलंकाई टीम में कोविड-19 के कुछ मामले आने के बाद यह सीरीज पांच दिन देर से शुरू हो रही है। सीरीज में तीन वनडे और इतने ही टी-20 मैच खेले जाएंगे।

दासुन शनाका पिछले चार वर्षों में टीम में 10वें कप्तान होंगे तथा धनंजय डिसिल्वा और तेज गेंदबाज दुशमंत चमीरा को छोड़कर कोई भी ऐसा खिलाड़ी नजर नहीं आता है जो शिखर धवन की अगुआई वाली भारतीय टीम को कड़ी चुनौती दे सके।



शनिवार को अभ्यास के दौरान इशान किशन और शिखर धवन • बीसीसीआइ

नंबर तीन पर दावेदारी : भारतीय टीम में पृथ्वी शा, धवन, हार्दिक और भुवनेश्वर की ही अंतिम एकादश में जगह पक्की लग रही है। नंबर तीन के लिए देवदत्त पडीक्कल व रुतुराज गायकवाड़ दावेदार हैं। स्पिन विभाग में कृष्णप्पा गौतम, क्रुणाल पांड्या, राहुल चाहर, चहल व कुलदीप यादव में किन्हीं दो को जगह मिलेगी। विकेटकीपिंग में इशान किशन और संजू सैमसन दावेदार हैं। नए खिलाड़ियों में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और बायें हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया टी-20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने के दावेदारों में शामिल हैं।

> सीरीज से पहले दोनों टीमें एक जैसी मजबूत हैं। भारतीय टीम में कई नए खिलाड़ी हैं। हम सभी जानते हैं कि उन्होंने आइपीएल खेला है लेकिन, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव नहीं है।
>
> **दासुन शनाका**, कप्तान, श्रीलंका

> अगर चयनकर्ता, शास्त्री या कोहली के दिमाग में टी-20 विश्व कप टीम में शामिल करने को लेकर कोई खिलाड़ी होगा तो हम उसे खिलाएंगे क्योंकि यह अच्छा मंच है।
>
> **शिखर धवन**, कप्तान, भारत

विश्व कप टीम में धवन की जगह भी पक्की नहीं : धवन स्वयं विश्व कप की टीम में जगह बनाने को लेकर सुनिश्चित नहीं हैं क्योंकि सीनियर टीम में पारी का आगाज करने के लिए रोहित, कोहली और केएल राहुल जैसे दावेदार हैं। इसलिए धवन शीर्ष क्रम में अपना दमखम दिखाना चाहेंगे।

टीमें

भारत : शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शा, देवदत्त पडीक्कल, रुतुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव, मनीष पांडे, नितीश राणा, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, क्रुणाल पांड्या, कृष्णप्पा गौतम, युजवेंद्रा सिंह चहल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, राहुल चाहर, दीपक चाहर, भुवनेश्वर कुमार, चेतन सकारिया, नवदीप सैनी।

श्रीलंका : दासुन शनाका (कप्तान), धनंजय डिसिल्वा (उपकप्तान), फर्नांडो, राजपक्षे, निसंका, चरित असलंका, वनिंदु हसरंगा, बंडारा, मिनोड भानुका, उदारा, रमेश मेंडिस, करुणारत्ने, दुष्मंथा चमीरा, लक्षण संदाकन, धनंजय, शिरन फर्नांडो, धनंजय लक्षण, जयरत्ने, प्रवीण, असिथा फर्नांडो, रजिता, लाहिरु, उदाना।

टी-20 विश्व कप के छह मैच ओमान में

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

बीसीसीआइ की मेजबानी में 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप के शुरुआती छह क्वालीफिकेशन मैच ओमान में खेले जाएंगे जबकि बाकी छह मैच दुबई के ओवल स्टेडियम में खेले जा सकते हैं। मुख्य दौर के मैच यूएई के तीन स्टेडियमों दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, अबू धाबी के शेख जाएद स्टेडियम और शारजाह स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह सब तय करने के लिए बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और सचिव जय शाह ओमान दौरे के बाद दुबई पहुंच गए हैं। पहले क्वालीफिकेशन के मैच राजीव शुक्ला ने लखनऊ को दिलवाए थे लेकिन, अब विश्व कप भारत से स्थानांतरित हो गया है।

विश्व कप दो दौर में होगा। पहले दौर में ग्रुप-ए में शामिल श्रीलंका, आयरलैंड, नीदरलैंड्स व नामीबिया और ग्रुप-बी में शामिल बांग्लादेश, ओमान, पापुआ न्यू गिनी व स्काटलैंड आपस में भिड़ेंगी। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सुपर-12 दौर में प्रवेश करेंगी। इसके शुरुआती छह मैच ओमान में खेले जाएंगे और बाद के छह मैच दुबई के दूसरे मैदान ओवल स्टेडियम में होंगे। ओमान को अभी छह मैच दिए गए हैं। ओमान क्रिकेट संघ बाकी छह क्वालीफिकेशन मैच भी आयोजित करना चाहता है। क्वालीफिकेशन दौर में ग्रुप-ए की विजेता और ग्रुप बी की विजेता सुपर-12 के मैचों में गुप-1 में इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के साथ खेलेंगी। वहीं ग्रुप-बी की विजेता और ग्रुप-एक की विजेता सुपर-12 में ग्रुप-2 में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड व अफगानिस्तान से भिड़ेंगी।



जय, राजीव शुक्ला और गांगुली • आइसीसी

बड़ी खबर

- क्वालीफिकेशन दौर के छह मैच ओमान व छह मैच दुबई में
- मुख्य दौर के मैच दुबई, शारजाह और अबू धाबी में खेले जाएंगे

वेस्टइंडीज ने सीरीज जीती

ग्रोस आइलेट : इविन लुइस की पारी से वेस्टइंडीज ने पांचवें टी-20 में आस्ट्रेलिया को 16 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 4-1 से जीती। लुइस ने 34 गेंदों पर 79 रन बनाए जिसमें नौ छक्के शामिल हैं। वेस्टइंडीज ने 199 रन बनाए। इसके जवाब में आस्ट्रेलिया की टीम नौ विकेट पर 183 रन ही बना पाई।

दक्षिण अफ्रीका जीता : जानेमान मलान (नाबाद 177) व डि काक (120) के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 70 रनों से हराया और दोनों के बीच सीरीज 1-1 से बराबर रही। पहला मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हुआ। अफ्रीका ने 346 रन बनाए। आयरलैंड 276 रनों पर सिमट गया।





टोक्यो ओलिंपिक

05 दिन शेष

1988
ग्राफ का कमाल



पिछले तीन आयोजनों में शीतयुद्ध के कारण दो खेमों में बंटे देशों के समूह बहिष्कार कर रहे थे। इस बार सिर्फ उत्तरी कोरिया, क्यूबा और इथियोपिया ने बहिष्कार किया। जर्मनी की टेनिस खिलाड़ी स्टेफी ग्राफ ने यहां ओलिंपिक का स्वर्ण जीत इतिहास रचा।

बेन से छिना पदक



बेन जॉनसन

100 मीटर की दौड़ में कनाडा के बेन जॉनसन ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए पीला तमगा जीता। प्रतिबंधित दवा लेने का दोषी पाए जाने के कारण उनको अयोग्य ठहरा दिया गया और उनसे पदक छीन लिया गया। इस तरह अयोग्य ठहराए जाने वाले वह पहले विश्व प्रसिद्ध एथलीट बने। दूसरे स्थान पर रहे कार्ल लुइस को स्वर्ण पदक दिया गया।

17 सितंबर-02 अक्टूबर

8391 एथलीट | 159 देश | 23 खेल 237 मुकाबले

टेबल टेनिस को ओलंपिक में शामिल किया गया। 64 साल के अंतराल के बाद टेनिस की ओलंपिक में वापसी हुई।

तालिका में शीर्ष पांच देश

देश	स्वर्ण	कुल पदक
रूस संघ	55	132
पूर्वी जर्मनी	37	102
अमेरिका	36	94
द.कोरिया	12	33
प.जर्मनी	11	40



स्टेफी ने रचा इतिहास : जर्मनी की टेनिस खिलाड़ी स्टेफी ग्राफ ने महिला सिंगल्स में स्वर्ण जीता। वह एक ही साल में चारों ग्रैंडस्लैम खिताब हासिल करने के साथ उसी साल ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली वह एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं।

क्रिस्टा का जलवा : पूर्वी जर्मनी की एथलीट क्रिस्टा लुडिंग रोटेनबर्गर पहली और अब तक की एकमात्र एथलीट बनीं, जिन्होंने एक ही साल में ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन ओलिंपिक में पदक जीता।



1992
विवादों से मुक्त ओलिंपिक



सोवियत संघ के विघटन और बर्लिन की दीवार के गिरने जैसे वैश्विक राजनीतिक परिवर्तनों की पृष्ठभूमि में हुए इस ओलिंपिक में 1972 के बाद पहली बार किसी भी देश ने बहिष्कार नहीं किया।

64 देशों ने जीते पदक

इस ओलिंपिक में ऐसे देशों की संख्या 64 रही, जिन्होंने कम से कम एक पदक जीता।

शुरुआत : बेसबाल, बैडमिंटन और महिला जूडो को ओलंपिक में पहली बार शामिल किया गया

तालिका में शीर्ष पांच देश

देश	स्वर्ण	कुल पदक
एकीकृत टीम	45	112
अमेरिका	37	108
जर्मनी	33	82
चीन	16	54
क्यूबा	14	31

25 जुलाई से 09 अगस्त

9356 एथलीट | 169 देश | 25 खेल 257 मुकाबले

स्पेन के 11 वर्ष के एक युवा खिलाड़ी कार्लोस फ्रंट वर्ष 1900 के बाद ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

चैंपियन

अमेरिका ने बास्केटबॉल में ड्रीम टीम भेजी। उसमें मैजिक जॉनसन, माइकल जॉर्डन और लैरी बर्ड जैसे सुपरस्टार मौजूद थे। इन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन करते हुए अपनी टीम को पीला तमगा दिलाया।

एकीकृत टीम



सोवियत संघ का विघटन हो गया था, लेकिन पूर्व सोवियत संघ देशों की एकीकृत टीम आयोजन में उतरी। उसने सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते। यद्यपि विजेता खिलाड़ियों को उनके देश के झंडे तले ही सम्मानित किया गया।

पीढ़ी दर पीढ़ी

जर्मनी की स्वर्ण पदक विजेता हॉकी टीम के सदस्य एंड्रियस केलर पदक जीतने वाले अपने परिवार के तीसरे सदस्य थे। हॉकी में ही 1936 ओलंपिक में उनके दादा की टीम ने रजत और 1972 में पिता कर्स्टन ने स्वर्ण जीता था। एंड्रियस की बहन और छोटा भाई भी हॉकी खिलाड़ी हैं।



1996
पेस ने बढ़ाई तिरंगे की शान

अटलांटा में भारतीय स्टार लिएंडर पेस ने कांस्य जीतकर तिरंगे की शान बढ़ाई। किसी भारतीय ने 44 वर्ष बाद व्यक्तिगत स्पर्धा में कोई पदक जीता। उनसे पहले 1952 में केडी जाधव ही व्यक्तिगत तौर पर कुश्ती में कांसा जीतने में सफल रहे थे।



तालिका में शीर्ष पांच देश

देश	स्वर्ण	कुल पदक
अमेरिका	44	101
रूस	26	63
जर्मनी	20	65
चीन	16	50
फ्रांस	15	37

19 जुलाई से 04 अगस्त

10320 एथलीट | 197 देश | 26 खेल 271 मुकाबले

पहली बार मान्यता प्राप्त सभी 197 राष्ट्रीय ओलिंपिक समितियां शामिल हुईं। पहली बार बीच वालीबॉल, माउंटेन बाइकिंग, लाइटवेट रोविंग और महिला फुटबॉल खेल हुए।

लिएंडर पेस

पेस को वाइल्ड कार्ड के जरिये प्रवेश मिला। उन्होंने पहले ही सिंगल्स मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी रिची रेनबर्ग को हराकर उलटफेर कर डाला। सेमीफाइनल में वह अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी आंद्रे अगासी से पार नहीं पा पाए। पेस को अगासी के हाथों 6-7, 3-6 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक के मुकाबले में पेस ने ब्राजील के फर्नांडो मेलगेनी को हरा करोड़ों भारतीयों को जश्न मनाने का मौका दे दिया।

एक सदी का हुआ ओलंपिक

1896 में आधुनिक युग का पहला ओलंपिक एथेंस में खेला गया था। अटलांटा का आयोजन आधुनिक खेलों के महाकुंभ की शुरुआत का सौवां वर्ष था। इस मौके पर महान मुक्केबाज खिलाड़ी मुहम्मद अली ने समारोह का उद्घाटन किया। 27 जुलाई को ओलंपिक पार्क में एक आतंकी बम विस्फोट भी हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।

नईम की स्वर्णिम हैट्रिक

तुर्की के नईम सुलेमानोग्लू पहले ऐसे खिलाड़ी बने, जिन्होंने भारोत्तोलन में लगातार तीन ओलंपिक में स्वर्ण जीते। वह तुर्की में इतने प्रसिद्ध हो गए कि उनके बारे में लिखा गया कि वह जिस भी रेस्तरां में खाते थे उनसे बिल नहीं लिया जाता था।

भारत के पास इतिहास रचने का मौका

अभिनव बिंद्रा



कलम से

टोक्यो में ओलिंपिक खेलों की शुरुआत की घड़ी जैसे-जैसे करीब आ रही है, वैसे-वैसे रोमांच बढ़ता जा रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, जब कई सारे भारतीय ओलिंपिक में पदक जीतने के दावेदार हों। रैंकिंग के मामले में वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। भारत के पास ऐतिहासिक प्रदर्शन करने का मौका है क्योंकि तैयारी के लिए प्रक्रिया को अपनाया जा रहा है। यहां तक कि महामारी को भी बहुत अच्छे ढंग से हैंडल किया गया। यह सब मिलकर एक सक्रिय एप्रोच देखने को मिल रही है।

अगर 15 या 20 साल पहले की बात करें तो हमें इतनी तेजी से काम होते नहीं दिखते, जितने अब हो रहे हैं. यहां तक कि संसाधनों के आवंटन की बात करें तो मुझे लगता है कि कुछ टीमें दुनिया में सबसे बेहतर तरीके से तैयार हैं। मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य निशानेबाजी टीम के पास भारतीय टीम की तरह वित्तीय और अन्य स्रोत उपलब्ध होंगे। कहा जाता है कि हर किसी को यह याद रखना बेहद जरूरी है कि ओलिंपिक एक खेल स्पर्धा से कहीं ज्यादा है। वैल्यू ऑफ एक्सीलेंस, दोस्ती और सम्मान एथलीट को खास बनाता है। पदक जीतने की कोशिश में हम सिर्फ खुद का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। हम अपने देश और ओलंपिज्म का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं। किसी अन्य के पास उतनी शक्ति नहीं है, जितनी खेल के पास है। खेल में हम जीतना सीखते हैं, लेकिन उससे भी ज्यादा हम यह सीखते हैं कि हार को कैसे लेना है। हम ईमानदारी और अखंडता के साथ नियमों का पालन करना सीखते हैं। हम लक्ष्य निर्धारित करना सीखते हैं और उसे पाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। खेल में हम सुनना सीखते हैं और दूसरों की राय का सम्मान करते हैं। आज का समाज दूसरों के विचार सुनना पसंद नहीं करता है। दूसरे के विचार को सम्मान और दोस्ती की बात तो खैर भूल ही जाइए। एथलीट के लिए खेल के मूल्यों के साथ जिंदगी जीना मायने रखता है। खेल से जीवन के जो मूल्य सीखते हैं, वो कीमती होते हैं और समाज के लिए प्रासंगिक होते हैं। पदक जीतना तो खैर खास अनुभव है ही, लेकिन खेल की असली शक्ति प्रतिस्पर्धा से कहीं आगे समाज पर पड़ने वाले प्रभाव पर दिखती है।



लिविंगस्टोन का रिकार्ड शतक

नाटिंघम, एपी : इंग्लिश बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन के अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे तेज टी-20 शतक लगाने के बावजूद मेजबान टीम सीरीज के पहले टी-20 में पाकिस्तान के खिलाफ 31 रनों से हार गई। इंग्लैंड की बी-टीम से वनडे सीरीज में करारी शिकस्त झेलने वाले पाकिस्तान ने 232 रन बनाए। कप्तान बाबर ने सर्वाधिक 85 रनों की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड 19.2 ओवर में 201 रनों पर सिमट गया। लिविंगस्टोन ने 43 गेंदों पर छह चौकों व नौ छक्कों की मदद से 103 रन बनाए।

42 गेंदों में लियाम लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड के लिए सबसे तेज टी-20 शतक लगाया। उन्होंने इस मामले में डेविड मलान के रिकार्ड को तोड़ा जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 48 गेंदों में शतक जड़ा था। विश्व में सबसे तेज 35 गेंदों में टी-20 शतक दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर के नाम हैं

दिल्ली से टोक्यो ओलंपिक के लिए रवाना हुआ पहला भारतीय दल
सख्त क्वारंटाइन से बच सकता है भारतीय दल

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

जरूरी नहीं भारत से जाने वाले पहले दल को टोक्यो ओलिंपिक के खेल गांव में सख्त क्वारंटाइन में रहना पड़े। भारत का पहला दल शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से टोक्यो रवाना हो गया।

भारतीय ओलिंपिक संघ के डिप्टी शेफ द मिशन प्रेम वर्मा, सीडीएम, डिप्टी सीडीएम और आइओए अधिकारी 14 जुलाई को ही खेल गांव पहुंच गए थे और उन्हें आम क्षेत्रों, गलियारों का उपयोग करने के लिए तीन दिनों के क्वारंटाइन का क्वारंटाइन नहीं करना पड़ा। भारतीय ओलिंपिक दल को 15वें टावर के 11वीं, 12वीं और 13वीं मंजिल पर 182 कमरे मिले हैं। जहां पर ये अधिकारी भी रुके हैं। इसी टावर में कोपेनहेगन, दक्षिण अफ्रीका, नार्वे, बेल्जियम और डेनमार्क के एथलीट और अधिकारी भी हैं। भारत की गतिविधियों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इसलिए, भारत से आने वाले एथलीट आगमन के पहले दिन से ही टावर में डाइनिंग हाल, व्यायामशाला, गांव प्लाजा, पार्क, कामन एरिया, लांड्री तक चहल-पहल कर सकते हैं। जब आप खेल गांव के भीतर कहीं घूमने भी जाते हैं तब भी हमारे एथलीट अन्य खेलों के प्रतिभागियों के साथ इलेक्ट्रिक बस साझा कर सकते हैं।

आइओए के एक अधिकारी ने कहा कि आपको सिर्फ आत्म-अनुशासन का पालन करना होगा जैसे कि किसी अन्य देश के टावरों (इटली और आस्ट्रेलिया) पर न जाएं या व्यायामशाला और प्रशिक्षण केंद्रों का उपयोग करते समय अन्य देशों के एथलीटों के साथ संपर्क में ना आएं। हमारे एथलीटों ने पिछले 14 दिनों से अपने स्वास्थ्य की निगरानी की है और ओसीएचए को सात दिनों के कोविड-19 परीक्षण रिकार्ड के साथ अपडेट किया है। भारत सहित 206 देशों के सभी एथलीटों को खेल गांव के अंदर कोविड-19 परीक्षण किट, मुंह के तरल पदार्थ से भरी टेस्ट ट्यूब के साथ रोजाना जमा करनी होगी। यह शर्त 13 से 23 जुलाई तक बिना किसी छूट के लागू है।

पहले दल में 88 सदस्य रवाना

नई दिल्ली : टोक्यो ओलिंपिक के लिए भारत से रवाना हुए पहले दल में 88 सदस्य हैं जिसमें 54 एथलीट सहित सहयोगी स्टाफ और आइओए के प्रतिनिधि शामिल हैं। जापान रवाना होने से पहले औपचारिक विदाई समारोह हुआ जिसमें केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और अन्य ने 88 सदस्यों के दल को विदा किया। तीरंदाजी, हाकी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, जूडो, जिम्नास्टिक्स और भारोत्तोलन सहित आठ खेलों के एथलीट और सहायक कर्मचारी हाकी के सबसे बड़े दल के साथ रवाना हुए। कुल 127 भारतीय एथलीटों ने ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया है, जो कि एक रिकार्ड है और पिछले 2016 के रियो ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले कुल 117 एथलीटों से यह संख्या काफी ज्यादा है।



इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जापान रवाना होती मनिका बत्रा • साई

सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ की अंतहीन बहस



तरुण गुप्त

पिछली सदी के संभवतः सबसे महान और निःसंदेह सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी अमेरिका के पीट संप्रास रहे। वर्ष 2002 में अपना अंतिम पेशेवर मैच यूएस ओपन फाइनल जीतकर उन्होंने रिकॉर्ड 14वां ग्रैंडस्लैम अपने नाम किया। तब यह कल्पना ही नहीं की गई कि उनकी इस असाधारण उपलब्धि से कोई मात्र सात वर्षों में ही पार पा जाएगा। आखिर संप्रास से पहले यह कीर्तिमान 33 वर्षों तक ऑस्ट्रेलिया के रॉय इमर्सन के नाम था। उन्होंने सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम का यह मुकाम 1967 में 12 ग्रैंडस्लैम जीतकर हासिल किया, जिससे आगे संप्रास 2000 का विंबलडन जीतकर निकले। इमर्सन के हमवतन विख्यात खिलाड़ी राड लेवर के नाम भी एक अनूठा कीर्तिमान दर्ज है। लेवर ने 1969 में चारों ग्रैंडस्लैम जीते। एक ही वर्ष में चारोंस्लैम जीतना तो छोड़िए, अपने करियर में चारों स्लैम जीतने के लिए किसी खिलाड़ी को 30 वर्ष तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। वर्ष 1999 का फ्रेंच ओपन जीतकर आंद्रे अगासी ने यह उपलब्धि दर्ज की।

स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर ने 2009 में फ्रेंच ओपन जीतकर अगासी की बराबरी कर ली और फिर विंबलडन जीतकर सबसे अधिक ग्रैंडस्लैम जीतने के मामले में संप्रास से आगे निकल गए। वर्ष 2010 में राफेल नडाल और वर्ष 2016 में नोवाक जोकोविक ने भी अपने करियर में चारों ग्रैंडस्लैम जीतकर फेडरर की बराबरी कर ली। सर्वाधिक 20 ग्रैंडस्लैम का जो रिकार्ड फेडरर ने 2018 में बनाया था, उसकी बराबरी भी स्पेनिश नडाल ने 2020 और सर्बियाई जोकोविक ने पिछले सप्ताह की।

खेलों की दुनिया में कीर्तिमान समय के साथ हमेशा और बेहतर होते जाते हैं। यह मानवता की प्रगति का प्रतीक है। हालांकि जब ऐसी विलक्षण उपलब्धियां महज कुछ समय के अंतराल में एक नहीं, बल्कि तीन-तीन खिलाड़ियों द्वारा प्राप्त कर ली जाती हैं तो प्रशंसकों का अचंभित एवं रोमांचित होना स्वाभाविक है। तुलना करना सच में अवांछित है, लेकिन हम उसका मोह नहीं त्याग पाते। अलग-अलग पीढ़ियों की तुलना व्यर्थ है, किंतु यहां तो हम तीन समकालीन खिलाड़ियों पर चर्चा कर रहे हैं। खेल में हमेशा विज्ञान जैसी सटीकता नहीं होती। उसमें कलात्मकता और सौंदर्य का समावेश होता है इसीलिए कोई स्पष्ट उत्तर पाना कठिन माना जाता है। यदि आंकड़ों को देखें तो जोकोविक सर्वश्रेष्ठ प्रतीत होंगे। वह रिकार्ड 329 सप्ताह तक शीर्ष वरीय खिलाड़ी रह चुके हैं। 20 ग्रैंडस्लैम के अलावा वही ओपन युग के इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने चारों बड़े खिताब कम से कम दो बार जीते हैं। फेडरर और नडाल से सीधे मुकाबले में भी जोकोविक का पलड़ा ही भारी रहा है। इस साल तीन ग्रैंडस्लैम जीतने के बाद अगर वह ओलिंपिक स्वर्ण और फिर यूएस ओपन जीतने में सफल रहते हैं तो गोल्डन स्लैम की दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने वाले इकलौते पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। टेनिस में यह करिश्मा केवल महिलाओं में स्टेफी ग्राफ ही कर पाई हैं। जो भी हो, वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए शीर्ष वरीयता पर कायम रहने और सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम का उनका रिकार्ड और बेहतर होना तय लगता है। रोजर फेडरर की बात करें तो वह लगातार 237 सप्ताह तक शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रहे, जो एक रिकार्ड है। साथ ही 103 सिंगल्स एटीपी खिताब जीतकर वह इस तिकड़ी में सिरमौर हैं। अपने सबसे सुनहरे दौर में फेडरर का कोई सानी नहीं था। विंबलडन-2003 से आस्ट्रेलियन ओपन-2010 के बीच लगभग छह वर्षों में ही उन्होंने 16 ग्रैंडस्लैम जीते। इस दौरान तीन वर्ष ऐसे रहे जब उन्होंने साल के चार में से तीन ग्रैंडस्लैम अपने नाम किए। वहीं जोकोविक को 16 ग्रैंडस्लैम जीतने में 11 वर्ष लगे।

अगर एक सरफेस यानी कोर्ट पर किसी खिलाड़ी के निर्विवाद वर्चस्व की बात करें तो उसमें नडाल जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं। उनके 13 फ्रेंच ओपन खिताब टेनिस छोड़िए, खेलों की दुनिया में असाधारण उपलब्धि माने जाएंगे। यह टेस्ट क्रिकेट में डॉन ब्रैडमैन के बल्लेबाजी औसत या पेले और ध्यानचंद के अपने-अपने खेलों में किए गए गोल के बराबर ही हैं। जब फेडरर अपने खेल के चरम पर थे और उनका विजयरथ रोक पाना असंभव लगता था तो उन्हें चुनौती देने की क्षमता केवल नडाल ने ही दिखाई। दीर्घकालिक और समग्र सफलता के दृष्टिकोण से निःसंदेह जोकोविक सबसे आगे होंगे। यदि स्वर्णिम दौर की तुलना करें तो फेडरर अप्रतिम दिखेंगे। अगर एक कोर्ट पर बादशाहत की बात आए तो नडाल अव्वल आएंगे। आंकड़े भले झूठ नहीं बोलते, लेकिन अक्सर संपूर्ण तस्वीर भी नहीं दिखाते हैं। फेडरर के कौशल और कलात्मकता ने दुनिया भर में एक से अधिक पीढ़ियों को सम्मोहित किया है। सटीक सर्व, एक हाथ से लगाया बेजोड़ बैकहैंड, दमदार फोरहैंड, पूर्ण दक्षता से लगाई वाली उन्हें टेनिस का सबसे संपूर्ण खिलाड़ी बनाती हैं। वह परंपरावादियों के सबसे प्रिय रहेंगे। वहीं शारीरिक एवं मानसिक क्षमता, निरंतरता और दृढ़ता के साथ सर्वश्रेष्ठ सर्विस रिटर्न और खेल में लगातार सुधार जैसे पहलुओं ने नोवाक को लगभग अपराजेय बना दिया। अगर अतीत के दिग्गजों से तुलना करें तो जान मैकनरो, बोरिस बेकर, पीट संप्रास और रोजर फेडरर को एक श्रेणी के खिलाड़ी तो ब्योन बोर्ग, इवान लेंडल, अगासी और जोकोविक एक अलग श्रेणी के खिलाड़ी नजर आएंगे। जहां तक नडाल की बात है, उन्होंने अपनी खुद की श्रेणी गढ़ी है। उनकी खेल शैली का संभवतः कोई सीधा संदर्भ नहीं दिया जा सकता। बैकहैंड-फोरहैंड दोनों मोर्चों पर हेवी टापस्पिन और अदम्य शारीरिक शक्ति के आधार पर उनकी तुलना संभव ही नहीं लगती। कुल मिलाकर नैसर्गिक प्रतिभा की बात करें तो यकीनन फेडरर, दृढ़ता के मामले में जोकोविक और अद्वितीयता के पैमाने पर नडाल सर्वश्रेष्ठ कहे जाएंगे। फिर भी इस तिकड़ी में निर्विवाद श्रेष्ठ का स्पष्ट उत्तर मिलना असंभव है। क्या यह कम बड़ा सौभाग्य है कि हमें इन तीनों को एक ही दौर में खेलते देखना का अवसर मिला है। कृपया इसका आनंद लें।



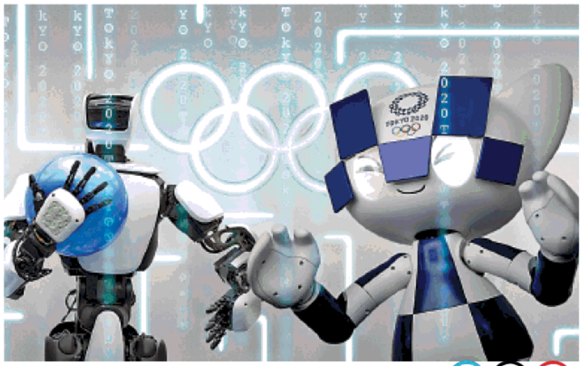
दैनिक जागरण
सप्तरंग
तकनीक की दुनिया का
रविवार, 18 जुलाई, 2021



टोक्यो ओलिंपिक-2020

ओलिंपिक में तकनीक का जलवा

खेल के सबसे बड़े महाकुंभ टोक्यो ओलिंपिक की शुरुआत होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। कोरोना के इस दौर में 23 जुलाई से शुरू हो रहे ओलिंपिक में तकनीक का जबरदस्त जलवा दिखेगा। खेल के दौरान दर्शकों को एडवांस टेक्नोलाजी, रोबोट्स, एआइ, 8के तकनीक की वजह से एक अलग तरह का एक्सपीरियंस मिलेगा। आइए जानें, दर्शकों को आकर्षित करने के लिए जापान कैसे कर रहा है ओलिंपिक में तकनीक का इस्तेमाल...





कोरोना के साये में 23 जुलाई से टोक्यो में ओलिंपिक की शुरुआत हो रही है। खेल के दौरान आला दर्जे की तकनीक का दीदार हो सकता है। यह पहला ऐसा ओलिंपिक होगा, जिसमें लोगों की पहचान के लिए फेशियल रिकाग्निशन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। ऐसी तकनीक, जिसके जरिए चेहरों से लोगों की पहचान की जा सकेगी। इतना ही नहीं, इस आयोजन के दौरान जापानी कंपनियां अपनी अत्याधुनिक तकनीक से भी दुनिया को प्रभावित करने का प्रयास करेगी। यह अब तक के इतिहास का सबसे इनोवेटिव और आधुनिक टेक्नोलाजी वाला ओलिंपिक होगा।

गाइड बनेगा रोबोट: इस बार ओलिंपिक में जापानी रोबोट्स भी कमाल करते हुए नजर आएंगे। अलग-अलग तरह के रोबोट्स दिखाई देंगे, जो खिलाड़ियों व दर्शकों की सहायता और मार्गदर्शन करेंगे। उदाहरण के लिए ऐसे रोबोट भी होंगे, जो विजिटर को जाने की अनुमति देने के साथ उन्हें डायरेक्शन भी बताएंगे। ये रोबोट्स किसी घटना की पूरी जानकारी भी प्रदान करेंगे। ओलिंपिक के लिए कुछ ऐसे रोबोट भी तैयार किए गए हैं, जो खेल का सामान ढोने का कार्य करेंगे। यहां पर हर तरह का कार्य करते हुए रोबोट्स नजर आ जाएंगे।

शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस: टोक्यो ओलिंपिक में दर्शकों को वर्चुअल-रियलिटी के रोमांच का भी जबरदस्त अनुभव होगा, जो उन्हें अधिक आकर्षक तरीके से इस आयोजन का आनंद लेने की अनुमति देंगे। दर्शक ओलिंपिक के उद्घाटन समारोह, मैचों, जिम्नास्टिक आदि जैसे आयोजनों का इस तरह से आनंद उठा पाएंगे कि उन्हें वहीं या फिर एथलीट्स के सामने बैठे होने का अनुभव होगा। इसके अलावा, 8के रिजाल्यूशन इमेजिंग तकनीक का भी इस्तेमाल होगा, जो 4के तकनीक से लगभग दोगुना है। यहां पर 360 डिग्री फुटेज कैप्चर करने की क्षमता वाले ड्रोन रियल टाइम 8के वीडियो कैप्चर कर 5जी नेटवर्क के जरिए भेजेंगे, जो लाइव स्पोर्ट्स देखने का अंदाज ही बदल देंगे। एनटीटी डोकोमो ने दुनिया का पहला 8के वर्चुअल रियलिटी लाइव स्ट्रीमिंग और व्यूइंग सिस्टम बनाया है। अगर दर्शक वीआर हेडसेट के जरिए इन गेम्स को देखेंगे, तो उन्हें एहसास होगा कि वे स्टेडियम में ही मौजूद हैं।



इंस्टैंट लैंग्वेज ट्रांसलेटर : ओलिंपिक जैसे आयोजन में दुनियाभर से खिलाड़ी आते हैं। ऐसे में लोगों की भाषाएं भी अलग-अलग होंगी। भाषा के चलते समस्या न हो, इसके लिए इंस्टैंट ट्रांसलेशन टेक्नोलाजी पेश की गई है। यह रियल टाइम ट्रांसलेशन सुविधा स्मार्टफोन या किसी अन्य डिवाइस पर इंस्टाल की जा सकती है। जैसे यदि कोई खिलाड़ी या अधिकारी अंग्रेजी में बात करता है, तो टेक्नोलाजी उसे जापानी भाषा में ट्रांसलेट कर देगी। इससे स्थानीय लोग उसे आसानी से समझ लेंगे। इसी तरह जापानी से अंग्रेजी या अन्य भाषाओं में भी ट्रांसलेट हो जाएगा।

सेल्फ ड्राइविंग व्हीकल: कोरोना के खतरे को देखते हुए टोक्यो ओलिंपिक में सेल्फ-ड्राइविंग व्हीकल का भी खूब उपयोग होने वाला है। हवाई अड्डे से लेकर ओलिंपिक गांव तक ये सेल्फ ड्राइविंग व्हीकल दिखाई देंगे। ट्रैफिक मैनेजमेंट और ट्रैकिंग में टोयोटा मदद करेगी। एयरपोर्ट पर एथलीट की मदद के लिए रोबोट तैनात रहेंगे। सेल्फ ड्राइविंग कारें और हाइड्रोजन फ्यूल गाड़ियां भी होंगी। सेल्फ ड्राइविंग कार से न सिर्फ खिलाड़ी सुरक्षित रहेंगे, बल्कि जापान को अपनी तकनीकी ताकत प्रदर्शित करने का अवसर भी मिलेगा।

5जी तकनीक : मैच के शानदार एक्सपीरियंस के लिए कंपनियां 5 जी तकनीक का इस्तेमाल करेंगी। यह पांचवीं पीढ़ी की दूरसंचार तकनीक है। हाई-स्पीड और अधिक मात्रा में 5जी नेटवर्क की वजह से मैच देखने का शानदार एक्सपीरियंस मिलेगा। इंटेल ने 5जी के लिए स्मार्ट सिटी बनाई है।

टोक्यो ओलिंपिक 2020 बस एक ग्लोबल इवेंट ही नहीं है, बल्कि यह विभिन्न एडवांस टेक्नोलाजी के लिए एक मंच का काम भी करेगा, जो भविष्य में तकनीक की दुनिया में क्रांति ला सकता है।

अमित निधि



3डी एथलीट ट्रैकिंग

खेलों के दौरान इंटेल दर्शकों और एथलीट्स को कनेक्ट करने के लिए 3डी एथलीट ट्रैकिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करेगी। यह एक ऐसा एक्सपीरियंस होगा, जिसे दर्शकों ने पहले कभी अनुभव नहीं किया होगा। दरअसल, यह अपनी तरह का पहला कंप्यूटर विजन साल्यूशन है, जो देखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करता है। इतना ही नहीं, ओलिंपिक में रियल-टाइम इनसाइट और ओवरले विजुअलाइजेशन की सुविधा भी होगी। साथ ही, ओलिंपिक मैच के दौरान आग्मेंटेड रियलिटी गागल के जरिए दर्शकों को एक बेहतर अनुभव भी मिलेगा। दर्शक किसी भी क्षण पूरे मैच या उसके किसी हिस्से का रिप्ले देख पाएंगे। इसके लिए उन्हें बस चश्मे के टाप पर बने सेंसर को छूना होगा। इसके बाद चश्मे के लेंस पर वह दृश्य फिर से चलने लगेगा। इतना ही नहीं, चश्मे के लेंस पर खिलाड़ियों और टीमों के डाटा भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इस खास गागल यानी चश्मे को एनटीटी डोकोमो ने ओलिंपिक को ध्यान में रखकर ही डेवलप किया है।

ओलिंपिक्स में हाईटेक स्कूटर्स

ओलिंपिक के दौरान उच्च तकनीक वाले स्कूटर रोडेम भी देखे जा सकते हैं। हाल ही में इसका ट्रायल हुआ था। यह स्कूटर लोगों को टोक्यो की निशुल्क सैर कराएगा। इस स्कूटर की खास बात यह है कि इस पर केवल एक ही व्यक्ति बैठ सकता है। इसमें एक टैबलेट है, जो चालक को आस-पास की चीजों जैसे कि रेस्टोरेंट, दुकान आदि की जानकारी देगा। यह स्कूटर 6 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है। टैबलेट पर आग्मेंटेड रियलिटी तकनीक से स्मारकों की जानकारी भी ले सकते हैं।



फेशियल रिकाग्निशन सिस्टम

ओलिंपिक के दौरान फेशियल रिकाग्निशन सिस्टम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगा। इसका उपयोग आयोजन स्थलों पर एथलीट्स, स्टाफ और अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा जांच के लिए किया जाएगा। यह न केवल पूरी प्रक्रिया को गति देगा, बल्कि अनधिकृत पहुंच को प्रतिबंधित करने में भी कारगर होगा। हालांकि मूल रूप से यह योजना सुरक्षा उद्देश्यों के लिए बनाई गई थी, लेकिन दुनियाभर में कोविड-19 के प्रकोप के बाद यह टचलेस सिक्योरिटी स्क्रीनिंग प्रोसेस कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने में भी उपयोगी होगा। यह फेशियल रिकाग्निशन कैमरा सुरक्षा कर्मियों और अधिकारियों को दर्शकों व एथलीट्स के चेहरे और गतिविधियों को खेल स्थलों पर रिकार्ड करने की सुविधा देगा। उदाहरण के लिए यदि आयोजन स्थल पर कोई व्यक्ति संक्रमित पाया जाता है, तो अधिकारी आसानी से उसके मार्ग का पता लगा सकेंगे।



यूजफुल एप्स

बस पांच मिनट में चेक करें फोन की हेल्थ



नया स्मार्टफोन हो तो सब कुछ ठीक चलता है, लेकिन पुराना होने के बाद कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं। अगर फोन ठीक से परफार्म नहीं कर रहा है या फिर हार्डवेयर से जुड़ी कोई परेशानी है, तो उसे आप खुद ही जांच सकते हैं। गूगल प्ले पर कई सारे ऐसे एप्स मौजूद हैं, जिनकी मदद से फोन की हेल्थ को चेक किया जा सकता है।

टेस्टएम हार्डवेयर: एंड्रायड डिवाइस पर हार्डवेयर को टेस्ट करने के लिए उपयोगी एप है। टेस्टएम में 20 से अधिक टेस्ट की सुविधा है। इसकी मदद से स्क्रीन, साउंड, कनेक्टिविटी, मोशन सेंसर, कैमरा, वाइब्रेशन मोटर, यूएसबी पोर्ट आदि की खराबी को टेस्ट कर सकते हैं। सीधे शब्दों में कहें, तो हार्डवेयर के मोर्चे पर टेस्टएम हर कंपोनेट का विश्लेषण करता है और यह 14,000 से अधिक एंड्रायड डिवाइस के साथ कार्य करता है। इतना ही नहीं, टेस्टिंग के अलावा, यह डायग्नोस्टिक सेवाएं भी प्रदान करता है। स्मार्टफोन में होने वाली समस्याओं को ठीक करने के लिए इसमें कई ट्रबलशूटिंग स्टेप्स हैं, जिनकी मदद से समस्याओं को ठीक किया जा सकता है। यह आपको हार्डवेयर डायग्नोस्टिक रिपोर्ट भी देता है ताकि समस्या की बेहतर तरीके से समझ सकें। इसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।



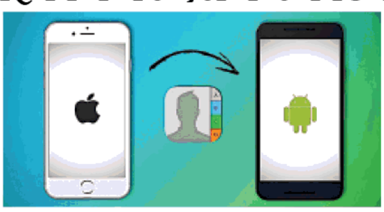
टेस्ट योर एंड्रायड हार्डवेयर: यह भी एंड्रायड डिवाइस को टेस्ट करने का एक अनूठा एप है। इसकी मदद से न केवल एंड्रायड स्मार्टफोन और टैबलेट को टेस्ट कर सकते हैं, बल्कि अपने एंड्रायड वाच को भी टेस्ट कर पाएंगे। एप इस्तेमाल करने के लिहाज से काफी सिंपल है। यह विभिन्न हार्डवेयर कंपोनेंट्स और सेंसर से जुड़े लगभग 30 से अधिक तरह की टेस्ट सुविधा प्रदान करता है। इसमें टच स्क्रीन सेंसिटिविटी, फिंगरप्रिंट, माइक्रोफोन, वाईफाई, जीपीएस, सीपीयू, बैटरी आदि शामिल हैं। एप में स्क्रीन पर डेड पिक्सल्स को ठीक करने के लिए डायग्नोस्टिक मोड की सुविधा भी है। इसमें टेस्ट और मानिटर से जुड़े रिपोर्ट भी मिलते हैं। टाप पर बारकोड स्कैनर और साउंड मीटर जैसे कुछ उपयोगी फीचर्स भी हैं। इसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।



फीचर डेस्क

एंड्रायड से आइफोन पर ऐसे करें कांटैक्ट ट्रांसफर

टिप्स ऐंड ट्रिक्स



कई यूजर्स के लिए एंड्रायड फोन से आइफोन में स्विच करना कठिन अनुभव हो सकता है, क्योंकि यह पूरी तरह से एक अलग इकोसिस्टम है। हालांकि कुछ तरीके हैं, जिनकी मदद से एंड्रायड के कांटैक्ट को आइफोन पर ट्रांसफर कर सकते हैं। एंड्रायड यूजर कुछ तरीके अपनाकर कांटैक्ट ट्रांसफर कर सकते हैं...

मूव टू आइओएस एप से करें ट्रांसफर



- एंड्रायड यूजर एपल द्वारा विकसित 'मूव टू आइओएस' एप की मदद से कांटैक्ट को ट्रांसफर कर सकते हैं। इसके लिए गूगल प्ले स्टोर से मूव टू आइओएस एप को डाउनलोड कर लें। एप को ओपन करने के बाद कंटीन्यू पर टैप करें।
- यहां पर टर्म ऐंड कंडीशन को स्वीकार करने के लिए एग्री बटन पर टैप करना होगा। आपसे लोकेशन, कांटैक्ट्स कैलेंडर, स्टोरेज और एसएमएस के लिए परमिशन मांगी जाएगी।
- परमिशन देने के बाद 'फाइंड योर कोड' स्क्रीन पर जाएं और कंटीन्यू पर टैप करें। फिर एक कोड डालने के लिए कहा जाएगा।
- अब अपने आइफोन पर सेटअप प्रक्रिया के दौरान एंड्रायड से डाटा मूव करने का विकल्प दिखाई देगा। उस पर टैप करें।
- आपको 10 अंकों या छह अंकों का कोड मिलेगा। इस कोड को अपने एंड्रायड फोन में दर्ज करें। अब ट्रांसफर डाटा स्क्रीन दिखाई देगी। यहां पर उन कंटेंट को सलेक्ट कर सकते हैं, जिन्हें ट्रांसफर करना चाहते हैं। अब जिस भी डाटा को ट्रांसफर करना चाहते हैं, उसके साथ कांटैक्ट को चुनें और नेक्स्ट पर टैप करें।
- इसके बाद जब तक डाटा ट्रांसफर न हो जाए, दोनों डिवाइस को आइडियल कंडीशन में छोड़ दें। डाटा ट्रांसफर होने के बाद एंड्रायड फोन पर डन पर टैप करें।

गूगल एकाउंट से करें ट्रांसफर



- इसके लिए यह सुनिश्चित करें कि कांटैक्ट आपके गूगल एकाउंट से सिंक हो। इसके लिए एंड्रायड फोन की सेटिंग्स पर जाएं। स्क्राल करते हुए एकाउंट्स पर पहुंचें, यहां गूगल एकाउंट पर टैप करें।
- अब एकाउंट सिंक पर टैप करें या फिर सब कुछ सिंक करने के लिए तीन डाट वाले मेन्यू पर क्लिक करें। अब कांटैक्ट्स टागल को आफ कर उसे सिंक करने के लिए फिर से आन करें।
- अब आइफोन की सेटिंग में जाएं। मेल पर टैप करें और फिर एकाउंट्स पर टैप करें। इसके बाद एड एकाउंट पर टैप करें और उसी गूगल एकाउंट का उपयोग करें, जिसका आपने एंड्रायड फोन पर किया था। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करें कि कांटैक्ट टागल आन हो। अब कांटैक्ट आइफोन पर दिखाई देने लगेंगे।

वीसीएफ फाइल के जरिए करें ट्रांसफर

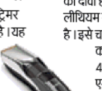


अपने एंड्रायड फोन में कांटैक्ट्स एप पर जाएं। अब गियर आइकन या तीन डाट वाले मेन्यू पर क्लिक कर इंपोर्ट / एक्सपोर्ट वाले विकल्प को सेलेक्ट कर लें। यहां आपको दो विकल्प दिखाई देने चाहिए। इनमें एक्सपोर्ट टु वीसीएफ फाइल पर टैप करें। यह फोन के स्टोरेज में कांटैक्ट्स की वीसीएफ फाइल बनाएगा। इस फाइल को मेल द्वारा आइफोन पर डाउनलोड कर लें। अब वीसीएफ फाइल को ओपन करें। आपको यहां पर एड आल कांटैक्ट का विकल्प दिखाई देगा। उस पर टैप करना होगा। आपके कांटैक्ट आइफोन पर दिखने लग जाएंगे।

फीचर डेस्क

टेक अपडेट

बोट मिसफिट टी50 ट्रिमर



बोट ने भारत में किफायती ट्रिमर मिसफिट टी50 पेश किया है। यह स्किन फ्रेंडली टाइटेनियम कोटेड ब्लेड से लैस है। इसके ब्लेड जंग प्रतिरोधी हैं। ट्रिमिंग के दौरान त्वचा पर खरोच या जलन का एहसास नहीं होता है। इसकी मदद से सुरक्षित तरीके से ट्रिमिंग कर पाएंगे। इसमें ब्लेड अलग किए जा सकते हैं। इसे पानी से धो भी सकते हैं या फिर ब्रश से भी साफ कर सकते हैं। कंपनी का दावा है कि इसकी लीथियम बैटरी 160 मिनट तक चलती है। इसे चार्ज होने में तकरीबन 1.5 घंटे का समय लगता है। ट्रिमर में 40 लेंथ सेटिंग्स हैं, जिसे 0.5 एमएम के अंतर से घटाया-बढ़ाया जा सकता है। यह मल्टीपल कांब फंक्शन से लैस है। ट्रिमर को यूजर आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं। यह माइक्रो यूएसबी कार्ड के साथ आता है। इसमें सेफ्टी लाक जैसे फीचर भी दिए गए हैं। इसकी कीमत 899 रुपये है।

वाट्सएप ने जारी किया मल्टी डिवाइस फीचर

वाट्सएप ने लंबी टेस्टिंग के बाद मल्टी-डिवाइस फीचर बीटा यूजर्स के लिए जारी कर दिया है। अब यूजर्स इस फीचर की मदद से एक वाट्सएप एकाउंट को चार अलग-अलग डिवाइस में चला सकेंगे। वाट्सएप का मल्टी-डिवाइस फीचर एंड-टु-एंड एनक्रिप्टेड होगा। इससे यूजर्स का डाटा भी सुरक्षित रहेगा। वर्तमान में वाट्सएप एकाउंट एक ही डिवाइस पर एक्टिव रहता है, लेकिन मल्टी-डिवाइस फीचर के आने से यूजर्स अपने वाट्सएप एकाउंट का उपयोग अलग-अलग डिवाइस पर कर सकेंगे, भले ही फोन की बैटरी खत्म हो गई हो। इस फीचर के साथ यूजर को अतिरिक्त कंट्रोल भी दिया जाएगा।

गैजेट रिव्यू

सैमसंग गैलेक्सी एम 32



सैमसंग के इस फोन में 6.4 इंच सुपर एमोलेड डिस्प्ले दी गई है, जो फुल एचडी प्लस रिजाल्यूशन के साथ आती है। यह 90 हर्ट्ज स्क्रीन रिफ्रेश रेट, क्रिस्प डिस्प्ले और बढ़िया व्यूइंग एंगल से लैस है। फोन का बैक पैनल प्लास्टिक का बना है और ग्लासी होने की वजह से रियर पैनल पर अंगुलियों के निशान पड़ जाते हैं। फोन में सुपर एमोलेड डिस्प्ले है इसलिए वीडियो कंटेंट देखने का बेहतर एक्सपीरियंस मिलेगा। यह एंड्रायड 11 पर आधारित वन यूआइ 3.1 पर काम करता है। फोन में मीडियाटेक हीलियो जी 80 प्रोसेसर का इस्तेमाल किया है। फोन के दो वैरियंट हैं- 4 जीबी रैम+64 जीबी स्टोरेज और 6 जीबी रैम + 128 जीबी स्टोरेज। मल्टीटास्किंग में परेशानी नहीं होती है। गेमिंग के दौरान भी ठीक-ठाक एक्सपीरियंस मिलता है। स्पीकर से साउंड अच्छी आती है। कैमरा की बात करें, तो फोन में क्वाड रियर कैमरा सेटअप है। प्राइमरी कैमरा 64 एमपी, 8 एमपी अल्ट्रा-वाइड, 2 एमपी मैक्रो और 2 एमपी का डेप्थ कैमरा है। रोशनी में प्राइमरी कैमरा से कैप्चर तस्वीरें डिटेल के साथ आती हैं। कलर अच्छे आते हैं। फोन फोकस को भी तेजी से लाक करता है। फोन के कैमरा एप को इस्तेमाल करना आसान है। फोन के फ्रंट में 20 एमपी का कैमरा है, जो सेल्फी के लिए बेहतर है। इसमें 6000 एमएएच की पावरफुल बैटरी है। सिंगल चार्ज में एक दिन से ज्यादा साथ देती है। कंपनी ने रिटेल बाक्स में सिर्फ 15 वाट का चार्जर दिया है, लेकिन यह 25वाट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। इसकी शुरुआती कीमत 14,999 रुपये है। यह आपके लिए एक विकल्प हो सकता है।

तकनीक और गैजेट से जुड़ी खबरों को पढ़ने के लिए https://www.jagran.com/technology-hindi.html? पर विजिट करें।

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

आज का भविष्यफल

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: 18 जुलाई, 2021 रविवार आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष नवमी का राशिफल।

आज का राहुकाल: शाम 04:30 बजे से 06:00 बजे तक।

आज का दिशाशूल: पश्चिम।

आज का पर्व एवं त्योहार: कंदर्प नवमी।

कल 19 जुलाई का पंचांग



कल का दिशाशूल: पूर्व।

पर्व एवं त्योहार: गिरजा पूजा।

विक्रम संवत 2078 शके 1943 दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की दशमी 22 घंटे 01 मिनट तक, तत्पश्चात् एकादशी विशाखा नक्षत्र 22 घंटे 27 मिनट तक, तत्पश्चात् अनुराधा नक्षत्र शुभ योग 22 घंटे 51 मिनट तक, तत्पश्चात् शुक्ल योग तुला में चंद्रमा तत्पश्चात् वृश्चिक में।

मेष: बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। कलात्मक कार्यों में सफलता मिल सकती है। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

वृष: पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा।

मिथुन: मैत्री संबंध में व्यवधान आ सकता है। सावधानी बरतें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे प्रतिष्ठा प्रभावित हो। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क: आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। चल या अचल संपत्ति में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी रिश्तेदार या स्वजन से पीड़ा मिल सकती है।

सिंह: व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। पद, प्रतिष्ठा या स्थानांतरण के संबंध में सफलता मिलेगी।

कन्या: पड़ोसी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। स्वास्थ्य और प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

तुला: किसी तरह का जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक: शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

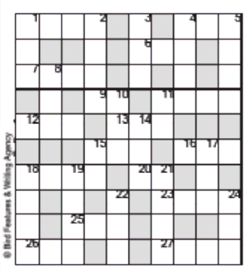
धनु: आपसी रिश्तों में मधुरता आएगी। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

मकर: जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी, लेकिन स्वास्थ्य या संतान तनाव का कारण होगा। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में सफलता मिलेगी।

कुंभ: संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।

मीन: शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। उपहार या सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। रिश्तों में मधुरता आएगी।

वर्ग पहेली-1640



© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1 [illegible] (4)।
4 [illegible] (3)।
6 [illegible] (3)।
7 [illegible] (4)।
9 [illegible] (2)।
11 [illegible] (4)।
12 [illegible] (3)।
13 [illegible] (3)।
15 [illegible] (3)।
16 [illegible] (3)।
18 [illegible] (4)।
20 [illegible] (2)।
23 [illegible] (4)।
25 [illegible] (3)।
26 [illegible] (3)।
27 [illegible] (4)।

ऊपर से नीचे
1 [illegible] (3)।
2 [illegible] (4)।
3 [illegible] (3)।
4 [illegible] (4)।
5 [illegible] (4)।
8 [illegible] (3)।
10 [illegible] (3)।
11 [illegible] (2)।
14 [illegible] (3)।
15 [illegible] (2)।
17 [illegible] (3)।
18 [illegible] (4)।
19 [illegible] (4)।
21 [illegible] (4)।
22 [illegible] (3)।
24 [illegible] (3)।

कल का हल



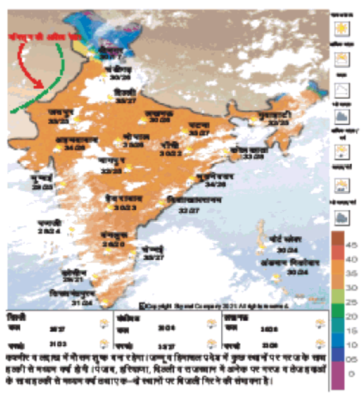
जागरण सुडोकू 1640

		9		2		6		5
7			4		6			2
	5				9	4	1	
1			3			5		9
	4	7		6	8			
3		5		4		7		8
6				3			8	
	1	3			7		5	4
5			8		4			6

कल का हल

8	6	7	9	3	1	5	2	4
2	1	9	8	4	5	6	7	3
3	4	5	2	6	7	8	9	1
9	5	6	1	2	3	4	8	7
7	8	2	4	5	6	1	3	9
1	3	4	7	8	9	2	5	6
5	7	8	3	1	4	9	6	2
6	9	1	5	7	2	3	4	8
4	2	3	6	9	8	7	1	5

मौसम





ब्रिटिश अधिकारी जान विल्सन ने बांबे विवि की स्थापना की

वर्ष 1857 में आज ही ब्रिटिश अधिकारी जान विल्सन ने बांबे विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। 1996 में इसका नाम बदलकर मुंबई विश्वविद्यालय कर दिया गया। मौजूदा समय में इसमें 60 से ज्यादा विभाग हैं और 800 से ज्यादा कालेज संबद्ध हैं।



इंडिया इंडिपेंडेंस एक्ट को इंग्लैंड की संसद से मिली मंजूरी



वर्ष 1947 में आज ही भारत की आजादी के विधेयक को ब्रिटिश संसद ने पारित किया था। इसकी नींव माउंटबेटेन योजना ने रखी थी। इस कानून से भारत की आजादी और भारत-पाकिस्तान के बंटवारे पर आधिकारिक रूप से मुहर लग गई।

नेल्सन मंडेला को जेल में बिताने पड़े थे उम्र के तीन दशक

अफ्रीका के 'गांधी' कहे जाने वाले नेल्सन मंडेला का जन्म 1918 में आज ही दक्षिण अफ्रीका के इस्टर्न केप में हुआ था। इन्होंने रंगभेद के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी। 1964 में राजद्रोह के मामले में उम्र कैद की सजा सुनाई गई। 1990 में जेल से रिहा होकर फिर आंदोलन को तेज किया। 1993 में इन्हें शांति का नोबल पुरस्कार मिला। 1994 में दक्षिण अफ्रीका के चुनाव में इनकी पार्टी जीती और मंडेला यहां के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। पांच दिसंबर, 2013 को इनका निधन हो गया।



इधर-उधर की

सर्जरी होने तक इंतजार करती रही साथी बतख



साथी के लिए बतख के इंतजार ने जीता सबका दिल • इंटरनेट मीडिया

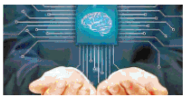
मैसाच्युसेट्स, एजेंसी : पशु-पक्षियों में भी प्यार और देखभाल की भावना कम नहीं होती है। अमेरिका के बार्नस्टेबल शहर में सामने आया मामला इसी की बानगी है। यहां एक बतख अपने घायल साथी का इलाज होने तक अस्पताल के बाहर बैठी रही। अर्नाल्ड नाम के बतख के पंजों में चोट लगने के बाद उसे वन्यजीव अस्पताल लाया गया था। कुछ देर में उसे खोजते हुए उसकी साथी बतख अस्पताल पहुंच गई। इलाज करने वाले इंग्लैंड वाइल्ड लाइफ अस्पताल ने बताया, जब तक सर्जरी पूरी नहीं हो गई, वह बतख गेट से निहारती रही। बाद में दोनों को नजदीक से एक दूसरे को देखने का मौका दिया गया।

एआइ को और सक्षम बनाएगा नया न्यूरान

बड़ी उपलब्धि ▸ आइआइटी, दिल्ली के शोधकर्ताओं ने विकसित किया खास कृत्रिम न्यूरान

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के क्षेत्र में दुनिया भर में नित नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। इस दिशा में कार्य करते हुए भारतीय शोधकर्ताओं को एक बड़ी उपलब्धि हाथ लगी है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), दिल्ली के शोधकर्ताओं ने अपने ताजा अध्ययन में मस्तिष्क से प्रेरित एक ऐसा कृत्रिम न्यूरान विकसित किया है, जो एक सटीक और कुशल न्यूरोमार्फिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणाली के निर्माण में उपयोगी हो सकता है।

न्यूरोमार्फिक कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी के उस क्षेत्र को संदर्भित करता है, जहां इंजीनियर मानव मस्तिष्क के काम से प्रेरित बुद्धिमान मशीनों के निर्माण की कोशिश करते हैं। यह माना जाता है कि मस्तिष्क के भीतर बुद्धि को बढ़ाने वाले सबसे महत्वपूर्ण बिल्डिंग ब्लाक्स न्यूरान और सिनेप्स होते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस शोध की अंतर्विषयक प्रकृति होने के कारण यह एआइ, न्यूरोमार्फिक हार्डवेयर और नैनो इलेक्ट्रानिक्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ता है। आइआइटी, दिल्ली



नया कृत्रिम न्यूरान सटीक और कुशल न्यूरोमार्फिक एआइ प्रणाली के निर्माण में हो सकता है उपयोगी। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर मनन सूरी के नेतृत्व में विकसित किए गए इस नए 'स्पाइकिंग' न्यूरान माडल का नाम डीईएक्सएटी (डबल एक्सपोनेंशल अडैप्टिव थ्रेशोल्ड न्यूरान) रखा गया है। यह शोध महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह स्पीच रेकोग्निशन जैसे वास्तविक अनुप्रयोगों के लिए सटीक, तेज और ऊर्जा-कुशल न्यूरोमार्फिक एआइ सिस्टम बनाने में प्रयुक्त हो सकता है। नए विकसित किए गए कृत्रिम न्यूरान की विशेषताओं में न्यूरोमार्फिक प्रोसेसिंग के लिए डीईएक्सएटी नामक नया मल्टी टाइम स्केल स्पाइकिंग न्यूरान माडल शामिल है। इस अध्ययन में, उभरती नैनो इलेक्ट्रानिक डिवाइस पर आधारित नए न्यूरान माडल का कुशल हार्डवेयर प्रदर्शन एवं रीयल-टाइम स्पेटिओ टेंपोरल न्यूरोमार्फिक प्रोसेसिंग का सफल हार्डवेयर प्रदर्शन किया गया है। प्रोफेसर मनन सूरी ने बताया है कि 'हम सेमीकंडक्टर मेमोरी प्रौद्योगिकी के सभी पहलुओं और अकादमिक एवं औद्योगिक भगीदारी के साथ इसके उभरते अनुप्रयोगों पर व्यापक शोध कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने सरल भंडारण से परे मेमोरी टेक्नोलाजी के अनेक नए-नए उपयोगों को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है। इन-मेमोरी-कंप्यूटिंग, न्यूरोमार्फिक-कंप्यूटिंग, एज-एआइ, सेंसिंग और हार्डवेयर-सुरक्षा जैसे अनुप्रयोगों के लिए सेमीकंडक्टर मेमोरी का कुशलतापूर्वक उपयोग किया गया है। यह शोध विशेष रूप से एडेप्टिव स्पाइकिंग न्यूरांस के निर्माण के लिए नैनो स्केल आक्साइड-आधारित मेमोरी डिवाइस एनालाग गुणों का उपयोग करता है।'

कम न्यूरांस के साथ उच्च प्रदर्शन: इस शोध के माध्यम से मौजूदा आधुनिक एडाप्टिव थ्रेशोल्ड स्पाइकिंग न्यूरांस की तुलना में अधिक सटीक, तेज अभिसरण और कुशल हार्डवेयर कार्यान्वयन में लचीला स्पाइकिंग न्यूरान माडल प्रदर्शित किया गया है। नया समाधान कम न्यूरांस के साथ उच्च प्रदर्शन प्राप्त करता है। इससे संबंधित लाभ कई डाटा सेट पर दिखाए गए हैं। गूगल स्पोकन कमांड डाटासेट पर 91 फीसद की वर्गीकरण सटीकता हासिल की गई है। इस शोध कार्य पर एक पेटेंट भी दायर किया गया है।

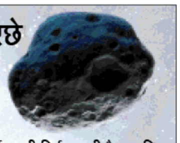
दिखे अच्छे परिणाम : यह शोध नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित किया गया है। इस शोध कार्य में प्रोफेसर मनन सूरी के अलावा दो अन्य शोधार्थी अहमद शाबान और साई सुव्रुथ बेजुगम शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने एक हाइब्रिड नैनो डिवाइस आधारित हार्डवेयर का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। अत्याधिक डिवाइस परिवर्तनशीलता के साथ भी प्रस्तावित नैनो-डिवाइस न्यूरोमार्फिक नेटवर्क ने 94 फीसद सटीकता प्राप्त की, जिससे इसकी मजबूती का संकेत मिलता है।



मासयून, यानी सपने हकीकत में बदल जाएं

टोक्यो के योयोगी पार्क में जापानी आर्ट ग्रुप 'मी' द्वारा मासयूम प्रोजेक्ट के अंतर्गत पेड़ों के बीच इंस्टाल की गई मानव चेहरे की कलाकृति। 'मासयूम' ऐसे सपने के लिए जापानी शब्द है, जो वास्तविकता बन जाता है। इस कलाकृति के जरिये संदेश दिया गया है कि जंगलों के बीच भी इंसान अपने सपनों को हकीकत में बदल सकता है। इस कलात्मकता की लोगों द्वारा काफी सराहना की जा रही है। एएफपी

...इसलिए ग्रह गोल और उल्का पिंड होते हैं आड़े-तिरछे



अंतरिक्ष का अध्ययन करते समय हम सबने देखा है कि ग्रह और तारे सामान्यत: आकृति में गोल होते हैं। वहीं उल्का पिंड ऊबड़-खाबड़ व बेतरतीब से होते हैं। ऐसे में कई बार यह सवाल मन में आता है कि आखिर इसकी वजह क्या है? वह कौन सा कलाकार है, जो बैठकर ग्रहों और तारों को तराशता है। आस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी आफ सदर्न क्वींसलैंड के एस्ट्रोफिजिक्स के प्रोफेसर जांटी होर्नर ने इसका जवाब दिया है।

गुरुत्वाकर्षण बल की अहम भूमिका

ग्रहों जैसी बड़ी संरचनाओं की आकृति के पीछे गुरुत्वाकर्षण बल की अहम भूमिका है। कोई पिंड या ग्रह जितना बड़ा होता है, उसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति भी उसी तरह बढ़ती जाती है। यही गुरुत्वाकर्षण उसके कणों को केंद्र की तरफ खींचता है। वहीं ठोस वस्तुओं की अपनी प्रकृति होती है, जिस कारण वे उस गुरुत्वाकर्षण के विपरीत बल लगाते हैं।

जीतने वाली ताकत तय करती है आकृति

गुरुत्वाकर्षण और ठोस वस्तुओं की प्रकृति के बीच लड़ाई में जीतने वाली ताकत से आकृति तय होती है। उदाहरण के तौर पर मनुष्य आकार में बहुत छोटा होता है। हमारे शरीर के गुरुत्वाकर्षण बल की तुलना में हमारे शरीर की क्षमता बहुत ज्यादा है। इसी कारण गोल न होकर हमारे शरीर की अपनी संरचना बनी रहती है। इसी तरह उल्का पिंड आदि आकार में छोटे होते हैं। इनका गुरुत्वाकर्षण बल इनके कणों को अंदर खींचकर गोल नहीं बना पाता है और इनकी संरचना ऊबड़-खाबड़ रह जाती है। ग्रह और तारे अपेक्षाकृत बहुत ज्यादा बड़े होते हैं, इसलिए गोल होते जाते हैं।



पदार्थ पर भी निर्भर करती है आकृति

कितना बड़ा होने पर अंतरिक्ष में कोई पिंड गोल हो जाएगा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि वह किस पदार्थ से बना है। उदाहरण के तौर पर, लोहे की अधिकता वाले पिंड को गोल होने के लिए बहुत ज्यादा बड़ा होना पड़ेगा। हमारी सौर व्यवस्था में किसी बर्फीले पिंड को गोल होने के लिए कम से कम 400 किलोमीटर व्यास जरूरी है। जैसे-जैसे उसमें मौजूद पदार्थ मजबूत होता जाएगा, यह न्यूनतम व्यास बढ़ता जाएगा। शनि ग्रह का चांद मिमास 396 किलोमीटर व्यास के साथ आकृति में गोल है। यह इस मामले में हमारी सौर व्यवस्था में अब तक ज्ञात सबसे छोटा पिंड है। (इनपुट : प्रेट्र)

चांद की कक्षा में बदलाव से बढ़ेंगी बाढ़ की घटनाएं

वाशिंगटन, आइएएनएस : कई कुदरती घटनाएं ऐसी होती हैं, जिनसे होने वाला बदलाव कई बार हैरत में डाल देता है तो कभी-कभी परेशानी में। ऐसी ही एक घटना को लेकर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के विज्ञानियों ने चेताया है। एक अध्ययन में सामने आया है कि कुदरती रूप से चांद की कक्षा में होने वाले बदलाव, जिसे ओब्बल भी कहा जाता है, उसकी वजह से 2030 में समुद्र के जलस्तर में अच्छी खासी बढ़ोतरी होगी और बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी। विज्ञानियों ने चेताया है कि ये घटनाएं आगामी 10 वर्षों तक जारी रहेंगी।

हवाई विवि के विज्ञानियों के सहयोग से किया गया यह अध्ययन समुद्र के जलस्तर में वृद्धि का खगोलीय घटना से जुड़ाव बताता है। विज्ञानियों का कहना है कि चांद से जुड़ी यह खगोलीय घटना खतरनाक नहीं है। पहली बार इसका पता 1728 में लगाया गया था। ओब्बल का एक प्रभाव यह है कि चांद का गुरुत्वाकर्षण धरती को प्रभावित करता है, जिससे समुद्र के जलस्तर में बदलाव आता है। नेचर क्लाइमेट चेंज जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में बताया गया है कि चांद के इस प्रभाव से हाई टाइड की वजह से आने वाली बाढ़ का असर अमेरिका के तटवर्ती शहर पहले से देखते आ रहे हैं।

पांच या ज्यादा लक्षण उभरते हैं तो लंबा खींच सकता है कोरोना

अनुसंधान



जर्नल आफ रायल सोसाइटी आफ मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा के आधार पर किया गया दावा। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

कोरोना वायरस (कोविड-19) की चपेट में आने वाले पीड़ितों में इस खतरनाक वायरस के संक्रमण से जुड़े लक्षणों को लेकर एक नया अध्ययन किया गया है। इसका कहना है कि अगर संक्रमण के पहले हफ्ते के दौरान किसी पीड़ित में पांच या ज्यादा लक्षण उभरते हैं तो कोरोना लंबा खींच सकता है। ऐसे पीड़ित किसी भी उम्र या लिंग के हों, उनको कोरोना संक्रमण से उबरने में लंबा वक्त लग सकता है। अध्ययनों की समीक्षा के आधार पर यह दावा किया गया है।

जर्नल आफ रायल सोसाइटी आफ मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा के अनुसार, इस तरह के कोरोना पीड़ितों में लक्षण कई माह तक रह सकते हैं। ब्रिटेन की बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने समीक्षा में ऐसे 10 प्रकार के लक्षणों पर गौर किया गया, जो आमतौर पर लंबे समय तक रहते हैं। ये लक्षण थकान, सांस लेने में तकलीफ, मांसपेशियों में दर्द, खांसी, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, सीने में दर्द, दस्त, स्वाद और सूंघने की क्षमताओं में कमी हैं। बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता ओलालेकन ली एयेगबुसी ने कहा, 'इसके प्रमाण हैं कि ज्यादातर गंभीर मामलों में अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी मरीजों की जीवन गुणवत्ता खराब रहती है। इसका असर उनके मानसिक स्वास्थ्य और रोजगार पर भी पड़ता है। कोरोना से लंबे समय तक जूझने वाले लोगों को आमतौर पर लगता है कि वे अकेले पड़ गए हैं। उन्हें सीमित या विरोधाभासी सलाहें भी मिलती हैं।' शोधकर्ताओं के अनुसार, इन अध्ययनों में शामिल किए गए मरीजों में से एक तिहाई से ज्यादा ने बताया कि वे कोरोना की चपेट में आने के आठ हफ्ते बाद भी खुद को बीमार महसूस कर रहे हैं। -प्रेट्र

स्क्रीन शॉट

आडिशन में कृति ने निर्देशक के सामने रख दी थी शर्त

फिल्म निर्माण के विभिन्न चरणों में कैमरे के पीछे अक्सर कई ऐसी घटनाएं घटती हैं, जो कलाकारों और अन्य क्रू सदस्यों के लिए यादगार रह जाती हैं। कुछ ऐसी ही घटना हुई पागलपंती, हाउसफुल 4 और शादी में जरूर आना फिल्मों की अभिनेत्री कृति खरबंदा के साथ उनकी आगामी फिल्म 14 फेरे के आडिशन के दौरान। एक लाइव चैट के दौरान कृति ने बताया, 'आडिशन के दौरान निर्देशक देवांशु सिंह ने मुझे दो सीन के बारे में समझाया। उस समय मुझे अपने किरदार अदिति के बारे में कुछ भी नहीं पता था। फिर देवांशु ने मुझे बताया कि अदिति टाम ब्वाय है तो मैंने कहा कि हो जाएगा, लेकिन आगे क्या है? फिर देवांशु ने कहा कि वह प्रैक्टिकल है, उतनी इमोशनल नहीं है, जितनी मैं अपनी व्यक्तिगत जिंदगी में हूं। उसके लिए उसके आंसू बहुत कीमती हैं। मुझे इस चीज में काफी बदलाव करने की जरूरत थी, क्योंकि ऐसी स्थिति में मेरी स्वाभाविक प्रतिक्रिया इमोशनल होती है। फिर मैंने आडिशन दिया। दो सीन के आडिशन के लिए मुझे जी स्टूडियो के आफिस में करीब चार घंटे बैठना पड़ा था। आडिशन के बाद मैंने देवांशु से कहा कि आडिशन के दौरान मैंने इन सीन में जो सुधार किए हैं, उन पर मेरा ट्रेडमार्क है। आप उनको अपनी फिल्म में तभी शामिल कर सकते हैं, जब आपकी फिल्म में मैं रहूंगी। (हंसते हुए) शायद मेरी इसी शर्त की वजह से देवांशु में मुझे इस फिल्म में कास्ट किया।' विक्रांत मेस्सी और कृति खरबंदा अभिनीत फिल्म 14 फेरे 23 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी।



फिल्म 14 फेरे में आत्मनिर्भर लड़की अदिति के किरदार में नजर आएंगी कृति। इंस्टाग्राम

सिनेमा का ज्ञान अच्छी फिल्मों के चुनाव में मदद करता है : हर्षवर्धन कपूर

फिल्मों में अभिनय करने के लिए कई चीजों का ज्ञान आवश्यक है, लेकिन सबसे अहम ज्ञान है सिनेमा का। ऐसा मानना है हर्षवर्धन कपूर का। मिर्जिया और भावेश जोशी सुपरमैन जैसी फिल्में कर चुके हर्षवर्धन से लाइव चैट के दौरान एक फैन ने पूछा कि क्या अभिनय के क्षेत्र में आने के लिए सिनेमा की जानकारी जरूरी है? इसका जवाब देते हुए हर्षवर्धन ने कहा सिनेमा का ज्ञान इसलिए जरूरी है, क्योंकि इससे आपको इतनी समझ मिलती है कि आप अच्छी फिल्मों का चुनाव कर सकें। जहां तक एक्टिंग की बात है तो मैं भी उसे समझने की कोशिश कर रहा हूं, क्योंकि मैं भी इस क्षेत्र में अभी बहुत पुराना नहीं हूं। मेरा मानना है कि आपको हर बार आपकी पसंद की फिल्में आफर नहीं होंगी। ऐसे में आपके पास जो भी च्वाइस हों, उसमें से खुद के लिए बेहतर चुनाव करने की कोशिश करें। एक्टिंग बहुत सी चीजों का मिश्रण होता है। जैसे आपकी आंखें, शरीर का हावभाव, आवाज, किस सीन में कितना नेचुरल हो सकते हैं। यह सब सीखने के लिए मेरे खयाल से एक्टिंग क्लासेस बेहतर होती है। एक्टिंग क्लासेस जिम की तरह ही होती हैं, जहां जाकर लोग मसल्स बनाते हैं। एक्टिंग क्लास में आप अभिनय को निखारने का काम करते हैं। मैंने खुद एक्टिंग क्लासेस ली हैं। मेरे जो भी एक्टिंग कोच रहे हैं, उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। हर्षवर्धन की आगामी फिल्म अभिनव बिंद्रा की बायोपिक होगी। साल 2008 में हुए ओलंपिक में निशानेबाजी में अभिनव ने स्वर्ण पदक जीता था।



अभिनव बिंद्रा की बायोपिक में नजर आएंगे हर्षवर्धन। इंस्टाग्राम

कहानियां और साहित्य पहुंचाने में डिजिटल प्लेटफार्म सबसे सशक्त माध्यम होगा

युवा कलाकारों और तकनीशियन के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफार्म उन कलाकारों के लिए भी वरदान बनकर आया है, जो अपना मनपसंद काम न पाने की स्थिति में क्षेत्रीय सिनेमा का रुख कर चुके थे। रामानंद सागर निर्मित कृष्णा और देश में निकला होगा चांद जैसे धारावाहिकों के अभिनेता स्वप्निल जोशी भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं। वह बीते कुछ समय से हिंदी सिनेमा और टीवी से दूर मराठी सिनेमा में सक्रिय थे। अब डिजिटल प्लेटफार्म पर उन्हें हिंदी कहानियों में एक नई उम्मीद दिख रही है। दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने कहा, 'डिजिटल प्लेटफार्म ने सभी के लिए एक अलग दरवाजा खोल दिया है। बहुत सी कहानियां, जिन्हें दो-ढाई घंटे के सीमित समय में फिल्मों में दिखाना संभव नहीं था, उन्हें ओटीटी प्लेटफार्म पर एक घर मिल गया है। कई ऐसे उम्दा कलाकार हैं जो मौजूदा टीवी और फिल्म्स के मानको में फिट नहीं बैठते हैं। उन्हें डिजिटल प्लेटफार्म पर एक नया मंच मिल गया है। मुझे लगता है कि आगामी दिनों में डिजिटल प्लेटफार्म लोगों तक कहानियां तथा साहित्य पहुंचाने के लिए सबसे शक्तिशाली माध्यम होगा। यह प्लेटफार्म आगामी वर्षों में मेरा भी सबसे अजीज दोस्त बनने वाला है। पिछले कुछ वर्षों से मैं सीधे तौर पर हिंदी कहानियों के दर्शकों से जुड़ा नहीं था। अब मैंने कई हिंदी वेब सीरीज साइन की है। एक वेब सीरीज की शूटिंग जल्द ही शुरू करूंगा।'



डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से फिर से हिंदी कहानियों में दिलचस्पी ले रहे हैं स्वप्निल। सौ. टीम स्वप्निल

'ऐसा नहीं कि मेरे बेटे को काम ही नहीं मिल रहा है और वो भटक रहा है'

सिनेमा जगत में अक्सर स्टार किड्स के पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन से जुड़ीं तरह-तरह की खबरें आती रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सेठी और अभिनेता परमीत सेठी के बेटे आर्यमन सेठी को लेकर खबरें आई थीं कि काम न मिलने की वजह से उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में अर्चना ने कहा, 'इस खबर को बहुत गलत तरीके से तोड़-मरोड़ कर छापा गया था। ऐसा नहीं कि मेरे बेटे को काम ही नहीं मिल रहा है और वह दर-दर भटक रहा है। उनको अपनी पसंद का काम चुनने में वक्त लग रहा है। वह बहुत अच्छे एक्टर हैं और दिन प्रतिदिन और निखरते जा रहे हैं। कोरोना की वजह से तो हर नए एक्टर का संघर्ष लंबा हो गया है। जो एक साल पहले अपने करियर की शुरुआत कर सकता था, अब उसको एक साल बाद शुरू करना पड़ेगा। हालांकि, महामारी के दौरान मेरे बेटे ने अपनी कला और प्रतिभा को ज्यादा पुख्ता करने के लिए ढेर सारे आडिशन दिए, जिसमें कई जगह उन्हें शार्टलिस्ट भी किया गया है, लेकिन कोरोना की वजह से अभी उन फिल्मों की शुरुआत नहीं हो पा रही है। उन फिल्मों में उन्हें सिर्फ मेरे और परमीत के बेटे होने की वजह से नहीं चुना गया है। वह बाकायदा आडिशन की प्रक्रियाओं से गुजरते हुए इन फिल्मों के लिए शार्टलिस्ट हुए हैं। अब यह देखना है कि कौन सी फिल्म पहले फ्लोर पर जाती है।' अर्चना जल्द ही कामेडी शो द कपिल शर्मा शो में दोबारा दिखेंगी।



जल्द ही कामेडी शो द कपिल शर्मा शो में दोबारा दिखेंगी अर्चना। इंस्टाग्राम

फिल्म को जल्द डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज करने का एलान किया जा सकता है।

अमीर और गरीब परिवार की कहानी है बोले चूड़ियां : कबीर दुहान सिंह

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म बोले चूड़ियां लगभग बनकर तैयार है। निर्माता इसकी रिलीज की योजनाओं पर काम कर रहे हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इस फिल्म को जल्द ही डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज करने की घोषणा की जा सकती है। इस फिल्म में तमन्ना के भाई का किरदार निभा रहे अभिनेता कबीर दुहान सिंह ने दैनिक जागरण से बातचीत में बताया, 'यह पूरी तरह पारिवारिक कामेडी फिल्म है। यह दो परिवारों की कहानी है, जिसमें एक परिवार अमीर और दूसरा गरीब। मैं तमन्ना भाटिया के भाई का किरदार निभा रहा हूं। यह मेरे करियर की एकलौती फिल्म है, जिसमें मैं विलेन का किरदार नहीं निभा रहा हूं। इसमें दर्शक मुझे रोमांस के साथ-साथ कामेडी और एक्शन करते हुए भी देखेंगे। इसमें मेरा एक गाना भी है, जो कि कुछ दिनों पहले रिलीज हुआ। फिल्म की कहानी के बारे में तो और ज्यादा नहीं बता सकता, लेकिन यह पूरी तरह कामर्शियल मसाला फिल्म है। इस फिल्म में मेरा किरदार नवाज भाई (नवाजुद्दीन सिद्दीकी) के समान्तर चलता है। इसके लिए मैंने अपना पांच-छह किलो वजन भी कम किया था। मुझे अब भी याद है कि इस फिल्म की शुरुआत में नवाज भाई ने मुझे मिलने अपने आफिस में बुलाया था और मेरे वहां पहुंचते ही उन्होंने मुझसे हाथ मिलाकर गले लगा लिया था। वह हम जैसे आउटसाइडर कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। उनसे इतना प्यार पाना मेरे लिए गर्व की बात है।' कबीर इससे पहले करीब 40 दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम कर चुके हैं।



पहली बार किसी फिल्म में विलेन का किरदार निभाते नहीं नजर आएंगे कबीर • इंटरनेट मीडिया

इस साल के अंत तक शुरू होगी फुकरे 3 की शूटिंग



जल्दबाजी में नहीं हैं फिल्म निर्देशक मृगदीप लांबा • इंस्टाग्राम

फुकरे सीरीज और तीन थे भाई जैसी फिल्मों के निर्देशक मृगदीप लांबा द्वारा लिखित वेब सीरीज चुट्जपाह 23 जुलाई को सोनी लिव पर रिलीज होगी। वेब सीरीज का निर्देशन समरदीप सिंह ने किया है। मृगदीप ने कहा, 'इस शो की शूटिंग के साथ ही मेरी अगली फिल्म फुकरे 3 की भी शूटिंग शुरू होनी थी। लिहाजा, मैं इस शो को पूरा समय नहीं दे सकता था। इस चक्कर में मैंने इस शो के लिए किसी दूसरे निर्देशक को लेने का फैसला किया। सेट पर पहले दिन से ही निर्देशक सिमरप्रीत के साथ मेरे विचार काफी मिलते-जुलते दिखे। इसके अलावा एक्टर्स से डील करने और कई अन्य चीजों में उनकी मदद करने के लिए मैं अक्सर सेट पर रहता था। हालांकि, महामारी की वजह से फुकरे 3 की शूटिंग शुरू ही नहीं हो पाई और हमने पूरे ध्यान से चुट्जपाह की शूटिंग पूरी की।' फुकरे 3 के बारे में मृगदीप का कहना है, 'हम 15 अप्रैल से फुकरे 3 की शूटिंग शुरू करने वाले थे, कोरोना की दूसरी लहर में महाराष्ट्र में लाकडाउन लागू होने से दो-तीन दिन पहले ही हमने एक अस्थायी सेट बनाया था। इस साल के अंत तक फुकरे 3 की शूटिंग दोबारा शुरू होने की संभावना है।' चुट्जपाह में वरुण शर्मा, मनजोत सिंह और तान्या मानिकतला मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अभिनय में वापसी करेंगी मंदाकिनी

पिछली सदी के आठवें दशक में फिल्म राम तेरी गंगा मैली में अपने बोल्ड अवतार की वजह से अभिनेत्री मंदाकिनी सुर्खियों में आई थीं। राज कपूर निर्देशित इस फिल्म में उन्होंने गंगा का किरदार निभाया था। अब खबर है कि वह अभिनय में वापसी करना चाहती हैं। मंदाकिनी के अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम के साथ अफेयर की भी खबरें थीं। हालांकि उन्होंने इससे इन्कार किया था। वह फिल्मों से रहस्यमय तरीके से गायब हो गई थीं। उन्होंने डा. काग्युर टी रिनपोचे ठाकुर से शादी की। मीडिया गलियारों की खबरों के मुताबिक मंदाकिनी इन दिनों अपनी वापसी को लेकर कई निर्देशकों के साथ बात कर रही हैं। वह अपनी दमदार वापसी चाहती हैं और कई स्क्रिप्ट भी पढ़ रही हैं। प्रोजेक्ट के फाइनल होने के बाद वह घोषणा कर सकती हैं। बताया जाता है कि उन्हें कई टीवी धारावाहिकों का प्रस्ताव भी मिला था, लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया। वह सिर्फ फिल्मों में काम करना चाहती हैं। मंदाकिनी ने हिंदी के अलावा बांग्ला और तेलुगु फिल्में भी की हैं। हालांकि इन फिल्मों में वह जादू नहीं पैदा कर पाईं जो राम तेरी गंगा मैली में किया था। वह आखिरी बार 2002 में बांग्ला फिल्म में नजर आई थीं।



राम तेरी गंगा मैली में बोल्ड अवतार से सुर्खियों में आई थीं मंदाकिनी • इंस्टाग्राम

सिद्धार्थ के साथ बनेगी जाह्नवी कपूर की जोड़ी

बीते दिनों आई खबर में कहा गया था कि धर्मा प्रोडक्शन तले बनने वाली कायोज ईरानी निर्देशित फिल्म में जाह्नवी कपूर होंगी। अब खबर है कि उनके अपोजिट सिद्धार्थ मल्होत्रा होंगे। दोनों की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर एक साथ नजर आएगी। खबरों के मुताबिक, जाह्नवी और धर्मा प्रोडक्शन दो फिल्मों दोस्ताना 2 और मिस्टर लेले में साथ काम करने वाले थे। दोनों ही फिल्में अटक गईं। दरअसल, कार्तिक आर्यन के साथ विवाद के बाद धर्मा प्रोडक्शन ने दोस्ताना 2 को नई स्टार कास्ट के साथ बनाने की घोषणा की है। वहीं मिस्टर लेले से वरुण धवन हट गए। सूत्रों के मुताबिक धर्मा प्रोडक्शन द्वारा दोस्ताना 2 से कार्तिक आर्यन को हटाने के बाद उसकी कास्ट में काफी बदलाव किया जा रहा है। तारीखों की समस्या की वजह से जाह्नवी को मिस्टर लेले भी छोड़नी पड़ी। इसलिए करण ने जाह्नवी को कायोज की फिल्म देने का फैसला किया। यह रोमांटिक कामेडी फिल्म होगी। जाह्नवी की धर्मा प्रोडक्शन के साथ यह तीसरी फिल्म होगी। उल्लेखनीय है कि उन्होंने धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म धड़क से अपने फिल्मी सफर का आगाज किया था। उसके बाद उन्होंने धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल की थी।



कायोज ईरानी निर्देशित फिल्म में नजर आएंगी जाह्नवी • इंस्टाग्राम